सत्यमेव जयते

भारत सरकार

वार्षिक रिपोर्ट

2019-20

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय

विषय सूची

संगठन i-v

युवा कार्यक्रम विभाग

		पृष्ठ संख्या
1.	प्रस्तावना	1
2.	राष्ट्रीय युवा नीति, 2014 (एनवाईपी–2014)	2
3.	विभाग की योजनाओं का पुनर्गठन	4
4.	नेहरु युवा केंद्र संगठन (एनवाईकेएस)	7
5.	राष्ट्रीय युवा कोर (एनवाईसी)	23
6.	राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस)	24
7.	राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान (आरजीएनआईवाईडी)	38
8.	राष्ट्रीय युवा एवं किशोर विकास कार्यक्रम (एनपीवाईएडी)	45
9.	अंतरराष्ट्रीय सहयोग (आईसी)	47
10.	राष्ट्रीय युवा नेता कार्यक्रम (एनवाईएलपी)	50
11.	युवा छात्रावास	51
12.	स्काउटिंग और गाइडिंग संगठनों को सहायता	52

विषय सूची

खेल विभाग

		पृष्ठ संख्या
13.	खेल	54
14.	भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई)	55
15.	लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थाान, ग्वालियर (समविश्वविद्यालय)	79
16.	खेलों इंडिया योजना	85
17.	खेलों में उत्कृष्टता के संवर्धन से सबंधित योजनाएं	94
18.	खिलाड़ियों को प्रोत्साहन संबधित योजनाएं	99
19.	राष्ट्रीय डोप रोधी एजेंसी (नाडा)	107
20.	राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला (एनडीटीएल)	115
21.	2019–20 के दौरान भारतीय खिलाड़ियों की प्रमुख उपलब्धिया	128
22.	2019–20 के दौरान खेल विभाग की उपलब्धियां एवं पहल–एक नजर में	130

विषय सूची

अनुबंध

		पृष्ठ संख्या
I	संगठनात्मक चार्ट	132
II	वित्तीय परिव्यय	134
III	भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक के बकाया पैरा और उनकी वर्तमान स्थिति दर्शाने वाला विवरण	137
IV	विभाग के सीधे नियंत्रणाधीन युवा छात्रावासों की सूची	140
V	ने.यु.के.सं./भा.खे.प्रा./ राज्य सरकारों को हस्तांतरित युवा छात्रावासों की सूची	141
VI	01.04.2019 से 31.12.2019 की अवधि के दौरान खेल बुनियादीढांचे के उपयोग और सृजन / उन्नयन के तहत जारी अनुदान का विवरण।	142
VII	01.04.2019 से 31.12.2019 की अवधि के दौरान खेलो इंडिया स्कीम के अन्य शीर्षों के तहत जारी अनुदान का विवरण।	146
VIII	2019–20 (31.12.2019 तक) के लिए एनएसएफ को सहायता योजना के तहत एनएसएफ को दी गई राशि का विवरण।	147

संगठन

सचिवालय

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, युवा कार्यक्रम और खेल राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) के समग्र दिशा–निर्देशों के तहत कार्य करता है। अप्रैल, 2008 में, मंत्रालय के तहत दो पृथक विभाग नामतः युवा कार्यक्रम विभाग और खेल विभाग सृजित किए गए थे, इनमें से प्रत्येक विभाग भारत सरकार के एक सचिव के प्रभार के अंतर्गत कार्य करता है।

31.12.2019 की स्थिति के अनुसार मंत्रालय में दो संयुक्त सचिव हैं। एक संयुक्त सचिव युवा कार्यक्रम विभाग का कार्य देखता है और दो संयुक्त सचिव खेल विभाग का कार्य देखते हैं। लेखा एवं लेखापरीक्षा से संबंधित मामले अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार के प्रभार के अंतर्गत हैं।

31.12.2019 की स्थिति के अनुसार, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय की स्वीकृत संख्या 229 थी जिसमें 44 समूह 'क' पद, 81 समूह 'ख' पद (34 राजपत्रित और 47 अराजपत्रित), 47 समूह 'ग' पद हैं। मंत्रालय का संगठनात्मक चार्ट अनुबंध–। में दिया गया है।

सत्यमेव जयते

मंत्रालय के कार्य

भारत सरकार (कार्यों का आबंटन) नियमावली, 1961 की द्वितीय अनुसूची में उल्लिखित दोनों विभागों अर्थात युवा कार्यक्रम विभाग और खेल विभाग के अंतर्गत निम्नलिखित कार्य आते हैं:–

(क) युवा कार्यक्रम विभाग

1. युवा कार्यक्रम/युवा नीति
2. नेहरू युवा केन्द्र संगठन
3. राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान
4. राष्ट्रीय सेवा योजना
5. स्वयंसेवी युवा संगठन, उन्हें वित्तीय सहायता सहित (युवा एवं किशोर विकास के लिए युवा संगठनों को वित्तीय सहायता)
6. राष्ट्रीय युवा कोर
7. राष्ट्रमंडल युवा कार्यक्रम तथा संयुक्त राष्ट्र स्वयंसेवक
8. युवा कल्याण कार्यकलाप, युवा महोत्सव इत्यादि (राष्ट्रीय युवा महोत्सव)
9. बाल स्काउट्स तथा बालिका गाइड
10. युवा छात्रावास
11. राष्ट्रीय युवा पुरस्कार (राष्ट्रीय युवा पुरस्कार और तेनजिंग नोर्गे राष्ट्रीय साहस पुरस्कार)
12. पूर्ववर्ती राष्ट्रीय अनुशासन स्कीम के शेष कार्य
13. विदेशों के साथ युवा प्रतिनिधिमंडलों का आदान–प्रदान

(ख) खेल विभाग

1. खेल नीति
2. खेल–कूद
3. खिलाड़ियों के लिए राष्ट्रीय कल्याण कोष
4. नेताजी सुभाष राष्ट्रीय खेल संस्थान
5. भारतीय खेल प्राधिकरण
6. भारतीय ओलंपिक संघ तथा राष्ट्रीय खेल परिसंघों से जुड़े मामले
7. विदेशों में टूर्नामेंटों में भारतीय खेल टीमों की भागीदारी तथा भारत में अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंटों में विदेशी खेल टीमों की भागीदारी
8. अर्जुन पुरस्कारों सहित राष्ट्रीय खेल पुरस्कार
9. खेल छात्रवृत्तियां
10. विदेशों के साथ खिलाड़ियो, विशेषज्ञों तथा टीमों का आदान–प्रदान
11. खेल अवसंरचना के सृजन व विकास के लिए सहायता सहित खेल अवसंरचना
12. कोचिंग, टूर्नामेंटों, उपकरण इत्यादि के लिए वित्तीय सहायता
13. संघ राज्य क्षेत्रों से जुड़े खेल मामले
14. शारीरिक शिक्षा

अधीनस्थ कार्यालय/स्वायत्तशासी संगठन

युवा कार्यक्रम विभाग

इस विभाग का एक अधीनस्थ कार्यालय अर्थात राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) और दो स्वायत्तशासी संगठन अर्थात नेहरू युवा केन्द्र संगठन (एनवाईकेएस), नई दिल्ली और राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान (आरजीएनआईवाईडी) श्रीपेरम्बदूर, तमिलनाडु हैं, (जिन्हें 2012 में संसद के अधिनियम द्वारा राष्ट्रीय महत्व के संस्थान के रूप में अधिसूचित किया गया है)।

खेल विभाग

खेल विभाग के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन निम्नलिखित स्वायत्त संगठन कार्यरत हैं:–

(i) भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई),

(ii) लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान (एलएनआईपीई), ग्वालियर, मध्य प्रदेश

(iii) राष्ट्रीय डोप रोधी एजेंसी (नाडा)।

(iv) राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयागेशाला (एनडीटीएल)।

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग का प्रतिनिधित्व

मंत्रालय में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग से संबंधित 60 कार्मिक हैं। समूह ''क'' के पदों में 7 अधिकारी अनुसूचित जाति तथा 5 अधिकारी अनुसूचित जनजाति के हैं। समूह ''ख'' के पदों में 9 अधिकारी अनुसूचित जाति श्रेणी, से 03 अधिकारी अनुसूचित जनजाति श्रेणी से और 11 अधिकारी अन्य पिछड़ा वर्ग श्रेणी से हैं। समूह ''ग'' के पदों में 7 कार्मिक अनुसूचित जाति श्रेणी से और 2 कार्मिक अनुसूचित जनजाति श्रेणी और 16 कार्मिक अन्य पिछड़ा वर्ग श्रेणी से हैं।

बजट आबंटन

2019–20 के लिए मंत्रालय का कुल बजट आबंटन (बीई) 2216.92 करोड़ रूपए था और 2019–20 के लिए संशोधित बजट आबंटन (आरई) 2776.92 करोड़ रू. है। 2020–21 के लिए प्रस्तावित बजट आकलन (बीई) 2826.92 करोड़ रूपए है जिसमें राजस्व के लिए 2770.92 करोड़ रू. और पूंजीगत के लिए 56. 00 करोड़ रूपए शामिल है। ब्यौरा अनुबंध–।। में दिया गया है।

हिंदी का प्रगामी प्रयोग

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय में रोजमर्रा के सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी के प्रगामी

प्रयोग को बढावा देने तथा संघ की राजभाषा नीति और इसके तहत बनाए गए राजभाषा नियमों

का कार्यान्वयन करने के लिए हिंदी अनुभाग में उप–निदेशक(रा.भा.) का एक पद, सहायक निदेशक (रा.भा.) का एक पद, वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी के दो पद, कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी के दो पद और अन्य सहायक कर्मचारियों के पद स्वीकृत किए गए हैं। मंत्रालय में संयुक्त सचिव (युवा कार्यक्रम) की अध्यक्षता में एक राजभाषा कार्यान्वयन समिति का गठन किया गया है जिसकी नियमित बैठकें आयोजित की जाती हैं।

इस वर्ष के दौरान 14–27 सितम्बर, 2019 तक हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया गया । इस अवधि के दौरान 8 हिंदी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया और 48 धिकारियों/कर्मचारियों को पुरस्कार दिए गए। इसके अतिरिक्त, मंत्रालय के अधिकारियों और कर्मचारियों में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने की दृष्टि से वर्ष दर वर्ष आधार पर दो योजनाएं लागू की जा रही हैं यथा अधिकारियों द्वारा हिंदी में डिक्टेशन देने के लिए प्रोत्साहन योजना तथा सरकारी काम–काज में मूल हिन्दी टिप्पण/आलेखन हेतु प्रोत्साहन योजना। सरकारी काम–काज में मूल हिन्दी टिप्पण/आलेखन हेतु प्रोत्साहन योजना के तहत इस वर्ष 9 अधिकारियों/कर्मचारियों ने पुरस्कार प्राप्त किए। माननीय युवा कार्यक्रम और खेल राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) की ओर से हिंदी में अधिकाधिक कार्य करने के लिए अधिकारियों एवं कर्मचारियों हेतु हिंदी संदेश परिचालित किया गया ।

वर्ष के दौरान संसदीय राजभाषा समिति की पहली उप समिति द्वारा मंत्रालय के एक संबद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों का राजभाषायी निरीक्षण किया गया।

मंत्रालय की समीक्षाधीन वेबसाइट हिंदी और अंग्रेजी अर्थात् द्वि भाषी रूप में उपलब्ध है जिसे नियमित रूप से अद्यतन किया जाता है ।

सतर्कता प्रकोष्ठ

मंत्रालय में अवधि (अप्रैल, 2019 से दिसम्बर, 2019) के दौरान निदेशक (खेल)/सीवीओ तथा सचिव (युवा कार्यक्रम) तथा सचिव (खेल) के अधीन एक सतर्कता

प्रकोष्ठ ने कार्य किया।

मंत्रालय का मुख्य सतर्कता अधिकारी मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में अधीनस्थ तथा स्वायतशासी संगठनों (भारतीय खेल प्राधिकरण तथा नेहरू युवा केंद्र संगठन को छोड़कर) के लिए नोडल अधिकारी के रूप में भी कार्य करता है और इन संगठनों से संबंधित सतर्कता के मामले सीवीओ, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय की सिफारिश के साथ सीवीसी को भेजे जाते हैं। सीवीओ इन सभी मामलों में सीवीसी को संबद्ध संगठन के परामर्श से आवश्यक स्पष्टीकरण प्रदान करता है। मंत्रालय के तहत संबद्ध संगठनों के पुराने सतर्कता मामलों की समीक्षा हेतु सीवीसी द्वारा आयोजित बैठकों में मंत्रालय के सीवीओ द्वारा भाग लिया जाता है तथा सीवीसी के निर्देशानुसार मामलों को शीघ्रता से निपटाया जाता है। इस अवधि के दौरान सीडब्लयूजी, 2010 से संबंधित 4 तथा अन्य 26 मामलों पर कार्रवाई की गई और सीडब्लयूजी से संबंधित कुछ मामलों में सीवीसी को अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत की गयी है। इस अवधि के दौरान सतर्कता प्रकोष्ठ में केन्द्रीय सतर्कता आयोग से 7 तथा अन्य स्रोतों से 23 शिकायतें प्राप्त हुईं और इन सभी मामलों में निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार समुचित कार्रवाई की गयी है और आगे समुचित कार्रवाई के लिए अनुवर्ती कार्रवाई की गयी।

सार्वजनिक खरीद में पारदर्शिता, जवाबदेही पर जोर देने के लिए, आयोग द्वारा जागरूकता बढ़ाने के प्रति कटिबद्व है। निवारक सर्तकता के उपाय के रूप में, इस मंत्रालय के तहत विभिन्न अनुमानों /स्वायत्त/ अधीनस्थ संगठनों के कुल 7 निवारक सतर्कता निरीक्षण किए गए। केन्द्रीय सतर्कता आयोग यह भी उम्मीद करता है कि सतर्कता प्रयासों में सार्वजनिक संगठनों द्वारा सकारात्मक योगदान प्रदान किया जाएगा।

मंत्रालय में 28 अक्तूबर, 2019 से 2 नवंबर, 2019 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया। मंत्रालय के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा शपथ ली गयी। सप्ताह के दौरान सर्तकता जागरूकता के संबंध में बैनर और पोस्टर प्रदर्शित किए गए।

मंत्रालय में सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताए आयोजित की गई। ये प्रतियोगिताएं निम्नलिखित थी:

(i) ''निष्ठा – एक जीवन शैली'' विषय पर निबंध प्रतियोगिता

(ii) ''भ्रष्टाचार से लड़ने में आचरण नियमों ने एक प्रमुख भूमिका निभाई है'' विषय पर वाद– विवाद प्रतियोगिता

(iii) सर्वश्रेष्ठ नारा लेखन प्रतियोगिता।

(iv) ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता

उपरोक्त प्रतियोगिताओं में 68 अधिकारियों/कर्मचारियों ने भाग लिया और सतर्कता जागरूकता

सप्ताह की समाप्ति के बाद प्रतियोगिताओं के 37 विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए।

महिला कर्मचारियों के यौन उत्पीड़न संबंधी शिकायत समिति

विशाखा एवं अन्य बनाम राजस्थान राज्य तथा अन्य के मामले में माननीय उच्चतम न्यायालय

के निर्णय में दिए गए निर्देशों के अनुसरण में मंत्रालय में महिला कर्मचारियों के यौन उत्पीड़न की शिकायतों के निवारण के लिए युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय में एक शिकायत समिति गठित की गई है। मंत्रालय के मुख्य सचिवालय के संबंध में समिति को वर्ष 2019–20 के दौरान कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई है।

सूचना का अधिकार और जन शिकायत प्रकोष्ठ

सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के अंतर्गत सभी आवेदनों को इस मंत्रालय के सूचना का अधिकार प्रकोष्ठ में केन्द्रीय रूप से प्राप्त किया जाता है जिसके प्रभारी एक अनुभाग अधिकारी हैं और इसका

समन्वय अवर सचिव द्वारा किया जाता है। आवेदन, निर्धारित समय के भीतर याचिकाकर्ता को उचित उत्तर भेजने के लिए संबंधित सीपीआईओ को अग्रेषित किए जाते हैं। चालू वित्त वर्ष के दौरान मंत्रालय द्वारा 229 आरटीआई आवेदन प्राप्त हुए और निपटाए गए। इसी प्रकार मंत्रालय में 34 अपीलें प्राप्त हुई और तदनुसार निपटाई गई। सूचना का अधिकार

अधिनियम, 2005 की धारा 5(1) में विहित प्रावधानों के अनुसरण में, मंत्रालय ने उक्त अधिनियम के अंतर्गत निदेशक/उप सचिव और अवर सचिव के स्तर पर विषय–वार जन सूचना अधिकारियों तथा निदेशक/संयुक्त सचिव के स्तर पर अपीलीय प्राधिकारियों को नियुक्त किया है। ब्यौरों को मंत्रालय की आधिकारिक वेबसाइट पर भी डाला गया है। इसी प्रकार, सभी जन शिकायतें केन्द्रीय रूप से जन शिकायत प्रकोष्ठ में प्राप्त की जाती हैं। श्रीमती देबांजना रे, उप सचिव

(आरटीआई/पीजी) को मंत्रालय में जन शिकायत अधिकारी के रूप में नामित किया गया है।

लंबित लेखा परीक्षा पैरा

भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक के बकाया लेखापरीक्षा पैरा/टिप्पणियों का विवरण अनुबंध–III में दिया गया है।

*****

सत्यमेव जयते

युवा कार्यक्रम विभाग

अध्याय – 1

प्रस्तावना

युवा, जनसंख्या के अत्यधिक उत्साही और गतिशील वर्ग का प्रतिनिधित्व करते हैं। भारत विश्व के सबसे युवा राष्ट्रों में एक है जिसकी कुल जनसंख्या का लगभग 65 प्रतिशत 35 वर्ष की आयु से नीचे है। 15–29 वर्ष के आयु समूह में युवा कुल जनसंख्या का 27.5 प्रतिशत है। भारत के 2025 तक संयुक्त राष्ट्र, चीन और जापान के बाद चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की संभावना है जो कि विश्व जीडीपी में लगभग 5.5–6% का योगदान है। जबकि अधिकांश विकसित देश प्रौढ़ होते हुए कार्यबल के जोखिम का सामना कर रहे हैं, भारत में एक अत्यधिक अनुकूल डेमोग्राफिक लाभ की संभावना है। यह अनुमान है कि वर्ष 2020 तक संयुक्त राष्ट्र के लिए 38 वर्ष, चीन के लिए 42 वर्ष तथा जापान के लिए 48 वर्ष की तुलना में भारत की जनसंख्या की मध्यम आयु केवल 28 वर्ष होगी। यह "डेमोग्राफिक लाभ" एक सुनहरा अवसर प्रदान करता है।

इस डेमोग्राफिक लाभ को लेने के लिए, यह अनिवार्य है कि अर्थव्यवस्था में श्रम बल में वृद्धि का समर्थन करने की योग्यता हो और युवाओं को समुचित शिक्षा, कौशल, स्वास्थ्य जागरूकता और अन्य कारक उपलब्ध हो जिससे वे देश की अर्थव्यवस्था में प्रभावी योगदान दे सकें।

भारत सरकार विभिन्न मंत्रालयों/विभागों के माध्यम से युवाओं के लिए कार्यक्रमों पर महत्वपूर्ण निवेश करती है। इसके अतिरिक्त, राज्य सरकारें और कई अन्य प्रतिभागी भी युवा विकास में सहायता देने और उपयोगी युवा भागीदारी सुकर बनाने में कार्यरत हैं।

*****

अध्याय – 2

राष्ट्रीय युवा नीति, 2014

राष्ट्रीय युवा नीति, 2014 (एनवाईपी–2014) भारत के युवाओं के समग्र विकास के लिए पूरे राष्ट्र की वचनबद्धता को दोहराती है ताकि वे अपनी क्षमता का पूरा लाभ उठा सके और राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में उत्पादक रूप से योगदान दे सकें।

राष्ट्रीय युवा नीति, 2014 (एनवाईपी–2014) पूर्ववर्ती राष्ट्रीय युवा नीति, 2003 को प्रतिस्थापित करते हुए फरवरी, 2014 में आरंभ की गई थी। राष्ट्रीय युवा नीति, 2014 को सभी हितधारकों के साथ गहन परामर्शों के पश्चात अंतिम रूप दिया गया है। यह नीति "युवा" को 15–29 वर्ष के आयु समूह में व्यक्तियों के रूप में परिभाषित करती है।

परिकल्पना, उद्देश्य और प्राथमिकता के क्षेत्र

एनवाईपी–2014 भारत के युवाओं के लिए एक समग्र "दृष्टिकोण" का प्रस्ताव करती है जो "देश के युवाओं को अपनी पूर्ण क्षमता प्राप्त करने हेतु सशक्त बनाना तथा उनके माध्यम से भारत को राष्ट्रों के समुदाय में अपना सही स्थान पाने के लिए समर्थ बनाना है।"

इस परिकल्पना को पूरा करने के लिए एनवाईपी–2014 स्पष्ट रूप से परिभाषित 5 'उद्देश्यों' व प्रत्येक उद्देश्य के अंतर्गत 'प्राथमिकता क्षेत्र' की पहचान करता है। एनवाईपी–2014 के अंतर्गत अभिज्ञात उद्देश्य और प्राथमिकता क्षेत्र निम्नानुसार है:

उद्देश्य	प्राथमिकता
1. ऐसा उपयोगी कार्यबल तैयार करना जो भारत के आर्थिक विकास में सतत रूप से योगदान दे सकता है	1. शिक्षा 2. रोजगार और कौशल विकास 3. उद्यमशीलता
2. भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए सुसज्जित एक मजबूत और स्वस्थ पीढ़ी तैयार करना	4. स्वास्थ्य एवं स्वस्थ जीवन शैली 5. खेल
3. राष्ट्रीय स्वामित्व का निर्माण करने के लिए सामाजिक मूल्यों को समाविष्ट करना तथा समुदाय सेवा का संवर्धन करना	6. सामाजिक मूल्यों का संवर्धन 7. समुदाय भागीदारी
4. अभिशासन के स्तरों पर भागीदारी तथा नागरिक सहयोग को सुकर बनाना	8. राजनीति और अभिशासन में भागीदारी 9. युवा भागीदारी
5. जोखिम में युवाओं की सहायता करना तथा सभी लाभ वंचित और उपेक्षित युवाओं के लिए समान अवसर पैदा करना	10. समावेशन 11. सामाजिक न्याय

एनवाईपी–2014 के अंतर्गत सिफारिश किए गए नीतिगत उपाय

एनवाईपी–2014 सभी 11 अभिज्ञात प्राथमिकता क्षेत्रों के तहत नीतिगत उपायों की सिफारिश करता है। यह वर्तमान स्थिति के सावधानीपूर्वक विश्लेषण और भविष्य की आवश्यकताओं पर आधारित है। संक्षिप्त रूप में इन्हें नीचे दिया गया है:

क्र.सं.	प्राथमिकता क्षेत्र	सुझाए गए उपाय
1.	शिक्षा	♦ तंत्र की क्षमता और गुणवत्ता का निर्माण ♦ कौशल विकास और जीवन पर्यन्त अधिगम का संवर्धन
2.	रोजगार और कौशल विकास	♦ लक्षित युवा आउटरीच और जागरूकता ♦ तंत्र और हितधारियों के बीच संपर्क बनाना ♦ अन्य भागीदारों की तुलना में सरकार की भूमिका परिभाषित करना
3.	उद्यमशीलता	♦ लक्षित युवा आउटरीच कार्यक्रम ♦ क्षमता निर्माण के लिए प्रभावी कार्यक्रमों में वृद्धि करना ♦ युवा उद्यमशीलता के लिए कार्यक्रम तैयार करना ♦ वृहत मॉनीटरिंग तथा मूल्यांकन प्रणाली क्रियान्वित करना
4.	स्वास्थ्य एवं स्वस्थ जीवन शैली	♦ सेवा प्रदायगी में सुधार करना ♦ स्वास्थ्य, पोषण और उपचारात्मक देखभाल के प्रति जागरूकता ♦ युवाओं के लिए लक्षित रोग नियंत्रक कार्यक्रम
5.	खेल	♦ खेल सुविधाओं और प्रशिक्षण तक अधिक पहुंच ♦ युवाओं में खेल संस्कृति का संवर्धन ♦ प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के लिए सहायता और विकास
6.	सामाजिक मूल्यों का संवर्धन	♦ मूल्य शिक्षा प्रणाली को औपचारिक बनाना ♦ युवाओं के लिए भागीदारी कार्यक्रमों को सुदृढ़ बनाना ♦ मूल्यों और सद्भावना के प्रसार के लिए कार्यरत गैर–सरकारी संगठनों और लाभकारी संगठनों को सहायता प्रदान करना
7.	समुदाय भागीदारी	♦ मौजूदा समुदाय विकास संगठनों को सुदृढ़ करना ♦ सामाजिक उद्यमशीलता का संवर्धन करना
8.	राजनीति और अभिशासन में भागीदारी	♦ राजनीतिक तंत्र से बाहर युवाओं की भागीदारी ♦ ऐसा अभिशासन तंत्र तैयार करना जिसका युवा सदुपयोग कर सके शहरी अभिशासन में युवा भागीदारी का संवर्धन करना
9.	युवा भागीदारी	♦ युवा विकास योजनाओं की प्रभाविता के उपाय और निगरानी ♦ युवाओं के साथ भागीदारी के लिए मंच तैयार करना
10.	समावेशन	♦ लाभ वंचित युवाओं के लिए भागीदारी और क्षमता निर्माण ♦ संघर्ष प्रभावित क्षेत्रों में युवाओं के लिए आर्थिक अवसर सुनिश्चित करना ♦ दिव्यांग युवाओं को सहायता के लिए एक बहुआयामी दृष्टिकोण प्रदान करना ♦ युवाओं को जोखिम से बचाने के लिए जागरूकता एवं अवसर प्रदान करना
11.	सामाजिक न्याय	♦ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए युवाओं को समर्थ बनाना ♦ सभी स्तरों पर न्याय तक पहुंच को सुदृढ़ करना

****

अध्याय – 3

स्कीमों का पुनर्गठन

पुनर्गठन से पहले योजनाओं की स्थिति

2015–16 तक, विभाग 10 योजनाओं का कार्यान्वयन कर रहा था, नामतः

(क) नेहरू युवा केन्द्र संगठन (एनवाईकेएस)

(ख) राष्ट्रीय युवा कोर (एनवाईसी)

(ग) राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस)

(घ) राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान (आरजीएनआईवाईडी)

(ङ.) राष्ट्रीय युवा एवं किशोर विकास कार्यक्रम (एनपीवाईएडी)

(च) अंतरराष्ट्रीय सहयोग

(छ) युवा छात्रावास (वाईएच)

(ज) स्काउटिंग एवं गाइडिंग संगठनों को सहायता

(झ) राष्ट्रीय अनुशासन योजना (एनडीएस)

(ञ) राष्ट्रीय युवा नेता कार्यक्रम (एनवाईएलपी)

उपरोक्त योजनाओं में से, राष्ट्रीय अनुशासन योजना (एनडीएस) एक योजनेतर स्कीम थी और बाकी 9 स्कीमें योजनागत स्कीम थी। राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) 2015–16 तक केन्द्र द्वारा प्रायोजित योजना थी परंतु इसे 01.04.2016 से केन्द्रीय क्षेत्र की योजना बना दिया गया है। बाकी सभी योजनाएं केन्द्रीय क्षेत्र की योजनाएं है। राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान (आरजीएनआईवाईडी) आरजीएनआईवाईडी अधिनियम, 2012 (संसद का अधिनियम) द्वारा एक सांविधिक निकाय है। इन योजनाओं में से कुछ योजनाएं काफी छोटी योजनाएं हैं जिनमें परिव्यय 10 करोड़ रूपए से कम है।

01.04.2016 से योजनाओं का पुनर्गठन

मानव संसाधन विकास संबंधी विभागीय संसदीय स्थायी समिति विभाग की योजनाओं के आमेलन/समेकन पर जोर देती रही है ताकि उनकी प्रभाविता में वृद्वि की जा सके। वित्त मंत्रालय, भारत सरकार ने भी विभाग को बेहतर तालमेल और संसाधनों के अधिक प्रभावी उपयोग के लिए योजनाओं को कुछ सुसंगत योजनाओं में पुनर्गठित करने की सलाह

दी थी। तदनुसार, समुचित विचार करने के पश्चात युवा कार्यक्रम विभाग ने विभाग द्वारा कार्यान्वित सभी योजनाओं को 01.04.2016 से निम्नानुसर 3 योजनाओं में पुनर्गठित/समेकित कर दिया है:

क्रम.सं.	योजनाओं का नाम (पुनर्गठन से पहले)	योजनाओं का नाम (पुनर्गठन से बाद)
1.	नेहरू युवा केन्द्र संगठन (एनवाईकेएस)	**'राष्ट्रीय युवा सशक्तीकरण कार्यक्रम (आरवाईएसके)"** नामक एक नई 'अम्ब्रेला' योजना में आमेलित
2.	राष्ट्रीय युवा कोर (एनवाईसी)	
3.	राष्ट्रीय युवा एवं किशोर विकास कार्यक्रम (एनपीवाईएडी)	
4.	अंतरराष्ट्रीय सहयोग	
5.	युवा छात्रावास (वाईएच)	

6.	स्काउटिंग एवं गाइडिंग संगठनों को सहायता	
7.	राष्ट्रीय अनुशासन योजना (एनडीएस)	
8.	राष्ट्रीय युवा एवं किशोर विकास कार्यक्रम (एनपीवाईएडी)	
9.	राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस)	राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस)
10.	राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान (आरजीएनआईवाईडी)	राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान (आरजीएनआईवाईडी)

इस प्रकार, यह उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) और राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान (आरजीएनआईवाईडी)को उनके संचालनात्मक ढांचे की विशिष्ट प्रकृति के कारण अलग योजनाओं के रूप में रखा गया है, बाकी सभी योजनाओं को ''राष्ट्रीय युवा सशक्तिकरण कार्यक्रम (आरवाईएसके)'' नामक एकछत्र योजना में आमेलित कर दिया गया है, जो अब युवाओं के सशक्तिकरण के लिए विभाग के प्रमुख कार्यक्रम के रूप में कार्य करेगी ताकि युवाओं को राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में योगदान हेतु उनकी क्षमताओं के दोहन में समर्थ बनाया जा सके। कई योजनाओं को एकल योजना में आमेलित करने के अन्यों के साथ–साथ निम्नलिखित लाभ होंगेः

(क) पूर्व में केवल एनवाईकेएस और एनवाईसी (जिन्हें प्रशासनिक रूप से पहले ही समेकित कर दिया गया था) की फील्ड स्तर पर प्रशासनिक उपस्थिति थी। अन्य कार्यक्रमों की जमीनी उपस्थिति नहीं थी। अतः उनका अकेले कार्यक्रम के रूप में कार्यान्वयन करने से उनके प्रभावी कार्यान्वयन और पर्यवेक्षण में समस्या उत्पन्न हुई। कार्यक्रमों को नई अम्ब्रेला योजना में आमेलित करने से विभाग को अन्य कार्यक्रमों के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए एनवाईकेएस/ एनवाईसी के प्रशासनिक ढ़ांचे का प्रयोग करने में समर्थ बनाता है।

(ख) एनपीवाईएडी के तहत युवा विकास कार्यक्रमों के लिए एनजीओ को सहायता दी जाती है।

इस कार्यक्रम का एनवाईकेएस/एनवाईसी के साथ समेकन करने से विभाग को एनजीओ को दी गयी सहायता में की गयी कार्यकलापों की प्रभावी निगरानी हेतु एनवाईकेएस ढांचा तैयार करने में समर्थ बनाती है। इसके अलावा यह सुनिश्चित करना भी संभव होगा कि एनवाईकेएस ढांचा (एनवाईकेस कार्यालय/राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक तथा युवा कलब) और एनजीओ एक दूसरे के घनिष्ट सहयोग में कार्य करें जो कार्यक्रम के कार्यान्वयन की प्रभाविता में सुधार करेगा। विभाग द्वारा सहायित स्काउटिंग और गाइडिंग संगठनों के कार्यकलापों की नजदीक से निगरानी करना भी संभव हो सकेगा।

(ग) विभाग में 84 संचालनरत युवा छात्रावास हैं जिनका गठन देश में युवा यात्रा का संवर्धन करने के उद्देश्य से किया गया है। युवा छात्रावासों का प्रबंधन सीधे विभाग से किया जाता है। इसके परिणामस्वरूप निकट पर्यवेक्षण संभव नहीं हो पाया है। छात्रावासों की क्षमता का पूरी तरह से प्रयोग नहीं किया जा रहा है। एनवाईकेएस के साथ युवा छात्रावास कार्यक्रम का समेकन जमीनी स्तर पर एनवाईकेएस कार्यकर्ताओं के जरिए युवा छात्रावासों के प्रभावी प्रबंधन में सहायक होगा।

(घ) 'अंतरराष्ट्रीय सहयोग' में विभिन्न देशों के साथ युवा आदान–प्रदान कार्यक्रम शामिल है। विभिन्न देशों के युवा प्रतिनिधिमंडलों ने भारत का दौरा किया और उन्हें दर्शनीय स्थान दिखाने के लिए और भारतीय युवाओं के साथ सम्पर्क का प्रबंधन करने के लिए विभिन्न शहरों को ले जाया जाता था। इन कार्यक्रमों को एनवाईकेएस के साथ समेकन जमीनी स्तर पर अधिक प्रभावी तरीके से इन कार्यक्रमों का आयोजन करने में सहायक होगा।

(ङ.) राष्ट्रीय युवा नेता कार्यक्रम (एनवाईएलपी) जिसमें पड़ोस में युवा संसद, श्रमदान और राष्ट्रीय युवा विकास निधि की सहायता से युवा विकास सहित महत्वपूर्ण घटक हैं, भी एनवाईकेएस के पूर्ण समेकन से लाभांवित होंगे, चूंकि एनवाईकेएस प्रशासनिक ढांचा तब इस कार्यक्रम के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए पूरी तरह से प्रयोग किया जा सकेगा।

(च) चूंकि पूर्ण प्रशासनिक/कार्यान्वयन ढ़ांचा विभाग को इस प्रमुख योजना के भाग के रूप में उपलब्ध होगा, भविष्य में युवा विकास/सशक्तीकरण के लिए आवश्यक माने जाने वाला कोई नया कदम अकेले नई छोटी योजना आरंभ करने के बजाय इस अम्ब्रेला योजना के भाग के रूप में किया जा सकता है।

'राष्ट्रीय युवा सशक्तिकरण कार्यक्रम (आरवाईएसके)' और अन्य योजनाओं; एनएसएस और (आरजीएनआईवाईडी) के विभिन्न घटकों के कार्यान्वयन के ब्यौरे आगे अध्यायों में दिए गए हैं।

*****

अध्याय – 4

नेहरू युवा केंद्र संगठन

प्रस्तावना

1972 में आरंभ किया गया नेहरु युवा केंद्र संगठन (एनवाईकेएस) विश्व में सबसे बड़े युवा संगठनों में से एक है। एनवाईकेएस 623 जिलों में नेहरू युवा केंद्रों के माध्यम से कार्य कर रहा है। इसका उद्देश्य युवाओं के व्यक्तित्व का विकास करना तथा उन्हें राष्ट्र निर्माण के कार्यकलापों में शामिल करना है।

एनवाईकेएस के कार्यकलापों के कार्यक्षेत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वच्छता, पर्यावरण, सामाजिक मुद्दों पर जागरूकता, महिला सशक्तिकरण, नागरिक शिक्षा, आपदा राहत एवं पुनर्वास आदि शामिल हैं। नेहरु युवा केंद्रों से जुड़े युवा न केवल सामाजिक रूप से जागरूक और प्रेरित हैं बल्कि स्वयंसेवी प्रयासो के माध्यम से सामाजिक विकास के कार्यों के प्रति भी समर्पित हैं।

एनवाईकेएस के कार्यक्रम/कार्यकलाप

नेहरू युवा केन्द्र संगठन द्वारा नि पादित किये जाने वाले कार्यक्रमों/ कार्यकलापों को मोटे तौर पर निम्न श्रेणियों में वर्गीकृत किया जा सकता है, नामतः

क) एनवाईकेएस द्वारा अपने बजटीय संसाधनों (युवा कार्यक्रम विभाग द्वारा जारी ब्लॉक अनुदान) से कार्यान्वित मुख्य कार्यक्रम।

ख) युवा कार्यक्रम विभाग की स्कीम अर्थात एनपीवाईएडी (राष्ट्रीय युवा और किशोर विकास कार्यक्रम) और एनवाईएलपी (राष्ट्रीय युवा नेता कार्यक्रम)

ग) युवा विकास और सशक्तीकरण के लिए अन्य मंत्रालयों/संगठनों के सहयोग/ वित्त–पोषण से आयोजित परियोजनाएं।

घ) विभिन्न विकास विभागों/एजेंसियों के साथ स्वैच्छिक आधार पर समन्वय/कार्यकलाप।

कार्यक्रम, जिला एनवाईकेएस से संबद्ध युवा क्लबों (वर्तमान में देश भर में 35.38 लाख युवाओं की सदस्यता के साथ 1.81 लाख यूथ क्लब हैं), राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक और विभिन्न विकास विभाग, एजेंसियों, जिला और राज्य स्तर पर चुने गए स्थानीय निकाय और अन्य हितधारकों की सहभागिता और सक्रिय भागीदारी के साथ जिला और राज्य स्तर पर कार्यान्वित किए जाते हैं।

क) एनवाईकेएस के मुख्य कार्यक्रम

12 मुख्य कार्यक्रम हैं जो हर साल वार्षिक कार्य योजना के रूप में विकसित किए जाते हैं और एनवाईकेएस के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की मंजूरी के बाद इन्हे अंतिम रूप दिया जाता है। वे युवा कार्यक्रम विभाग के ब्लॉक अनुदान के माध्यम से वित्त पोषित हैं और सभी 623 जिलों में समान हैं, जहां एनवाईकेएस की भारत में उपस्थिति है। हालाँकि, किसी जिले में मुख्य कार्यक्रमों की संख्या उसके आकार पर निर्भर करती है अर्थात किसी जिले में ब्लॉक की संख्या।

2019–20 में, 60.04 करोड़ रु. की लागत के साथ कुल 52,788 गतिविधियाँ संचालित की जा रही हैं। – योजना देश के लगभग 92 लाख युवाओं तक पहुंचने की है। 2019–20 के दौरान कार्यान्वित प्रत्येक मुख्य कार्यक्रम की संक्षिप्त जानकारी नीचे दी गई है।

1. **युवा क्लब विकास कार्यक्रम सम्मेलनः** इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवा क्लबों के मौजूदा नेटवर्क को

मजबूत करना, नए युवा क्लबों का गठन करना और नए सदस्यों का पंजीकरण करना है, जिसमें समाज के सभी वर्गों का प्रतिनिधित्व हो। यह ब्लॉक स्तर पर 1 दिवसीय कार्यक्रम है जिसमें एनवाईकेएस युवा क्लब के 80–100 युवा नेता शामिल हैं। कार्यक्रम के दौरान युवा नेता, निष्क्रिय युवा क्लबों की सक्रियता, बिना पहुंच वाले गांवों में नए युवा क्लबों का गठन और समाज के सभी वर्गों के प्रतिनिधित्व के साथ युवा क्लबों के मौजूदा नेटवर्क को मजबूत करने पर प्रशिक्षित किए जाते हैं। ये युवा नेता युवा क्लब अभियान को मजबूत करने के लिए गांवों में ग्राम पंचायत प्रधानों और सदस्यों और अन्य महत्वपूर्ण नेताओं के साथ मिलने और बातचीत करने के लिए प्रेरित किए जाते हैं। प्रत्येक कार्यक्रम के आयोजन के लिए 15,000/– रू. का आवंटन किया गया है। 2,669 कार्यक्रमों के आयोजन के लिए 4.00 करोड़ रु. रखे गए हैं। दिसंबर, 2019 तक 158 ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं जिनमें 10,695 युवा नेताओं ने भाग लिया।

2. **युवा नेतृत्व और सामुदायिक विकास पर प्रशिक्षण (टीवाईएलसीडी):** कार्यक्रम का उद्देश्य युवा लोगों की क्षमता को बढ़ाने के लिए नेतृत्व का दायित्व लेना ताकि दूसरों को एक सार्थक जीवन जीने और राष्ट्र–निर्माण में योगदान करने, मजबूत चरित्र, आत्म–अनुशासन, नि ठा, सकारात्मक दृष्टिकोण, राष्ट्र के प्रति प्रतिबद्धता और राष्ट्र निर्माण के लिए संदेशों को फैलाने की सशक्त इच्छा पैदा करने में सहायता करना है। यह एक 3–दिवसीय कार्यक्रम है, जिसमें 20 यूथ क्लबों के क्लस्टर से 40 प्रतिभागी शामिल हैं। प्रत्येक कार्यक्रम के आयोजन के लिए 64,000/–रू. आवंटित किए गए हैं। पूरे भारत में 1246 कार्यक्रमों के आयोजन के लिए 7.97 करोड़ रुपये रखे गए हैं। दिसंबर, 2019 तक 422 ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं जिनमें 19,308 युवा नेताओं ने भाग लिया।

3. खेलों को बढ़ावा देना (युवा क्लबों को खेल सामग्री): कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण युवाओं के बीच खेल संस्कृति का विकास करना है। कार्यक्रम के दो घटक हैं, अर्थात (i) युवा क्लबों को खेल सामग्री प्रदान करना) जिसकी लागत 16,360 युवा क्लबों के लिए प्रति क्लब 4000/– रू. का है और (ii) प्रत्येक जिला स्तर के कार्यक्रम के लिए 30,000 रू. की दर से अन्तर युवा क्लब खेल सम्मेलनों का आयोजन और प्रत्येक प्रखंड स्तरीय कार्यक्रम के लिए 18,000 रू. की दर से अन्तर युवा क्लब खेल सम्मेलनों का आयोजन। दिसंबर, 2019 तक 12,204 एनवाईकेएस यूथ क्लबों को खेल सामग्री प्रदान की गई है।

   प्रत्येक ब्लॉक स्तरीय खेल सम्मेलन के आयोजन के लिए 18,000/– रु. आवंटित किए गए हैं और इसलिए, 3,534 ब्लॉक स्तरीय खेल सम्मेलन के आयोजन के लिए 6.36 करोड़ रुपये रखे गए हैं। जबकि प्रत्येक जिला स्तरीय खेल सम्मेलन के आयोजन के लिए 30,000/–रू. आवंटित किए गए हैं। 623 जिला स्तरीय खेल सम्मेलन के लिए 1.87 करोड़ रुपये रखे गए हैं। दिसंबर, 2019 तक 2,362 ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं जिनमें 3,47,607 युवा नेताओं ने भाग लिया।

4. **मूल व्यवसायों में शिक्षाः** कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को बुनियादी व्यवसाय में शिक्षित करना और समाज में उनके आत्म सम्मान को बढ़ाना है; अन्य एजेंसियों से कौशल विकास प्रशिक्षण लेने के लिए उनका मार्गदर्शन करने और युवा महिलाओं और पुरुषों को उनके दैनिक जीवन में सामना करने वाले मुद्दों और चिंताओं का समाधान करने के लिए सशक्त करना है। स्थानीय प्रशिक्षकों के सहयोग से कई प्रकार के बुनियादी व्यावसायिक पाठ्यक्रम संचालित किए जाते हैं। प्रत्येक पाठ्यक्रम में 25 युवाओं (80 प्रतिशत लड़कियों और 20 प्रतिशत लड़कों) का पंजीकरण किया जाता है और प्रतिभागियों की

स्थानीय आवश्यकताओं के अनुसार पाठ्यक्रमों को चिन्हित किया जाता है। 3 महीने के पाठ्यक्रम के लिए 21,000/—रू. का बजट प्रावधान रखा गया है। 4249 ईबीवी कार्यक्रम चलाने के लिए 8.92 करोड़ रुपये की राशि रखे गए हैं। 8.92 करोड़ रुपये के आवंटित बजट में से 4.69 करोड़ रू. की राशि एनडीआरएफ द्वारा 8,850 युवा स्वयंसेवकों के 6—दिनों के अनुकूलित आपदा जोखिम प्रशमन प्रशिक्षण के लिए आगे आवंटित किया गया है। दिसंबर, 2019 तक 1449 मूल व्यवसाय केन्द्र चलाए जा रहे हैं जिनमें 40,400 युवा भाग ले रहे हैं।

5. **लोक कला और संस्कृति का संवर्धन:** कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण युवाओं को अपनी लोक सांस्कृतिक प्रतिभा को प्रदर्शित करने और उसी के संरक्षण और संवर्धन में सहायता करना है। यह एक दिवसीय कार्यक्रम है जो जिला स्तर पर आयोजित किया जाता है, जिससे न्यूनतम 120 युवाओं को अपनी लोक कला और संस्कृति प्रदर्शित करने का अवसर मिलता है। प्रत्येक जिले के लिए 20,000/—रू. का बजट प्रावधान रखा गया है। 623 जिला स्तरीय लोक कला और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन के लिए 1.25 करोड़ रुपये रखे गए हैं। दिसंबर, 2019 तक 126 ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं जिनमें 30,010 युवा नेताओं ने भाग लिया।

6. **राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय महत्व दिवस मनाना:** कार्यक्रम का उद्देश्य राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय महत्व के महत्वपूर्ण मुद्दों के बारे में जागरूकता पैदा करना है। प्रत्येक 623 जिला एनवाईके को राष्ट्रीय युवा दिवस सहित न्यूनतम 25 राष्ट्रीय महत्व के दिवस मनाना अपेक्षित है। प्रत्येक कार्यक्रम में कम से कम 100 युवाओं को भाग लेना चाहिए। प्रत्येक जिला एनवाईके को इस उद्देश्य के लिए 80,000/—रू. प्रदान किया जाता है। राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय महत्व के 15,575 दिवस मनाने के लिए 4.98 करोड़ रुपये रखे गए हैं। दिसंबर, 2019 तक, 9,399 ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं जिनमें 12,98,245 युवा नेताओं ने भाग लिया।

7. **जिला युवा सम्मेलन:** युवा नेताओं को चर्चा करने, खुद को व्यक्त करने, अनुभवों को साझा करने और युवा सशक्तीकरण कार्यक्रमों के लिए सर्वोत्तम प्रक्रियाओं का सुझाव देने और वृहत प्रदर्शन में भाग लेने के लिए युवा नेताओं को अवसर और मंच प्रदान करने के लिए सभी जिला एनवाईके द्वारा वार्षिक रूप से कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। यह एक दिवसीय कार्यक्रम है, जिसमें युवा क्लबों से न्यूनतम 100 युवा शामिल होते हैं। प्रत्येक जिले के लिए 30,000/— रु. का बजट प्रावधान का रखा गया है और 623 जिला युवा सम्मेलनों के आयोजन के लिए 1.87 करोड़ रुपये रखे गए हैं। दिसंबर, 2019 तक, 345 ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं जिनमें 92,324 युवा नेताओं ने भाग लिया।

8. महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती का समारोह

क) **स्वच्छता कार्य योजना —** कार्यक्रम का उद्देश्य स्वच्छता पर ध्यान केंद्रित करना और स्वच्छता का वातावरण बनाना है; लोगों को सफाई और स्वच्छता के बारे में जागरूक करना और युवाओं में श्रमदान (स्वैच्छिक श्रम) की भावना पैदा करना है।

गतिविधियों को शुरू करने के लिए प्रति जिले 50,000 रुपये रखे गए है और 3.11 करोड़ रू. योजना के तहत कुल आवंटन है। स्वछता जागरूकता एवं श्रमदान गतिविधियां 557 जिला एनवाईके में की गईं जिनमें 3,91,131 युवाओं ने भाग लिया।

ख) स्वच्छता पखवाड़े के दौरान, स्वच्छता के बारे में जागरूकता पैदा करने और देश भर में कार्यान्वयन की सुगमता के साथ—साथ स्थानीय संसाधनों को जुटाकर सफाई और स्वच्छता अभियान के लिए अग्रणी भूमिका निभाने के लिए युवाओं को

प्रेरित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। गतिविधियों को शुरू करने के लिए 25,000 रू. प्रति जिला और 1.56 करोड़ रु. योजना के तहत कुल आवंटन है। 613 जिला एनवाईके द्वारा स्वछता पखवाड़ा मनाया गया जिसमें 16,20,577 युवाओं ने भाग लिया।

ग) **कार्य शिविर –** का उद्देश्य युवा क्लब के सदस्यों के बीच स्वेच्छाचारिता और सहयोग की भावना को बढ़ावा देना है। जल स्रोतों की स्वच्छता और संरक्षण पर ध्यान केंद्रित किया गया है, ताकि युवाओं में श्रम की गरिमा की भावना पैदा हो सके और जल साक्षरता से संबंधित कई मुद्दों को समझने का अवसर प्रदान किया जा सके। गतिविधियों को शुरू करने के लिए प्रति जिला 25,000 रू. की राशि निर्धारित की गई है और 1.56 करोड़ रू. योजना के तहत कुल आवंटन है। दिसंबर, 2019 तक, 507 कार्य शिविर आयोजित किए गए, जिसमें 46,732 युवाओं ने भाग लिया। युवाओं को तालाबों, जलाशयों चेक बांधों को बनाए रखने, और जल संचयन गतिविधियों को करने के लिए प्रेरित किया गया। युवा गाँवों, स्कूलों, कॉलेजों, अस्पतालों, सार्वजनिक मूर्तियों और ओडीएफ गाँवों की सफाई में कार्यरत थे।

9. **उत्कृष्ट युवा क्लबों को पुरस्कारः** कार्यक्रम का उद्देश्य युवा क्लबों द्वारा प्रदान की गई स्वैच्छिक सेवाओं का सम्मान करना और उन्हें सामुदायिक कल्याण और राष्ट्र–निर्माण गतिविधियों के लिए प्रोत्साहित करना है। प्रत्येक 623 जिला एनवाईके और प्रत्येक राज्य / संघ राज्य क्षेत्र उत्कृष्ट युवा क्लबों को पुरस्कार प्रदान करते हैं। पुरस्कार में एक प्रमाणपत्र और पुरस्कार राशि (जिला स्तर पुरस्कार के लिए 25,000/–रु. और राज्य स्तर पुरस्कार के लिए 1,00,000/–रु.) शामिल होते हैं। इसके अलावा, 3 पुरस्कार, राष्ट्रीय स्तर (5,00,000/–रु., 3,00,000/–रु. और 2,00,000/–रु.) पर दिए जाते हैं। वर्ष 2019–20 के लिए कुल आवंटन 2.00 करोड़ रुपये है। दिसंबर, 2019 तक, 197 जिला एनवाईके ने जिला स्तरीय पुरस्कार के लिए उत्कृष्ट युवा क्लब का चयन किया, जबकि 13 राज्यों ने जिला स्तरीय पुरस्कार के लिए उत्कृष्ट युवा क्लब का चयन किया।

10. **उद्देश्य आधारित जागरूकता और शिक्षा अभियानः** कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण युवाओं की क्षमताओं को बढ़ाने और उनके जीवन को प्रभावित करने वाले मुद्दों और चिंताओं को दूर करना है। कार्यक्रम 20 गांवों के एक समूह में आयोजित किया जा रहा है। यह एक दिन का जिला स्तरीय कार्यक्रम है जिसमें प्रत्येक कार्यक्रम में 80 युवाओं की भागीदारी है। 623 जिला एनवाईके द्वारा 2,669 कार्यक्रम संचालित किए जाएंगे। गतिविधियों के लिए 15,000 रुपये प्रति जिला रखे गए हैं और 4.00 करोड़ रू. की राशि योजना के तहत रखा गयी है। दिसंबर, 2019 तक, 940 ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं जिनमें 79,383 युवा नेताओं ने भाग लिया।

11. **21 जून 2019 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मानना –** कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को शरीर और मन की एकता के लिए दैनिक जीवन में योग का अभ्यास करने के लिए प्रेरित करना और स्वास्थ्य संवर्धन और जीवन शैली से संबंधित विकारों का प्रबंधन करने के लिए योग के अभ्यास के बारे में जानकारी प्रसारित करने के लिए युवाओं को प्रेरित करना है। 25,000 युवाओं की भागीदारी के साथ 10 चयनित राज्यों में सामूहिक योग प्रदर्शन के योजन के लिए 1.00 करोड़ रू. को वार्षिक कार्य योजना 2019–20 में रखा गया है। वृहत राज्य स्तरीय योग प्रदर्शन कार्यक्रम 12 राज्यों में 77,454 प्रशिक्षित युवाओं की भागीदारी के साथ किया गया था।

12. **26 नवंबर, 2019 को संविधान दिवस, और अन्य कार्यकलाप के साथ 14 अप्रैल, 2020 को डॉ. अंबेडकर जयंती का समापन समारोह।**

संविधान दिवस हर वर्ष 26 नवंबर को संविधान

के जनक डॉ. बी आर अंबेडकर के सम्मान और उनकी याद में मनाया जाता है; और यह कि भारत के संविधान के महत्व को फैलाने के लिए और देश की विकास और विकास के लिए ये कैसे सहायक है।

उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए, एनवाईकेएस ने 26 नवंबर, 2019 को देशभर के 29 राज्यों में 623 जिला एनवाईके, 55,270 संबद्ध ग्राम आधाति युवा क्लबों के माध्यम से शानदार तरीके मनाया। अवलोकन किया। एनवाईकेएस द्वारा संविधान दिवस के समारोह के एक भाग के रूप में 26 नवंबर, 2019 को सामूहिक रूप से संविधान की प्रस्तावना को पढ़ने सहित कुल 19,90,617 युवाओं ने 44,014 गतिविधियों में भाग लिया।

13. **भाषण प्रतियोगिताएं:** युवा कार्यक्रम और खेल तथा रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के मार्गदर्शन में गणतंत्र दिवस समारोह के हिस्से के रूप में देशभक्ति और राष्ट्र निर्माण पर राष्ट्रव्यापी भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। घोषणापत्र प्रतियोगिताएं ब्लॉक, जिला स्तर, राज्य स्तर और अंत में राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित की जाती हैं। भाषण प्रतियोगिता का उद्देश्य युवाओं में राष्ट्रवाद और देशभक्ति की भावना को मजबूत करना और नेतृत्व गुणों और उत्तम संचार कौशल वाले युवाओं को उनके आगे के विकास और सशक्तिकरण और राष्ट्र निर्माण गतिविधियों में भागीदारी के लिए पहचानना है। जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर विजेताओं को प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार और प्रमाण पत्र प्रदान किए जाते हैं। प्रतियोगिताओं और पुरस्कार के स्तर इस प्रकार हैं:

- ब्लॉक स्तर– पुरस्कार के बिना स्क्रीनिंग प्रतियोगिताएं
- जिला स्तर –1 प्रथम पुरस्कारः – 5,000/–रु, दूसरा पुरस्कारः – 2,000/–रु., तीसरा पुरस्कारः – 1,000/–रु.
- राज्य स्तर– प्रथम पुरस्कारः – 25,000/–रु. , दूसरा पुरस्कारः – 10,000/–रु., तीसरा पुरस्कारः –5,000/–रु.
- राष्ट्रीय स्तर – प्रथम पुरस्कारः – 2,00,000/–रु., दूसरा पुरस्कारः – 1,00,000/–रु., तीसरा पुरस्कारः – 50,000/–रु.

भाषण प्रतियोगिता में कुल 56,766 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम 4,432 ब्लॉक, 560 जिलों, 31 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों और अंत में राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित किए गए। राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार विजेताओं को क्रमशः 2.00 लाख रु., 1.00 लाख रु. और रु. 50,000 रु. दिए गए। सभी राज्य स्तरीय विजेताओं (तीन राष्ट्रीय स्तर के विजेताओं को छोड़कर) को 10,000/–रु. के सांत्वना पुरस्कार भी दिए गए। श्री किरेन रिजिजू जी, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), युवा मामले और खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा पुरस्कार प्रदान किए गए। 28 जनवरी, 2020 को नई दिल्ली में माननीय रक्षा मंत्री द्वारा राष्ट्रीय स्तर के विजेताओं को भी सम्मानित किया गया।

बी) राष्ट्रीय युवा और किशोर विकास कार्यक्रम (एनपीवाईएडी) के तहत गतिविधियाँ:

✓ एक भारत श्रेष्ठ भारत

सरदार वल्लभभाई पटेल की 140 वीं जयंती के अवसर पर 31 अक्टूबर, 2015 को भारत के माननीय प्रधान मंत्री द्वारा "एक भारत श्रेष्ठ भारत" की घोषणा की गई थी। कार्यक्रम का मूल उद्देश्य हमारे राष्ट्र की विविधता में एकता का समारोह मनाना, राष्ट्रीय अखण्डता, भाईचारे की भावना को बढ़ावा देना, समझ विकसित करना, सराहना करना और युग्मित राज्यों के बीच दीर्घकालिक जुड़ाव स्थापित करना है।

एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों द्वारा सांस्कृतिक प्रदर्शन

वित्तीय वर्ष 2019–20 के दौरान, 7 युग्मित राज्यों में 15 कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। आज तक, 300 युवाओं की भागीदारी के साथ 03 कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। प्रत्येक कार्यक्रम की अवधि 15 दिनों की होती है, जिसमें प्रत्येक युग्मित राज्यों के 50 प्रतिभागी भाग लेते हैं।

✓ राष्ट्रीय एकता शिविर

कार्यक्रम के उद्देश्य देश के विभिन्न हिस्सों से युवाओं को एक साथ लाकर राष्ट्रीय एकीकरण को बढ़ावा देना, उन्हें देश की सांस्कृतिक विरासत को समझने का अवसर देना और विविधता में एकता के धागे का सम्मान करना है जो सभी भारतीयों को एक सूत्र में बांधता है। यह 5–दिवसीय आवासीय कार्यक्रम है, जिसमें 250 प्रतिभागियों को भाग लेने का अवसर प्रदान किया जाता है। इस वर्ष के दौरान, राष्ट्रीय एकता शिविर की

नामित गतिविधियों के अलावा, एक भारत – श्रेष्ठ भारत के कार्यक्रमों को भी एकीकृत किया गया है। प्रति कार्यक्रम 12,00,000 /–रु., की पर से 2.76 करोड़/– रु. रखा गया है। अब तक, 11 एनआईसी पूरे हो चुके हैं, जिनमें पूरे भारत के 2,750 युवाओं ने भाग लिया।

✓ **जीवन कौशल शिक्षा शिविर (किशोरों का सशक्तिकरण)**

यह कार्यक्रम, का उद्देश्य किशोरों के लिए जीवन कौशल प्रशिक्षण प्रदान करना है, किशोरों के बीच व्यवहार को विकसित करना है जो उन्हें स्वस्थ विकल्प बनाने के लिए सशक्त बनाएंगे, उनके जीवन कौशल को इसलिए मजबूत करने के लिए कि वे अपने जीवन और जोखिम वाले परिस्थितियों का सामना कर सकें और उनके मुद्दों को हल करने के लिए उनकी सामूहिक क्षमता का उपयोग हो सके। यह एक 7 दिन का कार्यक्रम है जिसमें 40 प्रतिभागी हिस्सा लेते हैं। वित्तीय वर्ष 2019–20 के दौरान 256 जीवन कौशल शिक्षा कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बनाई गई है। अब तक, 3148 किशोरों की भागीदारी के साथ 76 जीवन कौशल शिक्षा कार्यक्रम का आयोजन किया गया है।

✓ **साहस संवर्धन शिविर (साहसिक कार्यों का संवर्धन):**

कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में साहस और जोखिम उठाने की भावना को प्रोत्साहित करना, राष्ट्रीय आपदाओं और अन्य आपात स्थितियों के दौरान परिस्थितियों से निपटने की युवाओं की क्षमता का निर्माण करना और पारिस्थितिकी और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण पर जोर देने के साथ प्रकृति को समझने की भावना पैदा करना है। यह प्रत्येक बैच में 25 प्रतिभागियों के लिए 7–दिवसीय आवासीय शिविर है। 2019–20 के दौरान कुल 90 साहस संवर्धन शिविर आयोजित किए जाएंगे। अब तक, 681 युवाओं की भागीदारी के साथ 26 साहस संवर्धन शिविर आयोजित हो चुके हैं।

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय द्वारा महत्व के अन्य कार्यक्रम:

✓ **स्वस्थ भारत अभियान**

राष्ट्र–व्यापी ''स्वस्थ भारत अभियान'' शुरू करने का उद्देश्य नागरिकों के दैनिक जीवन में शारीरिक गतिविधि / खेल की भावना को विकसित करना है। स्वस्थ भारत अभियान सभी जगह पूरे जोश और उत्साह के साथ चलाया जा रहा है। खेल आयोजनों से पहले सुबह प्रभात फेरी का आयोजन किया गया। साइक्लिंग, मैराथन और स्वदेशी खेलों जैसे कार्यक्रम आयोजित किए गए:

क) स्वस्थ भारत अभियान (29 अगस्त, 2019) का प्रारंभ समारोह – एनवाईकेएस स्वयंसेवकों ने दूरदर्शन (डीडी) और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर स्वस्थ भारत अभियान शुरू करने का समारोह को देखने के लिए युवाओं और ग्रामीणों को प्रेरित किया। देश भर में लगभग 13.27 लाख युवाओं और अन्य ग्रामीणों ने यह समारोह देखा। कार्यक्रम के बाद, स्वस्थता की प्रतिज्ञा दिलाई गई और युवा क्लबों द्वारा अपने गाँवों में स्थानीय संसाधन जुटाए कर ग्रामीण महा दौड़, रस्साकशी, खो खो, आदि जैसी स्वस्थता गतिविधियां शुरू की गई। लगभग 8.24 लाख युवाओं को समूह और व्यक्तिगत कार्यक्रमों में भाग लेने का अवसर प्रदान किया गया और उन्हें स्थानीय पारंपरिक खेलों में भाग लेने के लिए भी प्रेरित किया गया।

ख) स्वस्थ भारत और सफाई दौड़ (2 अक्टूबर, 2019) – एनवाईकेएस ने 2 अक्टूबर, 2019 को देश भर में स्वस्थ भारत और सफाई दौड आयोजित की जिसमें 55,945 गाँव आधारित युवा क्लबों के लगभग 19.36 लाख युवाओं ने भाग लिया। 02 राज्यपाल, 03 मुख्यमंत्री, 03 केन्द्रीय मंत्रियों, 12 माननीय सांसदों, 01 पूर्व मुख्यमंत्री, 07 राज्य सरकार के मंत्रियों, 17 विधायकों, 04 महापौरों और 01 उच्च न्यायालय तमिलनाडु के मुख्य न्यायाधीश, ने गांधी जयंती समारोह और सफाई दौड़ में भाग लिया।

ग) **स्वस्थ भारत साइक्लोथॉन (18 जनवरी, 2020)** – लोगों को दैनिक जीवन में शारीरिक गतिविधि करने / खेल के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से, जिला और ब्लॉक स्तर 5 किलोमीटर स्वस्थ भारत साइक्लोथॉन / वॉकथॉन का आयोजन जिला नेहरू युवा संगठनों द्वारा परेड ग्राउंड, पणजी, गोवा में 18 जनवरी, 2020 को, किया गया जिसमें 601 जिलों के 5,354 ब्लाकों के गांव आधारित युवा क्लबों के 12,95,143 युवाओं ने भाग लिया। माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), युवा कार्यक्रम और खेल, भारत सरकार और माननीय मुख्यमंत्री, गोवा, महानिदेशक, एनवाईकेएस और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने 5 किलोमीटर साइक्लोथॉन में भाग लिया। साइकल मलखम दर्शकों के लिए आकर्षण था। 5000 से अधिक युवाओं और सभी क्षेत्रों के लोगों ने भाग लिया। एनवाईकेएस युवा क्लबों को अपने ग्राम पंचायत के सहयोग से और स्थानीय संसाधनों को जुटाकर अपने गाँवों में इसी प्रकार की गतिविधियों को आयोजित करने के लिए प्रेरित किया गया।

घ) **स्वस्थ भारत – बेटी बचाओ– बेटी पढाओ वॉकथॉन, मैराथन और दौड़ (24 जनवरी, 2020)** – बाल लिंग अनुपात (सीएसआर) में सुधार लाने के लिए, और जीवन चक्र निरंतरता पर महिलाओं का सशक्तीकरण, वॉकथॉन, मैराथन, दौड़ और महिला खिलाड़ियों का सम्मान जैसी

गतिविधियां एनवाईकेएस युवा क्लबों के राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवकों और युवा नेताओं की सक्रिय भागीदारी से 24 जनवरी, 2020 को जिला एनवाईके द्वारा आयोजित की गई, जिनमें 589 जिलों के ग्राम आधारित युवा क्लबों के 9,58,834 युवाओं ने भाग लिया। इसके अलावा, समाज के सभी वर्गों के लोगों ने भी इन गतिविधियों में भाग लिया।

ग) **देश भर में युवा विकास और सशक्तिकरण के लिए अन्य मंत्रालयों से सहयोग और वित्त पोषण की परियोजनाएं:**

अपने मुख्य कार्यक्रमों के अलावा, नेहरू युवा केंद्र संगठन (एनवाईकेएस) ने विभिन्न प्रकार के क्षेत्रों और राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों के कार्यक्रमों और गतिविधियों को संचालित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिसे स्वयं भारत के माननीय प्रधान मंत्री द्वारा अलग–अलग अवसरों पर और साथ ही साथ माननीय प्रधान मंत्री के निर्देश पर पीएमओ, नीति आयोग और अन्य मंत्रालय द्वारा संचालित किया गया। इसके अलावा, एनवाईकेएस ने देश में अल्प विकसित जिलों, कश्मीर घाटी, पूर्वोत्तर राज्यों और वामपंथी उग्रवाद वाले जिलों में अपने कार्यक्रमों और गतिविधियों पर विशेष ध्यान दिया है।

उपरोक्त संदर्भ में, निम्नलिखित मुख्य प्रमुख क्षेत्र हैं जहां एनवाईकेएस ने प्रयास किया है और काफी प्रभाव डाला है।

✓ **आपदा जोखिम प्रशमन के लिए ब्लॉक स्तरीय आपदा राहत दल (गृह मंत्रालय)**

एनडीआरएफ के सहयोग से एनवाईकेएस, युवा स्वयंसेवकों को आपदा जोखिम प्रशमन के लिए ब्लॉक स्तरीय आपदा राहत दल स्थापित करने के लिए तैयार कर रहा है। इसे सरकार के प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में से एक क्षेत्र के रूप में रखा गया है। संसद में गए भाषण लेखा–मतदान के दौरान माननीय युवा कार्यक्रम और खेल राज्य मंत्री (स्वतन्त्र प्रभार), युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय ने एनवाईकेएस और एनडीआरएफ के माध्यम से निष्पादन की घोषणा की। युवा कार्यक्रम विभाग ने नई सरकार के 100 दिनों के एजेंडा के एक हिस्से के रूप में यह पहल की। एनवाईकेएस और एनडीआरएफ के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

कार्यक्रम का उद्देश्य आपदा जोखिम प्रशमन (डीआरआर) की दिशा में और '' प्रथम राहतदाता'' के रूप में कार्य करने के लिए ब्लॉक स्तरीय आपदा राहत दल (डीआरटी) के रूप में एनवाईकेएस युवा स्वयंसेवकों का एक बल तैयार करना है। भारत में 12 बटालियनों में एनडीआरएफ द्वारा 6–दिनों के अपेक्षानुसार तैयार प्रशिक्षण के दौरान डीआरटी को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। एनडीआरएफ के परामर्श से एक प्रशिक्षण कैलेंडर तैयार किया गया है।

एनडीआरएफ द्वारा चिन्हित 28 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के 32 बहु–जोखिम प्रवण जिलों के 295 ब्लॉक से प्रत्येक 30 स्वयंसेवकों को पूरे भारत में 12 एनडीआरएफ बटालियन में एक साथ ला कर प्रशिक्षित किया जा रहा है। इस पायलट प्रोजेक्ट के पहले वर्ष में लगभग 8,850 स्वयंसेवकों को प्रशिक्षित किया जाना है। अगले चार वर्षों में 55,000 से अधिक स्वयंसेवकों को प्रशिक्षण दिया जाना है। मूल व्यवसायिक शिक्षा कार्यक्रम के कार्यान्वयन के लिए निर्धारित एनवाईकेएस के बजट में से 4,69,80,000 – रुपये को चेयरमैन, बीओजी, एनवाईकेएस और माननीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) वाईएएस द्वारा अनुमोदित किया गया है।

उपलब्धि – अब तक दिनांक 09 अगस्त, 2019 को एनडीआरएफ और एनवाईकेएस द्वारा 28 राज्यों के राज्य निदेशकों और 32 जिलों के जिला युवा समन्वयकों के साथ वीडियो सम्मेलन आयोजित किया गया। एनवाईकेएस के एसडीएस और डीवाईसीएस/ यूएनवी–डीवाईसीएस के लिए

एक दिवसीय कार्यशाला 19 अगस्त, 2019 को गाजियाबाद में सफलतापूर्वक आयोजित की गई थी। 30 जिलों के कुल 6,114 प्रतिभागियों को भारत भर में एनडीआरएफ की विभिन्न बटालियनों में आपदा जोखिम प्रशमन में प्रशिक्षित किया गया था।

✓ **एलडब्ल्यूई जनजातीय युवा आदान–प्रदान कार्यक्रम (गृह मंत्रालय, भारत सरकार)**

कार्यक्रम का उद्देश्य देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के प्रति एलडब्ल्यूई आदिवासी युवाओं को संवेदनशील बनाना और उन्हें विविधता में एकता की अवधारणा की सराहना करना और उन्हें देश के अन्य हिस्सों में विकास गतिविधियों और तकनीकी/औद्योगिक उन्नति से अवगत कराना और उनकी मुख्य जीवन कौशलों की समझ को बढ़ाकर, उनके व्यक्तित्व का विकास करना, उनके कौशल विकास की जरूरतों की पहचान करना और उन्हें आवश्यक आजीविका परामर्श देना है।

ये कार्यक्रम गृह मंत्रालय के सहयोग से आयोजित किए गए। गृह मंत्रालय भारत सरकार द्वारा 25,87,000/–रुपये की दर से 5,17,40,000/– रु. के 20 कार्यक्रम स्वीकृत किए गए है। आज तक देश के 7 राज्यों के एलडब्ल्यूई प्रभावित जिलों से 200 एस्कॉर्ट्स सहित 1800 जनजातिय युवाओं की भागीदारी से 9 कार्यक्रम आयोजित किए गए।

✓ **महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती (संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार)**

युवाओं के बीच महात्मा गांधी जी के जीवन और कार्यों के बारे में जानकारी का प्रसार करने और उन्हें सफाई और स्वच्छता के बारे में जागरूक करने के लिए, एनवाईकेएस ने और एनवाईकेएस ग्राम आधारित युवा क्लबों के राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवकों और सदस्यों की सक्रिय भागीदारी से महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती के एक भाग के रूप में विभिन्न प्रकार की गतिविधियों का आयोजन किया।

गतिविधियों में गांधी जयंती समारोह, प्रभात फेरी, सर्व धर्म प्रार्थना और महात्मा गांधी के भजन, परस्पर संवाद के सत्र, वक्ताओं द्वारा चर्चा और व्याख्यान, पद यात्रा, साइकल यात्रा और रैलियाँ, सांस्कृतिक कार्यक्रम, गाँधी जी पर नुक्कड़ नाटक और लघु फिल्म, प्रतियोगिताएं – निबंध, चित्रकला, भाषण प्रतियोगिता और कविता पाठ; स्वच्छता, सफाई और स्वस्थता अभियान; रक्तदान शिविर, निवारक

स्वास्थ्य शिविर; प्रधान मंत्री वित्तीय समावेशन, लाभ प्राप्त करने के लिए ग्रामीणों को बढ़ावा देना, पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम, महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती का प्रसार के साथ—साथ मुख्य कार्यक्रम, विशेष कार्यक्रम और परियोजनाओं के संचालन के दौरान गांधी जी के फोटो और उद्ध रण के साथ बैनरों के प्रदर्शन के दौरान मुख्य कार्यक्रम का आयोजन करना ाामिल है। कुल 6,05,821 गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसमें देश भर के 98,63,798 युवाओं ने भाग लिया।

महात्मा गांधी की 150 जयंती के एक भाग के रूप में पद यात्रा – भारत भर में युवाओं और समुदायों के बीच महात्मा गांधी जी के जीवन और कार्यों के बारे में जानकारी का प्रसार करने के लिए, एनवाईकेएस ने 81,457 युवाओं और शांति अहिंसा और भाईचारे का संदेश फलाने के लिए 38,572 युवाओं की भागीदारी से 2678 पद यात्राओं और 2,545 प्रभात फेरियों का आयोजन किया।

स्वच्छ भारत ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप कार्यक्रम (एसबीएसआई) – माननीय राष्ट्रपति और प्रधान मंत्री ने भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय के लिए एनवाईकेएस युवा क्लब को पुरस्कृत किया।

स्वछता गतिविधियों में युवाओं को ाामिल करने, स्वच्छता संबंधी कार्यों के लिए अपने कौशल और अभिविन्यास को विकसित करने, स्वयंसेवा की भावना का प्रचार करने और उनके योगदान का सम्मान करने के लिए, एसबीएसआई 2018 को देश भर में एनवाईकेएस द्वारा कार्यान्वित किया गया था। इस कार्यक्रम के तहत, 2.5 लाख युवाओं को ऑनलाइन/ ऑफलाइन पंजीकृत किया गया जिन्होंने 100 घंटे का श्रमदान पूरा किया और 1,17,129 गतिविधियां की।

श्री. नरेंद्र मोदी, माननीय प्रधान मंत्री ने 2 अक्टूबर 2018 को राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली सांस्कृतिक केंद्र में एनवाईकेएस यूथ क्लब को राष्ट्रीय स्तर का पहला पुरस्कार दिया। एनवाईकेएस युवा क्लबों ने भी द्वितीय और तृतीय स्थान हासिल किया जिसके लिए माननीय पेयजल और स्वच्छता मंत्री, सुश्री उमा भारती द्वारा पुरस्कार प्रदान किए गए।

इसी तरह, 2019–20 के दौरान, 5,19,439 युवाओं को ऑफलाइन पंजीकृत किया गया जिन्होंने 50 घंटे का श्रमदान पूरा किया और 2,26,436 गतिविधियां कीं।

भारत के माननीय राष्ट्रपति ने 2 अक्टूबर 2019 को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में एनवाईकेएस युवा क्लब को राष्ट्रीय स्तर का पहला पुरस्कार दिया। एनवाईकेएस युवा क्लबों ने भी दूसरा और तीसरा स्थान हासिल किया जिसके लिए माननीय जल शक्ति मंत्री, भारत सरकार द्वारा पुरस्कार दिए गए।

✓ **स्वच्छ भारत अभियान – स्वच्छता पखवाड़ा (जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार)**

एनवाईकेएस ने देश भर में 1 से 15 अगस्त, 2019 तक स्वच्छता पखवाड़ा मनाया। मुख्य फोकस क्षेत्र प्लास्टिक मुक्त गांवों के युवा संगठन, वृक्षारोपण और रखरखाव के माध्यम से हरित वृक्षों के संवर्धन और सभी गांवों में पर्याप्त स्वच्छता सुविधा थी। विभिन्न प्रकार की गतिविधियाँ जैसे कि स्वच्छता लोगो को लोकप्रिय बनाना, बैनरों का प्रदर्शन, माननीय प्रधान मंत्री का संदेश/अपील पढ़ना, प्रख्यात नागरिकों के साथ बैठकें, आईईसी सामग्री का वितरण, स्वच्छता शपथ, आदि को राष्ट्रीय युवाओं स्वयंसेवकों (एनवाईवी) और एनवाईकेएस युवा क्लबों की सक्रिय भागीदारी के साथ चलाया गया। स्वच्छता पखवाड़ा मनाने के दौरान कुल 2,71,042 गतिविधियाँ की गईं, जिसमें 38,84,124 युवाओं ने भाग लिया।

✓ **जल शक्ति अभियान (जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार)**

कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को जल संरक्षण

प्रचार और प्रदर्शन गतिविधियों के लिए जागरूक करना, शिक्षित करना और प्रेरित करना है।

जल संकट वाले 255 जिलों पर विशेष ध्यान दिया गया है। राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवकों, एनवाईकेएस युवा क्लबों, जिला प्रशासन, संबंधित विभागों / एजेंसियों और अन्य हितधारकों की सक्रिय भागीदारी के साथ जिला नेहरू युवा केंद्रों द्व ारा निम्नलिखित गतिविधियां की गईं: क) कार्य शिविर – कार्य शिविर का विषय स्वच्छता और जल स्रोतों का संरक्षण था।

कार्य शिविरों के तहत परियोजनाओं में लघु सिंचाई चैनल, कुओं की खुदाई, पानी की टंकियों की गाद निकालना, पानी की टंकी का निर्माण, सामुदायिक शौचालयों का निर्माण, पेयजल कुओं को संक्रमण मुक्त करना, गाँव के तालाबों और कुओं का गहरीकरण शामिल हैं।

एक शिविर की अवधि 3 दिनों की थी जिसमें 40 युवा भाग ले सकते थे। देश भर में 507 ऐसे कार्य शिविरों का आयोजन किया गया जिनमें 46,732 युवाओं ने भाग लिया। शिविर 12 अगस्त (अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस) से शुरू किए गए और 15 अगस्त, 2019 (स्वतंत्रता दिवस) को संपन्न हुए।

ख) पौध रोपण – पौधों का रोपण और उनका रखरखाव जिला एनवाईके से संबद्ध युवा क्लबों की सबसे लोकप्रिय गतिविधियों में से एक है। समीक्षाधीन अवधि के दौरान, सरकारी भवनों, पार्कों, विश्वविद्यालय / कॉलेज परिसरों, सड़क के किनारे वृक्षारोपण, वन क्षेत्रों, आदि जैसे विभिन्न स्थानों पर 5,90,651 पौधे लगाए गए।

ग) आईईसी गतिविधियाँ – पानी के उचित उपयोग के लिए, युवा क्लबों द्वारा नुक्कड़ नाटक, रैलियाँ, पद यात्रा, डोर टू डोर अभियान, प्रतियोगिताएं: निबंध लेखन, पेंटिंग, क्विज, भाषण आदि गतिविधियाँ की गईं।

✓ **विश्व पर्यावरण दिवस मनाना (पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय)**

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, सरकार भारत ने सभी युवा संगठनों से आह्वान किया कि वे 5 जून, 2019 को "वायु प्रदूषण" के विषय पर विश्व पर्यावरण दिवस मनाएं। विषय आधारित नुक्कड़ नाटक और सांस्कृतिक कार्यक्रम, विषय विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान, संगोष्ठियों और चर्चाओं, पेंटिंग, ड्राइंग, क्विज, नारा लेखन, निबंध लेखन आदि प्रतियोगिताएं भी जिला, ब्लॉक और ग्राम स्तर पर देश भर में आयोजित की गईं। एनवाईवी और एनवाईकेएस युवा क्लब की सक्रिय भागीदारी के साथ कुल 1,89,348 गतिविधियां की गईं, जिनमें 29,30,170 युवाओं ने भाग लिया।

✓ **अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (आयुष मंत्रालय, भारत सरकार)**

एनवाईकेएस भारत भर में राज्य, जिला, ब्लॉक और ग्राम स्तरों पर 2015–16 से 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन कर रहा है। वर्ष 2019–20 के दौरान, रांची (झारखंड) में आयोजित राष्ट्रीय स्तर के योग प्रदर्शन कार्यक्रम में 2,583 युवाओं ने भाग लिया। इसी प्रकार, 12 राज्यों में 77,454 युवाओं की भागीदारी के साथ राज्य स्तरीय मेगा योग कार्यक्रम किए गए। यह कार्यक्रम 296 जिलों में भी आयोजित किया गया जिनमें 2,64,749 युवाओं ने भाग लिया था। इसके अलावा, 2,196 ब्लॉक स्तरीय योग प्रशिक्षण और अभ्यास शिविर आयोजित किए गए, जिसमें 2,60,904 युवाओं को प्रशिक्षित किया गया। 30,760 गांवों में योग प्रदर्शन किया गया, जिसमें 24,24,430 युवाओं ने भाग लिया। राज्य स्तरीय कार्यक्रमों के दौरान, 129 योग गुरुओं को सम्मानित किया गया। कश्मीर घाटी में आतंकवादी खतरे के बावजूद, कश्मीर घाटी के जिलों कुपवाड़ा, बारामूला, श्रीनगर, बडगाम और पुलवामा में योग प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया।

✓ **एनवाईकेएस ने पर्यटन पर्व समारोह (पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार) के दौरान सर्वश्रेष्ठ सहभागी साझेदार का पुरस्कार जीता।**

नेहरू युवा केंद्र संगठन ने 5 से 25 अक्टूबर, 2017, 16 से 27 सितंबर, 2018 और 2 से 13 अक्टूबर, 2019 तक पूरे देश में कई कार्यक्रम आयोजित किए। इन गतिविधियों से लोग अपनी संस्कृति और एतिहासिक स्थलों के बारे में जानने के लिए प्रेरित हुए, उन्हें पर्यटन के महत्व की जानकारी मिली और प्रत्येक व्यक्ति पर्यटन के विकास में हितधारक बनने के लिए प्रेरित हुआ। पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार को वित्तीय वर्ष 2017–18 और 2018–19 के दौरान पर्यटन पर्व के समापन समारोह में नेहरू युवा केंद्र संगठन के साथ सर्वश्रेष्ठ सहभागी साझेदार मंत्रालय से सम्मानित किया गया।

✓ **पोषन माह मनाना – एनवाईकेएस को पुरस्कार दिया गया (महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार)**

माननीय प्रधान मंत्री के आह्वान पर, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने पोषन माह का आयोजन किया। एनवाईकेएस कार्यक्रम का प्रमुख भागीदार था। वित्त वर्ष 2018–19 के दौरान, एनवाईकेएस युवा क्लबों द्वारा कुल 5,72,249 गतिविधियाँ की गईं, जिनमें 63,04,976 युवाओं ने भाग लिया। 2019–20 के दौरान, 6,09,632 गतिविधियां की गईं, जिनमें 64,95,930 युवाओं ने भाग लिया। एनवाईकेएस के प्रयासों को उच्चतम स्तर पर सराहा गया है और उसे अनुकरणीय स्वैच्छिक प्रयासों के लिए सम्मानित किया गया है।

✓ **नमामि गंगे कार्यक्रम में युवाओं की भागीदार (जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार)।**

एनवाईकेएस गंगा नदी के किनारे बसे गाँवों में सफाई और स्वच्छता के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के साथ काम कर रहा है। वृक्षारोपण सप्ताह को उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल के 4 राज्यों के 29 जिलों के 53 चयनित ब्लॉकों में गंगा वृक्षारोपण शपथ दिलाई गई। 9 जुलाई से 15 जुलाई 2018 तक वन विभाग और राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के सहयोग से 82,819 पौधे लगाए गए।

राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) के अनुमोदन के अनुसार, 4 राज्यों यानी उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल के 29 जिलों में 2336 गांवों के लिए संशोधित कार्य योजना विकसित की गई है।

चालू वित्तीय वर्ष के दौरान, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड राज्यों के चुनिंदा जिलों में परियोजना कार्यकताओं को तैनात किया गया है, जबकि बिहार और पश्चिम बंगाल राज्यों के शेष जिलों में चयन प्रक्रिया जारी है। विभिन्न किस्मों के 80,774 पौधे लगाए गए हैं। एनवाईवी और एनवाईकेएस युवा क्लबों की सक्रिय भागीदारी के साथ कानपुर में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। गंगा दूतों और युवा क्लब की पहचान और चयन सक्रियता /उनके गठन की चल रही प्रक्रिया है।

✓ **भारत का निर्वाचन आयोग को व्यवस्थित मतदाता शिक्षा और निर्वाचन भागीदारी कार्यक्रम (एसवीईईपी) का समर्थन – भारत का निर्वाचन आयोग**

एनवाईकेएस पूरे भारत में सक्रिय रूप से भारत का चुनाव आयोग (ईसीआई) के एसवीईईपी कार्यक्रम से जुड़ा रहा। लोकसभा चुनाव और महाराष्ट्र, हरियाणा और झारखंड, विधानसभा निर्वाचन 2019 के दौरान व्यवस्थित मतदाता शिक्षा और निर्वाचन भागीदारी (एसवीईईपी) के लिए हर संभव सहयोग और समर्थन दिया गया। एसवीईईपी कार्यक्रम के आयोजन से पहले, एनवाईवी और युवा क्लब के सदस्यों को संबंधित जिला प्रशासन द्वारा तैनात संसाधन व्यक्ति द्वारा

प्रशिक्षण दिया गया।

निष्पादित महत्वपूर्ण गतिविधियाँ में मतदाता जागरूकता रैलियां, मत के अधिकार के बारे में जागरूकता कार्यक्रम, मतदाताओं को अपना मतदाता पहचान पत्र बनाने के लिए प्रेरित करना, युवा नेताओं के साथ संपर्क बैठकें, समन्वय, डोर टू डोर मतदाता जागरूकता अभियान, हस्ताक्षर अभियान, 18 वर्ष की आयु, के मतदाताओं को प्रेरित करना, मानव श्रृंखला निर्माण, ईवीएम मशीन का प्रदर्शन, स्ट्रीट प्ले, अपने आदर्श प्रतिनिधियों का चुनाव करने के लिए मताधिकार का उपयोग करने के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना और मतदाताओं की जागरूकता पर आईईसी सामग्री का वितरण, जैसे प्लेकार्ड, हैंड बिल पोस्टर, बैनर, मतदाताओं के लिए प्रतिज्ञा, निर्वाचन आयोग द्वारा विकसित स्थानीय भाषाओं में पत्रक शामिल हैं। मतदाताओं को मतदान के लिए शपथ भी दिलाई गई।

जिला प्रशासन ने मतदाता जागरूकता अभियान के कार्यान्वयन में एनवाईके की भूमिका की सराहना की है।

✓ **निवेशक शिक्षा और जागरूकता कार्यक्रम (कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय)**

नेहरू युवा केंद्र संगठन (एनवाईकेएस) और निवेशक शिक्षा और संरक्षण कोष प्राधिकरण (आईईपीएफए) निवेशक शिक्षा, जागरूकता और संरक्षण, निवेशक शिक्षा, जागरूकता और संरक्षण का सेवा भाव से अंतिम पड़ाव तक संदेश फैलाने के लिए एनवाईकेएस क्षेत्र के अधिकारियों और युवा क्लबों के सदस्यों को समुदाय जागरूकता पर प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए मिलकर काम करने के लिए सहमत हुए। एनवाईकेएस और आईईपीएफए ने 16 अक्टूबर, 2019 को शास्त्री भवन, नई दिल्ली में अपने कार्यालय चैंबर में सचिव, कॉर्पोरेट कार्य की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

उक्त परियोजना एनवाईकेएस के लिए करोड़ों लोगों तक पहुंचाने के लिए एक मील का पत्थर साबित होगी, ताकि लोगों की मेहनत से कमाए गए धन की रक्षा करने और जागरूकता पैदा करने के लिए करोड़ों लोगों को धोखाधडीपूर्ण निवेश से छुटकारा दिलाने के लिए सम्पर्क किया जा सकें ताकि लोग निवेश के बारे में सोच समझकर में निर्णय ले सकें।

घ) विभिन्न विकास विभागों और एजेंसियों के साथ स्वैच्छिक आधार पर समन्वय गतिविधियाँ

मुख्य फोकस क्षेत्र

- भावना – भागीदारी, स्वैच्छिकता और नेतृत्व
- स्वछता – सेवा भाव, निष्काम सेवा के साथ श्रमदान
- राष्ट्रीय मुख्य कार्यक्रमों को बढ़ावा देना
- निवारक स्वास्थ्य देखभाल – योग, स्वैच्छिक रक्तदान, मिशन इंद्रधनुष, आयुष्मान, एचआईवी / एड्स
- पर्यावरण संवर्धन – जल संरक्षण, पौधा–रोपण
- युवा सशक्तीकरण के लिए मतदान के लिए जागरूकता
- कौशल विकास के लिए प्रेरणा और प्रारंभिक सहायता
- स्कूलों में बच्चों के पंजीकरण की सुगमता के लिए जागरूकता

एनवाईकेएस, विभिन्न विकास विभागों और एजेंसियों के साथ समन्वय में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करता है। जिला एनवाईके और राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक (एनवाईवी) उनके साथ निरंतर मिलकर काम करते हैं और युवा क्लबों को शामिल करके गतिविधियों को नि पादित करते हैं। 2019–20 के दौरान, (दिसम्बर, 2019 तक), प्रमुख उपलब्धियां इस प्रकार थीं:

क्र.सं.	कार्यक्रम	उपलब्धि
1.	युवा क्लब के सदस्यों को रोजगारपरक कौशल विकास प्रशिक्षणों से जोड़ना	94726
2.	प्रधानमंत्री वित्तीय समावेशी योजनाओं (प्रधानमंत्री जनधन खाता, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के तहत लाभ, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना, अटल पेंशन योजना, मुद्रा बैंक (माइक्रो यूनिट्स डेवलपमेंट एंड रिफाइनेंस एजेंसी), प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया–स्किल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, स्टैंड अप इंडिया और अन्य के अंतर्गत लाभ प्राप्त करने के लिए ग्रामीणों को प्रेरित करना और सहायता देना	279672
3.	नए जलाशय बनाना	5366
4.	विद्यमान जलाशयों का रखरखाव/ मरम्मत/ सुधार करना	6713
5.	तालाबों, पेयजल के प्राकृतिक स्त्रोतों, सिंचाई के छोटे चैनलों, पानी की टंकियों आदि की सफाई, खुदाई, रखरखाव, गाद निकालना और मरम्मत करना	7074
6.	शमशान भूमि और खेल के मैदानों का रखरखाव और मरम्मत	2509
7.	कुंओं का पुनर्भरण/गाद निकालना	4824
8.	गांवों में जल संचयन	4410
9.	गांव में बोरी बाड़ बनाना	776
10.	कृषि भूमि मृदा कार्ड	69594
11.	ब्लॉक जिला और राज्य स्तर पर स्वच्छता दूतों का चयन	1531
12.	दूतों की श्रृंखला	316
13.	स्कूल/कॉलेज की सफाई	12381
14.	पीएचसी/उप केंद्र/अस्पतालों की सफाई	6125
15.	सड़कों और सार्वजनिक स्थानों को साफ करने अभियान	19420
16.	जिला और राज्य कार्यालयों के कार्यालय परिसरों, शौचालयों तथा कूड़ा घरों की सफाई	5630
17.	सार्वजनिक प्रतिमाओं की सफाई	218362
18.	प्रेरणा देना जिसके परिणामस्वरूप खुले में शौच मुक्त (ओडीएफ) बनाने के लिए शौचालयों का निर्माण हो सके	13046
19.	पौधारोपण करना और उनकी देखभाल करना	396051
20.	पर्यावरण की सुरक्षा के लिए जागरूकता पैदा करने और उसे सुगम बनाने के लिए प्लास्टिक की थैलियां इकट्ठी करना	20841
21.	गांवों में खरपतवार (जैसे गजर घास, लटाना, जलकुंभी) को उखाड़ना	24014
22.	रक्तदान	19067
23.	स्वैच्छिक रक्तदाताओं के पंजीकरण सहित उनके रक्त समूहों का वर्गीकरण करना	35187
24.	किशोरियों को आयरन फोलिक एसिड गोलियां उपलब्ध कराना	104450
25.	लड़कियों और उनके अभिभावकों को लड़की की शादी 18 वर्ष की आयु प्राप्त करने के बाद ही करने के लिए प्रेरित करना	83924

26.	अस्पताल में प्रसूति कराने के लिए प्रेरित करना और इसमें सहायता करना	50257
27.	गर्भवती माताओं का टीकाकरण	101448
28.	बच्चों (0–5 वर्ष) के टीकाकरण के लिए प्रेरित करना	135279
29.	मोतियाबिंद (नेत्र) के ऑपरेशन	17854
30.	स्वास्थ्य जांच शिविर(डीओटी ,हाइपरटेंशन, मधुमेह और अन्य)	8569
31.	बच्चों का स्कूल में दाखिला कराना	50715
32.	बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाआ	55220
33.	मतदाता पहचान पत्र प्राप्त करने में सहायता करना	75186
34.	युवा नेताओं को कैशलेस लेन–देन के संबंध में प्रशिक्षण देना	42282
35.	स्थानीय जरूरतों और प्राथमिकता के अनुसार अन्य कार्यक्रमों को लक्ष्य के साथ योजना में जोड़ा जा सकता है	8627

****

अध्याय – 5

राष्ट्रीय युवा कोर

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय ने एनएसवी (1977–78) और आरएसवाई (2005) की पिछली योजनाओं को संशोधित करने के बाद 2010–11 के दौरान राष्ट्रीय युवा कोर नामक नई स्कीम पेश की है। एनवाईसी योजना के उद्देश्य हैं– अनुशासित और समर्पित युवाओं का समूह बनाना जिनका राष्ट्र निर्माण के कार्य में शामिल होने के प्रति झुकाव और भावना हो, समावेशी उन्नति (सामाजिक और आर्थिक दोनों) को साकार करने के कार्य को सुकर बनाना, समुदाय में सूचना, बुनियादी ज्ञान के प्रसार के केंद्र के रूप में कार्य करना, समूह मॉडयूलेटर तथा साथी समूह शिक्षकों के रूप में कार्य करना, युवा वर्ग के लिए विशेषकर सार्वजनिक आचार, ईमानदारी तथा श्रम की गरिमा को बढ़ाने के लिए रोल मॉडल के रूप में कार्य करना।

इस स्कीम के प्रावधान के अनुसार, 706 जिलों में कुल 13,253 स्वयंसेवक हर साल तैनात किए जा रहे हैं। स्वयंसेवकों के चयन के लिए जिले के डीएम / डीसी की अध्यक्षता में एक चयन समिति है। 18–29 वर्ष की आयु के स्वयंसेवकों को अधिकतम 2 वर्ष की अवधि के लिए तैनात किया जा रहा है। प्रत्येक स्वयंसेवक को अक्तूबर 2016 से 5000/–रु. प्रति माह का मासिक मानदेय दिया जा रहा है जो पहले प्रति स्वयंसेवक मात्र 2500/– रु. था। वर्ष 2019–20 के दौरान, देश भर में कुल 13,206 स्वयंसेवक तैनात किए गए थे। स्वयंसेवक युवा क्लब के सदस्यों और संबंधित नेहरू युवा केंद्र/विभिन्न अन्य विभागों के बीच कड़ी के रूप में कार्य करते हैं।

ये स्वयंसेवक एनवाईकेएस के मुख्य कार्यक्रमों और विशेष कार्यक्रमों के कार्यान्वयन के साथ–साथ ग्राम/समुदाय स्तर पर युवा क्लबों और महिला मंडलों को प्रेरित करने और मजबूत करने में सक्रिय रूप से शामिल थे ।

****

अध्याय – 6

राष्ट्रीय सेवा योजना

(समुदाय सेवा में एक शैक्षिक प्रयोग – समुदाय का परिसर)

प्रस्तावना

राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) स्वयंसेवी समुदाय सेवा के माध्यम से युवा छात्रों के व्यक्तित्व और चरित्र का विकास करने के मुख्य उद्देश्य के साथ 1969 में आरंभ की गई थी। 'सेवा के माध्यम से शिक्षा' एनएसएस का उद्देश्य है। एनएसएस की विचाराधारा का उन्मुखीकरण महात्मा गांधी के विचारों से प्रेरित हैं। उचित रूप से एनएसएस का विचार "मैं नहीं, परंतु आप" है। एक एनएसएस स्वयंसेवी 'स्वयं' से पहले 'समुदाय' को रखता है।

एनएसएस के उद्देश्यः एनएसएस का उद्देश्य स्वयंसेवकों में निम्नलिखित गुणों/सक्षमताओं का विकास करना हैः

क) उस समुदाय को समझना जिसमें एनएसएस स्वयंसेवक कार्य करते हैं और स्वयं को उनके

समुदाय के संबंध में समझाना;

ख) समुदाय की आवश्यकताओं और समस्याओं की पहचान करना तथा स्वयं को समस्या सुलझाने की कार्रवाई में शामिल करना;

ग) स्वयं में सामाजिक और नागरिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करना;

घ) अपने ज्ञान को व्यक्ति तथा समुदाय की समस्याओं को व्यावहारिक रूप से हल करने में प्रयोग करना;

ङ) समुदाय भागीदारी जुटाने में कौशल प्राप्त करना;

च) नेतृत्व के गुण तथा लोकतांत्रिक मूल्य अर्जित करना;

छ) आपात स्थितियों और प्राकृतिक आपदाओं का सामना करने के लिए क्षमता का विकास करना; और

ज) राष्ट्रीय एकता तथा सामाजिक सद्भावना अपनाना।

एनएसएस का प्रयास "कैम्पस और समुदाय", "कॉलेज और गांव" तथा "ज्ञान तथा कार्रवाई" के बीच अर्थपूर्ण संबंध स्थापित करना है।

एनएसएस लगभग 40,000 स्वयंसेवकों को शामिल करते हुए 37 विश्वविद्यालयों में 1969 में आरंभ किया गया था। 31.12.2019 की स्थिति अनुसार, एनएसएस में 530 विश्वविद्यालयों और +2 परिषदों/निदेशालयों 17,676 कॉलेजों/तकनीकी संस्थाओं और 12,087 वरिष्ठ माध्यमिक स्कूलों में पंजीकृत लगभग 39.26 लाख स्वयंसेवक हैं। शुरूआत से अब तक 7 करोड़ रू. से अधिक छात्रों ने एनएसएस से लाभ उठाया है।

एनएसएस की बुनियादी अभिकल्पना/कार्यक्रम संरचना

एनएसएस वरिष्ठ माध्यमिक स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में कार्यान्वित की जा रही है। एनएसएस की संकल्पना में इस संभावना पर बल दिया जाता है कि योजना के तहत शामिल प्रत्येक शैक्षिक संस्थान में 100 छात्र स्वयंसेवकों (कुछ मामलों में संख्या कम हो सकती है) वाली कम से कम एक एनएसएस यूनिट हो जिसका प्रमुख एक अध्यापक हो जिसे कार्यक्रम अधिकारी(पीओ) के रूप में नामोद्दिष्ट किया जाएगा। प्रत्येक एनएसएस यूनिट एक गांव या मलिन बस्ती को अपने कार्यकलापों का संचालन करने के लिए अपनाती है। एक एनएसएस स्वयंसेवक के लिए निम्नलिखित कार्य/ कार्यकलाप करना अपेक्षित हैः

क) **नियमित एनएसएस कार्यकलाप :** प्रत्येक एनएसएस स्वयंसेवक को दो वर्ष के लिए प्रतिवर्ष न्यूनतम 120 घंटों अर्थात 2 वर्षों में कुल 240 घंटों की सेवा देनी होती है। यह कार्य एनएसएस यूनिट द्वारा अपनाए गए गांवों/मलिन बस्तियों या विद्यालय/ कॉलेज कैंपस में सामान्यतः पढ़ाई के घंटों के बाद या सप्ताहांत में किया जाता है। प्रथम वर्ष के दौरान 20 घंटे (कुल 120 घंटों में से) एनएसएस स्वयंसेवकों के अभिविन्यास के लिए चिन्हित किए जाते हैं ताकि उन्हें व्याख्यानों, चर्चाओं, कार्यस्थल का भ्रमण, श्रव्य–दृश्य आदि के माध्यम से एनएसएस की मूलभूत जानकारी दी जा सके।

ख) **विशेष शिविर कार्यक्रमः** प्रत्येक एनएसएस यूनिट अपनाए गए गांवों/ मलिन बस्तियों में छुट्टियों के दौरान स्थानीय समुदाय को शामिल करते हुए किसी विशिष्ट परियोजना पर 7 दिनों का विशेष शिविर आयोजित करती है। प्रत्येक स्वयंसेवक के लिए 2 वर्ष की अवधि के दौरान ऐसे विशेष शिविर में एक बार भाग लेना अनिवार्य है। इस प्रकार एक यूनिट के लगभग 50 प्रतिशत एनएसएस स्वयंसेवक विशेष शिविर में प्रतिभागिता करते हैं।

एनएसएस द्वारा किए जा रहे कार्यकलापों का स्वरूप :

एनएसएस द्वारा किए जा रहे कार्यकलापों को मुख्यतः दो श्रेणियों में बांटा जा सकता है यथाः

1. **मुख्य कार्यकलापः** एनएसएस के अंतर्गत किए जा रहे कार्यकलाप समुदाय की आवश्यकताओं के अनुसार विकसित होते रहते हैं। एनएसएस द्वारा किए जा रहे कुछ कार्यकलापों की एक सूची नीचे दी गई है:–

   क) शिक्षाः प्रौढ़ शिक्षा, स्कूल पूर्व शिक्षा, पढ़ाई छोड़ चुके व्यक्तियों को पढ़ाई जारी रखने में सहायता करना, सामाजिक बुराइयों को मिटाने के लिए कार्यक्रम आदि।

   ख) स्वास्थ्य, परिवार कल्याण और पोषणः टीकाकरण, रक्तदान, स्वास्थ्य शिक्षा, एड्स जागरूकता आदि।

   ग) पर्यावरण संरक्षणः पौधारोपण और उनका परिरक्षण/ देखरेख, नालों/ सड़कों की सफाई और अनुरक्षण आदि।

   घ) समाज सेवा कार्यक्रमः अस्पतालों, दिव्यांगजनों के लिए संस्थाओं, अनाथ आश्रमों, वृद्धाश्रमों, महिला कल्याण संस्थानो आदि में कार्य करना।

   ङ) महिलाओं की स्थिति में सुधार के लिए कार्यक्रमः महिला अधिकारों के संबंध में जारूकता उत्पन्न करना, महिलाओं को कौशल प्रशिक्षण प्रदान करना इत्यादि।

   च) उत्पादन–उन्मुख कार्यक्रमः लोगों को उन्नत कृषि संबंधी पद्धतियों के संबंध में शिक्षित करना, पशु संसाधन विकास के लिए मार्गदर्शन आदि।

   छ) आपदा राहत और पुनर्वासः बचाव एवं राहत कार्यों में स्थानीय प्राधिकरण के साथ मिलकर कार्य करना।

2. **एनएसएस के अंतर्गत अन्य कार्यकलाप/कार्यक्रमः** एनएसएस के मुख्य कार्यकलापों के

   अलावा अन्य कार्यकलाप भी किए जाते हैं। उदाहरण के लिएः

   क) गणतंत्र दिवस परेड शिविर में सहभागिता।

   ख) साहस कार्यकलापों में सहभागिता।

   ग) एनएसएस मेगा शिविरों तथा पूर्वोत्तर एनएसएस युवा महोत्सवों का आयोजन।

   घ) राष्ट्रीय युवा महोत्सव के दौरान "सुविचार" तथा" यूथ कन्वेंशन" का आयोजन।

   ङ) एनएसएस स्वयंसेवकों के लिए आत्मरक्षा प्रशिक्षण।

   च) एनएसएस पुरस्कार।

   छ) राष्ट्रीय अखण्डता शिविर

प्रशासनिक ढांचाः

किसी संस्था में प्रत्येक एनएसएस यूनिट का प्रमुख "कार्यक्रम अधिकारी (पीओ)" के रूप में नामोद्दिष्ट एक अध्यापक होता है जो अपने अंतर्गत एनएसएस यूनिट के लिए एक शिक्षक, आयोजक, समन्वयक, पर्यवेक्षक, प्रशासक और जनसंपर्क व्यक्ति के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है।

विश्वविद्यालय स्तर पर विश्वविद्यालय और संबद्ध कॉलेजों में एनएसएस यूनिटों के संबंध में एनएसएस कार्यकलापों के समन्वय के लिए एक एनएसएस सेल और एक नामोद्दिष्ट कार्यक्रम समन्वयक (पीसी) होता है। इसी प्रकार वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों के लिए वरिष्ठ माध्यमिक शिक्षा निदेशालय में एक एनएसएस सेल बनाया गया है।

राज्य स्तर पर राज्य सरकार के किसी एक विभाग में स्थित राज्य एनएसएस अधिकारी (एसएनओ) की अध्यक्षता में एक राज्य एनएसएस सेल होता है।

राष्ट्रीय स्तर पर एक एनएसएस निदेशालय है जो 15 क्षेत्रीय निदेशालयों (अहमदाबाद, बेंगलुरु, भोपाल, भुवनेश्वर, चंडीगढ़, चेन्नई, दिल्ली, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कोलकाता, लखनऊ, पटना, पुणे और त्रिवेंद्रम में स्थित) के माध्यम से कार्य करता है। एनएसएस संगठन की कुल स्वीकृत स्टाफ संख्या 199 है, 31.12.2019 तक स्टाफ की वास्तविक संख्या 98 है।

उपरोक्त के अतिरिक्त, एनएसएस के कार्यकर्ताओं को आवश्यक मार्गदर्शन देने के लिए राज्य, विश्वविद्यालय और संस्था के स्तर पर सरकारी और गैर–सरकारी सदस्यों वाली सलाहकार समितियां हैं।

वित्तीय तंत्र

वर्तमान में, एनएसएस के मुख्य कार्यकलापों के संचालन के लिए नियमित एनएसएस कार्यकलापों हेतु प्रतिवर्ष 250 रुपए प्रति स्वयंसेवक और विशेष शिविर कार्यकलापों के लिए 450 रुपए प्रति स्वयंसेवक (2 वर्ष में एकबार) की दर से निधियन प्रदान किया जाता है। इस प्रकार, एनएसएस कार्यक्रम के संचालन की कुल लागत प्रति वर्ष 475 रुपए प्रति स्वयंसेवक है (चूंकि विशेष शिविर केवल एक विशिष्ट वर्ष में 50 प्रतिशत स्वयंसेवकों के लिए होते हैं)। सभी निधियों का प्रयोग एनएसएस कार्यकलापों के संचालन के लिए किया जाता है और किसी भी स्वयंसेवक को कोई नगद भुगतान नहीं किया जाता। कुल प्रावधान में से, एनएसएस से जुड़ी शैक्षिक संस्थाओं में से स्थापना की लागत भी वहन की जानी आवश्यक होती हैं जिसमें कार्यक्रम समन्वयकों (800 रुपए प्रतिमाह की दर से) तथा कार्यक्रम अधिकारियों (400 रु. प्रतिमाह की दर से) को जेब खर्च भत्ता शामिल हैं।

2015–16 तक एनएसएस एक केन्द्रीय प्रायोजित योजना के रूप में कार्यानवित की गई। तथापि, 01.04.2016 से इसका कार्यान्वयन केन्द्रीय क्षेत्र योजना के रूप में किया जा रहा है।

स्व–वित्त पोषण ईकाइयां (एसएफयू)

इस विभाग ने एनएसएस की स्व–वित्त पोषण ईकाइयों की स्थापना के लिए एक तंत्र आरंभ किया है ताकि एनएसएस का विस्तार पर्याप्त सरकारी निधियन के अभाव में बाधित न हो। इस तंत्र के अंतर्गत स्थापित ईकाइयों को किसी अन्य एनएसएस ईकाइयों के समान दर्जा दिया जाता है, एकमात्र अंतर यह है कि इन ईकाइयों का वित्त पोषण इनकी स्थापना करने वाली संस्थाओं द्वारा किया जाता है।

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण

वर्तमान में, एनएसएस के अंतर्गत कार्यक्रम अधिकारियों को 7 दिन का प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है ताकि उन्हें अपने कर्तव्य प्रभावी रूप से निर्वाह करने के योग्य बनाया जा सके। यह प्रशिक्षण देश के विभिन्न भागों में कॉलेजों/विश्वविद्यालयों में स्थित 29 पैनलबद्ध प्रशिक्षण संस्थाओं (ईटीआई) के माध्यम से प्रदान किया जाता है। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान इन ईटीआई के माध्यम से 2693 कार्यक्रम अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया था।

2019–20 के दौरान प्रदर्शन/विकास

गांवों/झुग्गी बस्तियों को अपनाना: एनएसएस इकाईयों ने अपने कार्यकलापों के लिए 26,172 गांवों/झुग्गी बस्तियों को अपनाया है।

विशेष शिविरों का आयोजन: विशेष शिविर एनएसएस का अभिन्न भाग हैं जिसमें स्वयंसेवक ग्रामीण लोगों के साथ निकटता से मिलने का अवसर, उनके जीवन को समझने, 7 दिन के लिए उनके साथ रहने और विभिन्न विकास कार्यकलाप करने का अवसर प्राप्त करते हैं। 2019–20 के दौरान भारत के गांव/झुग्गी बस्तियों में 12,397 विशेष शिविरों का आयोजन किया गया था।

पौधारोपण: पौधारोपण तथा उनका रखरखाव एनएसएस के सर्वाधिक लोकप्रिय कार्यकलापों में से एक है। 2019–20 के दौरान, विभिन्न स्थानों जैसे कि सरकारी भवनों, पार्कों, विश्वविद्यालय/ कॉलेज परिसरों, सड़क के किनारे रोपण, वन्य क्षेत्रों आदि में 19,59,753 पौधों का रोपण किया गया।

पल्स पोलियो टीकाकरण: एनएसएस ने पल्स पोलियो टीकाकरण कार्यक्रम के दौरान ग्रामीण क्षेत्र में जागरूकता अभियान चलाए। एनएसएस के स्वयंसेवकों ने देशभर में स्थानीय प्रशासन को बच्चों को पल्स पोलियो की दवा पिलाने में सहायता की। 2019–20 के दौरान एनएसएस स्वयंसेवक पल्स पोलियो टीकाकरण के लिए बच्चों को एकत्रित करने में शामिल थे और 97,618 बच्चों ने इस कार्यक्रम से लाभ उठाया।

रक्तदानः एनएसएस के स्वयंसेवक देश में गरीबों, जरूरतमंदों और अस्पतालों में आपातकालीन मामलों में रक्तदान करने के लिए सदैव अग्रणी रहते हैं। नियमित कार्यक्रम के अंतर्गत अधिकांश एनएसएस इकाइयां भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी, सरकारी अस्पतालों और ब्लड बैंकों के सहयोग से रक्तदान शिविरों का अनिवार्य रूप से आयोजन करती हैं। अधिकांश विश्वविद्यालय/संस्थाएं एनएसएस स्वयंसेवी रक्तदाताओं की एक निदेशिका रखती हैं जिन्हें आपातकालीन समय पर रक्तदान करने के लिए बुलाया जा सके। 2019–20 के दौरान भारत भर में एनएसएस के स्वयंसेवकों द्वारा 2,22,138 यूनिट रक्तदान किया गया।

स्वास्थ्य/नेत्र/टीकाकरण शिविरः एनएसएस इकाईयों ने 16,160 स्वास्थ्य/नेत्र/टीकाकरण शिविरों के आयोजन में सक्रिय भूमिका निभाई जिसमें 8,84,380 एनएसएस स्वयंसेवकों ने भाग लिया।

बुनियादी पर्वतारोहण पाठ्यक्रमः भारतीय पर्वतारोहण फाउंडेशन के सहयोग से युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय ने बेसिक माउंटेनियरिंग कोर्स (जुलाई 2019 से मार्च 2020) का आयोजन किया। माह भर के बेसिक माउंटेनियरिंग पाठ्यक्रम निम्नलिखित संस्थानों में आयोजित किए गए : (1) जवाहर इंस्टीट्यूट ऑफ माउंटेनियरिंग एंड विंटर स्पोर्ट्स (जेआईएम एण्ड डब्लूएस), पहलगाम (जम्मू एण्ड कश्मीर) (2) हिमालयन माउंटेनियरिंग इंस्टीट्यूट (एचएमआई) दार्जिलिंग (वेस्ट बंगाल) (3) नेहरू इंस्टीट्यूट ऑफ माउंटेनियरिंग (एनआईएम), उत्तरकाशी (उत्तराखंड) (4) राष्ट्रीय पर्वतारोहण और संबद्ध खेल संस्थान (एनआईएमएएस) डिरांग (आंध्र प्रदेश) (5) अटल बिहार वाजपेयी पर्वतारोहण संस्थान (एबीवीएमआई) मार्डी (एचपी) में चलाए गए और कुल 25 एनएसएस स्वयंसेवकों ने भाग लिया।

जागरूकता कार्यक्रम/रैलियां/अभियानः एनएसएस इकाईयों ने समुदाय से संबंधित मुद्दों पर 72,896 जागरूकता कार्यक्रमों/रैलियों/अभियानों का आयोजन किया जिसमें 48,93,144 स्वयंसेवकों ने भाग लिया।

पूर्वोत्तर एनएसएस महोत्सव : वर्ष 2014– 2015 से, भारत सरकार, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय पूर्वोत्तर एनएसएस महोत्सव के अंतर्गत एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन करती है। पूर्वोत्तर एनएसएस महोत्सव विशेष रूप से भारत के 8 पूर्वोत्तर राज्यों के एनएसएस स्वयंसेवकों के लिए है और यह 5 दिनों की अवधि के लिए आयोजित किया जाता है। पूर्वोत्तर एनएसएस महोत्सव में आत्मरक्षा पर प्रशिक्षण, साहसिक खेल, जीवन कौशल (स्व जागरूकता, संवेदना, संचार....) के 10 घटकों पर प्रशिक्षण, कैरियर परामर्श पर कार्यशाला, साक्षात्कार का सामना करना, सांस्कृतिक मूल्यों का विकास करना, एसपीआईसी एमएसीवाई और प्रतिभागियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करना, श्रमदान, स्थानीय दौरा, आदि जैसे कार्यकलाप शामिल हैं। वर्ष 2019–20 के दौरान, सभी पूर्वोत्तर राज्यों में आठ पूर्वोत्तर एनएसएस महोत्सव आयोजित किए गए, जिनमें विभिन्न पूर्वोत्तर राज्यों के क्रमशः 2400 एनएसएस स्वयंसेवकों ने भाग लिया।

राष्ट्रीय युवा महोत्सवः हर वर्ष, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय 12 जनवरी को मनाता है– महान दार्शनिक, विचारक और भारत में युवाओं के सबसे बड़े संरक्षक स्वामी विवेकानंद, की जयंती ''राष्ट्रीय युवा दिवस'' और 12 से 16 जनवरी को 'युवा सप्ताह' रूप में मनाता है। राष्ट्रीय युवा महोत्सव के भाग के रूप में, एनएसएस 'सुविचार' और 'युवा सम्मेलन' का आयोजन करता है, जिसमें प्रसिद्ध भारतीय हस्तियां युवा स्वयंसेवकों को संबोधित करते हैं और युवा सम्मेलन में पूरे भारत से आए युवा अलग–अलग मुद्दों पर चर्चा करते हैं, राष्ट्र निर्माण के लिए नए विचारों को सुनते हैं और साझा करते हैं। लखनऊ में आयोजित 23 वें राष्ट्रीय युवा महोत्सव 2019 में कुल 840 स्वयंसेवकों ने भाग लिया।

एक भारत श्रेष्ठ भारत (एक मंच पर भारत) 2019–2020: एनएसएस गतिविधियों को एक वर्ष में 120 घंटे की नियमित गतिविधियों और पड़ोसी गोद लिए गांवों में 7 दिन विशेष शिविर गतिविधि में विभाजित किया गया है। 120 घंटों की नियमित गतिविधियों में "एक भारत श्रेष्ठ भारत" का एक अनूठा कार्यक्रम जोड़ा गया। एक वर्ष में एनएसएस की नियमित गतिविधियों के 120 घंटों में से 10 घंटे 10 गतिविधियों के आयोजन के लिए समर्पित किए गए, जिसमें प्रारंभ में युग्मित राज्य में विश्वविद्यालय/कॉलेज में स्वयंसेवक के कम से कम 10 प्रतिशत आवंटन (2.5 लाख) शामिल थे। नवंबर और दिसंबर माह के दौरान, 6,93,062 स्वयंसेवकों ने ''एक भारत श्रेष्ठ भारत'' गतिविधियों में भाग लिया।

एनएसएस पुरस्कार : राष्ट्रीय सेवा योजना पुरस्कार एनएसएस गतिविधियों में किए गए उत्कृष्ट योगदान के सम्मान में दिए जाते हैं। विश्वविद्यालय /+ 2 परिषद स्तर का पुरस्कार एक उभरते विश्वविद्यालय को दिया है जिसमें 3,00,000/–रू., का नकद पुरस्कार, एक प्रमाण पत्र, एक रजत पदक और एक ट्रॉफी और 2,00,000/–रु. का विशेष सम्मान पुरस्कार दिया जाता हैं। इन इकाइयों का प्रतिनिधित्व करने वाले दस एनएसएस इकाइयों और दस कार्यक्रम अधिकारियों को क्रमशः 1,00,000/– और 70,000/–रु. तथा एक प्रमाण पत्र और एक रजत पदक दिया जाता है। इसी तरह, एनएसएस स्वयंसेवकों को तीस पुरस्कार दिए जाते हैं, जिसमें प्रत्येक, 50,000/–रु. का नकद पुरस्कार, एक प्रमाण पत्र और एक रजत पदक भी शामिल है।

वर्ष 2019–2020 के दौरान, वर्ष 2017–18 के लिए एनएसएस पुरस्कार भारत के माननीय राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविंद द्वारा 24 सितंबर, 2019 को राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली में प्रदान किया गया।

गणतंत्र दिवस परेड शिविर, 2020 : एनएसएस के स्वयंसेवक प्रत्येक वर्ष राजपथ पर गणतंत्र दिवस परेड में भाग लेते हैं। स्वयंसेवकों को इस भागीदारी के लिए तैयार करने हेतु प्रत्येक वर्ष जनवरी में नई दिल्ली में एक माह लंबे गणतंत्र दिवस परेड शिविर का आयोजन किया जाता है जिसमें भारत के सभी राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करते हुए 200 चुनिंदा एनएसएस स्वयंसेवक (100 लड़के और 100 लड़कियां) भाग लेते हैं। वर्ष 2019–20 के दौरान, गणतंत्र दिवस परेड शिविर अंतरराष्ट्रीय युवा छात्रावास, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली में आयोजित किया गया था। शिविर में अपने प्रवास के दौरान, स्वयंसेवकों ने भारत के माननीय राष्ट्रपति, भारत के माननीय उप–राष्ट्रपति और माननीय प्रधानमंत्री के साथ मुलाकात करने का अवसर प्राप्त किया। एनएसएस स्वयंसेवकों ने 26 जनवरी, 2020 को गणतंत्र दिवस परेड में भाग लिया। गणतंत्र दिवस परेड शिविर में भागीदारी एनएसएस स्वयंसेवकों के व्यक्तित्व का विकास करने में अत्यधिक सहायक होती है।

भारत के माननीय प्रधान मंत्री के साथ एनएसएस गणतंत्र दिवस परेड दल और अधिकारी

भारत के माननीय राष्ट्रपति के साथ एनएसएस गणतंत्र दिवस परेड दल और अधिकारी

स्वच्छता पखवाड़ा 2019–20 :

देश भर के एनएसएस स्वयंसेवकों द्वारा 1 अगस्त, 2019 से 15 अगस्त, 2019 तक तक शानदार तरीके से स्वच्छता पखवाड़ा मनाया गया।

284 विश्वविद्यालयों 12,397 संस्थानों और 152 स्कूलों के कुल 13,15,064 एनएसएस स्वयंसेवकों ने स्वछता शपथ (शपथ) ली।

स्वच्छता पखवाड़ा के दौरान 23,73,964 एनएसएस स्वयंसेवकों की सक्रिय भागीदारी के साथ 81,718 वर्ग फुट कक्षा कमरे क्षेत्र, 1,77,558 वर्ग फुट प्रयोगशाला क्षेत्र, 1,54,903 वर्ग फुट पुस्तकालय क्षेत्र, 1,11,921 वर्ग फुट शौचालय क्षेत्र, 1,76,706 वर्ग फुट खेल मैदानों क्षेत्र साफ किया गया।

5,11,930 एनएसएस स्वयंसेवकों ने खुले में शौच मुक्ति, सामान्य सफाई और स्वच्छता के बारे में जागरूकता पैदा करते हुए 6,363 गोद लिए गए गांवों / मलिन बस्तियों में घर–घर अभियान चलाया।

एनएसएस इकाइयों ने 11 से 13 अगस्त, 2019 तक 1,579 अस्पतालों, 1,482 औषधालयों, 1,532 सामुदायिक केंद्रों, 419 वृद्धाश्रमों, 537 ऐतिहासिक स्थानों, 227 अनाथालयों, 165 दिव्यांग केंद्रों, 202 पुनर्वास केंद्रों, 526 रेलवे स्टेशनों, 2,969 बस स्टेशनों, 555 मूर्तियों और 260 पुरातात्विक स्थल और पर्यटक स्थलों की सघन सफाई की।

स्वछता ही सेवाः

नीचे दिए गए तीन चरणों में 11 सितंबर, 2019 से 27 अक्टूबर, 2019 तक एनएसएस के तहत स्वच्छ्ता सेवा का आयोजन किया गया था।

- चरण I – 11 सितंबर 2019 से 1 अक्टूबर 2019 : 6,35,661 एनएसएस स्वयंसेवक।

- चरण II – 2 अक्टूबर 2019 से : 12,16,951 एनएसएस स्वयंसेवक।
- चरण III – 3 अक्टूबर से 27 अक्टूबर 2019 : 11,92,335 एनएसएस स्वयंसेवक।

एनएसएस स्वयंसेवकों का शहरों और गांवों में जागरूकता गतिविधियों के लिए प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन पर, स्वछता ही सेवा 2019 पर प्रतिज्ञा पर और नगर पालिकाओं /निगम अधिकारियों के सहयोग से एकत्रित प्लास्टिक कचरे के प्रभावी निपटान के लिए क्षमता निर्माण / अभिविन्यास किया गया।

स्वच्छ भारत ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप (एसबीएसआई 2.0):

जल शक्ति मंत्रालय के सहयोग से राष्ट्रीय सेवा योजना ने 01 जुलाई, 2019 से 31 जुलाई –2019 तक एसबीएसआई 2.0 मनाया, जिसमें 84,347 एनएसएस स्वयंसेवकों ने ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप के लिए इंटर्न के रूप में पंजीकरण करवाया। कचरा प्रबंधन, ग्राम सर्वेक्षण, स्वच्छता अभियान, स्वच्छ भारत रैली, स्वच्छ शपथ, दीवार पेंटिंग, डस्टबिन वितरण, डोर टू डोर जागरूकता अभियान और ऐतिहासिक स्मारक, कैंपस श्मशान भूमि, अस्पतालों, डिस्पेंसरियों, मूर्तियों की सफाई, स्वच्छता पर नुक्कड़ नाटक, युवा रैलियाँ, संवाद और कविताओं से संबंधित गतिविधियाँ की गईं।

स्वच्छ भारत ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप 2019 एनएसएस राष्ट्रीय स्तरीय पुरस्कार विजेता :

1. श्री चंद्र प्रकाश – भारतीय शहीद सैनिक विद्यालय, नैनीताल, उत्तराखंड।
   (नकद पुरस्कार : 2,00,000 रु.)
2. डॉ. मेधा बी भट्ट – एसडीएम कॉलेज ऑफ आयुर्वेद, हसन, कर्नाटक।
   (नकद पुरस्कार : 1,00,000 रु.)
3. सुश्री प्रीति इंकाह – डॉन बॉस्को कॉलेज, मैराम, सेनापति जिला, मणिपुर।
   (नकद पुरस्कार : 50,000 रुपये)

एसबीएसआई 2.0 : भारत के माननीय राष्ट्रपति और माननीय जल शक्ति मंत्री, श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत राष्ट्रीय स्तर के विजेताओं को सम्मानित करते हुए

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजनः 21 जून, 2019 को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया गया। इस दिन लगभग 26,77,433 एनएसएस स्वयंसेवकों ने देशभर में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लिया।

राष्ट्रीय पोषण माह 2019–20 : – पोषण माह 1 से 30 सितम्बर, 2019 के दौरान आयोजित किया गया। माह के दौरान 8,02,452 एनएसएस स्वयंसेवकों ने पोषण या जागरूकता अभियानों में भाग लिया; 7,41,308 स्वयंसेवकों ने मोटापा आहार विकार सत्र में भाग लिया और 8,63,845 स्वयंसेवकों ने फास्ट फूड और पैक खाद्य पदार्थों के प्रभाव और प्राकृतिक आहार के संवर्धन पर जागरूकता पैदा की।

राष्ट्रीय एकता दिवसः सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती 31 अक्तूबर, 2019 को ''राष्ट्रीय एकता दिवस'' के रूप में मनाई गयी। इस दिन, लगभग 12,36,136 एनएसएस स्वयंसेवकों ने देशभर में राष्ट्रीय एकता दौड़ में सक्रिय रूप से भाग लिया।

फिट इंडिया प्लाग दौड़ : युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय ने महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती के अवसर पर 2 अक्तूबर 2019 को फिट इंडिया प्लाग दौड़ का आयोजन किया। भारत के माननीय प्रधानमंत्री के 'फिट इंडिया अभियान : प्लागिंग की परिकल्पना' से एक साथ स्वस्थता और सफाई को अपनाया गया। कुल 10,27,559 स्वयंसेवकों ने देश भर में फिट इंडिया प्लाग दौड़ में भाग लिया।

फिट इंडिया साइक्लोथॉन : फिट इंडिया साइक्लोथॉन का आयोजन शनिवार, 18 जनवरी, 2020 को किया गया। मुख्य कार्यक्रम पणजी, गोवा में आयोजित किया गया, जहाँ माननीय, युवा कार्यक्रम और खेल राज्य मंत्री, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय और गोवा के माननीय मुख्यमंत्री ने संयुक्त रूप से फिट इंडिया साइक्लोथॉन को हरी झण्डी दिखाई। फिट इंडिया का लोगो और फिट इंडिया का बैनर सभी रैलियों, वॉकथॉन, साइक्लोथॉन, फिटनेस से संबंधित अन्य कार्यक्रमों में प्रदर्शित किया गया जो उस दिन आयोजित किए गए थे। युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय मुख्य रूप से देश के 15–29 वर्ष की आयु के युवाओं के कार्यक्रम करता है। लेकिन यह आयोजन केवल इस आयु वर्ग तक ही सीमित नहीं था और युवाओं के अलावा सभी आयु वर्ग के लोगों को भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया जैसा माननीय प्रधान मंत्री द्वारा इस राष्ट्र को फिट बनाने के लिए इस आयोजन की परिकल्पना की गई है। सांसदों, विधायकों, जिला परिषद सदस्यों, जिला कलेक्टरों, अन्य अधिकारियों और गणमान्य व्यक्तियों जैसे जन प्रतिनिधियों की भागीदारी को भी प्रोत्साहित किया गया। इस दिन, लगभग 6,84,164 एनएसएस स्वयंसेवकों ने फिट इंडिया साइक्लोथॉन की गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लिया।

मतदाता जागरूकता कार्यक्रमः एनएसएस के स्वयंसेवकों ने मतदाताओं को मतदाता सूची में नाम दर्ज करवाने और चुनाव के दिन मताधिकार का प्रयोग करने के लिए प्रेरित करने हेतु चुनाव अधिकारियों के साथ मतदाता जागरूकता अभियान चलाया।

राष्ट्रीय अखण्डता शिविरः एनएसएस राष्ट्रीय अखण्डता की भावना पैदा करने, युवाओं में धर्मनिरपेक्ष और राष्ट्रीय मूल्यों के समावेशन तथा देश में सद्भावना और शांति को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय अखण्डता शिविरों का आयोजन करता है। विभिन्न शिविर कार्यकलापों में योग और ध्यान, श्रमदान, शैक्षणिक सत्र जिनमें भारत सरकार के मुख्य कार्यक्रमों पर विशेष बल दिया जाता है, संकल्प से सिद्धि, सांस्कृतिक कार्यक्रम आदि शामिल हैं। प्रत्येक राष्ट्रीय अखण्डता शिविर की अवधि सात दिवस है जिसमें कम से कम 10 राज्यों के 200 एनएसएस स्वयंसेवक और 10 कार्यक्रम अधिकारी शिविर में भाग लेते हैं। वर्ष 2019– 20 में, 10 राष्ट्रीय अखण्डता शिविर आयोजित किए गए जिनमें 2000 एनएसएस स्वयंसेवकों और 100 कार्यक्रम अधिकारियों ने भाग लिया।

स्थापना दिवसः 26 नवंबर, 2019 को संविधान दिवस मनाया गया जिसमें देशभर में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में 38,37,481 एनएसएस स्वयंसेवकों ने सक्रिय रूप से भाग लिया ।

आत्म रक्षा प्रशिक्षण : 2019–20 के दौरान 47,567 एनएसएस महिला स्वयंसेवकों को आत्म रक्षा प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

श्रमदान : एनएसएस के स्वयंसेवकों ने वर्षभर श्रमदान किया जो श्रमिकों की गरिमा को बढ़ाता है और मूल्यवान समुदाय परिसंपत्ति का निर्माण करता है। 2019–20 के दौरान, 78,12,200 स्वंयसेवी श्रमदान के घंटे एनएसएस स्वयंसेवकों द्वारा दिए गए।

अध्याय – 7

राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान (आरजीएनआईवाईडी)

प्रस्तावना

राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान (आरजीएनआईवाईडी), श्रीपेरंबदूर, तमिलनाडु आरजीएनआईवाईडी अधिनियम, 2012 के कानून द्वारा युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वाधान में "राष्ट्रीय महत्व का संस्थान" है। आरजीएनआईवाईडी की स्थापना सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1975 के अंतर्गत एक सोसायटी के रूप में 1993 में की गई थी।

आरजीएनआईवाईडी अपने बहुआयामी कार्यों के साथ एक महत्वपूर्ण संसाधन केंद्र के रूप में कार्य करता है, जो देश भर में विस्तार एवं आउटरीच पहलों के अतिरिक्त युवा विकास के विभिन्न आयामों को शामिल करते हुए स्नातकोत्तर स्तर पर शैक्षिक कार्यक्रम चलाता है, युवा विकास के महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सेमिनार शोध में शामिल होता है और युवा विकास के क्षेत्र में प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण कार्यकर्मों का आयोजन करता है।

यह संस्थान मंत्रालय के लिए एक नीति निर्माता के रूप में और देश में युवाओं से संबंधित कार्यकलापों के प्रमुख संगठन के रूप में कार्य करता है। राष्ट्रीय स्तर पर सर्वोच्च संस्थान होने के नाते यह देश में एनएसएस, एनवाईकेएस और अन्य युवा संगठनों के घनिष्ठ सहयोग से कार्य करता है। इसका युवाओं के कल्याण और विकास के लिए कार्यरत विभिन्न संगठनों के साथ व्यापक नेटवर्क हैं और यह एक मार्गदर्शक के रूप में कार्य करता है।

आरजीएनआईवाईडी का दृष्टिकोण वैश्विक रूप से युवा विकास के क्षेत्र में शैक्षणिक उत्कृष्टता का मान्य और प्रतिष्ठित केंद्र बनना है।

आरजीएनआईवाईडी की शासन संरचना

भारत के माननीय राष्ट्रपति संस्थान के कुलाध्यक्ष हैं। संस्थान के बहुआयामी कार्यकलापों की निगरानी कार्यकारी परिषद्, शैक्षणिक परिषद्, वित्त समिति और निर्माण एवं कार्य समिति द्वारा की जाती है। निदेशक मुख्य कार्यकारी अधिकारी होता है जो संस्थान के दैनिक कार्यकरण का समन्वय करता है और संस्थान के विभिन्न प्रभागों/केंद्रों/विभागों के माध्यम से युवा विकास कार्यक्रमों का कार्यान्वयन करता है।

संस्थान का चंडीगढ़ में एक क्षेत्रीय केन्द्र है जो 2013–14 से संचालनरत है।

आरजीएनआईवाईडी के कार्यक्रम/कार्यकलाप

शैक्षणिक कार्यक्रम:

आरजीएनआईवाईडी 6 स्नातकोत्तर कार्यक्रम चलाता है नामत:

(i) काउंसलिंग मनोविज्ञान में एम.एससी.;

(ii) सामाजिक नवाचार तथा उद्यमशीलता में एम.ए;

(iii) लिंग अध्ययन में एम.ए.

(iv) स्थानीय अभिशासन और विकास में एम.ए.,

(v) विकास नीति और पद्धति में एम.ए. और

(vi) सामाजिक कार्य; (युवा एवं समुदाय विकास) में एम.ए.

इसके अतिरिक्त, यह संस्थान स्नातक कार्यक्रम भी चलाता है, नामत:

(i) व्यवसाय में स्नातक (परिधान निर्माण और उद्यमशीलता)

(ii) व्यवसाय में स्नातक (फैशन डिजाइन और रिटेल)

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माणः

आरजीएनआईवाईडी देश भर में युवाओं की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विभिन्न विषयों जैसे कि युवा रोजगारपरक कौशल, सामाजिक उद्यमशीलता, महिला समानता, जीवन कौशल, आपदा तैयारी और जोखिम में कमी लाना, उद्यमशीलता और आजीविका के मुद्दे, युवा नेतृत्व तथा व्यक्तिव विकास, शांति, सामाजिक सद्भावना और राष्ट्रीय एकता के दूत के रूप में युवा, महिला नेतृत्व और भागीदारी, उच्च शिक्षा में महिला प्रबंधकों का क्षमता निर्माण, सतत विकास लक्ष्यो–युवाओं का भागीदारी आदि के संबंध में बड़ी संख्या में प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण कार्यक्रमों (प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण सहित) का संचालन करता है।

वर्ष 2019–20 के दौरान आरजीएनआईवाईडी द्वारा किए गए कार्यकलाप

कार्यशालाएं :

नेतृत्व और व्यक्तित्व विकास पर कार्यशाला :

आरजीएनआईवाईडी, क्षेत्रीय केंद्र, चंडीगढ़ ने 23 से – 25 अप्रैल, 2019 तक नेतृत्व और व्यक्तित्व विकास पर आयोजित 3 दिवसीय कार्यशाला आयोजित की। तीस एससी आईसीटी समुदाय सेवा केन्द्र, सेक्टर 25 चंडीगढ़ के छात्र, ने कार्यशाला में भाग लिया। कार्यशाला में व्यक्तित्व विकास, नेतृत्व, जन प्रबंधन कौशल, उच्च प्रदर्शन टीमों का सफलतापूर्वक नेतृत्व करने के लिए टीम निर्माण पर सत्र ाामिल थे।

विसंगति मनोविज्ञान पर एक दिवसीय कार्यशाला :

व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग, आरजीएनआईवाईडी ने 26 अप्रैल, 2019 को विसंगति मनोविज्ञान पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला भ्रम दूर करने का अवसर था जो पूरी तरह से परस्पर संवाद के रूप में थी।

नेतृत्व और टीम निर्माण पर कार्यशाला :

राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान, क्षेत्रीय केंद्र – चंडीगढ़ ने आरजीएनआईवाईडी क्षेत्रीय केंद्र, चंडीगढ़ के आईसीटी छात्रों के लिए नेतृत्व और टीम निर्माण पर 27 से 28 मई, 2019 तक दो दिवसीय कार्यशाला सफलतापूर्वक पूरी की। इस कार्यक्रम में चंडीगढ़ के 28 आईटी छात्रों ने भागीदारी की।

रोजगारपरक कौशलों पर कार्यशाला :

राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान – क्षेत्रीय केंद्र, चंडीगढ़ ने आरजीएनआईवाईडी क्षेत्रीय केन्द्र में 29 से 30 मई 2019 तक रोजगारपरक कौशल पर अपनी 2 दिवसीय कार्यशाला का सफलतापूर्वक समापन किया। प्रशिक्षण में 36 आईसीटी छात्रों ने भागीदारी की।

नेतृत्व और टीम बिल्डिंग पर कार्यशाला :

राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान, क्षेत्रीय केंद्र – चंडीगढ़ और नेहरू युवा केंद्र संगठन – असम ने 31 जुलाई से 2 अगस्त 2019 तक यूथ हॉस्टल, गुवाहटी, असम में एनवाईकेएस के स्वयंसेवकों के लिए नेतृत्व और टीम निर्माण पर तीन दिवसीय कार्यशाला सफलतापूर्वक पूरी की। कार्यक्रम में असम के 10 जिलों से 30 एनवाईकेएस स्वयंसेवकों ने भागीदारी की।

मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन पर कार्यशाला :

राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान, क्षेत्रीय केंद्र, चंडीगढ़, ने नेहरू युवा केंद्र संगठन, पश्चिम बंगाल के सहयोग से, 14 मई से 16 जुलाई 2019 तक हिमालयन पर्वतारोहण संस्थान, दार्जिलिंग में 'मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन' पर अपनी तीन दिवसीय आवासीय कार्यशाला का सफलतापूर्वक समापन किया।

। कार्यशाला में पश्चिम बंगाल के विभिन्न जिलों से 28 युवा लड़कियों ने भागीदारी की।

जीवन कौशल शिक्षा पर कार्यशाला :

राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान, क्षेत्रीय केंद्र, चंडीगढ़, ने नेहरू युवा केंद्र संगठन, पश्चिम बंगाल के सहयोग से, 11 जुलाई से 13 जुलाई, 2019 तक हिमालयन पर्वतारोहण संस्थान, दार्जिलिंग में 'जीवन कौशल शिक्षा' पर अपनी तीन दिवसीय आवासीय कार्यशाला का सफलतापूर्वक समापन किया। । कार्यशाला में पश्चिम बंगाल के विभिन्न जिलों से 30 युवाओं ने भागीदारी की।

नेतृत्व और टीम निर्माण पर कार्यशाला :

राष्ट्रीय सेवा योजना, मेघालय के सहयोग से राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान (आरजीएनआईवाईडी) क्षेत्रीय केंद्र, चंडीगढ़ ने 19–21 सितंबर, 2019 तक युवा हॉस्टल, शिलांग, मेघालय में नेतृत्व और टीम निर्माण पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यक्रम में मेघालय राज्य के विभिन्न कॉलेजों के 35 एनएसएस स्वयंसेवकों की भागीदारी की।

प्रशिक्षको का प्रशिक्षण :

एनएसएस कार्यक्रम अधिकारियों के लिए रोजगारपरक कौशल पर प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण :

प्रशिक्षण उन्मुखीकरण और क्षमता निर्माण केंद्र, आरजीएनआईवाईडी, श्रीपेरुम्बदूर और योगी वेमाना विश्वविद्यालय, कडप्पा, आंध्र प्रदेश ने संयुक्त रूप से वाईएसआर जिला (कडप्पा जिला) के एनएसएस – कार्यक्रम अधिकारियों के लिए योगी वेमाना विश्वविद्यालय, कडप्पा, आंध्र प्रदेश में 10 से 12 जुलाई, 2019 तक रोजगारपरक कौशलों पर 3–दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में वाईएसआर जिले (कडप्पा जिले) के 35 एनएसएस कार्यक्रम में अधिकारियों और एनएसएस स्वयंसेवकों ने भाग लिया।

कैरियर मार्गदर्शन और परामर्श पर प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण :

आरजीएनआईवाईडी –क्षेत्रीय केन्द्र चंडीगढ़ ने 22 से 25 जुलाई, 2019 तक आदि जनजातीय कल्याण बोर्ड, सामाजिक न्याय, अधिकारिता और कल्याण विभाग, सिक्किम सरकार के सहयोग से कल्याण भवन, गंगटोक, सिक्किम में अपने 4–दिवसीय 'कैरियर गाइडेंस और काउंसलिंग पर प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण' का सफलतापूर्वक समापन किया। कार्यक्रम में सिक्किम के विभिन्न उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों से एसटी समुदाय से संबंधित 32 (19 पुरुष और 13 महिला) वरिष्ठ माध्यमिक शिक्षकों ने भागीदारी की।

विवाद समाधान और शांति संवर्धन संबंधी प्रशिक्षक :

अरुणाचल प्रदेश सरकार के उच्चतर और तकनीकी शिक्षा निदेशालय, राज्य एनएसएस सेल, निदेशालय के सहयोग से आरजीएनआईवाईडी ने अरुणाचल प्रदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों और कॉलेजों के एनएसएस कार्यक्रम अधिकारियों के लिए विवाद समाधान और शांति संवर्धन पर 5–7 सितंबर 2019 तक पूर्वोत्तर के अरुणाचल प्रदेश के डेरा नैटुंग गवर्नमेंट कॉलेज में, प्रशिक्षकों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण उत्तर–पूर्वी क्षेत्र के युवा पदाधिकारियों की क्षमता का निर्माण करने के लिए आयोजित किया ताकि विवाद समाधान और शांति निर्माण में ज्ञान और कौशल को बढ़ावा दिया जा सके। प्रशिक्षण में अरुणाचल प्रदेश के विभिन्न जिलों से कुल 25 एनएसएस कार्यक्रम अधिकारियों (18 पुरुष; 7 महिला) ने इस प्रशिक्षण में भाग लिया।

सामुदायिक विकास फाउंडेशन के फील्ड स्टाफ के लिए जीवन कौशलों पर प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण :

आरजीएनआईवाईडी, श्रीपेरंबुदुर ने 26– 27 सितंबर, 2019 तक एलएंडटी स्किल ट्रेनिंग सेंटर, कोयंबटूर में सामुदायिक विकास फाउंडेशन के फील्ड स्टाफ के लिए जीवन कोशलों पर प्रशिक्षकों का 2 दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया। कार्यक्रम में सामुदायिक

विकास फाउंडेशन, कोयम्बटूर के 18 (पुरुष –10, महिला–08) फील्ड स्टाफ ने भाग लिया।

क्षमता निर्माण कार्यक्रम :

युवा रोजगारपरक कौशलों पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम :

राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान – क्षेत्रीय केंद्र, चंडीगढ़ और नेहरू युवा केंद्र संगठन, मेघालय ने 16 से 18 सितंबर 2019 तक यूथ हॉस्टल, शिलांग, मेघालय में युवा रोजगारपरक कौशलों पर अपने 3–दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन किया। प्रशिक्षण में मेघालय के विभिन्न जिलों के 31 एनवाईकेएस स्वयंसेवकों ने भागीदारी की।

उद्यमशीलता विकास पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम :

एनएसएस यूनिट, गौहाटी विश्वविद्यालय, असम के सहयोग से आरजीएनआईवाईडी – क्षेत्रीय केन्द्र चंडीगढ़ ने गौहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, असम में 25 से 27 सितंबर, 2019 तक उद्यमशीलता विकास पर अपने 3–दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन किया। कार्यक्रम में गुवाहाटी, असम के सात विभिन्न कॉलेजों के 34 युवा एनएसएस स्वयंसेवकों ने भागीदारी की।

अन्य कार्यक्रम :

आरजीएनआईवाईडी में सामाजिक नवाचार इनक्यूबेटर का उद्घाटन :

आरजीएनआईवाईडी में एक सामाजिक नवाचार इनक्यूबेटरव की स्थापना की गई, जिसका उद्घाटन युवा कार्यक्रम विभाग, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के संयुक्त सचिव और निदेशक श्री कोंथंग ताऊथांग ने किया।

गाँव को गोद लेना– नशामुक्ति जागरूकता कार्यक्रम :

गाँव गोद लेने के कार्यक्रम के तहत, 9 अप्रैल 2019 को काचीपट्टू गाँव के युवाओं के लिए नशामुक्ति पर एक, अनुकूलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रमुख एनजीओ जैसे हैंड इन हैंड और पुनर्जिवन के विशेषज्ञों ने सत्रों का संचालन किया।

डॉ.बी.आर. अम्बेडकर की 128 वीं जयंती का समारोह :

12 अप्रैल 2019 को आरजीएनआईवाईडी में डॉ. बी. आर. अंबेडकर की 128 वीं जयंती का स्मरणोत्सव मनाया गया। सेंटर फॉर दलित एंड सबाल्टर्न स्टडीज ने 'सामाजिक रूप से डॉ. आर. आर. अम्बेडकर को समझना' पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया।

नागरिक सहभागिता पर प्रशिक्षण :

युवा क्लब के नेताओं और सदस्यों के लिए नागरिकता सहभागिता और ज्ञान दौरे पर प्रशिक्षण 27 मई 2019 को सेमिनार हॉल में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा समिति (आरएएसएस) और चाइल्ड फंड इंटरनेशनल (सीएफआई) के छह पदाधिकारियों के साथ कुल 34 युवा क्लब नेताओं और सदस्यों (7 पुरुष और 27 महिला) ने भाग लिया।

आरजीएनआईवाईडी द्वारा यूएनडीपी को प्रस्ताव प्रस्तुत करना :

यूएनडीपी द्वारा आमंत्रित अनुरोध– प्रस्तावों के जवाब में, भारत कार्यालय ने आरएफपी नंबरः आरएफपी–021–आईएनडी –2019 द्वारा 'युवा रिपोर्ट –2019 की तैयारी की स्थिति' नामक परियोजना के लिए आरजीएनआईवाईडी ने 8 मई, 2019 को ऑनलाइन तकनीकी और वित्तीय प्रस्ताव प्रस्तुत किए।

नए छात्रों के लिए अनुकूल कार्यक्रम :

आरजीएनआईवाईडी ने 15–17 जुलाई, 2019 तक नए शामिल हुए छात्रों के लिए तीन दिनों के अनुकूलन कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा किया। कार्यक्रम में लगभग 100 छात्रों ने भाग लिया।

पुर्तगाल युवा प्रतिनिधिमंडल का दौरा :

आरजीएनआईवाईडी क्षेत्रीय केन्द्र, चंडीगढ़ ने 17 सितंबर 2019 को आरजीएनवाईडी क्षेत्रीय केन्द्र चंडीगढ़

में पुर्तगाल प्रतिनिधिमंडल की मेजबानी की। यह प्रतिनिधिमंडल भारत सरकार और पुर्तगाल के बीच एक अंतरराष्ट्रीय आदान–प्रदान कार्यक्रम का हिस्सा था, जिसमें दो नेताओं सहित 10 सदस्य शामिल थे।

आरजीएनआईवाईडी – यूनिसेफ परामर्श बैठक :

यूनीसेफ के सहयोग से राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान ने 7 दिसम्बर, 2019 को राजीव गांधी राष्ट्रीय संस्थान युवा विकास संस्थान, श्रीपेरंबदूर, तमिलनाडु, भारत में ''तमिलनाडु में किशोरः नीतिगत परिप्रेक्ष्य'' पर विशेषज्ञ सलाहकारों और सरकारी अधिकारियों के साथ एक दूसरे दौर की परामर्श बैठक का आयोजन किया। ताकि किशोरों से संबधित क्षेत्र विशेष नीति जानकारी को सामने लाया जा सके।

ग्रामीण प्रौद्योगिकी के माध्यम से उत्तर पूर्व भारत के युवाओं के कौशलों को बढ़ाना :

आरजीएनआईवाईडी, ग्रामीण विकास मंत्रालय के सर्वोच्च संस्थान राष्ट्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज के सहयोग से ग्रामीण तकनीकों के माध्यम से उत्तर पूर्व के युवाओं को प्रशिक्षित कर रहा है। पश्चिम इंफाल, थौबल और काकिंग जिलों के 30 युवाओं वाले पहले बैच को ''लीफ प्लेट और कप मेकिंग'' पर प्रशिक्षित किया गया। 9–14 दिसंबर 2019 तक हैदराबाद (एनआईआरडी एण्ड पीआर) में आयोजित प्रशिक्षण में युवाओं ने उत्साह से भाग लिया।

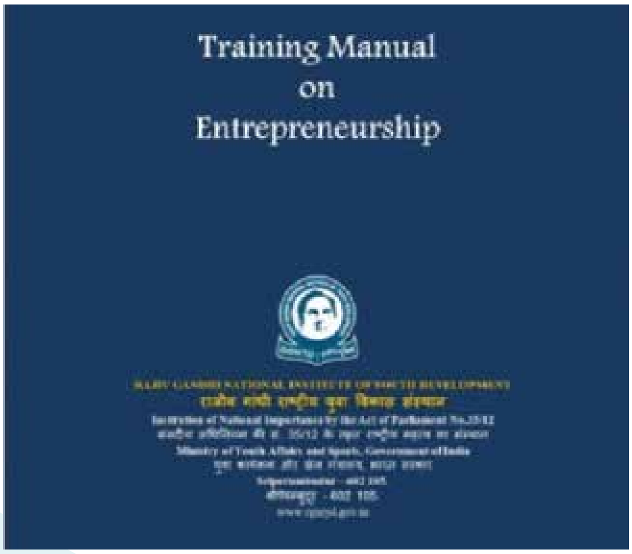

युवाओं के लिए उद्यमशीलता पर प्रशिक्षण मैनुअल तैयार करना :

आरजीएनआईवाईडी ने युवाओं के लिए उद्यमशीलता पर प्रशिक्षण मैनुअल तैयार किया। प्रशिक्षण मैनुअल तैयार करने का उद्देश्य पूर्वोत्तर भारत के युवाओं के लिए विभिन्न ट्रेडों में राष्ट्रीय ग्रामीण विकास संस्थान और पंचायती राज, हैदराबाद के सहयोग से आरजीएनआईवाईडी द्वारा आयोजित किए जा रहे कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों की श्रृंखला के दौरान सामग्री देना था।

राष्ट्रीय युवा दिवस 2020 :

स्वामी विवेकानंद की जयंती के उपलक्ष्य में 12 जनवरी, 2019 को आरजीएनआईवाईडी में राष्ट्रीय युवा कार्य दिवस मनाया गया। अंतर–विभागीय क्विज प्रतियोगिता, वाद–विवाद और प्रतिभा शो जैसे विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन ''राष्ट्र निर्माण के लिए युवा शक्ति को दिशा देना'' विषय पर किया गया। कार्यक्रम में उल्लेखनीय बात यह थी कि सभी घटनाओं का समन्वय आरजीएनवाईवाईडी के छात्रों द्वारा किया गया।

23 वें राष्ट्रीय युवा महोत्सव समारोह, लखनऊ में भागीदारी :

आरजीएनआईवाईडी को युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, भारत सरकार से एनवाईएफ 2020 के दौरान संस्थान का प्रतिनिधित्व करने के लिए एक निमंत्रण मिला। तदनुसार, सात सदस्यों की एक टीम ने भाग लिया। 23 वें राष्ट्रीय युवा महोत्सव का विषय 'फिट यूथ फिट इंडिया' था। टीम ने अनुसंधान मोनोग्राफ, अनुसंधान रिपोर्ट, प्रशिक्षण नियमावली और संस्थान के अन्य प्रकाशनों के प्रदर्शन की विस्तृत व्यवस्था की, ताकि देश के अन्य हिस्सों से प्रतिभागियों को युवा विकास के प्रति संस्थान के योगदान की एक झलक मिल सके।

फिट इंडिया साइकलोथॉन और वॉकथॉन कार्यक्रम :

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशों के अनुसार, आरजीएनआईवाईडी ने 18 जनवरी 2020 को पेरम्बदूर में 'फिट इंडिया साइक्लोथॉन और वॉकथॉन' आयोजित किया। कार्यक्रम में लगभग 186 सदस्यों ने भाग लिया। साइक्लोथॉन और वॉकथॉन के रूप में यात्रा संस्थान परिसर से शुरू हुई और यह लगभग 3 किलोमीटर तक चेन्नई–बैंगलोर राष्ट्रीय राजमार्ग पर चली। फिट इंडिया आंदोलन के उत्सव में एक विशाल बैनर प्रतिभागियों द्वारा उठाया गया था। इस यात्रा को भारी संख्या में सड़क पर और वाहनों में सवार यात्रियों ने देखा। यह यात्रा आरजीएनआईवाईडी परिसर में समाप्त हुई।

ग्रामीण प्रौद्योगिकी के माध्यम से उत्तर पूर्व भारत के युवाओं के कौशलों को बढ़ाना – मिजोरम के युवाओं के लिए लीफ प्लेट और कप मेकिंग पर प्रशिक्षण :

केंद्रीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के राष्ट्रीय महत्व को संस्थान, आरजीएनआईवाईडी, द्वारा राष्ट्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज, ग्रामीण विकास मंत्रालय भारत सरकार के सर्वोच्च संस्थान, राष्ट्रीय ग्रामीण विकास संस्थान के सहयोग से उत्तर पूर्व राज्यों के युवाओं को ग्रामीण प्रौद्योगिकियों के माध्यम

से प्रशिक्षित कर रहा है। उत्तर पूर्व के बेरोजगार युवाओं को मशरुम खेती और मशरुम उत्पादों, कम्प्रेस्ड स्टेबलाइज्ड अर्थन ब्लॉक्स मेकिंग, सस्टेनेबल होजिंग टेक्नोलॉजीज, होम बेस्ड प्रोडक्ट्स – फिनाइल, डिश वॉश पाउडर, डिटर्जेंट पाउडर, सोलर लाइट्स असेंबलिंग संस्थापन और रख–रखाव, लीफ प्लेट एंड कप मेकिंग, हर्बल ब्यूटी केयर प्रोडक्ट्स, नीम उत्पाद, वर्मी कम्पोस्ट और वर्मी वॉश लिक्विड, हैंडमेड पेपर इन वैल्यू एडेड प्रोडक्ट्स बैग्स, हनी प्रोसेसिंग एंड पैकेजिंग, एथनिक बैग मेकिंग, सोलर डीहाइड्रेशन के जरिए फूड प्रोसेसिंग आदि जैसे हुनर का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

वंचित युवाओं का मार्गदर्शन :

प्रवाह ने 'माई स्कॉलर' के युवा लाभार्थियों के लिए आरजीएनआईवाईडी में 25 से 26 जनवरी 2020 तक दो दिवसीय आवासीय कार्यक्रम का आयोजन किया, – जो कि प्रवाह एचसीएल फाउंडेशन की साझेदारी में वंचित युवाओं के लिए कार्यक्रम है, जिन्हें अपनी शिक्षा जारी रखने के लिए वित्तीय छात्रवृत्ति दी जाती हैं। इस कार्यक्रम के दौरान, प्रवाह ने पूरे चेन्नई में युवा अध्येताओं के समग्र विकास के लिए सीखने और सलाह घटकों की सुविधा प्रदान की। कार्यक्रम में मेंटर्स के साथ तीस (पुरुष – 16 और महिला – 14) युवा अध्येताओं ने भाग लिया।

गणतंत्र दिवस समारोह :

26 जनवरी, 2020 को हमारे देश के 71 वें गणतंत्र दिवस का उत्सव मनाते हुए, आरजीएनआईवाईडी ने श्रीपेरंबुदूर में अपने परिसर में गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन किया। निदेशक, आरजीएनआईवाईडी ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और आरजीएनआईवाईडी के संकाय, अधिकारियों, कर्मचारियों, छात्रों और संविदा कर्मियों को गणतंत्र दिवस का संदेश दिया।

****

अध्याय – 8

राष्ट्रीय युवा और किशोर विकास कार्यक्रम

प्रस्तावना

राष्ट्रीय युवा और किशोर विकास कार्यक्रम (एनपीवाईएडी) राष्ट्रीय युवा सशक्तिकरण कार्यक्रम (आरवाईएसके) का एक घटक है। एनपीवाईएडी के तहत सरकारी/गैर–सरकारी संगठनों को युवाओं तथा किशोर विकास के लिए कार्यकलापों हेतु वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। एनपीवाईएडी के अंतर्गत 5 प्रमुख घटकों के अंतर्गत सहायता प्रदान की जाती है, नामतः

क) युवा नेतृत्व और व्यक्तित्व विकास प्रशिक्षण

ख) राष्ट्रीय एकता का संवर्धन (राष्ट्रीय अखण्डता शिविर, अंतर राज्य युवा आदान– प्रदान कार्यक्रम, युवा महोत्सव, बहु– सांस्कृतिक गतिविधियां आदि)।

ग) साहस का संवर्धन; तेनजिंग नोर्गे राष्ट्रीय साहस पुरस्कार

घ) किशोर विकास और सशक्तिकरण (जीवन कौशल शिक्षा, काउंसलिंग, करियर गाइडेंस आदि)

ड.) तकनीकी और संसाधन विकास (युवा संबंधी मामलों में अनुसंधान और अध्ययन, प्रलेखन, सेमिनार/कार्यशाला)

प्रचालन दिशा– निर्देश

सहायता के पात्र संगठनों में सरकार द्वारा आंशिक अथवा पूर्णतः वित्त पोषित स्वायत्त संगठन, पंजीकृत सोसायटियां, न्यास, एनजीओ, विश्वविद्यालय, भारतीय विश्वविद्यालय संघ, राज्य स्तरीय संगठन जैसे कि राज्य सरकार के विभाग, पंचायती राज संस्थाएं और शहरी स्थानीय निकाय, शिक्षा संस्थान इत्यादि शामिल हैं।

योजना के लाभार्थी 15–29 वर्ष आयु समूह के युवा और 10–19 वर्ष आयु समूह के किशोर होते हैं। स्कीम के तहत प्रत्येक प्रकार की गतिविधि के लिए सहायता के वित्तीय मानदंड स्कीम में दिए गए हैं।

सचिव, युवा कार्यक्रम की अध्यक्षता में परियोजना मूल्यांकन समिति (पीएसी) की सिफारिश के आधार पर सहायता मंजूर की जाती है।

राष्ट्रीय युवा पुरस्कार

प्रत्येक वर्ष राष्ट्र निर्माण/ समुदाय सेवा के लिए किए गए उत्कृष्ट कार्य हेतु युवाओं और गैर– सरकारी संगठनों को राष्ट्रीय युवा पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं। पुरस्कार प्राप्त करने वाले प्रत्येक व्यक्ति को 50,000 रु. का नकद पुरस्कार, एक पदक और प्रशस्ति–पत्र प्रदान किया जाता है। स्वयंसेवी युवा संगठनों को पुरस्कार में एक प्रमाणपत्र, एक ट्राफी और 2,00,000 रु. की धनराशि प्रदान की जाती है। इस वर्ष 12.08.2019 को नई दिल्ली में 20 व्यक्तियों और 3 संगठनों को राष्ट्रीय युवा पुरस्कार प्रदान किए गए थे।

तेनजिंग नोर्गे राष्ट्रीय साहस पुरस्कार

तेनजिंग नोर्गे राष्ट्रीय साहस पुरस्कार जमीन, समुद्र और हवा में साहस के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए सर्वोच्च राष्ट्रीय पुरस्कार हैं। पुरस्कार प्राप्त करने वाले प्रत्येक व्यक्ति का 5.00 लाख रुपए का नकद पुरस्कार और एक प्रशस्ति–पत्र प्रदान किया जाता है। यह पुरस्कार खेल उत्कृष्टता के लिए अर्जुन पुरस्कार के समान है। तेनजिंग नोर्गे राष्ट्रीय साहस पुरस्कार भारत के माननीय राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक

वर्ष राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में अर्जुन पुरस्कारों के साथ प्रदान किए जाते हैं। इस वर्ष, यह पुरस्कार जमीन, जल, हवा और जीवनपर्यंत उपलबधियों के क्षेत्र में साहस के लिए भारत के माननीय राष्ट्रपति द्वारा 29/08/2019 को राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में 6 व्यक्तियों को प्रदान किया गया था।

राष्ट्रीय युवा महोत्सव

एनपीवाईएडी के राष्ट्रीय अखण्डता के संवर्धन के घटक (ख) के अंतर्गत, प्रत्येक वर्ष स्वामी विवेकानंद की जयंती (12 जनवरी), जिसे राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है, के आयोजन के लिए जनवरी माह के दौरान एक राष्ट्रीय युवा महोत्सव आयोजित किया जाता है। यह महोत्सव इच्छुक तथा इसकी मेजबानी के लिए तैयार किसी एक राज्य में आयोजित किया जाता है। व्यय को केंद्र तथा मेजबान राज्य के बीच साझा किया जाता है। महोत्सव के भाग के रूप में आयोजित कार्यक्रमों में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम (प्रतिस्पर्धी और गैर–प्रतिस्पर्धी दोनों), युवा सम्मेलन, सुविचार, प्रदर्शनियां, साहस कार्यक्रम आदि शामिल होते हैं। देश के विभिन्न राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों के लगभग 7000 युवाओं ने महोत्सव में भाग लिया। 23 वां राष्ट्रीय युवा महोत्सव 12–16 जनवरी, 2020 के दौरान लखनऊ, उत्तर प्रदेश में आयोजित किया गया था। इस महोत्सव का विषय 'संकल्प से सिद्धि' थी।

23 वें राष्ट्रीय युवा महोत्सव के उदघाटन समारोह के दौरान कला प्रदर्शन

अध्याय – 9

अंतरराष्ट्रीय सहयोग

1. प्रस्तावना

इस विभाग का प्रयास विभिन्न युवा संबंधी मुद्दों पर अन्य देशों और अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों/संगठनों के सहयोग से युवाओं में एक अंतरराष्ट्रीय दृष्टिकोण पैदा करना है। यह विभाग संयुक्त राष्ट्र की एजेंसियों जैसे कि संयुक्त राष्ट्र स्वयंसेवक (यूएनवी)/संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) और राष्ट्रमंडल युवा कार्यक्रम (सीवाईपी) के साथ युवाओं से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर भी सहयोग करता है।

2. अंतरराष्ट्रीय युवा आदान- प्रदान

2.1 मित्र राष्ट्रों के साथ पारस्परिक आधार पर विभिन्न देशों के युवाओं के बीच विचारों, मूल्यों और संस्कृति के आदान–प्रदान का संवर्धन करने और शांति तथा समझ का संवर्धन करने के लिए युवा शिष्टमंडलों का आदान प्रदान किया जाता है। यह युवाओं में अंतरराष्ट्रीय दृष्टिकोण विकसित करने में सहायता प्रदान करता है।

2.2 वर्तमान में, मंत्रालय चीन (200 सदस्यीय शिष्टमंडल), दक्षिण कोरिया (35 सदस्यीय शिष्टमंडल), वियतनाम (10 सदस्यीय शिष्टमंडल), मालदीव (50 सदस्यीय शिष्टमंडल), श्रीलंका (25 सदस्यीय शिष्टमंडल), नेपाल (50 सदस्यीय शिष्टमंडल), बहरीन (20 सदस्यीय शिष्टमंडल), रूस (50 सदस्यीय शिष्टमंडल), ताजाकिस्तान (10 सदस्यीय शिष्टमंडल) और कार्गिस्तान (20 सदस्यीय शिष्टमंडल) के साथ नियमित रूप से जारी वार्षिक युवा आदान–प्रदान कार्यक्रमों का आयोजन करता है।

इसके अतिरिक्त, वर्ष 2012 से बांग्लादेश से 100 सदस्यीय युवा शिष्टमंडल भारत का दौरा करता रहा है। इसके अलावा, समय–समय पर कुछ कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, परंतु यह नियमित वार्षिक कार्यक्रम नही हैं। वर्ष 2019–20 (01.04.18 से 31.12.19) में आयोजित युवा आदान–प्रदान कार्यक्रमों और अन्य आयोजनों का ब्यौरा इस प्रकार है:

1	वाई 20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए 26 से 30 मई, 2019 तक 2 सदस्यीय भारतीय युवा शिष्टमंडल का जापान दौरा
2	21 से 24 जून, 2019 तक 2 सदस्यीय भारतीय युवा शिष्टमंडल का पुर्तगाल दौरा
3	25 से 3 जुलाई, 2019 तक रूसी युवा फोरम में भाग लेने के लिए 4 सदस्यीय भारतीय युवा शिष्टमंडल का वासटाक का दौरा
4	2 से 9 जुलाई, 2019 तक 174 सदस्यीय भारतीय युवा शिष्टमंडल का चीन का दौरा
5	27 जुलाई से 3 अगस्त, 2019 तक 36 सदस्यीय भारतीय युवा शिष्टमंडल का रूस का दौरा
6	27 जुलाई से 3 अगस्त, 2019 तक रा ट्रमण्डल युवा कार्यक्रम में भाग लेने के लिए 4 सदस्यीय भारतीय युवा शिष्टमंडल का ब्रुनई का दौरा

7	12 से 18 सितम्बर, 2019 तक 10 सदस्यीय पुर्तगाल युवा शिष्टमंडल का भारत का दौरा
8	7 से 14 सितम्बर, 2019 तक 18 सदस्यीय भारतीय युवा शिष्टमंडल का कार्गिस्तान का दौरा
9	17 से 24 सितम्बर, 2019 तक 10 सदस्यीय भारतीय युवा शिष्टमंडल का वियतनाम का दौरा
10	20 से 27 सितम्बर, 2019 तक 10 सदस्यीय भारतीय युवा शिष्टमंडल का तजाकिस्तान का दौरा
11	16 से 23 अक्तूबर, 2019 तक 10 सदस्यीय वियतनामी युवा शिष्टमंडल का भारत का दौरा
12	17 से 20 अक्तूबर, 2019 तक ब्रिक्स युवा शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए 10 सदस्यीय भारतीय युवा शिष्टमंडल का ब्राजील का दौरा
13	18 से 25 अक्तूबर, 2019 तक 10 सदस्यीय तजाकिस्तान युवा शिष्टमंडल का भारत का दौरा
14	13 से 22 नवम्बर, 2019 तक 25 सदस्यीय भारतीय युवा शिष्टमंडल का दक्षिण कोरिया का दौरा
15	20 से 27 नवम्बर, 2019 तक 192 सदस्यीय चीनी युवा शिष्टमंडल का भारत का दौरा
16	06 से 13 दिसम्बर, 2019 तक 52 सदस्यीय रूसी युवा शिष्टमंडल का भारत का दौरा

2.3 यह मंत्रालय ऐसे और अधिक युवा आदान–प्रदान कार्यक्रम आरंभ करने के गंभीर प्रयास करता रहता है । वर्तमान में, युवा कार्यक्रम विभाग ने विभिन्न देशों नामतः अर्मेनिया, बहरीन, बेलारूस, ब्रिक्स देश (ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका), इंडोनेशिया, दक्षिण कोरिया, रूस, किर्गिस्तान, कुवैत, मोजांबिक, मोरक्को, फिलिस्तीन, पुर्तगाल, ट्यूनीशिया, ताजकिस्तान, वियतनाम, नेपाल और श्रीलंका के साथ अंतरराष्ट्रीय युवा आदान–प्रदान कार्यक्रमों और युवा संबंधी मामलों पर सहयोग के लिए समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किए हैं। और अधिक देशों के साथ समझौता ज्ञापन/युवा आदान – प्रदान कार्यक्रमों के लिए कार्यवाही शुरू कर दी गई है ।

यूएन एजेंसियों / सीवाईपी के साथ सहयोग

3.1 संयुक्त राष्ट्र स्वयंसेवक (यूएनवी)/ संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) : यह मंत्रालय युवा संबंधित विभिन्न मामलों पर इन एजेंसियों के साथ मिलकर कार्य करने का प्रयास कर रहा है । मंत्रालय यूएनवी कार्यक्रम के लिए प्रतिवर्ष 20,000 डॉलर भारत के स्वयंसेवी योगदान के रूप में जारी करता है। युवा कार्यक्रम विभाग ने वित्त मंत्रालय के अनुमोदन से वित्तीय वर्ष 2015–16 से "नेहरू युवा केंद्र संगठन (एनवाईकेएस) और राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) को सुदृढ़ करने" के लिए यूएनडीपी/ यूएनवी के साथ संयुक्त रूप से विकसित योजना शुरू की है। इस परियोजना का पहला चरण 2018 में समाप्त हो गया। 2018 से 2020 तक एनवाईकेएस और एनएसएस को सुदृढ़ करने की परियोजना के दूसरे चरण के कार्यान्वयन के लिए युवा कार्यक्रम विभाग और यूएनडीपी/यूएनवी ने एक समझौता ज्ञापन (एमओए) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस परियोजना के लिए लोगों की भर्ती की गई, उन्हें प्रशिक्षित किया गया तथा उन्हें क्षेत्र में नियुक्त किया गया है। इस परियोजना के चरण–II में इसे प्रत्येक राज्य में एक–एक के आधार पर 29 शुरुआती जिलों से बढ़ाकर 58 जिलों में विस्तारित कर दिया गया है। इस परियोजना का कार्यान्वयन भली–भांति किया जा रहा है। परियोजना के कार्यान्वयन के लिए वित्तीय वर्ष 2019–20 में यूएनडीपी/ यूएनवी को 3.50 करोड़ रु. प्रदान किए गए हैं।

राष्ट्रमंडल युवा कार्यक्रम (सीवाईपी) : सीवाईपी 1973 से कार्य कर रहा है और इसका संचालन लंदन स्थित मुख्यालय तथा भारत, गुयाना, जांबिया और सोलोमन द्वीप समूह के 4 क्षेत्रीय केंद्रों से किया जा रहा था। तथापि, 2013–14 के दौरान सीवाईपी ने पुनर्गठन कार्रवाई के रूप में अपने सभी क्षेत्रीय केंद्रों को बंद करने का निर्णय लिया जो अन्य बातों के साथ–साथ इनकी निधि संबंधी बाध्यताओं के कारण आवश्यक था। तदनुसार, चंडीगढ़ में सीवाईपी के क्षेत्रीय केंद्र को 28.02.2004 से बंद कर दिया गया है। भारत सीवाईपी में वार्षिक अनुदान देता है वर्ष 2019–20 के लिए वार्षिक अंशदान के रूप में राष्ट्रमंडल सचिवालय को 1.32 करोड़ रु. दिए गए हैं ।

****

अध्याय – 10

राष्ट्रीय युवा नेता कार्यक्रम

पृष्ठभूमि

2014–15 की बजट घोषणा के अनुसरण में, युवाओं में नेतृत्व गुण विकसित करने के उद्देश्य से एक नई केंद्रीय क्षेत्र स्कीम नामतः 'राष्ट्रीय युवा नेता कार्यक्रम (एनवाईएलपी)' दिसंबर, 2014 में आरंभ की गई थी ताकि उन्हें राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में योगदान देने के लिए अपनी क्षमता का लाभ उठाने के लिए समर्थ बनाया जा सके। इस स्कीम की मुख्य विशेषताएं नीचे दी गई हैं।

कार्यक्रम का उद्देश्य

राष्ट्रीय युवा नेता कार्यक्रम (एनवाईएलपी) का उद्देश्य युवाओं में नेतृत्व गुणों का विकास करना है ताकि उन्हें राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में योगदान देने के लिए अपनी पूर्ण क्षमता का लाभ उठाने के लिए समर्थ बनाया जा सके। इस कार्यक्रम का लक्ष्य युवाओं को उनके संगत क्षेत्रों में उत्कृष्टता के लिए प्रयास करने हेतु प्रेरित करना तथा उन्हें विकास की प्रक्रिया के अग्रणी स्तर पर लाना है। इसके अंतर्गत राष्ट्र–निर्माण के लिए बड़ी संख्या में उपलब्ध युवा शक्ति को उपयोग में लाने की अपेक्षा की गई है।

कार्यक्रम के लाभार्थी

इस कार्यक्रम के लाभार्थी, राष्ट्रीय युवा नीति, 2014 में 'युवा' की परिभाषा के अनुसरण में 15–29 वर्ष आयु समूह के युवा हैं। वर्ष 2019–20 (31.12. 2019 तक) के दौरान एनवाईएलपी के कार्यान्वयन की स्थिति।

(क) ब्लॉक स्तर पर नेबरहुड युवा पार्लियामेंट

इस कार्यक्रम का उद्देश्य सामान्यतया ग्रामीण समुदायों तथा विशेष रूप से युवाओं से संबंधित समकालीन सामाजिक–आर्थिक विकास संबंधी मुद्दों के बारे में युवा क्लब सदस्यों को शिक्षित करना और उन्हें इस प्रकार के मुद्दों पर बहस/विचार–विमर्श में शामिल करना है। प्रत्येक 'ब्लाक युवा संसद' कार्यक्रम में वित्तीय और सामाजिक समावेशन स्कीमों और महिला सशक्तिकरण, कौशल विकास और उद्यमशीलता, स्वयंसेविता, नागरिक शिक्षा तथा स्थानीय समुदाय से जुड़े अन्य संबंधित मुद्दों पर विचार–विमर्श/बहस की जाती है। चालू वित्त वर्ष के दौरान 3,918 नेवरहुड यूथ पार्लियामेंट का आयोजन किया गया जिसमें 3,29,667 युवाओं ने भाग लिया।

अध्याय – 11

युवा छात्रावास

युवा छात्रावासों का निर्माण युवाओं में यात्रा करने की प्रवृत्ति को बढ़ावा देने के लिए किया जाता है ताकि वे देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का अनुभव ले सकें। युवा छात्रावासों का निर्माण केंद्रीय और राज्य सरकारों का संयुक्त उद्यम है। जबकि केंद्रीय सरकार निर्माण की कुल लागत वहन करती है, राज्य सरकार जलापूर्ति, बिजली के कनेक्शन व पहुंच सड़कों सहित पूर्ण रूप से विकसित भूमि निःशुल्क उपलब्ध कराती है। युवा छात्रावास ऐतिहासिक तथा सांस्कृतिक महत्व वाले क्षेत्रों, शैक्षणिक केंद्र, पर्यटन गंतव्यों आदि में अवस्थित हैं। युवा छात्रावास उचित दरों पर युवाओं को अच्छे आवास प्रदान करते हैं।

इन युवा छात्रावासों की देखरेख, केंद्रीय सरकार द्वारा नियुक्त प्रबंधकों द्वारा की जाती है। मंत्रालय अधिमानतः युवा छात्रावास के कैचमेंट क्षेत्र से सेवानिवृत्त रक्षा कार्मिकों, जिन्हें हिंदी, अंग्रेजी और स्थानीय भाषाओं का अच्छा ज्ञान हो, में से युवा छात्रावासों के लिए प्रबंधकों का चयन करता है। नई नियुक्ति नीति के तहत, वरीयता रूप से होटल प्रबंधन/ युवा विकास/ एमबीए/ एलएसडब्लयू/एमएसडब्ल्यू की डिग्री वाले स्नातक और छात्रावास/ होटल उद्योग या बोर्डिंग स्कूलों/ अतिथि गृहों के संचालन के क्षेत्र में न्यूनतम 3 वर्ष का कार्य अनुभव रखने वाले अथवा केंद्र/राज्य सरकार के सेवानिवृत्त सरकारी अधिकारी जिनका युवा कार्यकलापों का कार्यकारी अनुभव हो, वह भी युवा छात्रावासों में प्रबंधक के रूप में नियुक्ति के पात्र हैं। अनुबंध पर हस्ताक्षर करते समय आवेदक की आय 35 से 62 वर्ष के बीच होनी चाहिए। यह नियुक्ति पूर्णतः अनुबंध आधार पर 3 वर्षों की अवधि के लिए होगी, जिसे प्रबंधक के कार्य प्रदर्शन के आधार पर बढ़ाया जा सकता है परंतु यह अवधि उम्मीदवार के 65 वर्ष की आयु के पूरा होने के बाद किसी भी स्थिति में नहीं बढ़ाई जाएगी। इसके अतिरिक्त, युवा छात्रावास में ठहरने वाली युवा महिला यात्रियों के समक्ष आने वाली समस्याओं के निराकरण के लिए युवा छात्रावास

प्रबंधक की पत्नी/ महिला परिजन को युवा छात्रावास वार्डन के रूप में नियुक्त किया जाता है।

देशभर में कुल 84 युवा छात्रावासों का निर्माण किया गया है। इन 84 छात्रावासों में से,11 छात्रावासों को नेहरू युवा केंद्र संगठन (एनवाईकेएस) / भारतीय खेल प्राधिकरण (साई)/संबंधित राज्य सरकारों को युवा और खेल विकास के लिए इन छात्रावासों का इष्टतम उपयोग करने हेतु सौंप दिया गया है। छहः युवा छात्रावास नामतः आगरा (उत्तर प्रदेश), डलहौजी (हिमाचल प्रदेश), जोधपुर (राजस्थान), मैसूर (कर्नाटक), पणजी (गोवा) और पुदुचेरी को आईएसओ 9001 : 2008 प्रमाणन प्रदान किया गया है। युवा छात्रावासों का ब्यौरा अनुबंध–iv और v में दिया गया है।

****

अध्याय – 12

स्काउटिंग और गाइडिंग संगठनों को सहायता

स्काउटिंग और गाइडिंग की स्कीम, एक केंद्रीय स्कीम है जिसे देश में स्काउट्स और गाइड्स को बढ़ावा देने के लिए 1980 के दशक के प्रारंभ में शुरू किया गया था। स्काउट्स और गाइड्स एक अंतरराष्ट्रीय अभियान है जिसका उद्देश्य युवा लड़कों और लड़कियों में चरित्र निर्माण, आत्मविश्वास, आदर्शवाद और देश भक्ति की भावना पैदा करना है। इस प्रक्रिया में स्काउटिंग और गाइडिंग का प्रयास लोगों में संतुलित शारीरिक और मानसिक विकास का संवर्धन करना भी है। इस स्कीम के अंतर्गत, प्रशिक्षण शिविरों के आयोजन, कौशल विकास कार्यक्रम, आनंद उत्सव के आयोजन आदि जैसे विभिन्न कार्यक्रमों के लिए स्काउटिंग और गाइडिंग संगठनों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। अन्य बातों के साथ–साथ इन कार्यकलापों में प्रौढ़ साक्षरता, पर्यावरण संरक्षण, समुदाय सेवा, स्वास्थ्य जागरूकता और स्वच्छता तथा सफाई के संवर्धन देने से संबंधित कार्यक्रम शामिल हैं।

दो गैर–सरकारी संगठन हैं नामतः भारत स्काउट्स और गाइड्स (बीएस एंड जी) तथा हिंदुस्तान स्काउट्स और गाइड्स (एचएस एंड जी) हैं जिन्हें देशभर में स्काउटिंग और गाइडिंग कार्यकलापों का संचालन करने के लिए युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय द्वारा वित्तीय सहायता प्रदान की गई है। बीएस एंड जी तथा एचएस एंड जी पर युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय का कोई प्रशासनिक नियंत्रण नहीं है। वर्ष 2019–20 के दौरान, विभाग ने विभिन्न स्काउटिंग और गाइडिंग कार्यकलापों के लिए भारत स्काउट्स एंड गाइड्स, राष्ट्रीय मुख्यालय, नई दिल्ली को 75 लाख रु. का नियमित अनुदान संस्वीकृत किया था।

******

सत्यमेव जयते

खेल विभाग

अध्याय – 13

खेल

खेल और क्रिड़ाओं को सदैव ही मानव के व्यक्तित्व के समग्र विकास के एक महत्वपूर्ण घटक के रूप में देखा गया है। मनोरंजन तथा शारीरिक स्वस्थता के साधन होने के अतिरिक्त, खेलों ने स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ाने तथा समाज को जोड़ने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उल्लेखनीय है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलों में उपलब्धि सदैव ही राष्ट्रीय गौरव तथा प्रतिष्ठा का स्रोत रही है।

आधुनिक खेल अत्यधिक प्रतिस्पर्धी हो गए हैं जिससे आधुनिक अवसंरचना, उपकरण तथा उन्नत वैज्ञानिक सहायता ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलों का परिदृश्य बदल दिया है। उन्नत उपकरण, आधारभूत ढांचें तथा वैज्ञानिक सहायता की बढ़ती मांग को ध्यान में रखते हुए, भारत सरकार ने अनेक नए कदम उठाए हैं और यह वैज्ञानिक तथा उपकरण सुविधाओं के साथ प्रशिक्षण व अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धाओं में भागीदारी से खिलाड़ियों को आवश्यक सहायता प्रदान कर रही है।

राष्ट्रीय खेलों में नीतिगत पहल

पूर्ववर्ती योजनाओं के समय से ही शारीरिक शिक्षा और खेलों पर ध्यान दिया जा रहा है। तथापि, 1982 में भारत द्वारा नौवें एशियाई खेलों की मेजबानी के बाद ही ''खेलों'' पर नीतिगत विषय के रूप में ध्यान दिया जाना प्रारंभ हुआ है। राष्ट्रीय खेल नीति, 1984 देश में खेलों के विकास और संवर्धन के लिए संगठित और व्यवस्थित ढांचा विकसित करने हेतु पहला कदम था और यह वर्तमान राष्ट्रीय खेल नीति, 2001 का अग्र रूप है।

राष्ट्रीय खेल नीति 2001

राष्ट्रीय खेल नीति 2001 का दोहरा उद्देश्य ''खेलों कोव्यापक आधार देना'' और राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ''खेलों में उत्कृष्टता हासिल करना'' है।

नीति की मुख्य विशेषताएं निम्नानुसार हैं:

1. खेलों को व्यापक आधार देना तथा उत्कृष्टता हासिल करना;
2. अवसंरचना का उन्नयन और विकास;
3. राष्ट्रीय खेल परिसंघों और अन्य खेल निकायों को सहायता;
4. खेलों को वैज्ञानिक और कोचिंग सहायता का सुदृढ़ीकरण;
5. खेलों को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रोत्साहन;
6. महिलाओं, अनुसूचित जनजातियों और ग्रामीण युवाओं की सहभागिता बढ़ाना;
7. खेलोंके संवर्धन में कार्पोरेट क्षेत्र को शामिल करना; और
8. व्यापक स्तर पर लोगों में खेलों के प्रति रूझान बढ़ाना।

******

अध्याय – 14

भारतीय खेल प्राधिकरण

प्रस्तावना

भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) की स्थापना युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के तहत 1982 में नई दिल्ली में आयोजित नौवें एशियाई खेलों के आयोजन की विरासत को आगे बढ़ाने के लिए दिनांक 25 जनवरी, 1984 के संकल्प संख्या 1–1/83/एसएआई के अनुसरण में सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के अंतर्गत एक पंजीकृत सोसायटी के रूप में की गई थी। भारतीय खेल प्राधिकरण को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खेलों का संवर्धन करने और खेलों में उत्कृष्टता प्राप्त करने का दोहरा दायित्व सौंपा गया है।

बाद में, भारतीय खेल प्राधिकरण को एक महत्वपूर्ण खेल संवर्धन निकाय के रूप में विकसित करने को सुकर बनाने के लिए नेताजी सुभाष राष्ट्रीय खेल संस्थान, (एनएसएनआईएस),पटियाला और इसके केन्द्रों तथा ग्वालियर और तिरूवनन्तपुरम स्थित लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा कॉलेज (एलएनसीपीईएस) के दो अन्य शैक्षिक संस्थानों को शामिल करते हुए पूर्ववर्ती राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा और खेल संस्थान सोसाइटी (एसएनआईपीईए) को 1 मई, 1987 से भारतीय खेल प्राधिकरण के साथ मिलाकर खेल कोचिंग और शारीरिक शिक्षा के क्षेत्र में आवश्यक ज्ञान और कौशल को शामिल किया गया। तथापि, एलएनसीपीई, ग्वालियर को ''सम–विश्वविद्यालय'' का दर्जा दिए जाने पर सितम्बर, 1995 में इसे भारतीय खेल प्राधिकरण से अलग कर दिया गया। आज भारतीय खेल प्राधिकरण देश में खेलों के संवर्धन तथा खेल उत्कृष्टता के लिए सर्वोच्च निकाय है।

भारतीय खेल प्राधिकरण का सामान्य निकाय और शासी निकाय

भारतीय खेल प्राधिकरण के संगम–ज्ञापन और नियमों के अनुसार, एसएआई केसामान्य निकाय (सोसायटी) और शासी निकाय का गठन भारत सरकार द्वारा किया जाता है।एसएआई के शासी निकाय का पुनर्गठन खेल विभाग, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय द्व ारा दिनांक 14 मार्च, 2017 को किया गया था। माननीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री एसएआई के शासी निकाय के अध्यक्ष के रूप में इसके प्रमुख हैं।तथापि, भारत सरकार, खेल विभाग, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय ने अक्तूबर, 2018 में एसएआई के सामान्य निकाय का पुनर्गठन किया है, अध्यक्ष के रूप में माननीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री इसके प्रमुख हैं।

वर्तमान में एसएआई के सामान्य निकाय की संरचना में 11 पदेन सदस्यों के साथ 35 सदस्य (अध्यक्ष को छोड़कर) हैं। सदस्यों (पदेन सदस्यों को छोड़कर) का कार्यकाल उनके नामांकन की तारीख से 3 वर्ष की अवधि के लिए होता है।

एसएआई के शासी निकाय में 31 सदस्य (अध्यक्ष सहित) हैं जिसमें 14 पदेन सदस्य हैं। सदस्य (पदेन सदस्यों को छोड़कर) का कार्यकाल उनके नामांकन की तारीख से 3 वर्ष की अवधि के लिए होता है।

लक्ष्य तथा उद्देश्यः

भारतीय खेल प्राधिकरण के लक्ष्य और उद्देश्य इस प्रकार हैंः

- देश में खेलों का संवर्धन करना और उन्हें व्यापक आधार देना ।

- खेल प्रतिभाओं का पता लगाना तथा उसका पोषण करना।
- अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न विधाओं में खेलों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए स्कीमों/कार्यक्रमों का कार्यान्वयन करना ताकि भारत प्रमुख खेल शक्ति बन सके।
- दिल्ली में स्टेडियमों, जिन्हें वर्ष 1982 में नौवें एशियाई खेलों के लिए बनाया गया था/नवीकृत किया गया था, का प्रबंधन करना।
- युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय तथा राज्य सरकारों और देश में खेलों के संवर्धन/विकास के लिए जिम्मेदार अन्य एजेंसियों के बीच माध्यम का कार्य करना।
- योग्य कोचों, खेल वैज्ञानिकों और शारीरिक शिक्षा शिक्षकों को तैयार करने के लिए संस्थानों की स्थापना करना, उन्हें चलाना और उनका प्रबंधन और संचालन करना।
- देश में खेल अवसंरचना व सुविधाओं की योजना बनाना, उनका निर्माण करना, अधिग्रहण करना, विकास करना, उन्हें चलाना, उनका रख–रखाव व उपयोग करना।
- खेलों, खिलाड़ियों एवं कोचों का उन्नयन करने के लिए विभिन्न खेल विज्ञानों से संबंधित अनुसंधान परियोजनाओं को शुरू करना, चलाना, प्रायोजित करना, प्रेरित एवं प्रोत्साहित करना।
- देश में खेलों के संवर्धन और खेलों में उत्कृष्टताके विकास में कार्यरत अन्य केंद्रीय या राज्य निकायों तथा अन्य संस्थानों के साथ मुद्दे उठाना और/या उनके साथ सहयोग करना।

संगठनात्मक ढांचाः

भारतीय खेल प्राधिकरण के महानिदेशकइसके प्रधान कार्यकारी अधिकारी होते हैं। उनकी सहायता के लिए विभिन्न विभागों/प्रभागों के वरि ठ कार्यात्मक प्रमुख की एक टीम होती है जिसमें सचिव, एसएआई, कार्यकारी निदेशक तथा शैक्षिक संस्थानों/क्षेत्रीय केन्द्रों के प्रमुख होते हैं।

संगठनात्मक चार्ट नीचे दिया गया हैं :

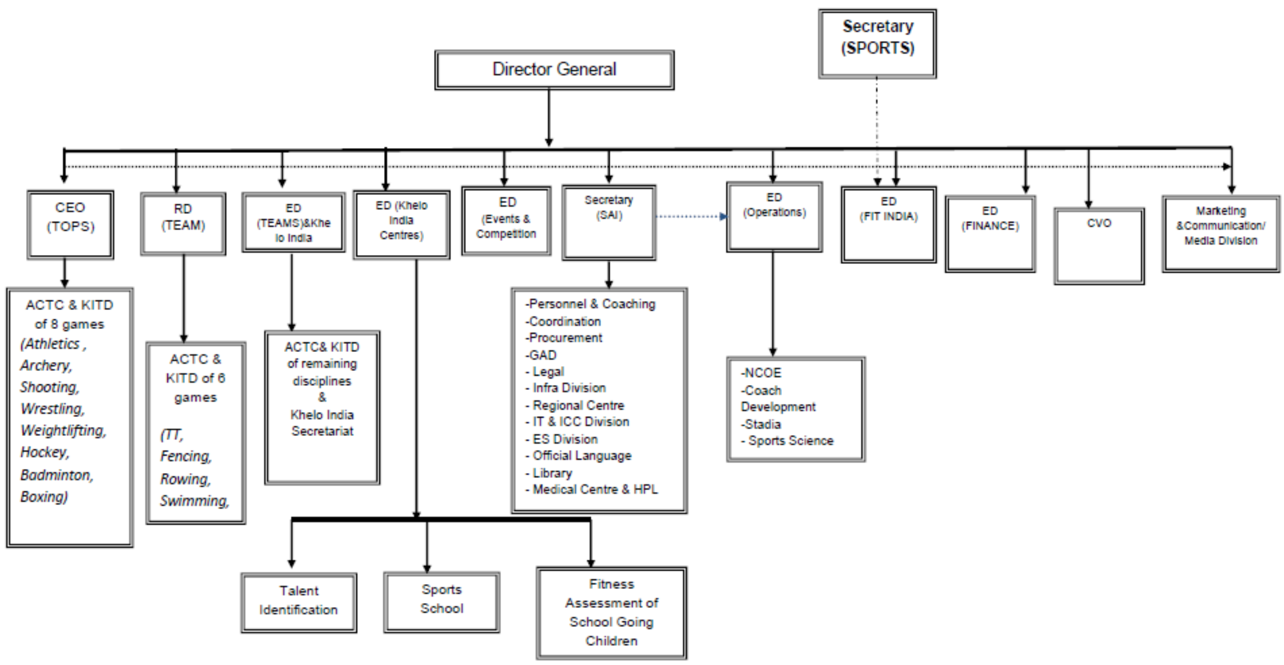

क्र. सं.	प्रभाग का नाम	कार्य
(i)	शैक्षणिक (कोचिंग) एनएस एनआईएस, पटियाला	खेल कोचिंग में प्रमाण–पत्र और डिप्लोमा पाठ्यक्रमों का संचालन। नियमित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम संचालित करके कोचों के कौशलों को बढ़ाना।
(ii)	शैक्षणिक (शारीरिक शिक्षा)एलएनसीपीई, तिरूवनंतपुरम	शारीरिक शिक्षा में स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों का संचालन
(iii)	विशेष परियोजना प्रभाग,एसएआई मुख्यालय, नई दिल्ली	राष्ट्रीय/क्षेत्रीय खेल अकादमियों का प्रबंधन करना, सीएसआर की व्यवस्था करना, खेल परियोजनाओं में बच्चों की सुरक्षा और गोल्फ विकास
(iv)	प्रचालन प्रभाग, एसएआई मुख्यालय, नई दिल्ली	एसएआई की खेल संवर्धन स्कीमों की योजना बनाना, कार्यान्वयन और निगरानी करना
(v)	टीम प्रभाग, एसएआई मुख्यालय, नई दिल्ली	राष्ट्रीय खेल परिसंघों के सहयोग सेयुवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय की ओर से राष्ट्रीय शिविरों के आयोजन, विदेशों में खेल के अवसर देने और विदेशी कोचों की सेवाओं सहित श्रेष्ठ एथलीटों का प्रशिक्षण और प्रबंधन सहायता।
(vi)	टार्गेट ओलंपिक पोडियम योजना (टीओपीएस)	प्रस्ताव के चयन, अपवर्जन और अनुमोदन के सहित मिशन ओलंपिक सेल के अनिवार्य दायित्व को पूरा करने में इसे सहायता करना। इसका उद्देश्य उस एथलीट की संपूर्ण आवश्यकता के लिए सहायता प्रदान करना है जिसे योजना के तहत चुना गया है अर्थात् चयन, प्रस्ताव, अनुमोदन और प्रदर्शन की समीक्षा।
(vii)	उपस्कर सहायता, एसएआई मुख्यालय, नई दिल्ली	एसएआई और/या अन्य खेल निकायों के विभिन्न खेल उपस्करों की आवश्यकताओं का समेकन और इन्हें स्थानीय विक्रेताओं के साथ–साथ विदेशी विक्रेताओं से प्राप्त करना।
(viii)	स्टेडिया प्रभाग, एसएआई मुख्यालय, नई दिल्ली	दिल्ली में एसएआई स्टेडियमों का रखरखाव, और उपयोग।
(ix)	अवसंरचना प्रभाग, एसएआई मुख्यालय, नई दिल्ली	देश भर के एसएआई केंद्रों में खेल एवं खेल संबंधी अवसंरचना का सृजन, विकास और रख–रखाव
(x)	कार्मिक प्रभाग एसएआई मुख्यालय, नई दिल्ली	अधिकारियों और स्टाफ की नियुक्ति और एसएआई कर्मचारियों के सेवा मामले में कार्रवाई करता है।
(xi)	कोचिंग प्रभाग एसएआई मुख्यालय, नई दिल्ली	एसएआई कोचों की नियुक्ति और सेवा मामले में कार्रवाई करता है।
(xii)	वित्त प्रभाग एसएआई मुख्यालय, नई दिल्ली	दिल्ली स्थितएसएआई के विभिन्न प्रभागों, शैक्षणिक संस्थानों और फील्ड यूनिटों के लिए वित्तीय योजना और बजट आबंटन में कार्रवाई करता है।

क्र. सं.	प्रभाग का नाम	कार्य
(xiii)	समन्वय प्रभाग एसएआई मुख्यालय, नई दिल्ली	युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय/अन्य एजेंसियों और एसएआई के विभिन्न प्रभागों के साथ, विशेष रूप से संसद और आरटीआई से संबंधित मामलों में संपर्क हेतु नोडल प्रभाग।
(xiv)	मिडिया तथा अंतरराष्ट्रीय सहयोग सेल, एसएआई मुख्यालय, नई दिल्ली	प्रिंट तथा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के साथ संपर्क, एनआईटी/विज्ञापन जारी करना, प्रेस वार्ता आयोजित करना और एसएआई की शासकीय वेबसाइट का रखरखाव करना और विदेशों के साथ खेलों के क्षेत्र में सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रमों/द्वि पक्षीय संबंधों के मामलों पर युवा कार्यक्रम एवं खेल विभाग के साथ संपर्क करना।
(xv)	सामान्य प्रशासन एसएआई मुख्यालय, नई दिल्ली	सामान्य सामान की खरीद एवं रख–रखाव। कार्यालय भवन का रख–रखाव,कंप्यूटरीकरण और हाउसकीपिंग, परिवहन, बैठकें और सेमीनार, कार्यालय टेलीफोन और हवाई टिकट।
(xvii)	विधायी प्रभाग एसएआई मुख्यालय, नई दिल्ली	एसएआई से संबंधित सभी विधायी मामलों में कार्रवाई करता है।
(xviii)	सतर्कता सेल एसएआई मुख्यालय, नई दिल्ली	एसएआई से संबंधित सभी सतर्कता मामलों में कार्रवाई करता है।
(xix)	राजभाषा प्रभाग एसएआई मुख्यालय, नई दिल्ली	भारत सरकार की राजभाषा नीति का कार्यान्वयन
(xx)	खेलों इंडिया प्रभाग एसएआई मुख्यालय, नई दिल्ली	जन सहभागिता और खेलों में उत्कृष्टता के संवर्धन के दोहरे उद्देश्य प्राप्त करना

नई दिल्ली में 1982 में आयोजित प्वें एशियाई खेलों के लिए दिल्ली में निम्नलिखित स्टेडियम का निर्माण/नवीकरण किया गया और तदुपरान्त 2010 में नई दिल्ली में आयोजित XIX वें राष्ट्रमंडल खेलों के लिए इनका नवीकरण किया गया,जिनका एसएआई द्वारा रखरखाव और उपयोग किया जा रहा है:

1. जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम कॉम्प्लेक्स
2. इंदिरा गांधी खेल परिसर
3. डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी तैराकी पूल परिसर (पूर्व नाम तालकटोरा तैराकी पूल)
4. मेजर ध्यानचंद्र राष्ट्रीय स्टेडियम (पूर्व नाम राष्ट्रीय स्टेडियम)
5. डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज (पूर्व नाम शूटिंग रेंज तुगलकाबाद)

भारतीय खेल प्राधिकरणकी खेल संवर्धन योजनाएं

प्रचालन प्रभाग, एसएआई की विभिन्न खेल संवर्धन योजनाओं के कार्यान्वयन का कार्य देखता है जिनका उद्देश्य राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए विभिन्न आयु समूहों में प्रतिभाशाली बच्चों की पहचान करना तथा उनका पोषण करना है।

इन योजनाओं को एसएआई द्वारा अपने बेंगलुरू, कोलकाता, गांधीनगर, कांदीविली (मुम्बई) भोपाल, सोनीपत, लखनऊ, चंडीगढ़, गुवाहाटी और इम्फाल स्थित क्षेत्रीय केंद्रों तथा एनएस एनआईएस, पटियाला और एलएनसीपीई, तिरुवंनतपुरम स्थित शैक्षिक स्कन्धों के जरिए कार्यान्वित किया जा रहा है। खेल विज्ञान केन्द्र का ढांचा पटिलाया, बेंगलुरू और कोलकाता में सुविकसित है तथा अन्य केंद्रों में इन सुविधाओं

का उन्नयन भी किया जा रहा है।

इन योजनाओं की मुख्य विशेषताएं इस प्रकार हैं:

1.0 राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र स्कीम (एनसीओई)

20.09.2019 को एसएआई सीओई स्कीम के उत्कृष्टता केंद्रों को राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्रों में परिवर्तित कर दिया गया और 27.11.2019 की अधिसूचना द्वारा अन्य एनसीओई स्थापित किए गए। ये केंद्र भारत में श्रेष्ठ प्रतिभाओं के लिए नियमित कोचिंग शिविर के रूप में काम करते हैं और राष्ट्रीय टीमों में चयन हेतु प्रतिभा की व्यापक गुंजाईस और निरंतरता देते हुए भावी खिलाड़ियों समवर्ती स्तर प्रदान करते हैं और वैकल्पिक दूसरा और तीसरे विकल्प भी देते हैं।

31 दिसंबर 2019 की स्थिति के अनुसार, देश में ऐसे 21केंद्र हैं जिनमें प्रशिक्षुओं की कुल संख्या 2176 (1364 लड़कों और 812 लड़कियों) हैं। एसएआई एनसीओई की सूची इस प्रकार है–

क्रम सं.	एनसीओई का नाम	अनुशासन
1.	एनसीओई, औरंगाबाद	तीरंदाजी, एथलेटिक्स, मुक्केबाजी, पट्टेबाजी, हॉकी (जी), भारोत्तोलन
2.	एनसीओई, बेंगलुरु	एथलेटिक्स, हॉकी, जूडो, निशानेबाजी, वॉलीबॉल, भारोत्तोलन
3	एनसीओई, भोपाल	एथलेटिक्स, मुक्केबाजी, हॉकी, जूडो, वुशु
4	एनसीओई, चंडीगढ़	निर्माणाधीन क्षेत्रीय केंद्र। बाद में फैसला किया जाना है।
5	एनसीओई, गांधीनगर	हैंडबॉल, कबड्डी, पारा खेल
6	एनसीओई, गुवाहाटी	तीरंदाजी, एथलेटिक्स, मुक्केबाजी, साइकलिंग, पट्टेबाजी, ताइक्वांडो, फुटबॉल
7	एनसीओई, इंफाल	तीरंदाजी, एथलेटिक्स, साइकलिंग, फुटबॉल, हॉकी, सेपकटक्रा, भारोत्तोलन, वुशु
8	एनसीओई, ईटानगर	मुक्केबाजी, भारोत्तोलन, वुशु
9	एनसीओई, कोलकाता	तीरंदाजी, एथलेटिक्स, जिम्नास्टिक, हॉकी (जी), टेबल–टेनिस
10	एनसीओई, लखनऊ	एथलेटिक्स, हॉकी, ताइक्वांडो, भारोत्तोलन, कुश्ती
11	एनसीओई, मुंबई	बाद में फैसला किया जाना है
12	एनसीओई, पटियाला	एथलेटिक्स, साइकलिंग, पट्टेबाजी, हॉकी (जी), जूडो, टेबल–टेनिस, भारोत्तोलन
13	एनसीओई, सोनीपत	तीरंदाजी, एथलेटिक्स, हॉकी, कबड्डी, कुश्ती
14	एनसीओई, त्रिवेंद्रम	एथलेटिक्स, साइकलिंग, फुटबॉल, तायक्वोंडो, वॉलीबॉल
15	एनसीओई, एलेपी	नौकायन
16	एनसीओई, रोहतक	मुक्केबाज़ी
17	एनसीओई, आईजीएससी	मुक्केबाजी, साइकलिंग, जिम्नास्टिक
18	एनसीओई, जेएलएनएस	एथलेटिक्स (पोल वॉल्ट)
19	एनसीओई, केएसएसआर	निशानेबाजी
20	एनसीओई,एमडीसीएनएस	हॉकी
21	एनसीओई,एसपीएमएसपीसी	तैराकी

प्रवेश दिए गए प्रशिक्षुओं हेतु निगरानी, छमाही वैज्ञानिक आंकलन और शैक्षिक सहायता

क) यह सिफारिश की जाती है कि प्रवेश दिए गए सभी प्रशिक्षुओं की निरंतर निगरानी और छमाही वैज्ञानिक आकलन, आंतरिक रूप से खेल विज्ञान केंद्रों की सेवाएं लेकर या प्रतिष्ठित खेल विज्ञान संस्थाओं की सेवाएं लेकर संस्थागत / क्षेत्रीय प्रमुखों द्वारा किया जा सकता है।

ख) जहां तक संभव हो, प्रवेश दी गई प्रतिभाओं पर नियमित शैक्षिक दबाव दूर करने के लिए एनआईओएस, मानव संसाधन विकास मंत्रालय और इंदिरा गांधी मुक्त विश्वविद्यालय के तहत राष्ट्रीय मुक्त स्कूल प्रणाली स्थापना करने के प्रयास किए जाने चाहिए।

ग) प्रतिभा को शैक्षिक सत्र के साथ जोड़ने के बजाए इसका प्रवेश एक सतत प्रक्रिया होनी चाहिए ताकि एसएआई उसी समय प्रतिभा को प्रवेश दे सके जब राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में उसकी पहचान की जाए।

प्रदान की गई सुविधाएं:

सीओई प्रशिक्षुओं को विशिष्ट प्रशिक्षण के साथ अत्याधुनिक सुविधाएं, उपकरण और वैज्ञानिक सहायता प्रदान की जाती है। प्रशिक्षुओं को उन्नत खान–पान और रहन–सहन की सुविधाएं, खेल किट, खेल उपकरण, प्रतिस्पर्धा में भाग लेने का अवसर, बीमा, चिकित्सा व्यय आदि मानदंडों के अनुसार दिए जाते हैं।

एनसीओई प्राथमिक रूप से ओलंपिक खेल2024 और इसके बाद उत्कृष्टता हेतु 14 चिन्हित खेल विधाओं पर फोकस करेंगे। चुनी गई खेल विधाएं हैं – तीरंदाजी, मुक्केबाजी, निशानेबाजी, बैडमिंटन, कुश्ती, हॉकी, भारोत्तोलन, साइकलिंग, एथलेटिक्स, टेबल टेनिस, जूडो, तैराकी, पट्टेबाजी और नौकायन।

2.0 एसएआई प्रशिक्षण केन्द्र योजना (एसटीसी)

एसटीसी योजना का उद्देश्य ऐसे जूनियर स्तर के खिलाड़ियों को तैयार करना है, जिन्हें मूल स्तर से तलाशा गया है। एसएआई केंद्रों स्थापित करने और संचालन करने के उद्देश्य से राज्य सरकारें सभी बुनियादी ढ़ाचागत सुविधाएं प्रदान करेंगी और एसएआई चुने गए प्रशिक्षुओं को खान–पान और रहने की सुविधा, वैज्ञानिक प्रशिक्षण / उपकरण सहायता देगा और बुनियादी ढांचे की छोटी–मोटी वर्तमान मरम्मत करेगा।

i. केंद्र सरकार और राज्य सरकारों के लिए विभिन्न स्कीमों के समेकन के माध्यम से खेल विकास प्रयासों के लिए एक साथ काम करना संभव करेंगे।

ii. देश में और राज्य के भीतर खेल बुनियादी ढांचे में मौजूदा क्षेत्रीय असंतुलन को ठीक करेंगे।

iii. एसएआई को वैज्ञानिक रूप से ऐसी जूनियर खेल प्रतिभा संपोषित करने में सहायता करेंगे जिन्होंने एनएसटीसी स्कीम के तहत सब जूनियर स्तर पर उत्कृष्टता प्राप्त की है और उन्हें दीर्घकालिक आधार पर और आगे वैज्ञानिक तथा गहन कोचिंग के लिए एसटीसी / उत्कृष्टता केंद्रों में प्रवेश में सहायता करेंगे।

iv. खेल के बुनियादी ढांचे के लिए सहायता का पैकेज देंगे और विशेष क्षेत्रों में विभिन्न खेल कार्यक्रम चलाएंगे।

v. ऐसी स्थिति से बचने के लिए किसी जिले/जोन में पहले से मौजूद / सृजित किए जाने वाली सुविधाओं का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करेंगे, जहां खेल का बुनियादी ढांचा बेकार पड़ा रहता है और साथ ही इसका उचित रखरखाव भी सुनिश्चित करेंगे।

vi. भारत सरकार और एसएआई की विभिन्न योजनागत स्कीमों के लिए निर्धारित निधियों का एकसमान वितरण सुनिश्चित करेंगे।

vii. विभिन्न योजनागत स्कीमों के लाभ को प्रतिभाओं के संपोषण हेतु मूल स्तर तक ले जाएंगे।

प्रदान की गई सुविधाएंः

प्रशिक्षुओं को प्रदान की गई सुविधाओं में खान–पान, खेल किट, स्टाइपंड, प्रतियोगिता में खेलने का अवसर, शिक्षा व्यय, चिकित्सा, बीमा और अन्य व्यय शामिल हैं।

वर्तमान में देश में 67 एसटीसी केंद्र हैं जिनमें प्रशिक्षुओं की कुल संख्या 5224 (3453 लड़कें और 1771 लड़कियां) हैं।

3.0 एसटीसी केंद्रों के विस्तार केंद्रः

एसटीसी के विस्तार केंद्र / एसएजी केंद्र स्कीम ऐसे स्कूलों और कॉलेजों, जिनमें अपेक्षित मूल खेल बुनियादी ढ़ांचा है और जिन्होंने खेलों में उत्तम परिणाम दिए हैं, में खेल मानकों के विकास के उद्देश्य से व्यापक कवरेज हेतु स्कूल और कॉलेजों को शामिल करने हेतु शुरू की गई थी । गैर– आवासीय आधार के तहत नियमित प्रशिक्षण के लिए 10–18 वर्ष के आयु समूह में प्रशिक्षुओं का चयन किया जाता है।

प्रदान की गई सुविधाएंः

प्रशिक्षुओं को खेल किट, स्टाइपंड, प्रतियोगिता में खेलने का अवसर, बीमा और प्रशिक्षण कोच प्रदान किए जाते हैं। इसके अलावा, संस्थाओं को प्रति वर्ष 1 लाख रुपये का रखरखाव अनुदान दिया जाता है।

शामिल खेल विधाएंः

तीरंदाजी, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, बास्केटबॉल, मुक्केबाजी, फुटबॉल, जिमनास्टिक्स, हैंडबॉल, हॉकी, जूडो, कबड्डी, खो–खो, मलखंभ, निशानेबाजी, तैराकी, टेबल टेनिस, ताइक्वांडो, वॉलीबॉल, भारोत्तोलन, कुश्ती और वुशू (21 विधाएं)

इन विस्तार केंद्रों की निगरानी निकटतम एसटीआई / एसएजी और एसएआई के क्षेत्रीय केंद्रों के प्रमुखों द्वारा की जाती है, जिनके अंतर्गत संबंधित स्कूल / कॉलेज आते हैं। ऐसे केंद्रों को स्वीकृत करने की शक्ति महानिदेशक, एसएआई के पास है।

वर्तमान में, देश में एसटीसी और एसएजी स्कीमों के तहत 94विस्तार केंद्र हैं, जिनमें प्रशिक्षुओं की कुल संख्या 1869(1049लड़के और 820लड़कियां) हैं।

4.0 राष्ट्रीय खेल प्रतिभा प्रतिस्पर्धा योजना (एनएसटीसी)

राष्ट्रीय खेल प्रतिभा प्रतिस्पर्धा (एनएसटीसी) योजना का कार्यान्वयन, स्कूलों से 8–14 वर्ष के आयु समूह में खेल प्रतिभा की पहचान करने और उन्हें वैज्ञानिक प्रशिक्षण देकर पदक लाने योग्य खिलाड़ी बनाने हेतु उनका पो ाण करने के लिए किया जा रहा है।

योजना के अंतर्गत,उत्तम खेल अवसंरचना तथा विश्वसनीय खेल प्रदर्शन के रिकॉर्ड वाले स्कूलों को एसएआई द्वारा अपनाया जाता है। यह योजना उभरते खिलाड़ियों को उसी स्कूल में अध्ययन करने तथा खेलने में समर्थ बनाती है।

प्रदान की गई सुविधाएंः

अंतः प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण देने हेतु कोचों की सेवाओं के अलावा अपनाए गए प्रत्येक स्कूल को चुनिंदा प्रशिक्षुओं के लिए उपभोज्य खेल उपकरणों, खेल किटों, प्रतिस्पर्धा सहभागिता, स्टाइपंड और बीमा के लिए निधियां भी दी जाती हैं।

शामिल खेल विधाः

एथलेटिक्स, बास्केटबॉल, फुटबाल, जिम्नास्टिक्स, हॉकी, खो–खो, तैराकी, टेबलटेनिस, वॉलीबॉल और कुश्ती (10 खेल विधा)

4.1 स्वदेशी खेल और मार्शल आर्ट्स (आईजीएमए),एनएसटीसी (उप–योजना)

ग्रामीण और अर्द्धशहरी क्षेत्रों में स्कूलों में स्वदेशी खेलों और मार्शल आट्र्स का संवर्धन करने के लिए तथा इन खेलों में प्रतिभा की खोज कर उसके आधुनिक खेलों में पोषण हेतु एसएआई के शासी निकाय ने 12 नवम्बर, 2001 को आयोजित अपनी 28वीं बैठक में प्रस्ताव का अनुमोदन किया। तदन्तर, माननीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री ने केन्द्रीय विद्यालयों, नवोदय विद्यालयों, डीएवी, विद्या भारती और इसी प्रकार की संस्थाओं जैसे स्कूलों के समूह वाली शैक्षिक संस्थाओं द्वारा संचालित स्कूलों को मौजूदा एनएसटीसी योजना के भाग के रूप में स्वदेशी खेलों और मार्शल आर्टस के संवर्धन तथा विकास हेतु अपनाए जाने की अनुमति प्रदान की।

प्रदान की गई सुविधाएंः

इस स्कीम में प्रशिक्षणार्थियों को खेल उपकरणों की खरीद तथा प्रतिभाओं की खोज के लिए प्रतिस्पर्धा आयोजित करने हेतु स्कूल को वार्षिक अनुदान के अलावा, स्टाइपंड, खेल किट, बीमा दिया जाता है।

शामिल खेल विधाः

इस समय देश में विभिन्न केन्द्रों में तीरंदाजी, गटका, कबड्डी, कलारीयापयटु, खोमलईनई, मलखंभ, मुकना, थांग–ता, सिलंबम, (9 खेल विधा) खेल विधाओं में स्वदेशी खेलों और मार्शल आर्ट्स का संवर्धन किया जा रहा है।

4.2 अखाड़ा, एनएसटीसी (उप–स्कीम)

उद्देश्यः

देश में कुश्ती एक पारंपरिक देशी खेल रहा है और यह ज्यादातर ग्राम स्तर पर खेला जाता है। भारत ने विगत में कई अंतर्राष्ट्रीय पदक जीते हैं और और इसका काफी दबदबा रहा है। परंतु अब भारतीय पहलवानों के लिए उन दशाओं, जिनमें अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धाओं में खेल खेले जाते हैं, में परिवर्तनों के कारण वरिष्ठ स्तर की प्रतिस्पर्धाओं में पदक जीतना कठिन हो गया है। अतः आधुनिक कुश्ती के लिए व्यापक आधार तैयार करने तथा देश में विभिन्न अखाड़ों द्वारा किए गए प्रयासों में सहायता करने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

प्रदान की गई सुविधाएंः

अपनाए गए अखाड़ों को कुश्ती–मैट, मल्टी जिम के रूप में सहायता दी जाती है और प्रशिक्षणार्थियों को दिनभर के छात्रावास के आधार पर खेल किट, प्रतिस्पर्धा सहभागिता का अवसर, बीमा और स्टाइपंड दिए जाते हैं। इस समय 31.12.2019 तक एसएआई द्वारा 41 अखाड़े अपनाए गए हैं।

5.0 आर्मी बॉयस स्पोर्ट्स कंपनी स्कीम (एबीएससी)

उद्देश्य :

यह भारतीय सेना के साथ एसएआई का सहयोगी उद्यम है, इस योजना का मुख्य उद्देश्य 8–14 वर्ष के आयु समूह में खेलों में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए लड़कों के प्रशिक्षण हेतु सेना की उत्तम अवसंरचना और अनुशासित वातावरण का प्रयोग करना है। साढ़े सत्रह वर्ष की अपेक्षित आयु प्राप्त करने के पश्चात प्रशिक्षुओं को सेना में पंजीकृत भी किया जाता है।

शामिल खेल विधा :

तीरंदाजी, एथलेटिक्स, बास्केटबॉल, मुक्केबाजी, साइकलिंग, डाइविंग, घुड़सवारी, पटेबाजी, फुटबॉल, जिमनास्टिक, हैंडबॉल, हॉकी, कयाकिंग और केनोइंग, नौकायन, नौका विहार, निशानेबाजी, तैराकी, ताइकवांडु, वॉलीबॉल, भारोत्तोलन, कुश्ती और वूशू (22 खेल विधा)।

प्रदत्त सुविधाएं

इस योजना के अंतर्गतएसएआई के अनुभवी कोच

से वैज्ञानिक कोचिंग के अतिरिक्त प्रशिक्षुओं को खान–पान और आवास सुविधाएं, ौक्षिक व्यय, खेल किट, बीमा, चिकित्सा सुरक्षा, प्रतियोगिता अनुभव प्रदान किए जाते हैं।

इस समय, देश में 28 एबीएससी केन्द्र है जिनमें इस योजना के तहत 1488 लड़कों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

6.0 भारतीय खेल प्राधिकरण के क्षेत्रीय केंद्र / उप–केन्द्र

भारतीय खेल प्राधिकरण के क्षेत्रीय केंद्र / उप–केन्द्र और शैक्षिक अकादमियां देश भर में इसकी खेल संवर्धन योजनाओं और शैक्षणिक कार्यक्रमों के लिए कार्यान्वयन एजेंसियां हैं।

उद्देश्य और कार्य

- अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए कोचिंग शिविरों का संचालन करना और राष्ट्रीय टीमों को सहायता प्रदान करना;
- क्षेत्र में भारतीय खेल प्राधिकरण और भारत सरकार की खेल संवर्धन योजनाओं को कार्यान्वित करना व उनकी निगरानी करना;
- एनएसएनआईएस पटियाला में भारतीय खेल प्राधिकरण के शैक्षिक स्कंध के सहयोग से कोचिंग में डिप्लोमा पाठ्यक्रम का संचालन करना;
- रिफ्रेशर कोर्स का आयोजन करते हुए कोचों की तकनीकी क्षमता बढ़ाना और ज्ञानवर्द्धन करना;
- शारीरिक शिक्षा शिक्षकों के लिए रिफ्रेशर कोर्स का आयोजन करना;
- ज्ञान वृद्धि के माध्यम से खेलों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के संबंध में सभी संबधितों को संगठनात्मक सहायता, प्रलेखन और खेल विज्ञान से संबंधित जानकारी प्रदान करना;
- अन्य संगठनों / खेल निकायों, राज्य सरकारों / संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों के साथ सम्पर्क स्थापित करना तथा खेल से संबंधित विषयों की जानकारी प्रदान करना;
- विभिन्न आयु समूहों के बीच खेल प्रतिभा की पहचान करना और उन्हें अपने प्रदर्शन में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए तैयार करना; तथा
- खिलाडियों को खेलों में उच्च स्तरीय प्रदर्शन प्राप्त करने के लिए वैज्ञानिक सहायता प्रदान करना।

1. एसएआई नेताजी सुभाष पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र (एनएसईसी), कोलकाता

एसएआई पूर्वी केंद्र की स्थापना कोलकाता के साल्ट लेक सिटी में 23 जनवरी 1983 को की गई थी। केंद्र, बिहार, झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा और अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में एसएआई योजनाओं के कार्यान्वयन व निगरानी के लिए उत्तरदायी है।

शैक्षणिक कार्यक्रम:

वर्ष के दौरान, इस केंद्र में निम्नलिखित शैक्षिक कार्यक्रम आयोजित किए गए :–

- 16 मई से 23 जून 2019 तक विभिन्न खेल विधाओं में छह सप्ताह का प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम।

2. एसएआई नेताजी सुभाष दक्षिणी केंद्र (एनएसएससी), बेंगलुरू

दक्षिणी केंद्र की स्थापना श्री कांतिरावा स्टेडियम, बेंगलुरू में 13 अप्रैल, 1974 को की गई थी और तत्पश्चात इसे 29 जुलाई 1985 को इसके वर्तमान स्थान ज्ञान भारती परिसर, बेंगलुरू विश्वविद्यालय, मैसूर रोड, बेंगलुरू में स्थानांतरित कर दिया गया था। बेंगलुरू स्थित एनएसएससी आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और तेलंगाना राज्यों में

एसएआई खेल संवर्धन योजनाओं को लागू करने व निगरानी करने के लिए जिम्मेदार है।

शैक्षिक कार्यक्रम:

भारतीय खेल प्राधिकरण, एन एस दक्षिणी केंद्र, बेंगलुरू द्वारा डिप्लोमा पाठ्यक्रम, प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम और अन्य खेल संबंधी पाठ्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। 2019–20 के दौरान निम्नलिखित पाठ्यक्रम आयोजित किए गए:

- i 10 माह की अवधि का खेल कोचिंग में डिप्लोमा पाठ्यक्रम जिसके पश्चात् 2 माह की इंटर्नशिप
- ii शारीरिक शिक्षा शिक्षकों के लिए जन भागीदारी के अंतर्गत 6 सप्ताह का प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम
- iii भारतीय खेल प्राधिकरण के सेवाकालीन कोचों और अन्य संगठनों के कोचों के लिए उच्च स्तरीय/पुनश्चर्या पाठ्यक्रम
- iv खेल विज्ञान में लघु अवधि पाठ्यक्रम
- v कार्यशालाएं और सेमीनार

राष्ट्रीय कोचिंग शिविर

एसएआई, एनएसएससी, बेंगलुरू, ओलंपिक्स, एशियाई खेल, राष्ट्रमंडल खेल और विश्व कप तथा विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए तैयारी में विभिन्न खेल विधाओं में राष्ट्रीय कोचिंग शिविरों के संचालन के लिए मुख्य क्षेत्रीय केंद्र बन गया है। अधिकांश राष्ट्रीय कोचिंग शिविर इस केंद्र/क्षेत्र में आयोजित किए जाते हैं।

2019–20 के दौरान आयोजित राष्ट्रीय कोचिंग शिविरों का विवरण:

क्र.सं.	खेल विधा	शिविरों की संख्या
1.	एथलेटिक्स	06
2.	बैडिमिंटन	06
3.	बिलियर्ड	01
4.	बास्केबाल	10
5.	मुक्केबाजी	01
6.	हॉकी	31
7.	पारा ओलंपिक	01
8.	पारा एथलेटिक	02
9.	नौकायन	01
10.	तैराकी	01
11.	वालीबॉल	03
कुल		63

3. एसएआई नेताजी सुभाष पश्चिमी केंद्र (एनएसडब्ल्यूसी), गांधीनगर

एसएआई के पश्चिमी क्षेत्रीय मुख्यालय की स्थापना सेक्टर–15, गांधीनगर में स्थित खेल परिसर में गांधीनगर, गुजरात में की गई है जिसे गुजरात सरकार द्वारा एसएआई को दीर्घावधि लीज आधार (99 वर्षों के लिए) को हस्तांतरित कर दिया गया था। एसएआई पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र का उद्घाटन, गुजरात और राजस्थान राज्यों को शामिल करते हुए पश्चिमी क्षेत्र में एसएआई की खेल संवर्धन योजनाओं के कार्यान्वयन के उद्देश्य से 29 अगस्त, 1987 को किया गया था।

सेक्टर 25 में 50.00 करोड़ रु. की अनुमानित लागत से दक्षिण एशियाई पारा केंद्र स्थापित करने का प्रस्ताव है जिसके लिए सीपीडब्ल्यूडी गांधी नगर से प्रारंभिक अनुमान प्राप्त हुआ और उसे युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, भारत सरकार को 17.03.2017 को नई दिल्ली में सचिव, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, भारत सरकार के साथ आयोजित बैठक के कार्यवृत के अनुसार आगे अनुमोदन के लिए भेज दिया गया।

4. एसएआई उधव दास मेहता (भाई जी) मध्य केंद्र, भोपाल

वर्ष 2000 में शासी निकाय द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार, एसएआई मध्य क्षेत्रीय केंद्र को 6 जून,

2001 में भोपाल में स्थानांतरित कर दिया गया है। दिनांक 18 मार्च, 2002 के शासी निकाय के निर्णय के अनुसार, इस केंद्र को 17 अप्रैल, 2002 को "उधव दास मेहता (भाई जी) मध्य क्षेत्रीय केंद्र" के रूप में पुनः नामित किया गया। भोपाल में एसएआई खेल परिसर 97 एकड़ में फैला है और यह भूमि मध्य प्रदेश सरकार द्वारा दी गई थी। इस केंद्र को सितंबर, 2005 में क्रियाशील बनाया गया था, इसमें 144 बिस्तरयुक्त छात्रावास, एस्ट्रोटर्फ हॉकी मैदान (2), बहुद्देशीय हॉल, 400 मीटर सिंडर एथलेटिक्स ट्रेक, बास्केटबॉल, वालीबॉल, फुटबॉल मैदान हैं। इस समय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 1 नवम्बर, 2019 से मध्य क्षेत्रीय केन्द्र भोपाल को राष्ट्रीय उत्कृष्टता केन्द्र (एनसीओई) चिन्हित किया गया है, जो एथेलिक्टिकस, मुक्केबाजी, जूड़ो, हॉकी, वुशू जैसी मुख्य खेल विधाओं पर फोक्स करता है।

कोचिंग शिविर

विधा–वार आयोजित शिविर निम्नानुसार हैं:

क्र.सं.	खेल विधा	शिविरों की संख्या
1.	एथलेटिक	01
2.	मुक्केबाजी	01
3.	जूडो	01
4.	पटेबाजी	01
5.	कायाकिंग एवं केनोइंग	03
6.	नौकायन	01
7.	निशानेबाजी	02
8.	वुशू	02
	कुल	12

5. एसएआई चौधरी देवी लाल उत्तर क्षेत्रीय केंद्र, सोनीपत

एसएआई का उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र जून, 1988 में स्थापित किया गया और इसने एनएस एनआईएस पटियाला से कार्य करना शुरू किया। अक्तूबर, 1991 में क्षेत्रीय केंद्र के कार्यालय को चंडीगढ़ शिफ्ट कर दिया गया। इसके बाद जून, 2005 में इस कार्यालय को 83 लगभग एकड़ भूमि क्षेत्र में बने एक परिसर में चंडीगढ़ से ग्राम जोशी चौहान, बहालगढ़ (सोनीपत) में शिफ्ट कर दिया गया, जहां विभिन्न खेल सुविधाएं सृजित/विकसित की गई हैं तथापि, भारतीय खेल प्राधिकरण की 23 फरवरी, 2009 को आयोजित शासीनिकाय की 36वीं बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार 01 अप्रैल, 2009 को चंडीगढ़ में एसएआई का एक नया केंद्र स्थापित किया गया और पंजाब, हिमाचल प्रदेश, जम्मूऔर कश्मीर तथा चंडीगढ़ संघ राज्य क्षेत्र को इसके क्षेत्राधिकार में रखा गया। इसके अलावा, हरियाणा और दिल्ली को एनआरसी सोनीपत के प्रशासनिक क्षेत्राधिकार में रखा गया।

एनआरसी सोनीपत के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत हरियाणा और दिल्ली राज्यों में स्थित एसएआई के प्रशिक्षण केंद्र इस प्रकार हैं:–

I. एसएआई प्रशिक्षण केंद्र, भिवानी

II. एसएआई प्रशिक्षण केंद्र, हिसार

III. एसएआई प्रशिक्षण केंद्र,कुरुक्षेत्र

IV. राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र, सोनीपत

V. एसएआई प्रशिक्षण केंद्र, बवाना, (दिल्ली)

VI. राष्ट्रीय मुक्केबाजी अकादमी, एनसीओई– रोहतक

6. चंडीगढ़ में एसएआई क्षेत्रीय केंद्र

भारतीय खेल प्राधिकरण, क्षेत्रीय केंद्र, चंडीगढ़ को मार्च, 2009 में भालगढ़, सोनीपत से चंडीगढ़ में स्थानांतरित कर दिया गया था। वर्तमान में, इस केंद्र का अपना स्वयं का परिसर नहीं है और यह केवल कार्यालय उद्देश्य के लिए हॉकी स्टेडियम, सेक्टर–42, चंडीगढ़ में संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन द्वारा प्रदत्त स्थान से चल रहा है। इस क्षेत्रीय केंद्र

का प्रशासनिक अधिकार क्षेत्र पंजाब, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर राज्य तथा संघ राज्य क्षेत्र चंडीगढ़ है।

राष्ट्रीय कोचिंग शिविर

2018 के दौरान भारत और विदेश में विभिन्न अन्य अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की तैयारी में एसएआई मध्य क्षेत्रीय केन्द्र, चण्डीगढ़ में निम्नलिखित राष्ट्रीय कोचिंग शिविर आयोजित किए गए। विधावार आयोजित शिविर:

क्रम संख्या	विधा	शिविरों की संख्या
1	एथलेटिक्स (रेस वॉक)	01

7. एसएआई नेताजी सुभाष पूर्वोत्तर क्षेत्रीय केन्द्र, इम्फाल

भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में खेल क्षेत्र की प्रतिभाओं की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए, प्रशिक्षण शिविरों और डिप्लोमा पाठ्यक्रमों का संचालन करने के लिए खेल सुविधाएं प्रदान करने हेतु पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए दिनांक 15 सितम्बर 1986 को ताक्येल, इम्फाल में नेताजी सुभाष राष्ट्रीय खेल क्षेत्रीय केंद्र संस्थान की स्थापना की गई थी। यह केंद्र मणिपुर, मिजोरम और नगालैंड राज्यों में एसएआई खेल संवर्धन योजनाओं के कार्यान्व्यन और निगरानी के लिए जिम्मेदार है।

8. एसएआई क्षेत्रीय केंद्र, लखनऊ

भारतीय खेल प्राधिकरण, नेताजी सुभाष उप केंद्र, लखनऊ की स्थापना वर्ष 2004 में लखनऊ में की गई थी। इस केंद्र का उद्घाटन 23 फरवरी, 2004 को भारत के तत्कालीन माननीय प्रधानमंत्री, श्री अटल बिहारी वाजपेयी (भारत रत्न) द्वारा की गई थी। वर्तमान परिसर उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रदत्त 52 एकड़ भूमि में फैला है। इस केंद्र में श्रेष्ठ खिलाड़ियों के लिए आवश्यक सभी आधुनिक अवसंरचना, खेल सुविधाएं उपलब्ध हैं। यह केंद्र मार्च, 2009 तक केंद्रीय केंद्र भोपाल के अधिकार क्षेत्र के तहत था। भोपाल से अलग होने के पश्चात् यह केंद्र 1 अप्रैल, 2009 से स्वतंत्र रूप से कार्य कर रहा है। फरवरी, 2013 में इस केंद्र को दो राज्यों अर्थात् उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड, जो देश की लगभग 22 प्रतिशत जनसंख्या की आवश्यकता को पूरा करते हैं, के अधिकार क्षेत्र के साथ एक स्वतंत्र क्षेत्रीय केंद्र के रूप में अधिसूचित किया गया था। एसएआई क्षेत्रीय केंद्र को सभी श्रेणियों में विशेषकर महिला कुश्ती और अन्य विधा जैसे जूडो, हैंडबाल, कबड्डी, टेबल टेनिस में राष्ट्रीय कोचिंग कैंपों के आयोजन के लिए नोडल केंद्र के रूप में अधिसूचित किया गया था।

9. एसएआई क्षेत्रीय केंद्र, गुवाहाटी

पूर्वोत्तर क्षेत्र में खेलों और खेल कूद को बढ़ावा देने के दृष्टिकोण से, भारतीय खेल प्राधिकरण ने 1987 में एसएआई नॉर्थ ईस्ट क्षेत्रीय केन्द्र, इम्फाल के तहत गुवाहाटी में अपने उप केंद्र की स्थापना की थी। जनवरी, 2013 में उप केंद्र, गुवाहाटी को क्षेत्रीय केंद्र, गुवाहाटी के रूप में प्रोन्नत कर दिया गया। विभिन्न एसएआई संवर्धन योजनाएं चार पूर्वी राज्यों नामतः असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम, जो इस केन्द्र के प्रशासनिक अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत आते हैं, में प्रचालनरत हैं।

10. एसएआई क्षेत्रीय केंद्र, मुंबई

मुंबई में खेल प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना वर्ष 1989 में महाराष्ट्र में खेलों के समग्र संवर्धन और विकास के प्राथमिक उद्देश्यों से की गई थी। खेल छात्रावास की स्थापना के लिए एसएआई को परिसर और अन्य सुविधाएं सौंपने के लिए भारतीय खेल प्राधिकरण और महाराष्ट्र सरकार के बीच 31 अगस्त 1989 को एक समझौते को निष्पापदित किया गया था। एसएआई आरसी मुम्बई ने जून, 2015 से महाराष्ट्र, गोवा राज्यों

और दमन एवं दीव तथा दादर नगर हवेली संघ राज्य क्षेत्रों के साथ स्वतंत्र रूप से कार्य करना आरंभ कर दिया। 29 अप्रैल, 2016 को महाराष्ट्र सरकार ने भारतीय खेल प्राधिकरण, नेताजी सुभाष दीन दयाल उपाध्याय क्षेत्रीय केंद्र खोलने के लिए नागपुर में 140 एकड़ भूमि सौंपीः

राष्ट्रीय कोचिंग शिविरः–

क्र.सं.	खेल विधा	शिविरों की संख्या
1.	नेशनल कोचिंग शिविर तीरंदाजी (पुनरावृत्ति)	02
2.	नेशनल कोचिंग शिविरनौकायन	02
3.	नेशनल कोचिंग शिविर ब्रिज	04
4.	नेशनल कोचिंग शिविरफुटबॉल (यू) 15 पुरूष	01
5.	नेशनल कोचिंग शिविरसेपकटक्रा	04
कुल		13

शैक्षिक कार्यक्रम

- एसएआईक्षेत्रीय केन्द्र मुम्बई, में 10 विधाओं में 16 मई, 2019 से 24 जून, 2019 तक 6 सप्ताह का प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम कार्यक्रम चलाया गया।

भारतीय खेल प्राधिकरण के शैक्षणिक संस्थान

1 नेताजी सुभाष राष्ट्रीय खेल संस्थान, पटियाला

राष्ट्रीय खेल संस्थान का उद्घाटन 7 मई 1961 को देश में व्यवस्थित और वैज्ञानिक खेल कोचिंग के एक युग का सूत्रपात करने के लिए किया गया था। वर्ष 1973 में, यह संस्थान नेताजी सुभाष चंद्र बोस की स्मृति को समर्पित किया गया था। वर्ष 1987 में एसएआई और एसएनआईपीईएस के विलय के पश्चाात, यह संस्थान भारतीय खेल प्राधिकरण का शैक्षणिक स्कंध बन गया। इसे एशिया का एक प्रमुख खेल संस्थान माना जाता है। यह संस्थान मोती बाग पैलेस, पटियाला (पंजाब) में स्थित है। संस्थान का कुल क्षेत्रफल 268 एकड़ है।

संस्थान के लक्ष्य और उद्देश्य

1. खेल कोचिंग, खेल विज्ञान और अन्य संबंधित क्षेत्रों में लघु और दीर्घावधि के शैक्षिक पाठ्यक्रम आयोजित करना।
2. पुनश्चर्या पाठ्यक्रम के आयोजन के माध्यम से कोचों की सक्षमता बढ़ाना।
3. अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए श्रेष्ठ खिलाड़ियों हेतु राष्ट्रीय कोचिंग शिविरों का आयोजन करना।
4. उच्च स्तरीय प्रदर्शन देने के लिए श्रेष्ठ खिलाड़ियों को वैज्ञानिक सहायता प्रदान करना।
5. खेल संबंधित विषयों पर सम्मेलनों, सेमिनारों और कार्यशालाओं का आयोजन करना।
6. विशेषज्ञों के माध्यम से खेल के बुनियादी ढांचे से संबंधी जानकारी और परामर्श के स्रोत के रूप में सेवा प्रदान करना।
7. एसएआई की खेल सवंर्धन योजनाओं को लागू करना।
8. युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय की खेल संवर्धन योजनाओं की राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन करना।
9. भारत सरकार की खेल संवर्धन योजनाओं की राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिताओं में खेल प्रतिभा को निखारने हेतु उसकी पहचान करना।

शैक्षणिक कार्यक्रम

क. खेल कोचिंग में डिप्लोमा पाठ्यक्रम

पटियाला में खेल कोचिंग पाठ्यक्रम में सतरह खेल विधाओं में डिप्लोमा का संचालन किया जा रहा है जैसे कि एथलेटिक्स, बास्केटबॉल, मुक्केबाजी, क्रिकेट, साइकलिंग, पटेबाजी, फुटबॉल, जिमनास्टिक, हैंडबॉल, हॉकी, जूडो,

तैराकी, टेबल टेनिस, वालीबॉल, भारोत्तलन, कुश्ती, वुशू और योग। कुल मिलाकर, चालू सत्र 2019–20 के दौरान 328 प्रशिक्षुओं को प्रवेश दिया गया।

बेंगलुरू में 10 खेल विधाओं जैसे कि एथलेटिक्स, बैडमिंटन, हॉकी, कबड्डी, खो–खो, सॉफ्टबॉल, तैराकी, तायक्वांडो, टेनिस और वॉलीबॉल में खेल कोचिंग पाठ्यक्रम में डिप्लोमा का संचालन किया जा रहा है। कुल मिलाकर, चालू सत्र 2019–20 के दौरान 120 प्रशिक्षुओं को प्रवेश दिया गया।

कोलकाता में तीरंदाजी, एथलेटिक्स, मुक्केबाजी, फुटबाल और जिमनास्टिक की पांच खेल विधाओं में खेल कोचिंग पाठ्यक्रम में डिप्लोमा दिया जा रहा है। कुल मिलाकर चालू सत्र 2019–20 के दौरान 102 प्रशिक्षुओं को प्रवेश दिया गया।

तिरुवनंतपुरम में नौकायन, क्याकिंग और केनोइंग में कोचिंग में डिप्लोमा संचालित किया जा रहा है। कुल मिलाकर, चालू सत्र 2019–20 के दौरान तिरुवनंतपुरम में इस कोचिंग पाठ्यक्रम में 24 प्रशिक्षुओं को प्रवेश दिया गया।

सत्र 2019–20 के लिए पटियाला और इसके तीन उप केन्द्रों में छात्र 26 खेल विधाओं में डिप्लोमा पाठ्यक्रम के में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। 1961 से अब तक 20405 व्यक्ति इस कार्यक्रम के तहत पात्र हुए हैं।

ख. खेल कोचिंग में एम.एससी.

यह दो वर्षीय डिग्री पाठ्यक्रम पंजाब विश्वविद्यालय, पटियाला के साथ संबद्ध है, और इसका संचालन संस्थान द्वारा केवल पटियाला केंद्र में ही किया जाता है। सत्र 2019–2021 के दौरान एथलेटिक्स और तैराकी की दो खेल विधाओं में एम.एससी. खेल कोचिंग में पांच छात्र अध्ययन कर रहे हैं। 2019 तक एम.एससी. खेल कोचिंग में 221 छात्र उत्तीर्ण हुए हैं। खेल कोचिंग में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम वर्ष 1979 में 10 खेल विधाओं में आरंभ किया गया था।

3. खेल कोचिंग में प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम

संस्थान द्वारा विभिन्न एसएआई शैक्षिक केन्द्रों: एनआईएस, पटियाला, एसएआई एनएस दक्षिणी केन्द्र, बेंगलुरु,एनएस पूर्वी केन्द्र, कोलकाता, एलएनसीपीई, थिरुवनंतपुरम, एसएआई क्षेत्रीय केन्द्र मुम्बई, एसएआई ट्रेनिंग सेंटर, हैदराबाद, एनएस पक्षिणी केन्द्र गांधीनगर, स्वर्णिम गुजरात स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी, बडोदरा (गुजरात), एसएआई पश्चिमी प्रशिक्षण केन्द्र, औरंगाबाद।

आचार्य नागार्जुन यूनिवर्सिटी, गुंटूर (आंध्र प्रदेश), श्री रामास्वामी मेमोरियल (एसआरएम) यूनिवर्सिटी, कांचीपुरम (तमिल नाडु), एनबीए, रोहतक, केआईआईटी यूनिवर्सिटी, भुवनेश्वर, बीएचयू वाराण ासी (उत्तर प्रदेश), सिंघानिया यूनिवर्सिटी, झुंझुनू (राजस्थान), तमिल नाडु फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी, चेन्नई (तमिल नाडु), में 15 मई से 23 जून 2019 तक जन शिक्षा कार्यक्रम के तहत स्पोर्ट्स कोचिंग में छह सप्ताह का सर्टिफिकेट कोर्स का संचालन किया गया था। कुल मिलाकर 2009 छात्रों ने 27 खेल विधाओं के पाठ्यक्रम में भाग लिया।

संस्थान द्वारा विभिन्न एसएआई शैक्षिक केन्द्रों: एनआईएस, एनएस पूर्वी केन्द्र, कोलकाता, एसएआई, एनएस पश्चिमी केन्द्र, औरंगाबाद, एसएआई क्षेत्रीय केन्द्र मुम्बई, एसएआई एनबीए, रोहतक, एसआरएम यूनिवर्सिटी कांचीपुरम (तमिलनाडु), एएन युनिवर्सिटी, गुंटूर (आंध्र प्रदेश), केआईआईटी यूनिवर्सिटी, भुवनेश्वर, बीएचयू वाराणसी (उत्तर प्रदेश), सिंघानिया यूनिवर्सिटी, झुंझुनू (राजस्थान), तमिल नाडु फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी, चेन्नई (तमिल नाडु), में 24 दिसम्बर, 2019 से 31 जनवरी, 2020 तक जन शिक्षा कार्यक्रम के तहत स्पोर्ट्स कोचिंग में छह सप्ताह का सर्टिफिकेट कोर्स का संचालन किया गया था। कुल मिलाकर उक्त केन्द्रों में पाठ्यक्रम में भाग लेने के लिए सभी 1682 पात्र उम्मीदवारों को बुलया गया।

II राष्ट्रीय कोचिंग शिविर

यह संस्थान विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए पटियाला में श्रेष्ठ खिलाड़ियों के प्रशिक्षण हेतु राष्ट्रीय कोचिंग शिविरों का आयोजन करता है। वर्ष 2019 के दौरान आयोजित राष्ट्रीय कोचिंग शिविरों का विवरण निम्नानुसार है:

क्र.सं.	खेल विधा	शिविरों की संख्या
1.	एथलेटिक्स	02
2.	मुक्केबाजी	03
3.	साइकलिंग	01
4.	पटेबाजी	01
5.	हैंडबाल	01
6.	टेबल टेनिस	06
7.	वॉलीबॉल	02
8.	भारोत्तोलन	07
9.	वुशू	01
कुल		24

2 लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा कॉलेज (एलएनसीपीई), तिरुवनंतपुरम

लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा कॉलेज (एलएनसीपीई), करियावट्टोम, तिरुवनंतपुरम युवा कार्यक्रम और खेल विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में 17 अगस्त 1985 को अस्तित्व में आया। 1 मई, 1987 को एसएनआईपीईएस के भारतीय खेल प्राधिकरण के साथ विलय से यह कॉलेज नेताजी सुभाष राष्ट्रीय खेल संस्थान, पटियाला और लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा कॉलेज, ग्वालियर के समकक्ष भारतीय खेल प्राधिकरण के शैक्षणिक स्कंध का एक भाग बन गया। यह कारियावट्टोम, जंक्शन, तिरुवनंतपुरम से 1 किलोमीटर दूर राष्ट्रीय राजमार्ग 47 के उत्तरी ओर केरल विश्वविद्यालय कारियावट्टोम कैंपस से प्राप्त 50 एकड़ भूखंड पर स्थापित किया गया।

(1) प्रमुख उद्देश्य :

1. शारीरिक शिक्षा, खेल और खेलकूद क्षेत्रों के साथ–साथ संबद्ध क्षेत्रों में अत्यंत सक्षम और कुशल नेतृत्व, शिक्षकों, प्रशिक्षकों, विद्वानों और प्रशासकों को तैयार करना।
2. शारीरिक शिक्षा एवं संबद्ध क्षेत्रों में अनुसंधान संबंधी उत्कृष्टता केन्द्र के रूप में कार्य करना।
3. भारत और विदेशों में कहीं भी अन्य शारीरिक शिक्षा के अन्य संस्थानों के लिए तकनीकी, व्यावसायिक और शैक्षणिक नेतृत्व प्रदान करना।
4. इस क्षेत्र में लोगों के लिए व्यावसायिक मार्गदर्शन और रोजगार सेवाएं प्रदान करना
5. बड़े पैमाने पर शारीरिक शिक्षा गतिविधि के कार्यक्रमों को विकसित करना और बढ़ावा देना।
6. राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर कोचिंग शिविरों के लिए बुनियादी ढांचे, भोजन और आवास की सुविधा उपलब्ध कराने के साथ इस कॉलेज को एसएआई की चालू योजनाओं का केंद्र बनाना।
7. विभिन्न एसएआई खेल संवर्धन योजनाओं के लिए प्रशिक्षण सुविधा उपलब्ध कराना।

संचालित पाठ्यक्रम :

केरल विश्वविद्यालय से संबद्ध यह कॉलेज निम्नलिखित पाठ्यक्रम चलाता है:

- शारीरिक शिक्षा स्नातक (4 वर्ष),
- शारीरिक शिक्षा स्नातकोत्तर (2 वर्ष),
- एम.फिल.
- नियमित पीएच.डी.
- अंशकालिक पीएच.डी.
- खेल कोचिंग में एनआईएस डिप्लोमा (जल क्रीड़ाएं)

अन्य कार्यक्रम :

यह संस्थान निम्नलिखित कार्यक्रमों को भी संचालित करता है:

1. खेल कोचिंग में छह सप्ताह का प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
2. राज्य / राष्ट्रीय टीमों के प्रशिक्षण के लिए कोचिंग शिविर
3. सेवाकालीन शिक्षकों के लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रम
4. पे एण्ड प्ले योजना
5. आओ और खेलो योजना
6. आम जनता के लिए भुगतान पर स्वास्थ्य और स्वस्थता कार्यक्रम

(2) एसएआई योजनाएं:

अवसंरचना के प्रभावी और इष्टतम उपयोग के लिए, एसएआई योजनाएं भी चलाता है जैसे कि इस कॉलेज में एसीटीसी और उत्कृष्टता केंद्र को 2000–01 में डे बोर्डिंग योजनाओं के रूप में आरंभ किया गया था जिन्हें बाद में बोर्डिंग योजनाओं में परिवर्तित कर दिया गया। वर्ष 2012 से केरल, तमिलनाडु और पुद्दुचेरी में सभी योजनाएं (वर्तमान में 8 एसटीसी, 3 एसएजी, 3 सीओई और 17 विस्तार केंद्र) प्रधानाचार्य, एलएनसीपीई के प्रशासनिक नियंत्रण में हैं।

संस्थान निम्न का संचालन भी करता है:

1) राष्ट्रीय एथलेटिक्स अकादमी (कूद और दौड़) – एलएनसीपीई, त्रिवेन्द्रम
2) क्षेत्रीय फुटबाल अकादमी, एलएनसीपीई, त्रिवेन्द्रम
3) राष्ट्रीय गोल्फ अकादमी, त्रिवेन्द्रम
4) स्क्वॉश अकादमी, चेन्नई

श्रेष्ठ एथलीटों के लिए प्रशिक्षण और प्रबंधन सहायता (टीईएमएस)

युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय की ओर से संबंधित राष्ट्रीय खेल परिसंघों के साथ समन्वय करते हुए टीम्स् प्रभाग (श्रे ठ एथलीटों का प्रशिक्षण और प्रबंधन सहायता) को विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय खेल कार्यक्रमों के लिए विभिन्न विधाओं में विभिन्न प्रकार की राष्ट्रीय टीमें तैयार करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।यह विभिन्न राष्ट्रीय खेल परिसंघों द्वारा उनके प्रशिक्षण और प्रतियोगिता संबंधी वार्षिक कैलेंडर (एसीटीसी) के अनुसार तैयार तथा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों के लिए राष्ट्रीय टीमें तैयार करने के लिए समिति द्वारा अनुमोदित योजनाओं को कार्यान्वित करता है :

कोचिंग शिविर

"राष्ट्रीय खेल परिसंघों को वित्तीय सहायता" की योजना के अंतर्गत 346 कोचिंग शिविरों का आयोजन किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताएं

भारतीय टीमों ने सभी मुख्य खेल विधाओं में विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लिया।

विदेशी कोच

09विधाओं में कुल 29 विदेशी कोच तथाएथलेटिक्स और हॉकी में07 विदेशी सहयक स्टाफ को भारतीय खिलाड़ियों के प्रशिक्षण के लिए नियुक्तस किया गया।

खेल विज्ञान सहायता

इसने खिलाडियों को उनकी स्वस्थता बढ़ाने, चोट के ीघ्र ठीक होने तथा चिकित्सीय कमियों को दूर करने के लिए राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के दौरान खिलाड़ियों को खेल चिकित्सा, वैज्ञानिकों, फिजियोथेरेपिस्टों और मसाजकर्ताओं आदि क्षेत्र में डॉक्टरों के रूप में वैज्ञानिक सहायता प्रदान की।

उपकरण सहायता

इसने राष्ट्रीय कैंपरों को, स्वदेशी के साथ साथ

आयातित, दोनों प्रकार की आवश्यक उपकरण सहायता प्रदान की।

राष्ट्रीय कोचिंग योजना

राष्ट्रीय कोचिंग योजना, जो राजकुमारी अमृत कौर योजना का संशोधित संस्करण है, देश भर में खेलों कोव्यापक बनाने के उद्देश्य की पूर्ति करती है और खेलों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए वैज्ञानिक प्रशिक्षण प्रदान करती है। इस योजना के तहत, राज्य कोचिंग सेंटर के लिए राज्य सरकार / संघ राज्य क्षेत्र के प्रशासन/विश्वविद्यालय फील्ड स्टेशनों (यूएफएस)को कोच प्रदान किए जाते हैं। तथापि कोचों की कमी के कारण, समीक्षाधीन वर्ष के दौरान अपनी स्वयं खेल संवर्धन योजनाओं को मजबूत बनाने के लिए एसएआई की योजनाओं से बाहर किसी भी कोच की तैनाती नहीं की गई। इन कोचों का उपयोग एसएआई की विभिन्न चालू योजनाओं के तहत युवा खिलाडियों को प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए भी किया जाता है। इसके अलावा, ये कोच राष्ट्रीय टीमों के प्रशिक्षण में भी शामिल होते हैं तथा वे विभिन्न खेल विधाओं में कोचिंग के लिए डिप्लोमा / परास्नातक पाठ्यक्रमों के आयोजन के लिए शैक्षणिक विंग को सहायता प्रदान करते हैं। एसएआई के कोच राष्ट्रीय खेल परिसंघों को अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की तैयारी में राष्ट्रीय कोचिंग शिविरों के आयोजन में भी सहायता प्रदान करते हैं।

एसएआई के कोच, प्रतिभा खोज प्रक्रिया में शामिल होते हैं जिसके माध्यम से प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को खोजा जाता है और उन्हें भारतीय खेल प्राधिकरण की विभिन्न खेल संवर्धन योजनाओं अर्थात राष्ट्रीय खेल प्रतिभा प्रतियोगिता (एनएसटीसी), विशेष क्षेत्र खेल (एसएजी), सैनिक खेल कंपनी (एबीएससी) और एसएआई प्रशिक्षण केंद्र (एसटीसी) में शामिल किया गया है। इन कोचों को इस फील्ड में कार्यरत कोचों के प्रशिक्षण व प्रदर्शन की प्रगति की निगरानी करने के लिए एसएआई के विभिन्न क्षेत्रीय केन्द्रों में भी तैनात किया गया है। कोचों को कम एंड प्ले योजना के लिए और एसएआई के मुख्यालय व प्रादेशिक मुख्यालयों में एसएआई की सामुदायिक संपर्क योजनाओं के लिए भी तैनात किया जा रहा है।

स्टेडियम

खेलों को व्यापक आधार प्रदान करने तथा खेलों में उत्कृष्टता प्राप्ति के दोहरे उद्देश्य के लिए तैयार विभिन्न सुविधाओं से युक्त दिल्ली स्थित पांच एसएआई स्टेडियमों का उपयोग करने की नीति संबंधी दिशानिर्देश तैयार करने के लिए स्टेडिया प्रभाग जिम्मेदार है। निम्नलिखित स्टेडियमों को वर्ष 1982 में एशियाई खेलों के आयोजन के लिए तैयार किया गया था और तत्पश्चात इनका वर्ष 2010 में राष्ट्रमंडल खेलों के आयोजन के लिए पुनर्निर्माण किया गया था/इनका नया मॉडल तैयार किया गया था। इन सभी स्टेडियमों में अत्याधुनिक सुविधाएं हैं।

उद्देश्य

निम्नलिखित के लिए सुविधाएं और स्थल प्रदान करना:

1. राष्ट्रीय /अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताएं
2. राष्ट्रीय कोचिंग शिविर
3. राष्ट्रीय खेल अकादमियां और उत्कृष्टता केंद्र
4. आओ और खेले

इस स्टेडियमों को शैक्षिक संस्थानों/परिसंघों / अन्य संगठनों को भीविभिन्न स्तरों पर अपने खेल टूर्नामेंट, बैठकें और सेमिनार, खेल और गैर–खेल आयोजनों के तहत फूड फेस्टिवल आयोजित करने के लिए उपलब्ध कराया जा रहा है और स्थल (जो विशिष्ट रूप से खेल प्रयोजनों के लिए नहीं है), जिसका इस्तेमाल इन स्टेडियमों के रखरखाव के लिए किया जा सकता है, को सरकारी कार्यालयों को किराए पर दिया जाता है,

1. **जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम परिसर (जेएनएस) – 110 एकड़ भूमि क्षेत्र**

- आउटडोर स्टेडियम (सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक एवं फुटबॉल ग्राउंड) 60,000 स्थापित सीटों से युक्त तथा पीटीएफएफ मेंम्ब्रेन छत से ढका।
- 2172 स्थापित सीटों से युक्त पूर्ण रूप से वातानुकूलित भारोत्तोलन ऑडिटोरियम (26000 वर्ग मीटर)
- 140 बिस्तरयुक्त खेल छात्रावास

उपलब्ध खेल सुविधाएं– एथलेटिक्स, फुटबॉल, वॉलीबॉल और भारोत्तोलन, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, लॉन टेनिस, क्रिकेट, बास्केट बॉल, तीरंदाजी, साइकल चलाने और पैदल चलने के लिए मनोरंजन ट्रैक, स्वास्थ्य केंद्र, बिलियर्ड एवं स्नूकर।

2. **इंदिरा गांधी स्टेडियम परिसर (आईजीएससी) – 104 एकड़ भूमि क्षेत्र**

- 15000 स्थापित सीटों वाला लकड़ी के फर्श से बना जिमनास्टिक हॉल (पूर्ण वातानुकूलित)
- 6000 स्थापित सीटों से युक्त कुश्ती हॉल (पूर्ण वातानुकूलित)
- 3800स्थापित सीटों से युक्त साइकलिंग वेलोड्रोम (पूर्ण वातानुकूलित)
- 150 बिस्तरयुक्त खेल छात्रावास

उपलब्ध खेल सुविधाएं– बैडमिंटन, बास्केटबॉल, मुक्केबाजी, जिमनास्टिक, जूडो, टेबल टेनिस, वॉलीबॉल, सेपकटक्रा, वुशु, साइकलिंग और कुश्ती, साइकल चलाने और पैदल चलने के लिए मनोरंजन ट्रैक, स्वास्थ्य केंद्र, बिलियर्ड एवं स्नूकर

3. **डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी तैराकी पूल परिसर (डॉ एसपीएमएसपीसी)**–12.3 एकड़ भूमि क्षेत्र, 5000 स्थापित सीटों से बना पूर्ण रूप से वातानुकूलित इंडोर स्टेडियम

- 50 मीटर तैराकी पूल (10 लेन)
- 25 मीटर डाइविंग पूल
- 50 मीटर वार्म–अप पूल (छह लेन)

उपलब्ध खेल सुविधाएं– तैराकी के अलावा, इसमें वॉलीबॉल, स्केटिंग, साइकल चलाने और पैदल चलने के लिए मनोरंजन ट्रैक, स्वास्थ्य केंद्र, बिलियर्ड एवं स्नूकर, कैरम के लिए सुविधाएं हैं।

4. **मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम (एमडीसीएनएस)**– 37 एकड़ भूमि क्षेत्रआउटडोर स्टेडियम, उध्र्वाधर सीम छत से कवर वीआईपी के लिए बैठने की जगह, नई खुली गैलरी में 14,000 स्थापित सीटें, तीन अंतरराष्ट्रीय मानक प्रतियोगिता हॉकी एस्ट्रोटर्फ। उपलब्ध खेल सुविधाएं– हॉकी, कबड्डी, टेनिस, तैराकी, क्रिकेट और स्वास्थ्य केंद्र

5. **डॉ कर्णी सिंह शूटिंग रेंज (डॉ. केएसएसआर), तुगलकाबाद, नई दिल्ली –**

- अंतिम रेंज में 10 मिनट के भीतर एक पूर्ण रूप से वातानुकूलित 10 मीटर रेंज से 25 मीटर और 50 मीटर गैर–वातानुकूलित रेंज में परिवर्तित करने की क्षमता।
- पूर्ण रूप से कवर किए गए वातानुकूलित 10 मीटर के 80 फायरिंग बिंदुओं, 25 मीटर रेंज के 50 फायरिंग बिंदुओं तथा 50 मीटर रेंज के 80 फायरिंग बिंदु और ट्रैप और स्कीट स्पर्धाओं के लिए 6 रेंज।

उपलब्ध खेल सुविधाएं– वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, स्केटिंग, बिलियर्ड एवं स्नूकर, कैरम, साइकल चलाने और पैदल चलने के लिए मनोरंजन ट्रैक, स्वास्थ्य केंद्र।

समन्वय प्रभाग

भारतीय खेल प्राधिकरण का समन्वय प्रभाग मुख्य रूप से भारतीय खेल प्राधिकरण के सामान्य निकाय व शासी निकाय की बैठकों के लिए सुविधा प्रदान करने के साथ–साथ संसद / संसदीय स्थायी

समिति, भारतीय खेल प्राधिकरण के संगम– ज्ञापन और नियमों से संबंधित मुद्दों में कार्रवाई करता है। यह संसद के दोनों सदनों के समक्ष भारतीय खेल प्राधिकरण की लेखा–परीक्षित रिपोर्ट व लेखा–परीक्षितलेखों के साथ–साथ वार्षिक रिपोर्ट को तैयार करने तथा युवा कार्यक्रम तथा खेल मंत्रालय के समक्ष इसकी प्रस्तुतति के लिए भी उत्तरदायी है। इसके अलावा, यह सामान्य स्वरूप के मुद्दों पर मुख्यालय और क्षेत्रीय केन्द्रों / उप–केन्द्रों / शैक्षणिक संस्थानों / युवा कार्यक्रम तथा खेल मंत्रालय के विभिन्न प्रभागों के साथ सम्पर्क स्थापित करने का कार्य भी करता है।

क्षेत्रीय निदेशक (समन्वय), भारतीय खेल प्राधिकरण मुख्यालय, आरटीआई आवेदनों के लिए मुख्य समन्वयक अधिकारी हैं। दिनांक 22 जनवरी 2014 तथा 25 फरवरी 2014 की अधिसूचना संख्या 6(14)/समन्वय/2006–07/(भाग II)/614 से 650 में आंशिक संशोधन करते हुए तथा सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 की धारा 5(2) तथा 19(1) के संदर्भ में, भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा अपने अधिकारियों को आदेश संख्या 6(14)/ समन्वय/2006–2007(पार्ट–11)/2118 दिनांक 01.09. 2014 के द्वारा प्रथम अपीलीय प्राधिकारी और केंद्रीय लोक सूचना अधिकारी नामित किया गया है।

- **स्वच्छ भारत अभियानः** भारतीय खेल प्राधिकरण ने दिनांक 02 अक्टूबर 2018 को अर्थात महात्मा गांधी की जयन्ती पर स्वच्छ भारत अभियान के अवसर पर मेजर ध्यान चंद्र राष्ट्रीय स्टेडियम में देश को स्वच्छ रखने के लिए स्वच्छ भारत अभियानमें सक्रिय रूप से भाग लिया।

- **राष्ट्रीय एकता दिवस (एकता के लिए दौड़):** भारतीय खेल प्राधिकरण ने श्री सरदार बल्लभ भाई पटेल के जन्मदिन के अवसर पर 31.10.2018 को इंडिया गेट पर 'एकता के लिए दौड़' में बहुत सक्रिय भागीदारी की जहां माननीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री ने एकता की दौड़ को हरी झंडी दिखाई।

- **संविधान दिवसः** भारतीय खेल प्राधिकरण के समन्वय प्रभाग ने 26 नवंबर, 2019 को संविधान दिवस के अवसर पर बहुत सक्रिय भागीदारी की। एसएआई के तहत कार्यरत अधिकारियों, कोचों और स्टाफ ने सहभागियों के साथ न्याय, स्वतंत्रता और समानता के लिए दौड़ आयोजित करके संविधान दिवस मनाया।

एसएआई मुख्यालय में खेल चिकित्सा केन्द्र

खेल चिकित्सा के क्षेत्र में विशे ाज्ञों, खेल वैज्ञानिकों, फिजियोथेरेपिस्ट, मसाजकर्ताओं और अन्य सहयोगी स्टाफ की सहायता से खिलाड़ियों को व्यापक खेल चिकित्सा और खेल विज्ञान सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से वर्ष 1984 में भारतीय खेल प्राधिकरण की योजना के तहत जे. एन. स्टेडियम स्थित खेल चिकित्सा और खेल विज्ञान केंद्र की स्थापना की गई थी। यह केंद्र विभिन्न वैज्ञानिक परीक्षणों के माध्यम से चोट के उपचार व रोकथाम, स्वास्थ्य लाभ सहायता व प्रदर्शन में बढ़ोतरी के लिए व्यापक खेल आधारित कार्यक्रमों का एक अग्रणी प्रदाता है। वे खिलाड़ी जिन्हें चिकित्सा और वैज्ञानिक सहायता उपलब्ध कराई जाती है वे राष्ट्रीय कैंपर, विभिन्न एसएआई योजनाओं के खिलाड़ी, नियमित प्रशिक्षु, कम एंड प्ले योजना तथा अन्य योजनाओं के तहत खिलाड़ी होते हैं। हमारे राष्ट्रीय एथलीटों के लिए सर्वश्रेष्ठ संभावित चिकित्सा सहायता प्रदान करने के लिए, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, गंगाराम अस्पताल, दिल्ली आदि जैसे दिल्ली के प्रमुख अस्पतालों के अस्थि रोग विभाग, नेत्र विज्ञान, सर्जरी और चिकित्सा के विशेषज्ञ इस केंद्र का दौरा करते हैं। एसएआई ने खेल फिजियोथेरेपी पाठ्यक्रमों में स्नातकोत्तर कार्यक्रम चलाने वाले चिकित्सा संस्थानों की भी सेवाएं ली हैं जिनमें इंटर्न को एसएआई में उनके नैदानिक कार्य के लिए तैनात किया जा रहा है। जामिया हमदर्द, जामिया इस्लामिया, दिल्ली स्थित भारतीय रीढ़ संस्थान तथा एमिटी विश्वविद्यालय, नोएडा एसएआई के लिए इंटर्न की तैनाती करने

वाले फीडर संस्थान हैं जो राष्ट्रीय शिविरों से जुड़े डॉक्टरों को सहायता प्रदान करते हैं।

राष्ट्रीय खिलाड़ियों को आंतरिक चिकित्सा देखभाल प्रदान करने के अलावा, भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा चिकित्सीय आपातकाल में देखभाल करने के लिए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, दिल्ली के तहत जय प्रकाश ट्रॉमा सेंटर और सफदरजंग खेल चोट केंद्र, दिल्ली के साथ एक समझौते को निष्पादित किया गया है जिसके लिए विशेष स्टाफ को खिलाड़ियों के प्राथमिकता आधार पर इलाज केलिए नामित किया गया है।

चिकित्सा सुरक्षा

विभिन्न एसएआई योजनाओं से राष्ट्रीय कैंपरों, खिलाड़ियों, नियमित प्रशिक्षुओं, कम एंड प्ले योजनाओं के तहत खिलाड़ियों व अन्य को पूरे वर्ष के दौरान और उनकी आवश्यकता के अनुसार चिकित्सा सुरक्षा प्रदान की जा रही है।

मानव प्रदर्शन लैब (एचपीएल)

जवाहर लाल नेहरु स्टेडियम स्थित मानव प्रदर्शन लैब का उद्देश्य खेल विज्ञान में खेल वैज्ञानिकों और अन्य सहायक स्टाफ अर्थात अन्थ्रोपोमेट्री, न्यूट्रीशन, फिजियोलॉजी, और साइकोलॉजी की सहायता से खिलाडियों को व्यापक खेल विज्ञान सहायता प्रदान करना है। यह केंद्र अलग–अलग वैज्ञानिक परीक्षणों का प्रयोग करके प्रदर्शन में सुधार और सहायता के लिए खेल विशिष्ट तकनीकी जानकारियां प्रदान करता है. राष्ट्रीय शिविर से श्रेष्ठ खिलाड़ी, राष्ट्रीय खेल अकादमियों, उत्कृष्टता–केन्द्र से युवा खिलाडियों और अन्य एसएआई खेल प्रोत्साहन स्कीमो से खिलाड़ी इसके लाभार्थी हैं जो नियमित आधार पर इस केंद्र से सहायता प्राप्त करते हैं।

दिल्ली स्थित मानव प्रदर्शन कोसुदृढ़ किया गया है और इसके एन्थ्रोपोमेट्री, साइकोलॉजी, फिजियोलॉजी और न्यूट्रीशन विभागों को खिलाडियों के प्रशिक्षण प्रोटोकॉलों को फायदा पहुंचाने के लिए वैज्ञानिक परीक्षण और मूल्यांकन करने के लिए नियुक्त किया गया हैं। एचपीएल का उद्देश्य वैज्ञानिक विशेषज्ञता और नवीनतम अनुसंधान शोधों का प्रयोग करके एथलीटों के प्रदर्शन को उच्चतम स्तर तक लाने के लिए उपाय विकसित करने हेतु कोचों के साथ समन्वित तरीके से काम करना है। एन्थ्रोपोमेट्री, फिजियोलॉजी, साइकोलॉजी और न्यूट्रीशन विभागों ने श्रे ठ खिलाडियों को आवश्यकता आधारित वैज्ञानिक सहायता, परामर्श और सिफारिशों के द्वारा उत्कृष्टता को बढ़ावा देने में सहयोग किया है।

एचबीएल के तहत विभागों के प्रमुख कार्यकलाप

1. **खिलाड़ियों को वैज्ञानिक सहायता प्रदान करना:** एन्थ्रोपोमेट्री, पोषण, शारीरिक विज्ञान और मनोविज्ञान संबद्ध खेल विशिष्ट आकलन, परीक्षण रिपोर्ट, आहार योजना आधारित सिफारिशें, आवश्यकता आधारित मनोविज्ञानीय प्रशिक्षण, व्यक्तिगत और या समूह परामर्श दिए गए। इसके लाभार्थियों में टीपीओपीएस एथलीट्स (कुश्ती, टेबल टेनिस, निशानेबाजी, साइकलिंग) जूनियर और सीनियर राष्ट्रीय शिविर (जुड़ो, निशानेबाजी, साइकलिंग, जिम्नास्टिक्स, मुक्केबाजी, खो–खो और पारा–एथलीट), राष्ट्रीय अकादमियां (तैराकी, हॉकी, एथलेटिक्स और साइकलिंग), उत्कृष्टता केंद्र (जिम्नास्टिक्स) खेलो इंडिया स्कूल खेल (एथलेटिक्स, जिमनास्टिक्स, मुक्केबाजी, तीरंदाजी, नौकायन, टेबल टेनिस आदि) और पुलिस बल कल्याण सोसायटी (मिशन 2020) शामिल हैं।

2. **अनुसंधान कार्यकलाप: –**

   (क) एचपीएल की सभी 4खेल विज्ञान विधाओं में अनुसंधान परियोजनाएं चलाई गई। एक अनुसंधान लेख प्रकाशित किया गया और 4 अनुसंधान प्रकाशनों का प्रकाशन प्रक्रिया में है।

   (ख) एसएआई में वैज्ञानिक समिति का गठन:

एसएआई में आचार नीति अनापत्ति के भाग के रूप में अनुसंधान कार्य करने के लिए शोध–पत्र की समीक्षा, उसमें संशोधन और उसका अनुमोदन करने और आचार नीति अनापत्ति के लिए वैज्ञानिक समिति गठित की गई है। अद्यतन स्थिति के अनुसार, वैज्ञानिक समिति द्वारा 7 अनुसंधान प्रस्तावों की समीक्षा की गई है।

3. **खेल विज्ञान उपकरणों की खरीदः** एचपीएल के वैज्ञानिक दिल्ली, बेंगलुरू, पटियाला, सोनीपत और एसएआई के अन्य केंद्रों के लिए खरीदे जा रहे खेल विज्ञान उपकरणों हेतु तकनीकी विनिर्देशनों को तैयार करने और उन्हें अंतिम रूप देने में कार्यरत हैं।

4. **भर्तीः** अखिल भारतीय आधार पर एनएसएफ स्कीम के तहत अनुसंधान अध्येताओं, चिकित्सा, अर्ध–चिकित्सा और वैज्ञानिक स्टाफ की भर्ती हेतु प्रस्ताव अनुमोदन के लिए सक्षम प्राधिकारी को प्रस्तुत किया गया। आहारविज्ञानी , सहायक आहार विज्ञानी, शेफ और सहायक शेफ के पद हेतु आवेदनों की जांच करने के लिए एसएसओ और जेएसओ (पोषण) और शरीर विज्ञानी समिति के सदस्य थे। जेएसओ (एन) 28.08.2019 को लिए जाने वाले साक्षात्कारों के लिए पैनल का चयन करने का हिस्सा था।

5. **एचपीएल में कार्यशाला का आयोजन**

क. एचपीएल द्वारा 04.11.2019 से 06.11.2019 तक "अधिकतम खेल प्रदर्शन हेतु माइंड रूम एचआरवी बायोफीडबैक तथा ओलंपिक माइंड रूम मानसिक निष्पादन कोचिंग कार्यक्रम" पर 12 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई जिसका संचालन डॉ. पीयर्रे बियूचैम्प द्वारा किया गया।

ख. एचपीएल द्वारा 20.11.2019 से 21.11.2019 तक एसएआई के फिजियोथेरेपिस्टों के लिए एसएआई, जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम, नई दिल्ली द्वारा "मैनुपलेशन तकनीक" पर 2 दिवसीय फिजियोथेरेपी कार्यशाला आयोजित की गई।

6. **एचपीएल के शैक्षिक कार्यकलापः –**

क. विभिन्न विश्वविद्यालयों/संस्थानों के छात्रों की सहायता के लिए इंटर्नशिप दिशा–निर्देश और आवेदन का फार्मेट एसएआई की वेबसाइट पर डाला गया ताकि छात्र एसएआई के खेल विज्ञान एवं फिजियोथेरेपी ग्रीष्म कालीन पाठ्यक्रमों और नैदानिक तैनातियों का लाभ उठा सकें।

ख. पोषण, शरीर विज्ञान विषयों पर डीयू, डीआईपीएसआरयू, एमआरआईयू और एमिटी के लिए ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप कार्यक्रम आयोजित किए गए। कुल 10 इंटर्न इस कार्यक्रम से लाभंवित हुए।

ग. जामिया हमदर्द, जामिया इस्लामिया, एमिटी और आईएसआईसी में फिजियोथेरेपी विभाग में नैदानिक तैनातियां शुरू की गई। इस कार्यक्रम से कुल 39 इंटर्न ने लाभ उठाया।

घ. जेएसओ (मनोविज्ञान) ने एलएनआईपीई ग्वालियर में एम.पेड के लिए सेमेस्टर परीक्षा के लिए बाह्य परीक्षक ड्यूटी की। वह 28 से 30 नवंबर तक पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला में "प्रमुख वक्ता" के रूप में विशेष आमंत्रिती भी थीं, जिन्होंने "समकालीन खेल, स्वास्थ्य और स्वस्थता परिप्रेक्ष्य में मनोविज्ञान संबंधी खेल अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में दृष्टिकोण की भूमिका–आईसीपीएसएचएफ''2019 पर पेपर प्रस्तुत किया।

7. **आयु सत्यापनः** एचपीएल खेलो इंडिया एथलीटों के आयु सत्यापन प्रक्रिया का समन्वय कर रहा है और इसे पूरा कर रहा है। लगभग 3800एथलीटों का आयु सत्यापन पूरा किया गया है। एम्स में

चिकित्सा अपीलीय बोर्ड गठित किया गया। इसने गैर–निरंतरता वाले लगभग 30 ऐसे मामलों की समीक्षा की है, जिसमें एथलीटों ने एसएआई के पैनलबद्ध विशेषज्ञों से आयु सत्यापन के विचार पर असहमति जताई है। अभी तक, चिकित्सा अपीलीय बोर्ड ने 30में से 19मामलों को समरूप निरंतर घोषित किया है और शेष 11मामले अंतिम रूप देने के लिए लंबित हैं।

8. अन्य कार्यकलाप

क. परिसंघ /एसएआई द्वारा आयोजित विभिन्न खेल 'ट्रायलों' में सहायता प्रदान करने में वैज्ञानिक सहायता स्टॉफ शामिल होता हैं।

ख. खेल वैज्ञानिक, टीओपीएस एथलीटों और केआई एथलीटों के लिए 'परीक्षण का ढ़ांचा' तैयार करने और उसे अंतिम रूप देने में शामिल होते हैं।

ग. खेल विज्ञान उपकरण और कार्मिक शक्ति हेतु गोल्ड स्टेंडर्ड टेंपलेट तैयार करने में खेल वैज्ञानिक (एंथ्रोपोमेट्री, पोषण, शरीर विज्ञान, मनोविज्ञान) शामिल थे। उच्च प्रदर्शन केंद्र (पटियाला और बैंगलोर), एससीएसएसआर और एनसीओई के लिए खेल विज्ञान उपकरण के तकनीकी विनिर्देशन।

घ. सभी वैज्ञानिक सहायक स्टॉफ ने माननीय प्रधान मंत्री, श्री नरेंद्र मोदी द्वारा इंदिरा गांधी खेल परिसर स्टेडियम, नई दिल्ली में शुरू किए गए 'फिट इंडिया अभियान' में भाग लिया।

ङ. एसएसओ ने महा निदेशक एसएआई द्वारा यथा निर्देशित रिलायंस फाउंडेशन हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर, मुंबई में उपलब्ध खेल विज्ञान सेवाओं के संबंध में मत तय करने के लिए उसका दौरा किया।

च. एसएसओ ने गुवाहाटी में खेलो इंडिया 2020 खेलों में आयु सत्यापन के लिए गुवाहाटी का दौरा किया।

छ. एसएसओ (एचपीएल) और जेएसओ, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय और/ या एसएआई द्वारा गठित समितियों के भाग थे, जिन्होंने उचित तकनीकी जानकारियां प्रदान करने में सक्रिय भूमिका निभाई हैं। उदाहरण के लिए युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय की 'यौन उत्पीड़न समिति', नामित–सह–विशेषज्ञ एचआरडीएस समिति।

ज. एचपीएल खेल विज्ञान और खेल चिकित्सा स्वस्थता तथा पुनर्वास केंद्र के लिए प्रस्ताव तैयार करने, जांच करने और रूचि–अभिव्यक्ति (ईओआई) पर रिपोर्ट देने में शामिल था।

झ. महा निदेशक, एसएआई और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा सौंपे गए अनुसार सभी कार्यकलाप किए गए।

खेलो इंडिया

खेलों में जन–समूह की भागीदारी और उत्कृष्टता के दोहरे उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए मंत्रिमंडल ने 20/09/2017 को आयोजित अपनी बैठक में "खेलो इंडिया–खेलो के विकास के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम" के नवीकरण को अनुमोदित किया।

1. नवीकृत खेलों इंडिया कार्यक्रम का लक्ष्य खेलों के विकास के उक्त उल्लिखित दोहरे राष्ट्रीय उद्देश्य, का संवर्धन करने के लिए समूची खेल व्यवस्था को सुदृढ़ करना है, जिसमें खेल के मैदान का विकास; समुदाय कोचिंग विकास; समुदाय खेलों का संवर्धन; स्कूल और विश्वविधालय, दोनों स्तर पर और साथ ही ग्रामीण / देशी खेलों ठोस खेल प्रतियोगिता ढांचें की स्थापना दिव्यांगजन और महिला खेलों के लिए खेल; चुनिंदा विश्वविधालयों में खेल उत्कृष्टता के केन्द्रों के

सृजन सहित खेल बुनियादी ढांचें में गंभीर कमियों को दूर करना; प्रतिभा पहचान और विकास; खेल आकादमियों को सहायता; स्कूली बच्चों के लिए राष्ट्रीय शरीरिक स्वस्थता का अभियान; और शांति और विकास के लिए खेल शामिल हैं।

2. इस योजना में एक परियोजना मूल्यांकन समिति (पीएसी) का प्रावधान है जो योजना के तहत प्राप्त सभी प्रस्तावों का मूल्यांकन करेगी और उन्हें अनुमोदन हेतु विभागीय परियोजना अनुमोदन समिति (डीएपीसी) के समक्ष प्रस्तुत करेगी। अनुमोदित परियोजनाएं तृतीय पक्ष निगरानी सहित कड़ी निगरानी के अध्यधीन रहेंगी जिसके लिए राज्य स्तरीय निगरानी कर्ताओं को शामिल किया जाएगा।

3. पूरे कार्यक्रम का संचालन प्रभारी–मंत्री की अध्यक्षता में सामान्य परिषद (जीसी) द्वारा किया जाएगा जो योजना के कार्यान्वयन के प्रयोजन के लिए उच्चतम नीति निर्माण निकाय के रूप में कार्य करेगी। सामान्य परिषद की सहायता राष्ट्रीय स्तरीय कार्यकारी समिति (एनएलईएस) करेगी जिसकी अध्यक्षता खेल सचिव, भारत सरकार करते हैं।

4. स्कीम में तकनीकी सहायता और क्षमता संवर्धन के प्रयोजन के लिए एक संग्रह निधि होगी जिसका उपयोग पेशेवरों और राष्ट्रीय/अन्तराष्ट्रीय परामर्शदाताओं को नियुक्त करने और राष्ट्रीय अभियान, प्रचार, और जागरूकता कार्यकलापों आदि के लिए किया जाएगा।

5. योजना में सभी घटकों में आबंटन के आवश्यकता–आधारित पुन–र्विनियोजन सहित पर्याप्त लचीलापन है। 2017–18 से 2019–20 की अवधि के लिए योजना हेतु बजट आबंटन 1,756 करोड़ रु. है।

6. योजना में पूर्ण पारदर्शिता का प्रावधान किया गया है और इसमें कार्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) कार्यकलापों और सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) कार्यकलापों के लिए भी प्रावधान किया गया है।

7. इस योजना के तहत परियोजनाओं का चयन चुनौती पद्धति सहित ठोस चयन मानक के आधार पर किया जाएगा।

खेलो इंडिया – खेलों के विकास के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम

1.1. परिकल्पना

खेल संस्कृति पैदा करना और देश में खेल उत्कृष्टता प्राप्त करना।

1.2. मिशन

पूरे देश में खेल को बढ़ावा देना और इस प्रकार आबादी को अपने क्रॉस कटिंग प्रभाव नामतः बच्चों एवं युवाओं के समग्र विकास, समुदाय विकास, सामाजिक एकीकरण, लैंगिक समानता, स्वस्थ जीवन शैली, राष्ट्रीय गौरव और खेल विकास से संबंधित आर्थिक अवसरों के जरिए खेलों की शक्ति को काम में लगाने की अनुमति देना।

1.3. योजना के घटक : खेलो इंडिया योजना में निम्नलिखित घटक/उद्देश्य ाामिल होगें :–

i. खेल मैदान विकास खेल

ii. सामुदायिक कोचिंग विकास

iii. राज्य स्तरीय खेलों इंडिया केंद्र

iv. वार्षिक खेल प्रतियोगिताएं

v. प्रतिभा खोज और विकास

vi. खेल अवसंरचना का उपयोग और निर्माण / उन्नयन

vii. राष्ट्रीय / क्षेत्रीय / राज्य खेल अकादमियों को सहायता

viii. स्कूल जाने वाले बच्चों की शारीरिक स्वस्थ्यता

ix. महिलाओं के लिए खेल

x. विकलांग व्यक्तियों के बीच खेल को बढ़ावा देना

xi. शांति और विकास के लिए खेल

xii. ग्रामीण और देशी / जनजातीय खेलों को बढ़ावा देना

खेलो इंडिया युवा खेल 2020 गुवाहाटी, असम

खेलो इंडिया युवा खेल 2020 के तीसरे संस्करण की तैयारी शुरू हो गई है और ये 10 से 22 जनवरी 2020 तक गुवाहाटी में आयोजित की जाएगी। इन खेलों में विभिन्न राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों लगभग 6800 एथलीटों भाग लेंगे।

खेलो इंडिया विश्वविद्यालय खेल 2020

खेलो इंडिया विश्वविद्यालय खेल पहला संस्करण 22 फरवरी से 1 मार्च 2020 तक ओडिशा राज्य के भुवनेश्वर और कटक में आयोजित किए जाएगें। जिसमें 100 से अधिक विश्वविद्यालयों, 3864 एथलीटों और 750 तकनीकी अधिकारियों के 17 खेल विधाओं में भाग लेने की संभावना है।

****

अध्याय – 15

लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान, ग्वालियर (समविश्वविद्यालय)

1. परिचयः

लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान की स्थापना 17 अगस्त 1957 को अर्थात भारत की आजादी की पहली लड़ाई के शताब्दी वर्ष के अवसर पर की गई थी। यह संस्थान ग्वालियर में स्थित है, जहां झांसी की रानी लक्ष्मीबाई ने देश की आजादी की लड़ाई के लिए अपने जीवन की आहूति दी थी। शारीरिक शिक्षा और खेलों के क्षेत्र में इस संस्थान द्वारा प्रदान की गई की सेवाओं के सम्मान में, इसे भारत सरकार द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की सिफारिशों पर यूजीसी अधिनियम, 1956 की धारा 3 के तहत वर्ष 1995 में समविश्वविद्यालय का दर्जा प्रदान किया गया। यह संस्थान युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन एक स्वायत्त संगठन है और यह मध्यप्रदेश सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1973 के तहत पंजीकृत सोसायटी के माध्यम से कार्य कर रहा है।

2. उद्देश्यः

संस्थान के उद्देश्य निम्नलिखित हैं: –

- पूर्णतः विश्वविद्यालय की अवधारणा, अर्थात् विश्वविद्यालय शिक्षा रिपोर्ट (1948), भारत में उच्च शिक्षा के नवीकरण और कायाकल्प पर समिति (2009) और सम विश्वविद्यालय के लिए समीक्षा समिति की रिपोर्ट (2009) के अनुरूप मुख्य रूप से स्नातकोत्तर और अनुसंधान डिग्री स्तरों पर ज्ञान की ऐसी शाखाओं, जो उपयुक्त समझी जाएं, में उच्च शिक्षा की व्यवस्था करना जिससे उत्कृष्टता और नवाचार स्थापित हो।
- विश्वविद्यालय शिक्षा प्रणाली के उद्देश्यों में विशिष्ट योगदान करने के लिए सिद्ध क्षमता के साथ विशेषज्ञता के क्षेत्रों में सहभागिता करना अर्थात् –अकादमिक सहभागिता जो साधारण प्रकृति के कार्यक्रमों से स्पष्ट रूप से अलग हो, कला, विज्ञान, इंजीनियरिंग, चिकित्सा, दंत चिकित्सा, फार्मेसी, प्रबंधन, आदि में पारंपरिक डिग्री मिले जो पारंपरिक संस्थानों द्वारा नियमित रूप से दी जाती है।
- विभिन्न विषयों में पर्याप्त पूर्णकालिक संकाय / अनुसंधान विद्वानों (पीएचडी और पोस्ट डॉक्टरल) द्वारा इन–हाउस किए जाने वाले विभिन्न अनुसंधान कार्यक्रमों के माध्यम से उच्च ज्ञान और इसके प्रसार के लिए उच्च गुणवत्ता शिक्षण और अनुसंधान, प्रदान करना।
- शारीरिक शिक्षा, और खेलों के क्षेत्र में उच्च योग्यता प्राप्ता शिक्षकों और अग्रणियों को तैयार करना।
- शारीरिक शिक्षा में उत्कृष्टता और नवीनता के एक केंद्र के रूप में काम करनाऔर, अनुसंधान करना, इस बढ़ावा देने और इसकाप्रसार करना और इस क्षेत्र में साहित्य प्रकाशित करना।
- शारीरिक शिक्षा के क्षेत्र में अन्य संस्थानों को व्यावसायिक और शैक्षणिक नेतृत्व प्रदान करना।

- इस क्षेत्र में लोगों को व्यावसायिक मार्गदर्शन और पेशेवर सेवाएं प्रदान करना।
- शारीरिक शिक्षा कार्यकलापोंमें जनभागीदारी को बढ़ावा देना।
- समाज के विकास में योगदान हेतु बाह्य अध्ययन, विस्तार कार्यक्रम और फील्ड आउटरीच के कार्यकलाप करना।
- शैक्षिक संस्थानों और अन्य संगठनों में शारीरिक शिक्षा और क्रिड़ाओं / खेलों के कार्यक्रम विकसित करना और उनका सवंर्धन करना।
- ऐसी शाखाओं, जो यह उचित समझें, जैसे स्वास्थ्य और स्वस्थता, स्वास्थ लाभ, योग और शिक्षण के स्वदेशी कार्यकलापों, में निर्देश और प्रशिक्षण की व्यवस्था करना।

3. संकाय और विभागः

संस्थान के दो संकायों के तहत निम्नलिखित सात शैक्षिक विभाग हैं :

(i) शारीरिक शिक्षा और संबद्ध क्षेत्र संकायः

शारीरिक शिक्षा शिक्षण विभाग
खेल प्रबंधन और कोचिंग विभाग
योगिक विज्ञान विभाग

(ii) खेल विज्ञान संकाय :

व्यायाम शरीर विज्ञान विभाग
खेल मनोविज्ञान विभाग
खेल बायोमैकेनिक्स विभाग
स्वास्थ्य विज्ञान विभाग

4. (क) संचालित पाठ्यक्रमः

वर्तमान में संस्थान निम्नलिखित पाठ्यक्रम चलाता है: –

शारीरिक– शिक्षा शिक्षण विभाग (i) बीपीएड – 8 सेमेस्टर (ii) एमपीएड – 4 सेमेस्टर (शारीरिक–शिक्षा शिक्षण) (iii) शारीरिक शिक्षा में पीएच.डी.
व्यायाम शरीर विज्ञान विभाग (i) एमपी.एड (व्यायाम शरीर विज्ञान) (ii) शारीरिक शिक्षा पीएच.डी.
खेल मनोविज्ञान विभाग (i) एमपी.एड (खेल मनोविज्ञान) (ii) शारीरिक शिक्षा में पीएच.डी.
खेल बायोमैकेनिक्स विभाग (i) एमपी.एड (खेल बायोमैकेनिक्स) (ii) शारीरिक शिक्षा में पीएच.डी.
स्वास्थ्य विज्ञान विभाग (i) एमपी.एड (स्वास्थ्य विज्ञान) (ii) शारीरिक शिक्षा में पीएच.डी.
खेल प्रबंधन विभाग (i) एमपी.एड (खेल प्रबंधन) (ii) शारीरिक शिक्षा में पीएच.डी. (iii) बी.ए. (कार्यक्रम) खेल और प्रदर्शन (iv) खेल पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (v) स्वस्थता प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (vi) खेल प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (vii) खेल कोचिंग में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (viii) खेल कोचिंग में डिप्लोमा
योगिक विज्ञान विभाग (i) वैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियों के साथ योग में स्नातकोत्तर डिप्लोमा। (ii) एम. ए. योग (iii) शारीरिक शिक्षा में पीएच.डी.

उपर्युक्त पाठ्यक्रमों के अलावा, विभिन्न विधाओं / क्रिड़ाओं तथा खेलों में बड़ी संख्या में अल्प अवधि प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम चलाए जा रहे हैं।

(ख) संचालित पाठ्यक्रमः

(i) व्यायाम शरीर विज्ञान में एमएससी

(ii) खेल बायोमैकेनिक्स में एम.एससी.

(iii) खेल पोषण में एम. एससी.

(iv) खेल मनोविज्ञान में एम.ए.

(v) खेल प्रबंधन में परास्नातक

5. शासन प्रणाली :

संस्थान सोसायटी पंजीकरण अधिनियम के तहत अलाभकारी सोसायटी (जिसे इसमें आगे प्रायोजक सोसायटी कहा गया है) के रूप में पंजीकृत है जो केन्द्र सरकार द्वारा सार्वजनिक वित्त पोषित सम विश्वविद्यालय है।

कुलाधिपति या उप कुलाधिपति का कोई पद नहीं होगा।

इस संस्थान का सर्वोच्च शासी निकाय, प्रबंधन बोर्ड होगा जिसके अध्यक्ष कुलपति होंगे। प्रबंधन बोर्ड में न्यूनतम 10सदस्य और अधिकतम 15 सदस्य होंगें।

संस्थान का प्रबंधन बोर्ड प्रायोजक सोसायटी से अलग होगा जिसे अपने शैक्षिक और प्रशासनिक जिम्मेदारियों का निर्वहन करने की पूर्ण स्वायतता होगी। प्रबंधन बोर्ड में सोसायटी के प्रतिनिधियों/नामितियों की संख्या अधिकतम 4 तक सीमित होगी।

प्रबंधन बोर्ड में संस्थान के आदर्शों और परम्पराओं में योगदान करने और उन्हें बनाए रखने में सक्षम प्रतिि ठत व्यक्ति होंगे।

प्रबंधन बोर्ड की संरचना इस प्रकार हैः –

(i) कुलपति – अध्यक्ष।

(ii) कुलपति द्वारा नियुक्त किए जाने वाले संकाय डीन, दो से अधिक नहीं (वरिष्ठता के आधार पर क्रमानुसार)।

(iii) संस्थान के अध्यक्ष द्वारा नामित तीन प्रख्यात खेल शिक्षाविद् जिन्होंने प्रोफेसर के स्तर पर कार्य किया हो और वे न तो संस्थान से होंगे अथवा न ही प्रायोजक सोसाइटी से होंगे और न ही वे उनके संबंधी होंगे।

(iv) युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, खेल विभाग, भारत सरकार का एक प्रतिनिधि जो संयुक्त सचिव/प्रोफेसर के रैंक से कम का न हो।

(v) वरि ठता आधार पर बारी–बारी से कुलपति द्वारा नियुक्त किए जाने वाले दो शिक्षक (प्रोफेसर, सहायक प्रोफेसर से)।

(vi) वरिष्ठता आधार पर बारी–बारी से कुलपति द्वारा नियुक्त किए जाने वाले एक शिक्षक (सहायक प्रोफेसर)

(vii) प्रायोजक सोसाइटी (युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय) के अधिकतम चार नामिती (शिक्षाविद्), जो खेल शिक्षाविद होंगे तथा प्रोफेसर के रैंक से कम नहीं होंगे।

(viii) रजिस्ट्रार – सचिव।

6. पूर्वोत्तरक्षेत्रीय केंद्र :

गुवाहाटी स्थित उत्तर पूर्व क्षेत्रीय केंद्र की स्थापना को वर्ष 2009 में युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा अनुमोदित किया गया था और शैक्षिक सत्र 2009–2010 के दौरान प्रथम बैंच ने परिसर से दूर ग्वालियर से कार्य किया। इसके पश्चात मई, 2010 में असम सरकार से तेपासिया खेल परिसर को अपने अधिकार क्षेत्र में लेने पर, एनईआरसी ने शैक्षणिक सत्र 2011–12 से वास्तविक रूप से कार्य करना शुरू कर दिया, जहां इनडोर बहुउद्देश्यीय हॉल, फुटबॉल मैदान, हॉकी मैदान, वैलोड्रौम और वॉलीबॉल कोर्टों जैसी कई सुविधाएं पहले से स्थापित थीं। इसके बाद संस्थान ने शैक्षिक प्रयोजनों के लिए अपेक्षित कई बुनियादी ढांचे सृजित किए। अब इस संस्थान द्वारा एक पूर्ण और नियमित रूप से बीपीएड और

एमपीएड कार्यक्रम चलाया जा रहा है। एनईआरसी, गुवाहाटी, के लिए नियमित मानव ाक्ति संबंधी आवश्यकता को स्वीकार करते हुए, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय द्वारा वर्ष 2011–12 के दौरान कुल 11 पदों को स्वीकृत किया गया है और तब से इन पदों के लिए अधिकतर नियुक्तियां कर ली गईं हैं। हॉकी सिंथोटिक मैदान, ट्रैक एण्ड फील्ड (सिंथेटिक), ऑडिटोरियम, पुस्तकालय और संकाय व स्टाफ के लिए क्वॉटरों का विकास किया जा रहा है।

7. सहायता अनुदान :

यह संस्थान पूर्ण रूप से भारत सरकार के युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय से सहायता–अनुदान द्वारा वित्त पोषित है। वर्ष 2018–19 के दौरान बजट अनुमान स्तर पर में अनुदान का आवंटन 45.02 करोड़ रूपए था।

8. शैक्षिक विवरण:

सत्र 2018–19 के दौरान डिग्री पाठ्यक्रमों में कक्षावार छात्र संख्या निम्नानुसार है:

(क) डिग्री पाठ्यक्रम (ग्वालियर)

कक्षा	कुल संख्या	लिंग–वार एसटी			छात्र संख्या								सकल योग
					एससी		ओबीसी		सामान्य				
	पंजीकृत	बालक	बालिका	कुल	बालक	**बालिका**	बालक	बालिका	बालक	**बालिका**	बालक	बालिका	
बी.पी.एड. I सेमेस्टर	106	75	31	106	07	01	12	08	34	10	22	12	106
बी.पी.एड. III सेमेस्टर	111	79	32	111	07	02	11	05	22	09	39	16	111
बी.पी.एड. V सेमेस्टर	200	139	61	200	08	04	23	12	49	20	59	25	200
बी.पी.एड. VII सेमेस्टर	138	97	41	138	08	01	22	07	42	19	25	14	138
एम.पी.एड. I सेमेस्टर	82	50	32	82	05	04	09	05	20	15	16	08	82
एम.पी.एड. III सेमेस्टर	81	58	23	81	07	02	10	05	24	08	17	08	81
पीएच.डी.	60	46	14	60	04	–	10	04	16	03	16	07	60
कुल	778	544	234	778	46	14	97	46	207	84	194	90	778
	श्रेणीवार कुल				60		143		291		284		

शैक्षिक सत्र 2018–19 के दौरान बी.पी.एड. छात्र संख्या (गुवाहाटी)

कक्षा	कुल संख्या	लिंग–वार एसटी			श्रेणी और लिंगवार								कुल
					एससी		ओबीसी		सामान्य				
	पंजीकृत	बालक	बालिका	कुल	बालक	बालिका	बालक	बालिका	बालक	बालिका	बालक	बालिका	
बी.पी.एड. I सेमेस्टर (सेक. ए)	49	34	15	49	04	04	07	02	12	06	11	03	49

बी.पी.एड. । सेमेस्टर (सेक. ए)	48	34	14	48	05	03	05	02	14	04	11	04	48
बी.पी.एड. III सेमेस्टर (सेक. ए)	47	34	13	47	03	02	06	02	13	05	12	04	47
बी.पी.एड. III सेमेस्टर (सेक. बी)	45	32	13	45	05	02	06	03	12	04	09	04	45
बी.पी.एड. V सेमेस्टर (सेक. ए)	46	33	13	46	06	04	08	01	10	03	09	05	46
बी.पी.एड. V सेमेस्टर (सेक. बी)	47	34	13	47	03	02	04	00	10	05	17	06	47
बी.पी.एड. VII सेमेस्टर (सेक.ए)	46	33	13	46	08	02	08	00	13	05	04	06	46
बी.पी.एड. VII सेमेस्टर (सेक.बी½	47	34	13	47	08	02	06	02	13	02	07	07	47
सकल योx	375	268	107	375	42	21	50	12	97	34	80	39	375

शैक्षिक सत्र 2018–19 के दौरान एम.पी.एड. छात्र संख्या (गुवाहाटी)

बी.पी.एड. । सेमेस्टर	कुल संख्या	लिंग–वार			श्रेणी और लिंगवार								कुल
					एसटी		एससी		ओबीसी		सामान्य		
	पंजीकृत	बालक	बालिका	कुल	बालक	बालिका	बालक	बालिका	बालक	बालिका	बालक	बालिका	
शिक्षा शास्त्र	10	9	1	10	0	1	1	0	3	0	5	0	10
खेल बायोमैकेनिक्स	10	9	1	10	0	0	1	0	1	2	6	0	10
व्यायाम शरीर विज्ञान	09	5	4	09	0	1	0	0	1	1	6	0	09
खेल मनोविज्ञान	11	6	5	11	0	1	1	1	1	0	4	3	11
सकल योग	40	29	11	40	0	3	3	1	6	3	21	3	40

बी.पी.एड. । सेमेस्टर	कुल संख्या	लिंग–वार			श्रेणी और लिंगवार								कुल
					एसटी		एससी		ओबीसी		सामान्य		
	पंजीकृत	बालक	बालिका	कुल	बालक	बालिका	बालक	बालिका	बालक	बालिका	बालक	बालिका	
शिक्षा शास्त्र	09	5	4	09	0	1	1	1	3	1	1	1	09
खेल बायोमैकेनिक्स	09	9	0	09	2	0	1	0	2	0	4	0	09
व्यायाम शरीर विज्ञान	10	9	1	10	2	0	2	0	2	1	3	0	10
खेल मनोविज्ञान	09	8	1	09	2	0	1	0	3	1	2	0	09
सकल योग	37	34	6	37	6	1	5	1	10	3	10	1	37

(ख) पी.जी. डिप्लोमा पाठ्यक्रम (ग्वालियर)

कक्षा	कुल संख्या	लिंग–वार			श्रेणी और लिंगवार								कुल
					एसटी		एससी		ओबीसी		सामान्य		
	पंजीकृत	बालक	बालिका	कुल	बालक	बालिका	बालक	बालिका	बालक	बालिका	बालक	बालिका	
एम.ए. योगा । सेमेस्टर	16	07	09	16	.	1	1	1	3	2	3	5	16

एम.ए. योगा III सेमेस्टर	11	03	08	11	.	.	1	.	1	4	1	4	11
पीजीडी – वाईईडी	14	08	06	14	.	.	.	.	5	4	3	2	14
पीजीडी – एफएम	13	12	01	13	–	–	–	–	5	–	7	1	13
पीजीडी – एससी	123	107	16	123	2	2	14	1	41	3	50	10	123
डी.एस.सी.	25	25	–	25	–	–	2	–	5	–	18	–	25
पीजीडी – एसएम	05	01	04	05	–	–	–	–	–	2	1	02	05
बी.ए.	03	02	1	03	–	–	–	–	1	–	1	1	03
कुल	210	165	45	210	02	03	18	02	61	15	84	25	210
					05		20		76		109		210

(ग) शैक्षिक सत्र 2017–18 के दौरान उत्तीर्ण होने वाले छात्रों की संख्या :

पाठ्यक्रम	परीक्षा में बैठने वाले छात्र			उत्तीर्ण होने वाले छात्र		
	पुरूष	महिला	कुल	पुरूष	महिला	कुल
बी.पी.एड. VIII सेमेस्टर (ग्वालियर और गुवाहाटी)	126	60	186	126	60	186
एम.पी.एड. IV सेमेस्टर (ग्वालियर)	64	18	82	64	18	82
एम. फिल	00	00	00	00	00	00
पी. एच. डी.	08	04	12	08	04	12
एम.ए. (योगा) IV सेमेस्टर	09	09	18	09	09	18
पीजीडीवाईएड. II सेमेस्टर	12	08	20	12	08	20
पीजीडीएफएम (II सेमेस्टर)	13	02	15	12	02	14
डीएससी (II सेमेस्टर)	24	00	24	24	00	24
पीजीडीएससी (II सेमेस्टर)	77	14	91	77	14	91

(घ) 2017–18 तक (1957 से) के दौरान उत्तीर्ण होने वाले छात्रों का सार

पाठ्यक्रम	2016–17 तक (1957 से) छात्रों की संख्या	ग्वालियर	गुवाहाटी	2017–18 (1957 से) छात्रों की संख्या
स्नातक वर्ष और सेमेस्टर–वार	5308	143	43	5494
स्नातकोत्तर	2728	82	00	2810
एम. फिल	430	00	00	430
पीएच.डी	242	12	00	254

9. ढांचागत सुविधाएं :

यह संस्थान अपनी स्थापना के पश्चात से सह–शिक्षाबद्ध और पूर्ण रूप से आवासीय है, ग्वालियर में यह पूर्ण रूप से ढांचागत सुविधाओं से लैस है जिनमें खेल के मैदान, भवन आदि शामिल हैं जबकि एनईआरसी, गुवाहाटी में प्राथमिकताओं के साथ साथ निधियों की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए इस प्रकार की सुविधाओं का एक चरणबद्ध तरीके से सृजन किया जा रहा है।

अध्याय – 16

खेलो इंडिया योजना

केंद्रीय क्षेत्र की योजना नामतः खेलो इंडिया – खेलों के विकास के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम का कार्यान्वयन वर्ष 2016–17 से किया गया था। खेलो इंडिया योजना को वर्ष 2017–18 में पुनः संरचित किया गया। पुनः संरचित खेलो इंडिया योजना का उद्देश्य देश में खेल संस्कृति को अनुप्राणित करना और खेल उत्कृ टता को प्राप्त करना है और देश भर में खेलों को बढ़ावा देना भी है जिससे लोग इसे सर्व–समावेशी प्रभाव नामतः बच्चों एवं युवाओं के समग्र विकास, समुदाय विकास, सामाजिक एकीकरण, लैंगिक समानता, स्वस्थ जीवन शैली, राष्ट्रीय गौरव और खेल विकास से संबंधित आर्थिक अवसरों के जरिए खेलों की शक्ति का उपयोग कर सकें।

निम्लिखित शीर्षों को युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित किया जाता है :–

i. खेल मैदान विकास

ii. खेल अवसंरचना का उपयोग एवं सृजन/उन्नयन

iii. याांति एवं विकास के लिए खेल

निम्लिखित शीर्षों को भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा कार्यान्वित किया जाता है :–

i. राज्य स्तरीय खेलो इंडिया केंद्र

ii. वार्षिक खेल प्रतिस्पर्धाएं

iii. प्रतिभा खोज एवं विकास

iv. महिलाओं के लिए खेल

v. राष्ट्रीय/क्षेत्रीय/राज्य खेल अकादमियों को सहायता

vi. दिव्यांगजनों के बीच खेलों का संवर्धन

vii. ग्रामीण तथा देशी/जनजातीय खेलों का संवर्धन

viii. स्कूल जाने वाले बच्चों की शारीरिक स्वस्थता

निम्लिखित शीर्षों को लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान (एलएनआईपीई) द्वारा कार्यान्वित किया जाता है :–

i. समुदाय कोचिंग विकास

विभिन्न घटकों को निम्लिखित पैराग्राफों में संक्षेप में वर्णित किया गया है।

1. **खेल मैदान विकास :** खेल मैदानों और खेल अवसंरचना की एक राष्ट्रीय सूची उनके इष्टतम उपयोग के लिए भौगोलिक सूचना प्रणाली (जी आई एस) प्लेटफार्म पर तैयार की जाएगी। खेल मैदानों के परिरक्षण, संरक्षण, विकास एवं संवर्धन के लिए एक मजबूत सांस्थानिक व्यवस्था बनाने के उद्देश्य से भारतीय राष्ट्रीय खेल क्षेत्र एसोशिएसन (एनपीएफएआई) की तर्ज पर सभी राज्यों/संघशासित क्षेत्रों में राज्य एवं जिला खेल क्षेत्र एसोशिएसन का सृजन किया जाएगा। जिला और राज्य स्तरीय एसोशिएसन मौजूदा खेल क्षेत्रों को पंजीकृत करेगा, उन्हें जी आई एस प्लेटफार्म पर मैप करेगा और जिला एवं राज्य एसोशिएसनों के जरिए राष्ट्रीय खेल क्षेत्र एसोशिएसन (एनपीएफएआई) से संबद्ध करेगा और इस प्रकार राष्ट्रीय डाटाबेस का सृजन करेगा। सभी ग्राम पंचायतों में खेल मैदानों के विकास को महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार

गारंटी योजना (मनरेगा) और राज्य सरकार/केंद्र सरकार की किसी अन्य योजनाओं के समरूप शुरू किया जाएगा। इसमें पायलट आधार पर आदर्श खेल क्षेत्रों का विकास भी शामिल होगा।

2. **समुदाय कोचिंग विकास :** देश भर में समुदाय कोचों के विकास के लिए समुदाय कोच विकास का एक क्रमिक मॉडल अपनाया जाएगा। इसमें कौशल विकास और प्रमाणन प्रणाली ामिल होगा। एक अल्पकालिक समुदाय कोचिंग विकास कार्यक्रम तैयार किया जाएगा और राज्यों/संघशासित क्षेत्रों द्वारा नामित चिह्नित शारीरिक शिक्षा अध्यापकों (पी ई टी) को मास्टर प्रशिक्षक या कोच विकासक के रूप में प्रशिक्षित किया जाएगा। फिर ऐसे मास्टर प्रशिक्षक समुदाय कोचों के रूप में अपने संबंधित राज्यों/संघशासित क्षेत्रों में अन्य पी ई टी/स्वयंसेवकों को प्रशिक्षित करेगा और समुदाय स्तर पर टीम को विकसित करेगा। प्राथमिक एवं उच्च स्तरों पर समुदाय कोच विकास के लिए ऑनलाइन पाठ्यक्रमों को भी विकसित किया जाएगा।

3. **राज्य स्तरीय खेलो इंडिया केंद्र :** कोचों/अंशकालिक कोचों, सहायक स्टाफ जैसे कि कायचिकित्सकों एवं अंगमर्दकों, उपकरण, खेल के उपयुक्त मैदान, उपभोज्य वस्तुओं, दिनभर की छात्रावास सुविधाओं आदि की कमी के कारण और आवर्ती खर्च को पूरा करने के लिए पर्याप्त वित्तीय सहायता की कमी के कारण देश भर में स्थापित बड़ी संख्या में खेल अवसंरचनाओं का उपयुक्त रूप से उपयोग नहीं हो रहा है। तदनुसार, उपयुक्त समझौता ज्ञापन (एम ओ यू) के जरिए राज्यों/संघशासित क्षेत्रों से संबंधित खेल अवसंरचना के बेहतर उपयोग को सहायता देने और भारतीय खेल प्राधिकरण (एस ए आई) योजना के अनुसार कोचों की नियुक्ति, दिनभर की छात्रावास सुविधाएं प्रदान करने के लिए सहायता देने का प्रस्ताव है।

4. **वार्षिक खेल प्रतिस्पर्धाएं :** खेलो इंडिया खेल कौशल के प्रदर्शन का एक आधारभूत मंच होगा और तदनुसार राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभा खोज और उत्कृ टता की प्राप्ति हेतु गुणी एवं प्रतिभावान बच्चों के लिए विकास का मार्ग का प्रदान करने के लिए एक मंच बनेगा। केंद्र सरकार भारतीय विश्वविद्यालय एसोशिएसन (एआईयू) सहित संबंधित राष्ट्रीय खेल संघों (एनएसएफ) और भारतीय स्कूल खेल संघ (एसजीएफआई) और विश्वविद्यालय खेल संवर्धन निकायों को शामिल करके देश भर में विभिन्न स्थानों पर प्रमुख खेल विधाओं के संबंध में स्कूल एवं कॉलेज स्तरीय राष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पधाओं का आयोजन करेगा।

5. **प्रतिभा पहचान एवं विकास :** खेलो इंडिया योजना के तहत स्कूलों, कॉलेजों, विश्वविद्यालयों और एनएसएफ को शामिल करके राष्ट्रीय प्रतिर्स्पधाएं, राष्ट्रीय चैंपियनशिप और एसएआई का राष्ट्रीय खेल प्रतिभा खोज पोर्टल प्रमुख खेल विधाओं, जिनमें देश के पास क्षमता/लाभ है, में प्रतिभावान खिलाड़ियों की पहचान के लिए एक मंच प्रदान करेगा। पुरस्कार विजेताओं के चयन के अलावा, विधिवत गठित प्रतिभा पहचान समिति विभिन्न खेल विधाओं में प्रतिभा को देखने और पहचान करने के लिए वैश्विक रूप से स्वीकृत विधियों को भी अपनाएगा। खेल प्रतिभा की पहचान में राज्यों/संघराज्य क्षेत्रों के सहयोग से प्रतिभा स्काउटों (इस उद्देश्य के लिए नियुक्त) द्वारा बच्चों का अखिल भारतीय ट्रायल आयोजित करना शामिल होगा।

6. **खेल अवसंरचना का उपयोग एवं विकास**

देश में बहुसंख्यक स्कूलों, कॉलेजों और यहाँ तक की विश्वविद्यालयों में उपयुक्त खेल स्थलों और खेल अवसंरचना की कमी है। विशे ाकर केंद्र सरकार/राज्य सरकारों के नियंत्रण में मौजूदा उपलब्ध खेल संरचना का खिलाड़ियों और पड़ोसी समुदाय और पूरे देश से खिलाड़ियों और सदस्यों युक्त सक्रिय प्रबंधन समिति की प्रणाली के जरिए

उपयोग करने का प्रयास किया जाएगा। देश भर में खेल अवसंरचना की उपलब्धता में कमी की पहचान करने और खेलो इंडिया के अंतर्गत सहायता से इन कमियों को पूरा करने के लिए एक उपयुक्त व्यवस्था तैयार की जाएगी। खेलो इंडिया योजना को सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास (एम पी एल ए डी) योजना के साथ भी समामेलित किया जाएगा। राज्य भी खेलो इंडिया योजना के साथ विधायक स्थानीय क्षेत्र विकास (एमएलएएलएडी) योजना के साथ समामेलित कर सकते हैं। इस घटक में निम्नलिखित दो उप घटक होंगे :

i. विश्वविद्यालय उत्कृष्ट– केंद्र कार्यक्रम : चुनिंदा विश्वविद्यालयों में खेल उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना के लिए।

ii. उपयुक्त खेल अवसंरचना का सृजन : इस घटक के अंतर्गत, महत्वपूर्ण खेल अवसंरचना और अन्य अवसंरचना, जहॉं कमी है, के विकास के लिए राज्यों/संघशासित क्षेत्रों, एसएआई आदि को सहायता–अनुदान प्रदान किया जाएगा।

7. **राष्ट्रीय/क्षेत्रीय/राज्य खेल अकादमियों को सहायता :** इस योजना के अंतर्गत पहचान की गई खेल प्रतिभाओं को एस ए आई राष्ट्रीय खेल अकादमियों, राज्य खेल अकादमियों और निजी क्षेत्र द्वारा स्थापित खेल स्कूलों या खेल अकादमियों में प्रवेश का विकल्प दिया जाएगा। दीर्घकालिक एथलीट विकास (एलटीएडी) कार्यक्रम (8 वर्ष के लिए) को सुकर बनाने और सहायता देने के लिए सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) के अंतर्गत भारतीय खेल प्राधिकरण, राज्य सरकारों या निजी क्षेत्र की चिन्हित विधाओं या खिलाड़ियों के संबंध में खेल अकादमियों की स्थापना, प्रचालन और अनुरक्षण के लिए सहायता–अनुदान प्रदान किया जाएगा। पारा एथलीटों के लिए कम से कम एक अकादमी को सहायता दी जाएगी।

8. **शारीरिक स्वस्थता :** खेलो इंडिया के अंतर्गत भारत के सभी स्कूलों में शारीरिक स्वस्थता के एक घटक के कार्यान्वयन का प्रयास किया जाएगा। राष्ट्रीय शारीरिक स्वस्थता मानदंड को क्षेत्र–वार तैयार किया जाएगा और सभी राज्यों/संघशासित क्षेत्रों में देश भर में सभी स्कूल जाने वाले बच्चों की शारीरिक स्वस्थता के मूल्यांकन के लिए प्रत्येक स्कूल को एक टूल किट प्रदान किया जाएगा। खेल एवं शारीरिक शिक्षा के समेकन के लिए सलाहकारी भूमिका अदा करने के लिए एक व्यवस्था तैयारी की जाएगी। अनिवार्य वि ाय बनाकर, जिसके लिए अंक दिया जाएगा, खेल को स्कूल शिक्षा के साथ समेकित किया जाएगा। इसे स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सहयोग से किया जाएगा।

9. **महिलाओं के लिए खेल :** यद्यपि खेलो इंडिया योजना के सभी घटक महिलाओं और पुरूषों के लिए है और खेल कार्यकलापों और खेलों के विकास में भाग लेने के लिए महिलाओं को भी अवसर प्रदान करते हैं, महिलाओं के लिए वार्षिक राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धाओं के आयोजन का प्रस्ताव है। ऐसी खेल विधाओं पर जोर दिया जाएगा, जहॉं महिलाओं की भागीदारी कम है, ताकि ऐसी खेल विधाओं में अधिक महिलाएं भाग ले सकें।

10. **शांति एवं विकास के लिए खेल :** भारत सरकार जम्मू एवं कश्मीर के लिए विशेष पैकेज के अंतर्गत राज्य में खेल सुविधाओं की वृद्धि के लिए निधियां प्रदान कर रही है। इन अवसरंचनाओं का इष्टतम उपयोग सुनिश्चित करने के लिए, कोचों, उपकरण, उपभोग्य वस्तुओं, तकनीकी सहायता, प्रतिस्पर्धा आदि के रूप में सुलभ सहायता दी जाएगी। युवाओं की सकारात्मक भागीदारी के लिए जम्मू एवं कश्मीर राज्य में लोकप्रिय खेल विधाओं के संबंध में प्रखंड स्तरीय प्रतिस्पर्धा आयोजित करने का प्रयास किया जाएगा। अतिवादी एवं आतंक प्रभावित और अन्य अशांत क्षेत्रों के मामले में भी ऐसे प्रयास किए जाएंगे।

11. **दिव्यांगजनों के बीच खेलों का संवर्धन :** दिव्यांगजनों के लिए विशिष्ट खेल अवसंरचना के

सृजन के लिए राज्यों/संघराज्य क्षेत्रों और एस ए आई को वित्तीय सहायता दी जाएगी। स्टेडियमों को दिव्यांगजन उपयुक्त/बाधा रहित बनाने के लिए अपेक्षित निधियां दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग की दिव्यांगजन कार्यान्वयन योजना अधिनियम (एसआईपीडीए) से लिया जाएगा। इस शीर्ष के अंतर्गत प्रदत निधियों का उपयोग खिलाड़ियों के वर्गीकरण, उपकरण, प्रशिक्षण और पैरालंपिक खेलों एवं विधाओं और प्रतिस्पर्धाओं के लिए दलों की तैयारी के लिए किया जाएगा।

12. **ग्रामीण और देशी/जनजातीय खेलों का संवर्धन :** हमारें ग्रामीण और देशी/जनजातीय खेलों के प्रदर्शन के लिए बारी–बारी से ग्रामीण और देशी/जनजातीय खेलों में खेलो इंडिया योजना के अंतर्गत वार्षिक आधार पर प्रतिस्पधाओं का आयोजन किया जाएगा। ऐसे खेलों के बारे में सूचना प्रदान करने के लिए एक गतिशील एवं परस्पर उपयोगी वेबसाइट भी चालू किया जाएगा। यह न केवल सूचना के प्रसार और इन खेलों के बारे में वर्तमान पीढ़ी की जिज्ञासा को बढ़ाएगा वरन् वृहत् स्तर पर इन खेलों में भाग लेने के लिए बच्चों एवं युवाओं को भी प्रोत्साहित करेगा, जिससे भवि य में मुख्यधारा में शामिल होने का उनका मार्ग प्रशस्त होगा।

01.04.2019 से 31.12.2019 की अवधि के दौरान खेलो इंडिया योजना की मुख्य उपलब्धियां :

क) खेल अवसंरचना का उपयोग और सृजन/उन्नयन

रु. 383.44 करोड़ की स्वीकृत अनुमानित लागत से 01.04.2019 से 31.12.2019 की अवधि के दौरान खेलो इंडिया योजना के अंतर्गत खेल अवसंरचना का उपयोग और सृजन/उन्नयन शीर्ष के तहत 29 नई खेल अवसंरचना परियोजनाओं को स्वीकृत किया गया है। खेलो इंडिया योजना/पूर्ववर्ती हरी खेल अवसरंचना योजना (यूएसआईएस) के अंतर्गत पिछले वर्षों के दौरान स्वीकृत अवसंरचना परियोजना की वचनबद्ध देयताओं सहित खेलो इंडिया योजना के अंतर्गत खेल अवसंरचना परियोजओं के सृजन के लिए लाभार्थियों को कुल रु. 203.09 करोड़ की राशि जारी की गई है।

ख) वार्षिक खेल प्रतिस्पर्धा :

i. खेलो इंडिया युवा खेल के तीसरे संस्करण की तैयारियां शुरू हो गई हैं और इसे गुवाहाटी में 10–22 जनवरी, 2020 तक आयोजित किया जाएगा। केवाईआईजी 2020 में विभिन्न राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों के लगभग 6800 एथलीटों की सहभागिता होगी।

ii. खेलो इंडिया विश्वविद्यालय खेल का पहला संस्करण 22 फरवरी से 01 मार्च, 2020 तक ओडिशा राज्य के भुवनेश्वर और कटक में आयोजित किया जाएगा जिसमें सभी 17 खेल विधाओं में 100 से अधिक विश्वविद्यालयों, 3864 एथलीटों और 750 तकनीकी अधिकारियों के भाग लेने की संभावना है।

ग) राष्ट्रीय/क्षेत्रीय/राज्य खेल अकादमियों को खेलो इंडिया प्रतिभा विकास एवं सहायता :

खेलो इंडिया प्रतिभा पहचान विकास (केआईटीडी) खेलो इंडिया स्कीम के सबसे महत्वपूर्ण शीर्षों में से एक है। शारीरिक विशेषताओं के संबंध में विशाल विविधता वाला यह देश खेलों के क्षेत्र में उत्कृष्टता दिखाने के प्रचूर अवसर देता है बशर्ते कि खेल प्रतिभा की सही समय और आयु में पहचान की जाए और खेल विज्ञान सहायता से कोचों द्वारा उचित विकास किया जाए जिससे ओलंपिक्स में मैडल जितने का उद्देश्य प्राप्त किया जा सके।

खेलो इंडिया एथलीटों (केआईएएस), जिन्हें इस स्कीम के तहत सूचीबद्ध/चयनित किया जाएगा,

को प्रतिवर्ष 5 लाख रु. की वित्तीय सहायता / छात्रवृत्ति दी जाएगी। उच्च अधिकार प्राप्त समिति (एचपीसी) के अनुमोदन से वित्त पोषण को बढ़ाकर प्रतिवर्ष 628400 रु. किया गया है। प्रत्यायित अकादमियों में केआईएएस को ऊपर दिए अनुसार पूरी सहायता प्रदान की जा रही है। इसके अलावा, उन्हें, जिन्होंने किसी भी अकादमी में भाग नहीं लिया है, प्रतिमाह 10000 रु. की राशि जेब खर्च भत्ते (ओपीए) के रूप में प्रदान की जा रही है। यह सभी चिन्हित केआईएएस के लिए है, चाहे उनकी पृष्ठ भूमि कोई भी हो। अभी तक 21 विधाओं में कुल 2740 केआईएएस को सूचीबद्ध किया जा रहा है और लगभग 3008 एथलीटों के अस्थि–आयु सत्यापन परीक्षण हेतु जांच की गई। इसके अलावा, खेलो इंडिया स्कीम के तहत लगभग 113 अकादमियों को प्रत्यायित किया गया है।

घ) खेलो इंडिया मोबाइल एप्लीकेशन और स्कूल जाने वाले बच्चों की शारीरिक स्वस्थता :

31 दिसंबर, 2019 तक खेलो इंडिया मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से 1263814 छात्रों का स्वस्थता आकलन किया गया है। इस एप पर शारीरिक आकलन कार्य क्षमता के लिए कुल 8401 स्कूलों ने पंजीकरण करवाया है।

स्कूली बच्चों के लिए खेलो इंडिया – शारीरिक स्वस्थता का उद्देश्य विशेषकर स्कूली बच्चों की स्वस्थता के बारे में जागरूकता पैदा करना है जिससे उनके शारीरिक स्वास्थ्य की स्वस्थता स्तर में वृद्धि होगी और इस प्रक्रिया में भावी खेल चैम्पियनों हेतु संभावित प्रतिभा की पहचान होगी। इसके तहत सीबीएसई के सहयोग से सीबीएसई अंडर 17 राष्ट्रीय खेलों के आयोजन के अनुमोदन हेतु उपाय भी किए गए हैं।

700 मास्टर प्रशिक्षुकों को प्रशिक्षित करने हेतु 10 राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षक प्रशिक्षण (टीओटी) आयोजित करने का भी निर्णय लिया गया। 20000 शिक्षकों को प्रशिक्षित करने हेतु 500 राज्य/ क्षेत्रीय स्तर के टीओटी आयोजित करने के उपाय भी किए गए हैं। इसके अलावा, सीबीएसई द्वारा आयोजित क्षेत्रीय स्तर के 5 टीओटी को कार्योत्तर अनुमोदन देने का निर्णय लिया गया।

खेलो इंडिया स्कीम के इस शीर्ष के लिए प्रतिवर्ष 25 करोड़ रु. की राशि निर्धारित की गई है। 2017–18 से 2019–20 की अवधि के लिए कुल आबंटित निधि 75 करोड़ रु. है।

ड.) दिव्यांजनों के बीच खेलों का संवर्धन:

जिला और राज्य खेलों में सहायता करने के लिए 5.7 करोड़ रु की राशि पर सहमति व्यक्त की गई है। संबंधित परिसंघों अर्थात विशेष ओलंपिक्स भारत अखिल भारतीय बधिर खेल परिसर और भारतीय पारालिंपिक समिति के परामर्श से भावी तौर–तरीके तैयार किए जा रहे हैं।

च) ग्रामीण तथा देशी/जनजातीय खेलों का संवर्धन :

आज तक खेलो इंडिया स्कीम के तहत 'ग्रामीण और देशी /जनजातीय खेलों का संवर्धन' के वर्टिकल के तहत मलखंब, कलारियापट्टू, गटका और थंग–ता को चिन्हित किया गया है।

सचिव खेल, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय की अध्यक्षता में 04.06.2019 को डीपीएसी आयोजित की गई। बुनियादी ढ़ांचे के विकास, उपकरण सहायता, कोचों की नियुक्ति , कोचों के प्रशिक्षण और छात्रवृत्ति के लिए अनुदान स्वीकृत किए गए। वित्त वर्ष 2019.20 के लिए स्वीकृत कुल राशि 10.85 करोड़ रु. है जबकि, 2.92 करोड़ रु. पहले ही जारी कर दिए गए हैं।

मलखंब, कलारियापट्टू, गटका और थंग–ता के 335 पदक विजेताओं के लिए छात्रवृत्ति हेतु 4.02 करोड़ रु. की राशि स्वीकृत की गई है। (एक वर्ष की अवधि के लिए प्रति एथलीट 10000/– रु.) इस समय एनएसएफ द्वारा यथासंस्तुत 01 अक्तूबर, 2019 से 185 एथलीटों को छात्रवृत्तियां दी जा रही हैं।

इसके अलावा, 28 राज्य सरकारों और 9 संघ राज्य क्षेत्रों को देशी ग्रामीण और जनजातीय खेल, जो अभी भी सक्रिय रूप से खेले जा रहे हैं/ जिनका अभ्यास किया जा रहा है, चिन्हित करने के लिए पात्र भेजे गए हैं ताकि, ऐसे प्रचलित देशी खेल कार्यकलाप का संवर्धन किया जा सके।

छ) समुदाय कोचिंग विकासः 05सदस्य समिति गठित की गई है जो समुदाय कोचिंग विकास के लिए अपनी सिफारिशें देगी और समिति से आशा है कि वह शीघ्र ही अपनी सिफारिशों को अंतिम रूप देगी।

वित्त वर्ष 2017 – 2018, 2018 –2019 और 2019–2020 के दौरान खेलों इंडिया स्कीम का बजट आवटंन और उपयोग

(रूपये करोड़ में)

वर्ष	अनुमोदित आवंटन			वास्तविक व्यय
	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	अंतिम अनुमान	
2017–18	350	350	350	346.99
2018–19	520.09	500.09	375.09	342.24
2019–20	500.00	578.00	578.00	(31.12.2019 तक)

- 01.04.2019 से 31.12.2019 के दौरान 'उपयोग तथा खेल अवसंरचना का सृजन / उन्नयन' के तहत जारी अनुदान का ब्यौरा अनुबंध–VI में दिया गया है।
- 01.01.2018 से 31.03.2019 के दौरान खेलों इंडिया के अन्य शीर्षों के तहत जारी अनुदान का ब्यौरा अनुबंध –VII में दिया गया है।

II. प्रधान मंत्री विकास पैकेज (पीएमडीपी) – जम्मू और कश्मीर में खेल अवसंरचना सुविधाओं का संवर्धन

माननीय प्रधान मंत्री ने 07.11.2015 को जम्मू एण्ड कश्मीर के लिए विशेष पैकेज को मंजूरी दी और घोषणा की, जिसमें अन्य के साथ–साथ कोचों / प्रशिक्षकों / फर्नीचर / प्रतियोगिता / प्रोत्साहन / पुरस्कार राशि की खेल अवसंरचना सुविधाओं के लिए 200 करोड़ का पैकेज शामिल है। कार्य प्रगति पर है। खेल बुनियादी ढांचे की परियोजनाएं पूरी हो जाने पर, उनका राज्य में खेल प्रोत्साहन गतिविधियों के लिए जम्मू और कश्मीर राज्य सरकार द्वारा संचालन और उपयोग किया जाएगा। परियोजनाओं का विवरण नीचे दिया गया है।

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय द्वारा निष्पादित परियोजनाएं

(रूपये करोड़ में)

क्रम सं,	परियोजनाएं	चिन्हित राशि	स्थिति
1.	फीफा मानक के अनुसार बख्शी स्टेडियम, श्रीनगर का नवीनीकरण और विकास	44.00	कार्य प्रगति पर है
2.	अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैचों के लिए आईसीसी मानक के अनुसार मौलाना आज़ाद (एम. ए.) स्टेडियम, जम्मू का नवीनीकरण और विकास	40.00	लगभग 10 प्रतिशत कार्य पूरा हो गया है। जम्मू एवं कश्मीर संघ राज्य क्षेत्र के उपराज्यपाल द्वारा 15.01.2020 को परियोजना का उद्घाटन किया गया।
3.	खेल उपकरण, कोच / प्रशिक्षक आदि।	5.37	इस राशि का उपयोग तैयार किए जा रहे बुनियादी ढांचें के लिए किया जाएगा
कुल (क)		89.37	

जम्मू और कश्मीर राज्य सरकार द्वारा नि पादित की जा रही परियोजनाएं

(रूपये करोड़ में)

क्रम सं,	परियोजनाएं	चिन्हित राशि	स्थिति
1.	22 इंडोर हॉल का निर्माण i. सेहपोरागांदरबल ii. शदीपोरासंबल, बांदीपोरा iii. काइमोह, कुलगाम iv. बिजबेहरा, अनंतनाग v. त्राल, पुलवामा vi. रामनगर, उधमपुर vii. सांबा viii. भगवती नगर, जम्मू ix. बिलावर, कठुआ x. मीर गुंडपट्टन, बारामूला xi. सोइबुग, बडगाम xii. राजपोरा, पुलवामा xiii. ज़दीबाल, श्रीनगर xiv. शोपियां xv. कुबथांग, कारगिल xvi. कोटरनंका, राजौरी xvii. मंडी, पुंछ xviii. गुल, रामबन xix. डोडा xx. किश्तवाड़ xxi. रियासी xxii. हंदवाड़ा, कुपवाड़ा	88.00 (प्रत्येक 22 इनडोर हॉलों के लिए 4.00 करोड़ रूपये)	चार इनडोर हॉल (सेहपोरा, गांदरबल) शादीपोर सम्बल, बांदीपोरा, रामगढ़, उघमपुर और बिल्लखर, कठुआ का कार्य पहले से ही पूरा हो गया है अन्य इनडोर हॉल के काम चल रहे हैं।
2.	राजोरी और पुंछ में मौजूदा स्टेडियमों का उन्नयन	4.00	राजौरी 99 प्रतिशत और पुंछ शत प्रतिशत पूर्ण
3.	सुभाष स्टेडियम, उधमपुर जम्मू का उन्नयन / कार्य समापन	10.00	शत प्रतिशत पूर्ण
4.	जम्मू और श्रीनगर में जल क्रिडाओं के बुनियादी ढांचे का विकास	6.00 (प्रत्येक परियोजना के लिए 3.00 करोड़ रूपये)	कार्य शुरू होना है
5.	टीआरसी ग्राउंड / गनी स्टेडियम में लाइट व्यवस्था	2.63	शत प्रतिशत पूर्ण
	कुल (ख)	110.63	
	सकल योग (क+ख)	200.00	

प्रधान मंत्री विकास पैकेज (पीएमडीपी) का बजट आवंटन और उपयोग – वित्त वर्ष 2018–19 के दौरान जम्मू और कश्मीर में खेल अवसरचना सुविधाओं का संवर्धन

(रूपये करोड़ में)

वर्ष	अनुमोदित अवंटन		वास्तविक व्यय
	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	
2019.20	30.00	50.00	30.00

III एमडीएसडी के संबंध में 31.03.2018 तक सी एंड एजी की रिपोर्टों के बकाया लेखा–परीक्षा पैरा दर्शाने वाला

क्रम संख्या	पैरा का नाम	आईआर का वर्ष	पैरा संख्या	टिप्पणी
1.	पंचायत युवा क्रिड़ा और खेल अभियान के कार्यान्वयन में अनियमितताएं	2011.13	1. भाग II क	22.11.2016 के कार्यालय ज्ञापन द्वारा लेखा–परीक्षा को उत्तर भेज दिया गया। लेखा–परीक्षा से 10.1.2017 के पत्र द्वारा स्थिति की सूचना देना का अनुरोध किया गया (प्रति संलग्न) लेखा–परीक्षा के उत्तर की प्रतीक्षा है
2.	योजना का बहुत कम कार्यान्वयन जिससे 4.01 करोड़ रू. की धनराशि बची रही।	2016.17	3	14.11.2018 के कार्यालय ज्ञापन द्वारा लेखा–परीक्षा को उत्तर भेज दिया गया। और प्रति आई एफडी को भेजी गई (प्रति संलग्न) लेखा–परीक्षा के उत्तर की प्रतीक्षा है
3.	1.27 करोड़ रू. की धनराशि का ब्लॉक होना और 38.10 लाख रू. ब्याज का नुकसान	2017.18	3	12.18.2018 के कार्यालय ज्ञापन द्वारा लेखा–परीक्षा को उत्तर भेज दिया गया। और प्रति आई एफडी को भेजी गई (प्रति संलग्न) लेखा–परीक्षा के उत्तर की प्रतीक्षा है
4.	2.78 करोड़ की ब्याज राशि का नुकसान	2017.18	6	
5.	जेएलएन स्टेडियम में दो इनडोर हॉल का निर्माण	2017.18	9	
6.	पीवाईकेकेए/आरजीकेए /एसएसडीएफ में से 1.09 करोड़ रू. का अन्यत्र उपयोग	2017.18	10	
7.	जम्मू एण्ड कश्मीर पैकेज	2017.18	13	
8.	यूएसआईएस योजना की खराब निगरानी जिससे 44.00 करोड़ रू. की धनराशि ब्लॉक हुई	2017.18	14	
9.	185.12 करोड़ रू. की धनराशि जारी करने में अनियमितता	2017.18	15	
10.	513 करोड़ रू. के उपयोग प्रमाणपत्र प्राप्त न होना	2017.18	20	

स्वैच्छिक संगठनों (वीओ) / गैर–सरकारी संगठनों (एनजीओ) को पिछले 3 वर्षों 2016–17, 2017–18 और 2018–19, के लिए स्वीकृत सहायता अनुदान के संबंध में उपयोग प्रमाणपत्र (यूसी) प्रस्तुत न होने की स्थिति दर्शाने वाला निर्धारित प्रोफार्मा में योजनावार ब्यौरा नीचे दिया गया हैरू.

क्रम संख्या	**एनजीओ / वीओ का नाम**	**राशि जिसके लिए एनजीओ / वीओ द्वारा यूसी प्रस्तुत नहीं किया गया**	**यूसी जमा नहीं करने का कारण**	**यूसी मांगे बिना एनजीओ / वीओ को और अनुदान देने के कारण**
शून्य				

IV. एनजीओ / वीओ को 2019–20 के दौरान एक लाख रू. और इससे अधिक के सहायता अनुदान का निर्धारित प्रोफार्मा में योजना–वार ब्यौरा नीचे दिया गया हैरू.

क्रम संख्या	**एनजीओ / वीओ का नाम और पता**	**जारी राशि (करोड़ रू. में)**	**उद्देश्य जिसके लिए अनुदान जारी किया गया**
शून्य			

****

अध्याय – 17

खेलों में उत्कृष्टता के संवर्धन से संबंधित योजनाएं

1. राष्ट्रीय खेल परिसंघ को सहायता की योजना

इस योजना के अंतर्गत, भारत सरकार राष्ट्रीय खेल परिसंघों (एन एस एफ) को भारत में राष्ट्रीय चैंपियनशिप एवं अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंटों के आयोजन, विदेश में अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंटों में भागीदारी, कोचिंग शिविरों के आयोजन, खेल उपकरण की खरीदऔर विदेशी कोचों की नियुक्ति के लिए सहायता प्रदान करती है। भारतीय एथलीटों की तैयारी और देश की पदक उम्मीदों में वृद्धि के उद्देश्य से 2015 में युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय ने राष्ट्रीय खेल परिसंघ को सहायता की योजना के अंतर्गत वित्तीय मानदंडों को बढ़ाया। भारत में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय योजनों के लिए वित्तीय सहायता को प्रति टूर्नामेंट 10 लाख रु. से बढ़ाकर 30 लाख रु. कर दिया गया है। राष्ट्रीय चैंपियनशिप के लिए राशि को वरिष्ठों, कनि ठों एवं उप–कनि ठों के लिए 2 लाख रु. से संशोधित करके वरि ठों के लिए 5 लाख रु., कनिष्ठों के लिए 7 लाख रु. एवं उप–कनिष्ठों के लिए 10 लाख रु. कर दिया गया है। एथलीटों के लिए 5 लाख रु. की मेडिकल पॉलिसी और 25 लाख रु. की व्यक्तिगत दुर्घटना पॉलिसी की अनुमति दी गई है। एन एस एफ को रु. 10 लाख तक का उपकरण खरीदने की अनुमति दी गई है। परंपरागत टूर्नामेंटों के संवर्धन के लिए, ऐसे प्रत्येक आयोजन के लिए 5 लाख रु. तक की सहायता का नया प्रावधान किया गया है। भारत में प्रतिष्ठित टूर्नामेंटों के आयोजन के लिए 25 लाख रु. की सहायता उपलब्ध होगी। इससे टूर्नामेंटों की गुणवत्ता में सुधार करने में सहायता मिलेगी। 'अन्य' श्रेणी में खेल विधाओं को वित्तीय सहायता को पुनः चालू किया गया है।

एनएसएफ को सहायता की स्कीम के तहत विभिन्न संगठनों को दी गई वित्तीय सहायता का ब्यौरा नीचे तालिका में दिया गया है:

क्रम सं.	वित्तीय सहायता का घटक	लाभार्थी	सहायता का स्तर
1	राष्ट्रीय चेम्पियनशिप	राष्ट्रीय खेल परिसंघों की सभी श्रेणियां	सीनियर– 5 लाख रु. जूनियर– 7 लाख रु. सब–जूनियर – 10 लाख रु.
2	प्रशिक्षण और प्रतिस्पर्धाओं हेतु खिलाड़ियों को विदेशों में खेलने का अवसर	सभी उच्च प्राथमिकता, प्राथमिकता और सामान्य श्रेणी की खेल विधाएं (26)	हवाई भाड़े, रहने और खाने पीने, टीए/डीए और अनुमोदित बजट तथा बजट उपलब्धता के अनुसार अन्य स्वीकार्य मदों को समग्र व्यय
3	मुख्य/राष्ट्रीय कोच	चयनित/नियुक्त कोच	1,50,000 रु. तक का परिश्रमिक। यह पात्र मामलों में और अधिक हो सकता है।

4	प्रतिष्ठित पारंपरिक टूर्नामेंट	चिन्हित आयोजनों के आयोजक	25 लाख रु. तक
5	पारंपरिक खेल आयोजन	चिन्हित आयोजनों के आयोजक	25 लाख रु. तक

2019–20 (31.12.2019 तक) के लिए एनएसएफ को सहायता की स्कीम के तहत इसे दी गई राशि की ब्यौरा अनुबंध – VIII में दिया गया है।

07.02.2020 की स्थिति के अनुसार 2019–20 के दौरान, 236 राष्ट्रीय कोचिंग शिविर आयोजित किए गए। खिलाड़ियों को विदेशों में 308 प्रशिक्षण / प्रतिस्पर्धी अनुभवों के लिए भेजा गया था।

2. राष्ट्रीय खेल कोचिंग केंद्र

राष्ट्रीय खेल संस्थान पटियाला के तहत राष्ट्रीय खेल कोचिंग केंद्र (एनसीएससी) का उद्देश्य देश में खेल कोचिंग शिक्षा को बढ़ाना और साथ ही देश का वृहत्त कोचिंग विकास ढांचा तैयार करना और एथलीटों की कोचिंग और प्रशिक्षण के तकनीकी, कार्यनीतिपरक और कौशल विकास में अनुसंधान करना है। इसका उद्देश्य खेल क्षेत्र के लिए सक्षम और विश्वास भरे कोच तैयार करना होगा। यह एथलीटों को उनकी अधिकतम क्षमता के अनुरूप उनके विकास में योगदान करेगा और उनके खेल प्रतिस्पर्धा कैरियर को बढ़ाएगा। एनसीएससी का उद्देश्य उच्च प्रदर्शन खेल कोचों की मांग को पूरा करना और दीर्घकालिक एथलीट विकास योजना का कार्यान्वयन करना होगा। एनसीएससी से अर्हता प्राप्त करने वाले कोच की सेवाओं का उपयोग भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई), राज्य सरकारों, खेल परिषदों, राष्ट्रीय खेल परिसंघों (एनएसएफ) और देश में विभिन्न खेल अकादमियों और शैक्षिक संस्थाओं में किया जाएगा। इस स्कीम की कुल लागत 81.00 करोड़ रु. है और इसकी अवधि 2017–18 से 2019–20 है। यह एक केंद्रीय क्षेत्र स्कीम है।

3. राष्ट्रीय खेल विज्ञान और अनुसंधान केंद्र (एनसीएसएसआर)

राष्ट्रीय खेल विज्ञान और अनुसंधान केंद्र (एनसीएसएसआर) की स्कीम का उद्देश्य श्रेष्ठ एथलीटों के उच्च प्रदर्शन के संबंध में उच्च स्तरीय अनुसंधान, शिक्षा और नवाचार में सहायता करना है। इस स्कीम के दो घटक हैं: एक एनसीएसएसआर केंद्र स्थापित करना और दूसरना चुनिंदा विश्वविद्यालयों / संस्थानों में खेल विज्ञान विभाग और चुनिंदा मेडिकल कॉलेजों में खेल चिकित्सा विभागों को सहायता (वित्त पोषण ा) के सृजन पर केंद्रित है। प्रस्तावित स्कीम की कुल लागत एनसीएसएसआर के लिए 107 करोड़ रु. और चुनिंदा विश्वविद्यालयों और मेडिकल कॉलेजों में खेल विज्ञानों और खेल चिकित्सा विभागों को सहायता के लिए 237 करोड़ रु. है। इसकी अवधि 2017–18 से 2019–20 है। संकाय, सहायक स्टाफ, एएमसी आदि पर आवर्ती व्यय को 2022–23 तक केंद्र सरकार द्वारा वहन किया जाता रहेगा। यह एक केंद्रीय क्षेत्र स्कीम है।

पात्र विश्वविद्यालयों / संस्थानों और मेडिकल कॉलेजों / अस्पतालों के वित्त पोषण के लिए रुचि–अभिव्यक्ति (ईओआई) आमंत्रित की गई। देश के विभिन्न भागों में 6 विश्वविद्यालयों और 6 मेडिकल कॉलेजों में खेल विज्ञान विभाग और खेल चिकित्सा विभाग स्थापित करने के लिए उन्हें चुना गया और विश्वविद्यालयों / संस्थानों और मेडिकल कॉलेजों को निधियों का भाग पहली ही जारी कर दिया गया है। युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय 5 वर्षों की अवधि में चुने गए प्रत्येक विश्वविद्यालय को प्रति पीजी कार्यक्रम 3.50 करोड़ रु. (एनआईएन हैदराबाद – 12.50

करोड़ रु. को छोड़कर) तथा प्रत्येक चुने गए मेडिकल कॉलेजों को 12.50 करोड़ रु. की दर से वित्त पोषण देगा और ये बाद में आत्मनिर्भर हो जाएंगे।

खेल विज्ञान विभाग कोसहायता करने के लिए वित्त पोषण के लिए चयनित विश्वविद्यालयों / संस्थानों की सूची

कं) गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर

ख) लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान, ग्वालियर

ग) राष्ट्रीय पोषण संस्थान, हैदराबाद

घ) अन्नामलाई विश्वविद्यालय, तमिलनाडु

ड.) केंद्रीय विश्वविद्यालय, राजस्थान, अजमेर, राजस्थान

च) कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता, पश्चिम बंगाल

खेल चिकित्सा विभाग को सहायता करने के लिए वित्त पो ण हेतु चुने गए मेडिकल कॉलेजों / अस्पतालों की सूची

क) वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज और सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली '

ख) किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ

ग) पंडित भागवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, रोहतक, हरियाणा

घ) बैंगलोर मेडिकल कॉलेज एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट, बेंगलुरु, कर्नाटक

ड.) क्षेत्रीय चिकित्सा विज्ञान संस्थान, इम्फाल, मणिपुर

छ) गांधी मेडिकल कॉलेज, भोपाल

* इसने एनसीएसएसआर के तहत सहायता प्राप्त करने का विकल्प छोड़ दिया है क्योंकि यह पहले से ही स्पोर्ट्स इंजरी सेंटर के विस्तार के प्रस्ताव के हिस्से के रूप में स्पोर्ट्स मेडिसिन विभाग की स्थापना कर रहा है, जिसे स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित किया जा रहा है।

4. खेल में मानव संसाधन विकास की योजना

उद्देश्य:

खेलों में मानव संसाधन विकास की योजना, खेल विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष 2013–14 में "प्रतिभा खोज और प्रशिक्षण की योजना" में पूरी तरह से संशोधन के बाद एक केंद्रीय क्षेत्र योजना के रूप में शुरू की गई थी। योजना का मुख्य बल खेल प्रबंधन।

योजना के घटक: –

i) फैलोशिप

ii) भारत या विदेश में सेमिनार / कार्यशाला / सम्मेलन / क्लीनिक / प्रशिक्षण में भाग लेना

iii) देश में सेमिनार / कार्यशाला / सम्मेलन आयोजित करना या भारत में विदेशी विशेषज्ञों / प्रशिक्षकों / विद्वानों को बुलाना

iv) मैच अधिकारियों, कोचों और सहायक कार्मिकों की सहायता

v) अनुसंधान

vi) प्रकाशन

लक्षित समूह:

कोच, मैच अधिकारी और सहायक कर्मी (जैसे जज, अंपायर, रेफरी आदि) संबंधित खेल विषयों में खिलाड़ियों की उत्कृष्टता के लिए आवश्यक हैं। इस प्रकार, इस लक्षित समूह के लिए विदेशों में प्रशिक्षण/अर्हक परीक्षा में बैठने के लिए पर्याप्त प्रावधान किया गया है। विशेषज्ञ अध्ययनों के छात्र और खेल और खेल से संबंधित विशिष्ट विधाओं के स्नातकोत्तर छात्र भी इस योजना में लक्षित समूह हैं।

बजट प्रावधान:

(करोड़ रू. में)

वर्ष	बजट प्रावधान	संशोधित प्रावधान	वास्तविक
2019.20	5.00	5.00	–
2020.21	5.00		

5. राष्ट्रीय खेल विकास निधि (एनएसडीएफ):

एनएसडीएफ तकनीकी वैज्ञानिक और मनोवैज्ञानिक सहायता के साथ अंतरराष्ट्रीय ख्याति के कोचों के तहत प्रशिक्षण और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए अवसर प्रदान करके क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए व्यक्तियों का सहायता करता है।टीओपीएस में शामिल एथलीटों का वित्त पोषण भी एनएसडीएफ से किया जाता है। एनएसडीएफ से निधियां खेल बुनियादी ढांचे के सृजन / विकास / उन्नयन के लिए भी जारी की जाती हैं। एनएसडीएफ में अंशदान हेतु कार्पोरेट निकायों, सार्वजनिक और निजी, दोनों, तथा व्यक्तियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय खेल विकास निधि (एनएसडीएफ) में सभी अंशदानों पर आयकर से शतप्रतिशत छूट प्राप्त है। एनएसडीएफ के अंशदानकर्ता विशिष्ट प्रयोजन हेतु निधियां सौपने के लिए स्वतंत्र हैं, अर्थात वे उस परियोजना का उल्लेख कर सकते हैं जिसमें वे सामान्य नीतिगत दिशानिर्देश के अधीन अपने अंशदान का उपयोग करवाना चाहेंगे

राष्ट्रीय खेल विकास निधि में विभिन्न निकायों और व्यक्तियों द्वारा 160.81 करोड़ रु. का अंशदान किया गया है। केंद्र सरकार ने अपने बराबर के हिस्से के रूप में एनएसडीएफ में 154.62 करोड़ रु. का अंशदान किया है। इस समय एनएसडीएफ की अक्षय निधि 130 करोड़ रु. है। युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय ने एनएसडीएफ में 10.92 करोड़ रु. और देने हैं।

6. टार्गेट ओलम्पिक पोडियम स्कीम (टीओपीएस):

टार्गेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टीओपीएस) ओलंपिक 2020 के लिए संभावित पदक उम्मीदवारों को चिन्हित करने और तैयार करने के उद्देश्यसे एनएसडीएफ के वित्त पोषण से 2014 में तैयार की गई। इस स्कीम के तहत, चुने गए एथलीटों को प्रशिक्षण, प्रतिस्पर्धा में सहभागिता, उपकरण की खरीद, सहायक व्यक्तियों की सेवाएं लेने आदि के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। इसके अलावा, आकस्मिक और विविध खर्चों की पूर्ति के लिए चुने गए एथलीटों को प्रतिमाह 50000/– रु. की दर से 'जेब खर्च भत्ता' दिया जाता है। आज तक, टीओपीएस सूची में शामिल करने हेतु विभिन्न विधाओं में 97 खिलाड़ियों को चुना गया है।

7. राष्ट्रीय खेल विश्वविद्यालय, मणिपुरः

खेलों में भारत की प्रतिष्ठा बढ़ाने की सोच के भाग के रूप में मणिपुर में राष्ट्रीय खेल विश्वविद्यालय स्थापित करने हेतु 10.08.2017 को लोकसभा में पेश किए गए राष्ट्रीय खेल विश्वविद्यालय विधेयक, 2018 को मानसून सत्र 2018 के दौरान संसद के दोनों सदनों द्वारा पारित कर दिया गया। राष्ट्रपति की सहमति प्राप्त होने के बाद, 17 अगस्त, 2018 को राष्ट्रीय खेल विश्वविद्यालय अधिनियम, 2018 भारत के राजपत्र में प्रकाशित कर दिया गया।

मणिपुर में राष्ट्रीय खेल विश्वविद्यालय, सर्वोत्तम अंतर्राष्ट्रीय प्रक्रियाओं को अपना कर चुनिंदा खेल विधाओं के लिए राष्ट्रीय प्रशिक्षण केंद्र के रूप में कार्य करने के अलावाखेल विज्ञान, खेल प्रौद्योगिकी, खेल प्रबंधन और खेल कोचिंग के क्षेत्रों में खेल शिक्षा का संवर्धन करने वाला अपने किस्म का पहला विश्वविद्यालय होगा।

यह विश्वविद्यालय विभिन्न विधाओं में खेल कोचिंग, खेल विज्ञान और शारीरिक शिक्षा में

स्नातक, मास्टर और डॉक्टर कार्यक्रमों का अध्ययन कराएगा। भविष्य में विभिन्न खेल शिक्षा और कोचिंग विधाओं विषयों में विशेषज्ञ डिग्री कार्यक्रमों की परिकल्पना की गई है।

माननीय प्रधान मंत्री ने 16.3.2018 को इंफाल में राष्ट्रीय खेल विश्वविद्यालय की आधारशिला रखी।

राष्ट्रीय खेल विश्वविद्यालय ने खुमान लंपक खेल परिसर, इंफाल में एक अस्थायी परिसर से कार्य करना शुरू कर दिया है। 15.01.2018 से शारीरिक शिक्षा और खेल स्नातक (बीपीईएस) और बीएससी (खेल कोचिंग) पाठ्यक्रमों के साथ पहला शैक्षिक सत्र शुरू हुआ।

बीपीईएस और बी.एससी. (खेल कोचिंग) के अलावा, शैक्षिक सत्र 2018–19 से एक नया स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम अर्थात, एम.ए. (खेल मनोविज्ञान) शुरू किया गया है। शैक्षणिक सत्र 2019–20 के लिए बीपीईएस, बी.एससी. (खेल कोचिंग), एम.ए. (खेल मनोविज्ञान) और एम.एससी. (खेल कोचिंग) के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।

16–10–2019 और 19–12–2019 से क्रमशः नियमित कुलपति और कुल सचिव, एनएसयू ने कार्यभार ग्रहण कर लिया है। एनएसयू परिसर के निर्माण हेतु एनबीसीसी को परियोजना प्रबंधन परामर्शदाता (पीएमसी) नियुक्त किया गया है। जबकि पहाड़ी भू–भाग को समाप्त करने के लिए बाड लगाने के कार्य और स्थल विकास का सीमांकन कार्य पूरा कर लिया गया है, जमीनी स्थल विकास, चार दीवारी और सड़क संरेखन कार्य चल रहा है। एनएसयू परिसर की खाका योजना को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

*****

अध्याय – 18

खिलाड़ियों को प्रोत्साहन संबंधी योजनाएं

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय द्वारा खिलाड़ियों खेलों के क्षेत्र मेंआने हेतु को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न योजनाओं को लागू किया जाता है :

1. **राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार** की शुरूआत वर्ष 1991–92 में की गई थी। इस योजना के अंतर्गत, उस वर्ष, जब पुरस्कार दिया जाना है, से ठीक 4 वर्ष पहले की अवधि में खेलों के क्षेत्र में खिलाड़ी के शानदार और उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उसे एक पदक तथा 7.5 लाख रू. का नकद पुरस्कार दिया जाता है। सामान्यतः प्रत्येक वर्ष केवल एक पुरस्कार दिया जाता है। इस योजना के शुरू होने से अब तक 38 खिलाड़ियों को यह पुरस्कार दिया गया।

   वर्ष 2019 के दौरान दो खिलाड़ियों को राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया:

क्रम संख्या	नाम	खेल विधा
1	श्री बजरंग पुनिया	कुश्ती
2	सुश्री दीपा मलिक	पारा एथलेटिक्स

2. **अर्जुन पुरस्कार** की स्थापना वर्ष 1961 में की गई थी और यह उन खिलाड़ियों को प्रदान किया जाता है जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पिछले चार वर्षों में लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है और नेतृत्व, खेल भावना और अनुशासन को दर्शाया है। पुरस्कार विजेताओं को एक प्रतिमा, सम्मान – पट्टिका, औपचारिक पोशाक और 5.00 लाख रुपए की पुरस्कार राशि प्रदान की जाती है। आम तौर पर, प्रत्येक वर्ष विजेताओं को 15 पुरस्कार दिए जा सकते हैं। अब तक विभिन्न खेल विधाओं से 870 उत्कृष्ट खिलाडियों को अर्जुन पुरस्कार प्रदान किए गए हैं।

वर्ष 2019 के लिए निम्नलिखित खिलाड़ियों को अर्जुन पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है : –

क्रम संख्या	खिलाड़ी का नाम	खेल विघा
1	श्री तजिंदरपाल सिंह तूर	एथलेटिक्स
2	मोहम्मद अनस याहिया	एथलेटिक्स
3	श्री एस भास्करन	बॉडी बिल्डिंग
4	सुश्री सोनिया लाथेर	मुक्केबाजी
5	श्री रवींद्र जडेजा	क्रिकेट
6	श्री चिंगलेनसना सिंह कंगुजम	हॉकी
7	श्री अजय ठाकुर	कबड्डी
8	श्री गौरव सिंह गिल	मोटर स्पोर्ट्स
9	श्री प्रमोद भगत	पारा खेल (बैडमिंटन)
10	सुश्री अंजुम मौदगिल	निशानेबाजी
11	श्री हरमीत राजुल देसाई	टेबल टेनिस

12	सुश्री पूजा ढांडा	कुश्ती
13	श्री फौआद मिर्जा	घुड़सवार
14	श्री गुरप्रीत सिंह संधू	फुटबॉल
15	सुश्री पूनम यादव	क्रिकेट
16	सुश्री स्वप्ना बर्मन	एथलेटिक्स
17	श्री सुंदर सिंह गुर्जर	पारा खेल (एथलेटिक्स)
18	श्री भमिदीपति साई प्रणीत	बैडमिंटन
19	श्री सिमरन सिंह शेरगिल	पोलो

3. **द्रोणाचार्य पुरस्कार** 1985 में शुरू किया गया था। इस पुरस्कार से उन प्रतिष्ठित कोचों को सम्मानित किया जाता है जिन्होंने अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त करने में राष्ट्रीय एथलीटों और टीमों की सहायता की हो। पुरस्कार विजेताओं को एक प्रतिमा, प्रमाण पत्र, औपचारिक पोशाक और 5 लाख रुपये का नकद पुरस्कार प्रदान किया जाता है। सामान्यतः, प्रत्येक वर्ष 5 पुरस्कार दिए जा सकते हैं। इसकी शुरूआत से 114 कोचों को यह पुरस्कार प्रदान किया गया है।

वर्ष 2019 के लिए निम्नलिखित खिलाड़ियों को द्रोणाचार्य पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है : –

क्रम संख्या	कोच का नाम	खेल विधा
1	श्री विमल कुमार	बैडमिंटन
2	श्री संदीप गुप्ता	टेबल टेनिस
3	श्री मोहिंदर सिंह ढिल्लों	एथलेटिक्स
4	श्री मेर्जबान पटेल	हॉकी (आजीवन)
5	श्री रामबीर सिंह खोखर	कबड्डी (आजीवन)
6	श्री संजय भारद्वाज	क्रिकेट (आजीवन)

4. **खेलों और खेलकूद क्षेत्रों में आजीवन उपलब्धियों के लिए ध्यान चंद पुरस्कार** की शुरूआत वर्ष 2002 में की गई थी। यह पुरस्कार उन खिलाड़ियों को सम्मानित करने के लिए प्रदान किया जाता है जिन्होंने अपने प्रदर्शन से खेलों में योगदान दिया हो और जिन्होंने खेल क्षेत्र से अपनी सेवानिवृत्ति के पश्चात भी खेल को बढ़ावा देने में सक्रिय रूप से अपना योगदान जारी रखा है। पुरस्कार विजेताओं को एक प्रतिमा, एक प्रमाण पत्र, औपचारिक पोशाक और 5.00 लाख रुपए की पुरस्कार राशि प्रदान की जाती है। शुरूआत से अब तक 60 खिलाड़ियों को यह पुरस्कार प्रदान किया गया है।

वर्ष 2019 के लिए ध्यानचंद पुरस्कार से निम्नलिखित खिलाड़ियों को सम्मानित किया है : –

क्रम संख्या	नाम	खेल विधा
1.	श्री मैनुअल फ्रेड्रिकिस	हॉकी
2.	श्री अरूप बसक	टेबल टेनिस

3.	श्री मनोज कुमार	कुश्ती
4.	श्री नितिन किररत्ने	टेनिस
5.	श्री सी. लालरेमसंगा	तिरंदाजी

5. **मौलाना अबुल कलाम आजाद (माका) ट्रॉफीः** कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में प्रतियोगी खेलों को बढ़ावा देने के विचार से, मौलाना अब्दुल कलाम आजाद (माका) ट्रॉफी के साथ 15 लाख रुपए का नकद पुरस्कार अन्तर विश्वविद्यालय खेल टूर्नामेंटों में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विश्वविद्यालय को प्रदान किया जाता है। दूसरे और तीसरे स्थान के विश्वविद्यालयों को नकद पुरस्कार के रूप में प्रत्येक को क्रमशः 7.50 लाख रुपए और 4.50 लाख रुपए प्रदान किए जाते हैं।

गुरू नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर को वर्ष 2019 के लिए 2019 में भारत के राष्ट्रपति द्वारा माका ट्राफी प्रदान की गई।

6. **राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार :** खिलाड़ियों और कोचों को छोड़कर अन्य संस्थाओं द्वारा खेल के विकास में किए गए योगदान के सम्मान में सरकार ने 2009 से राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार नामक एक नया पुरस्कार शुरू किया है, जिसमें चार श्रेणियां हैं, अर्थात् सामुदायिक खेल विकास, उत्कृष्ट खेल अकादमियों को बढ़ावा देना, श्रेष्ठ खिलाड़ियों को सहायता प्रदान करना और खिलाड़ियों को रोजगार।

वर्ष 2019 के लिए निम्नलिखित संस्थाओं को राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किया गया : –

क्रम संख्या	श्रेणी	राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार, 2019 के लिए अनुशंसित संस्था
1	उभरती व युवा प्रतिभाओं को पहचानना व उनका पोषण करना	(i) गगन नारंग स्पोर्ट्स प्रमोशन फाउंडेशन (ii) गोस्पोर्ट्स फाउंडेशन
2	कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व के माध्यम से खेलों को प्रोत्साहन	–––
3	'खिलाड़ियों और अन्य कल्याणकारी उपायों के लिए रोजगार'	–––
4	विकास के लिए खेल	रायलसीमा विकास ट्रस्ट

7. **अंतर्राष्ट्रीय खेल आयोजनों में विजेताओं और उनके कोचों** के लिए विशेष पुरस्कार योजना का आरंभ 1986 में उच्च उपलब्धियों के लिए उत्कृष्ट खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने और उत्साहवद्ध 'न करने और युवाओं को खेल को कैरियर बनाने के लिए आकर्षित करने के लिए किया गया था। मंत्रालय ने 29.01.2015 को इस योजना को संशोधित किया है, जिसमें पदक जीतने वाले खिलाड़ियों के नकद पुरस्कार में काफी वृद्धि की गई है और इस योजना के भेदभाव संबंधी खण्ड, जिसके तहत पारा–ओलंपिक, दिव्यांगों, बधिर, मूक, नेत्रहीन आदि के लिए विशेष ओलंपिक चैंपियनशिप जैसी कड़ी प्रतिस्पर्धाओं में पदक विजेताओं के साथ भेदभाव होता था, को हटाया गया, उन्हें संशोधित योजना में पुनः शामिल किया गया। इस योजना को 20 जून, 2017 और आगे को संशोधित किया गया है जिसके द्वारा योजना में दृष्टिहीन क्रिकेट विश्व कप की श्रेणी को भी शामिल किया गया है।

इस योजना में 30.05.2018 को पुनः संशोधन किया गया जिसके द्वारा तीन प्रकार के कोचों में – मूल स्तर, विकास स्तर और श्रेष्ठ स्तर पर अलग–अलग स्पर्धाओं में पदक दिलाने वाले कोचों को देय नकद पुरस्कार की राशि वितरित की गई है। किसी कोच को पुरस्कार राशि कोचिंग दिए गए खिलाड़ी को दी गई पुरस्कार राशि का 50 प्रतिशत है। इस योजना के तहत नीचे दी गई तालिका के अनुसार मान्यता प्राप्त अन्तराष्ट्रीय खेल आयोजनों में पदक जीतने हेतु खिलाड़ियों और उनके कोचों को विशेष पुरस्कार दिए जाते हैं:

क श्रेणी : मुक्त श्रेणी के खेल

क्रम संख्या	**आयोजन का नाम**	**पुरस्कार राशि : रू. में**		
		स्वर्ण पदक	**रजत पदक**	**कांस्य पदक**
1	ओलंपिक खेल (ग्रीष्मकालीन और शीतकालीन)	75 लाख	50 लाख	30 लाख
2	एशियाई खेल	30 लाख	20 लाख	10 लाख
3	राष्ट्रमंडल खेल	30 लाख	20 लाख	10 लाख
4	विश्व चैंपियनशिप या विश्व कप (चार वर्षीय चक्र में आयोजित)	40 लाख	25 लाख	15 लाख
5	विश्व चैंपियनशिप / विश्व कप (दो वर्ष में एक बार आयोजित)	20 लाख	14 लाख	8 लाख
6	विश्व चैंपियनशिप / विश्व कप (वार्षिक रूप से आयोजित) / ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन चैंपियनशिप	10 लाख	7 लाख	4 लाख
7	एशियाई चैंपियनशिप (4 वर्ष में एक बार आयोजित)	15 लाख	10 लाख	5 लाख
8	एशियाई चैंपियनशिप (2 वर्ष में एक बार आयोजित)	7.5 लाख	5 लाख	2.5 लाख
9	एशियाई चैंपियनशिप (वार्षिक रूप से आयोजित)	3.75 लाख	2.5 लाख	1.25 लाख
10	राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप (4 वर्ष में एक बार आयोजित)	15 लाख	10 लाख	5 लाख
11	राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप (2 वर्ष में एक बार आयोजित)	7.5 लाख	5 लाख	2.5 लाख
12	राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप (वार्षिक आयोजन))	3.75 लाख	2.5 लाख	1.25 लाख
13	विश्व विश्वविद्यालय खेल	3.75 लाख	2.5 लाख	1.25 लाख

ख श्रेणी : पारा–खेल

क्रम संख्या	आयोजन का नाम	पुरस्कार राशि : रू. में		
		स्वर्ण पदक	रजत पदक	कांस्य पदक
1	पारालम्पिक्स खेल (ग्रीष्मकालीन और शीतकालीन)	75 लाख	50 लाख	30 लाख
2	पारा एशियाई खेल	30 लाख	20 लाख	10 लाख
3	राष्ट्रमंडल खेल (पारा एथलीट)	30 लाख	20 लाख	10 लाख
4	आईपीसी विश्व कप / चैंपियनशिप (दो वर्ष में एक बार आयोजित)	20 लाख	14 लाख	8 लाख
5	आईपीसी विश्व कप / चैंपियनशिप (वार्षिक रूप से आयोजित)	10 लाख	7 लाख	4 लाख

ग श्रेणी : दृष्टिहीनों के लिए खेल

क्रम संख्या	आयोजन का नाम	पुरस्कार राशि : रू. में		
		स्वर्ण पदक	रजत पदक	कांस्य पदक
1	आईबीएसए विश्व चैम्पियनशिप	10 लाख	7 लाख	4 लाख

घ श्रेणी : बधिरों के लिए खेल

क्रम संख्या	आयोजन का नाम	पुरस्कार राशि : रू. में		
		स्वर्ण पदक	रजत पदक	कांस्य पदक
1	डेफेलिम्पिक्स	15 लाख	10 लाख	5 लाख

ड़ श्रेणी : विशेष ओलंपिक– खेल

क्रम संख्या	आयोजन का नाम	पुरस्कार राशि : रू. में		
		स्वर्ण पदक	रजत पदक	कांस्य पदक
1	विशेष ओलंपिक– खेल (ग्री मकालीन और ीतकालीन)	5 लाख	3 लाख	1 लाख

च श्रेणी : दृष्टिहीनों के लिए क्रिकेट विश्व कप

क्रम संख्या	आयोजन का नाम	पुरस्कार राशि : रू. में
1	दृष्टिहीन क्रिकेट विश्व कप (4 वर्ष में एक बार आयोजित)	5 लाख

नकद पुरस्कार की योजना के लिए 2019–20 के दौरान 50.00 करोड़ रू. का बजट अनुमान और 62.00 करोड़ रू. का संशोधित अनुमान आवंटन किया गया है।

जनवरी, 2020 तक नकद पुरस्कार की योजना के तहत 591 खिलाड़ियों और उनके कोचों को 45,02,64,500/– रू. की राशि दी गई है।

8. मेधावी खिलाड़ियों के लिए पेंशन योजना :

इस योजना को वर्ष 1994 में आरंभ किया गया था। इस योजना के अंतर्गत, उन खिलाड़ियों को, जो भारतीय नागरिक हैं और ओलंपिक पारालम्पिक खेलों, विश्व कप /विश्व चौंपियनशिप, एशियाई खेलों, राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक जीत चुके हैं; जिनकी आयु 30 वर्ष हो गई हैं, और जो सक्रिय खेल क्षेत्र से सेवानिवृत्त हो गए हैं, वे आजीवन पेंशन के लिए पात्र हैं। पेंशन की वर्तमान दरें इस प्रकार हैं (07.06.2018 से):

क्रम संख्या	मेधावी खिलाड़ियों की श्रेणी	पेंशन की दरें (रुपए प्रति माह)
1	ओलिंपिक खेलों /पारा–ओलिंपिक खेलों में पदक विजेता	20000
2	ओलंपिक और एशियाई खेलों विधाओं में विश्व कप / विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक विजेता	16000
3	ओलंपिक और एशियाई खेलों विधाओं में विश्व कप / विश्व चैंपियनशिप के रजत व कांस्य पदक विजेता	14000
4	एशियाई / राष्ट्रमंडल खेलों /पारा एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता	14000
5	एशियाई / राष्ट्रमंडल/पारालिम्पिक खेलों के रजत और कांस्य पदक विजेता	12000

पेंशन का भुगतान भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) द्वारा किया जाता है, जिसके लिएमंत्रालय द्वारा एलआईसी को एकमुश्त भुगतान करके मंत्रालय द्वारा व्यक्तिगत पेंशनरों के लिए वार्षिकियां क्रय की जाती हैं।

मेधावी खिलाड़ियों के लिए इस पेंशन योजना के लिए 2019–20 के दौरान 37.00 करोड़ रुपए का बजट आवंटन किया गया है।

9 खिलाड़ियों के लिए पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय कल्याण निधि (पीडीयूएनडब्ल्यूएफएस) की स्थापना मार्च 1982 में पूर्व खिलाड़ियों,जो दीन–हीन परिस्थितियों में जीवनयापन कर रहे हैं, को सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से की गई थी जिन्होंने खेलों के माध्यम से देश का नाम रोशन किया। इस योजना की जुलाई 2009 में समीक्षा की गई और संशोधन किया गया था। राष्ट्रीय खिलाड़ी कल्याण कोष योजना में मई 2016 में संशोधित किया गया है।इस योजना के अंतर्गत, कोष से वित्तीय सहायता प्राप्त करने का पात्र होने के लिए व्यक्ति की वार्षिक आय की राशि को मौजूदा 2 लाख रुपए से बढ़ा कर 4 लाख रुपए कर दिया गया है।

इस योजना के दायरे को भी बढ़ा दिया गया है जिसमें और अधिक खिलाड़ियों को इस निधि से वित्तीय सहायता प्राप्त करने के लिए शामिल किया गया है। इस योजना का पुनः नामकरण 22 सितंबर, 2017 को पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय खिलाडी कल्याण योजना के रूप में किया गया है। इस योजना की मंत्रालय में समयबद्ध तरीके से प्राप्त आवेदनों पर कार्रवाई करने के लिए समय – सीमा को शामिल करके 29.01. 2019 को और आगे समीक्षा की गई और संशोधन किया गया। इस कोष से सहायता की मात्रा को भी काफी बढ़ा दिया गया है।

संशोधित योजना के अंतर्गत, दीन–हीन परिस्थितियों में जीवनयापन कर रहे खिलाड़ी व उनके परिवार के सदस्य वित्तीय सहायता के लिए

निम्नलिखित राशियों के पात्र होंगे :

i. अब दीन–हीन परिस्थितियों में जीवनयापन कर रहे किसी उत्कृष्ट खिलाड़ी को वित्तीय सहायता दी जा सकती है, जो कि अधिकतम 5 लाख रुपए होगी। इसके अलावा, किसी पूर्व मेधावी खिलाड़ी, जो अब दीन–हीन परिस्थितियों में जीवनयापन कर रहे हैं, को 5000 रुपए की मासिक पेंशन प्रदान करने का प्रावधान किया गया है।

ii. खेल प्रतियोगिताओं में प्रशिक्षण के लिए और भागीदारी के दौरान घायल होने पर किसी उत्कृष्ट खिलाड़ी को अधिकतम 10 लाख रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान की जा सकती हैं।

iii. किसी मृत उत्कृष्ट खिलाड़ी के दीन–हीन परिस्थितियों में जीवनयापन कर रहे परिवार के सदस्यों को अधिकतम 5 लाख रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान की जा सकती है।

iv. दीन–हीन परिस्थितियों में जीवनयापन कर रहे किसी उत्कृष्ट खिलाड़ी अथवा उसके परिवार के किसी भी सदस्य को चिकित्सीय सहायता के रूप में अधिकतम 10 लाख रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान की जा सकती हैं।

v. दीन–हीन परिस्थितियों में जीवनयापन कर रहे किसी भी कोच तथा सहायक कार्मिक को वित्तीय सहायता के रूप में अधिकतम 2 लाख रुपए प्रदान किए जा सकते हैं जैसे कि खेल चिकित्सक, खेल मनोचिकित्सक, खेल सलाहकार, फिजियोथेरेपिस्ट, मसाजकर्ता जो वरिष्ठ श्रेणी के खिलाड़ियों और राष्ट्रीय टीमों (वरिष्ठ श्रेणी) के लिए राष्ट्रीय कोच शिविर से संलग्न रहे हों तथा वे अंपायर, रेफरी और मैच अधिकारी जिन्होंने ओलंपिक खेलों, एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों सहित खेल विधाओं में किसी मान्य राष्ट्रीय चैंम्पियनशिप (सीनियर कैटेगरी) और अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट (सीनियर कैटेगरी) के साथ जुड़े रहे हों,जो स्वयं वंचित परिस्थितियों में जीवनयापन कर रहे हों अथवा उनके परिवार के सदस्य उनकी मृत्यु के पश्चात वंचित परिस्थितियों में जीवनयापन कर रहे हों।

वर्तमान वित्तीय वर्ष 2019–20 के दौरान, पीडीयूएनडब्ल्यूएफएस योजना के तहत निम्नलिखित को एकमुश्त वित्तीय सहायता प्रदान की गईः –

क्रम संख्या	खिलाड़ी का नाम	खेल विधा	वित्तीय सहायता के लिए प्रयोजन	राज्य / संघ राज्य क्षेत्र जिससे लाभार्थी संबंधित है	भुगतान की गई राशि (रु. में)
1	श्री लिम्बा राम अहारी	तीरंदाजी	चिकित्सा उपचार	राजस्थान	5,00,000
2	श्री मदसु श्रीनिवास राव	बैडमिंटन (पारा)	वित्तीय स्थीति में सुधार करना	आंध्र प्रदेश	5,00,000
3	सुश्री चंद्रो देवी तोमर	निशानेबाजी	चिकित्सा उपचार	उत्तर प्रदेश	5,00,000
4	श्री रेनजिथ माहेश्वरी	एथलेटिक्स (पारा)	चिकित्सा उपचार	तमिलनाडु	2,20,000
5	सुश्री वीरा पाल कौर	एथलेटिक्स	चिकित्सा उपचार	पंजाब	1,50,000
6	सुश्री मिथुला यू.के.	बैडमिंटन	चिकित्सा उपचार	कर्नाटक	10,00,000

7	श्री जे. पच्चैय्या	बॉल बैडमिंटन	चिकित्सा उपचार	तेलंगाना	5,00,000
8	श्री अनश यादव	व्यायाम	चिकित्सा उपचार	उत्तर प्रदेश	10,00,000
9	सुश्री इंशाह बशीर	बास्केटबॉल (पारा)	चिकित्सा उपचार	जम्मू और कश्मीर	50,000
10	श्री संजय सिंह	वुशु	चिकित्सा उपचार	हरियाणा	1,00,000
11	सुश्री साली जॉर्ज	वालीबाल	वित्तीय स्थिति में सुधार करना	केरल	2,50,000
12	सुश्री गोहेला बोरो	तीरंदाजी	चिकित्सा उपचार	असम	1,62,415
13	सुश्री इंशाह बशीर	बास्केटबॉल (पारा)	चिकित्सा उपचार	जम्मू और कश्मीर	6,00,000
14	एम. मुरली	तीरंदाजी	वित्तीय स्थिति में सुधार करना	तेलंगाना	3,00,000
15	दीपक राठी	कुश्ती	चिकित्सा उपचार	हरियाणा	1,00,000
				कुल :	**59,32,415**

*****

अध्याय – 19

खेल भावना से खेल

राष्ट्रीय डोप रोधी एजेंसी

नेशनल डोप रोधी एजेंसी (नाडा) ने विश्व डोप रोधी कोड ("कोड") को स्वीकार कर लिया है। इन डोपिंग रोधी नियमों को कोड के तहत नाडा की जिम्मेदारियों के अनुरूप अपनाया और कार्यान्वित किया जाता है, और ये भारत में डोपिंग के उन्मूलन के लिए नाडा के निरंतर प्रयासों को आगे बढ़ा रहे हैं। कोड में नाडा को "राष्ट्रीय स्तर पर एंटी–डोपिंग नियमों को अपनाने और लागू करने, नमूने प्राप्त करने का निर्देश देने, परीक्षा परिणामों के प्रबंधन, और सुनवाई के संचालन, के लिए भारत द्वारा नामित इकाई के रूप में परिभाषित किया गया है।

नाडा 2019–20 का बजट आवंटन

नाडा पूरी तरह से सरकार द्वारा वित्त पोषित है। युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय से प्राप्त सहायता अनुदान का विवरण तथा किए गए खर्च का ब्यौरा निम्नानुसार हैं: –

आंकड़ें लाख रू. में

शीर्ष	बजट अनुमान (बीई) 2019–20	01.04.2019 को अनुदान का प्रारंभिक शेष	प्राप्त सहायता अनुदान (31.12.2019 तक)	2019–20 के दौरान व्यय (31.12.2019 तक)
जीआईए– जनरल	450.00	–	450.00	426.21
जीआईए– जनरल एसएपी	20.00	0.70	4.30	0.20
जीआईए–पूंजीगत परिसम्पति	280.00	104.00	–	13.11
जीआईए– वेतन	100.00	0.33	100.00	116.79
कुल	850.00	105.03	554.30	556.31

डोप परीक्षण

वर्ष 2018–19 (दिसम्बर, 2019 तक)के दौरान, नाडा ने डोप विश्लेषण उद्देश्य के लिए खिलाड़ियों के 2712 डोप परीक्षण किए। ये नमूने अखिल भारतीय स्तर पर आयोजित विभिन्न चैंपियनशिपों और भारतीय खेल प्राधिकरण तथा अन्य खेल निकायों द्वारा आयोजित प्रशिक्षण शिविरों के दौरान तथा प्रतियोगिता से लिए गए।

क्रम सं.	खेल विधा	प्रतिस्पर्धा में	प्रतिस्पर्धा से बाहर	कुल नमूने	कुल एडीआरवी
1.	तीरंदाजी	02	52	54	01
2.	व्यायाम	463	308	771	25
3.	ऑटोमोबाइल खेल	23	00	23	00
4.	बैडमिंटन	21	55	76	01
5.	बैडमिंटन डी ई एएफ	00	16	16	00
6.	बास्केटबाल	10	17	27	01
7.	मुक्केबाज़ी	96	215	311	04
8.	डोंगी / कश्ती	13	08	21	00
9.	शतरंज	07	00	07	00
10.	क्रिकेट	22	18	40	00
11.	सइकलिंग	11	81	92	00
12.	फुटबॉल	02	30	32	00
13.	व्यायाम	11	43	54	00
14.	हैन्डबॉल	00	22	22	00
15.	हॉकी	18	80	98	00
16.	जूडो	45	64	109	08
17.	जू–जित्सु	10	00	10	01
18.	कबड्डी	60	16	76	00
19.	खो–खो	00	06	06	00
20.	पारा एथलेटिक्स	00	17	17	00
21.	पारा बास्केटबॉल	00	04	04	00
22.	पारा पॉवरलिफ्टिंग	00	03	03	00
23.	पारा शूटिंग	00	09	09	00
24.	पारा तैराकी	00	03	03	00
25.	पोलो	04	00	04	00
26.	पॉवरलिफ्टिंग	30	01	31	14

क्रम सं.	खेल विधा	प्रतिस्पर्धा में	प्रतिस्पर्धा से बाहर	कुल नमूने	कुल एडीआरवी
27.	नौकायन	07	84	91	00
28.	निशानेबाजी	40	58	98	02
29.	सॉफ्ट बॉल	05	00	05	00
30.	चढ़ाई खेल	18	00	18	00
31.	स्क्वॉश	25	00	25	00
32.	तैराकी	75	10	85	01
33.	टेबल टेनिस	05	10	15	00
34.	तायक्वोंडो	04	07	11	00
35.	टेनिस	14	9	23	00
36.	ट्रायथलॉन	00	02	02	00
37.	वालीबाल	14	28	42	02
38.	भारोत्तोलन	64	133	197	06
39.	कुश्ती	15	118	133	03
40.	वुशु	37	14	51	02
	कुल	1171	1541	2712	71

डोप रोधी नियमों का उल्लंघन (एडीआरवी)

नाडा द्वारा 2018–19 (दिसम्बर, 2019 तक) में विभिन्न खेल विधाओं में डोप रोधी नियमों के उल्लंघन के कुल 71 मामलों की सूचना दी गई है जिसका ब्यौरा इस प्रकार हैः

आगामी टोकियो ओलंपिक्स 2020 हेतु तैयारी

2020 में टोकियो में आयोजित होने वाले आगामी ओलंपिक्स को ध्यान में रखते हुए नाडा ने 11 जून, 2019 को राष्ट्रीय खेल परिसंघों (एनएसएस) के प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक आयोजित की है। इस बैठक की अध्यक्षता श्री नवीन अग्रवाल, महा निदेशक एवं सीईओ, नाडा द्वारा की गई जिसमें मूल संभावितों के लिए नियमित डोप परीक्षण और डोप रोधी जागरूकता से संबंधित मुद्दों पर विस्तार से विचार–विमर्श भी किया गया।

एथलीट जीव विज्ञानीय पासपोर्ट (एबीपी) कार्यक्रम पर बैठक – सह – प्रशिक्षण

नाडा द्वारा महा निदेशक, नाडा की अध्यक्षता में 30.07.2019 को एथलीट पासपोर्ट प्रबंधन यूनिट (एपीएमयू) पर बैठक–सह–प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया ताकि भारत के एथलीट जीव विज्ञानीय पासपोर्ट कार्यक्रम पर विचार–विमर्श किया जा सके। डॉ. जेवियर डी.ला. टोर्रे, उप निदेशक डोप परीक्षण प्रयोगशाला, रोम ने डोप परीक्षण की गुणवत्ता और दायरे को बढ़ाने के लिए एबीपी के महत्व और एपीएमयू विशेषज्ञों की भूमिका पर अपनी सुविज्ञता दी। एम्स/बीएचयू के एपीएमयू विशेषज्ञों ने एपीएमयू के बारे में डॉ. टोर्रे

के साथ अपने प्रश्नों पर विचार–विमर्श किया। इस बैठक में वैज्ञानिक निदेशक, राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला (एनडीटीएल) और नाडा/एनडीटीएल के अधिकारी/वैज्ञानिक स्टॉफ भी उपस्थित रहे।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के साथ बैठक

बीसीसीआई द्वारा नाडा के डोप रोधी नियमों को स्वीकार करने के उपरांत नाडा और बीसीसीआई अधिकारियों की 16.08.2019 को नाडा के कार्यालय में बैठक आयोजित की गई। श्री नवीन अग्रवाल, महा निदेशक एवं सीईओ, नाडा ने इस बैठक की अध्यक्षता की और नाडा तथा बीसीसीआई के अधिकारी, क्षेत्रीय समन्यक बैठक में उपस्थित रहे। बीसीसीआई के घरेलू आयोजनों में डोप परीक्षण के संबंध में भावी योजना और तौर–तरिकों पर विस्तार से विचार–विमर्श किया गया। इसके परिणाम स्वरूप नाडा द्वारा विभिन्न घरेलू आयोजनों के दौरान क्रिकेट खिलाड़ियों पर डोप परीक्षण किए जा रहे हैं।

श्री नवीन अग्रवाल, महा निदेशक, नाडा 16 अगस्त को बीसीसीआई के अधिकारियों के साथ बैठक करते हुए

नाडा कार्यालय में राजभाषा की बैठक

नाडा कार्यालय में 27.08.2019 को राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में श्री नवीन अग्रवाल, महा निदेशक, नाडा और नाडा के सभी अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। दैनिक कार्यालय कार्य में हिंदी भाषा के संवर्धन संबंधी सभी पहलुओं पर विचार–विमर्श किया गया।

नए डोपिंग नियंत्रक अधिकारियों (डीसीओ) का पैनल बनाना और उनका प्रशिक्षण

डोप परीक्षण की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए नाडा ने 2019 में पैनलबद्ध प्रमुख डोपिंग नियंत्रक अधिकारियों, डोपिंग नियंत्रक अधिकारियों, रक्त संग्रहण अधिकारियों (बीसीओ) और चैपरोन के मौजूदा पूल को बढ़ाया है। नाडा के तकनीकी अधिकारियों द्वारा विभिन्न अधिकारियों जैसे नई दिल्ली में 23.

04.2019 और 24.06.2019, बेंगलूरू में 05.07.2019, कुरूक्षेत्र में 22.11.2019 और गोवाहाटी में 12.12.2019 को नवपैनलबद्ध डीसीओ/बीसीओ/चैपरोन के लिए समय–समय पर प्रशिक्षण आयोजित किया।

अंतराष्ट्रीय योग दिवस मनाना

नाडा अधिकारियों ने 21.06.2019 को अंतराष्ट्रीय योग दिवस मनायाः सभी अधिकारियों ने एक सप्ताह तक नाडा कार्यालय में योग कार्यकलापों में सक्रिय रूप से भाग लिया और योग किया।

डोप रोधी पैनलों के नए सदस्यों का अनुकूलन

नाडा द्वारा डोपरोधी अनुशासनिक पैनलों एवं डोप रोधी अपील पैनल के नव नियुक्त अध्यक्ष और सदस्यों के लिए 19.11.2019 को एक अनुकूलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। श्री नवीन अग्रवाल, महा निदेशक, नाडा ने पैनल के सभी नए सदस्यों का स्वागत किया और समयबद्ध तरीके से लंबित एडीआरवी मामलों की सुनवाई को तेज करने पर बल दिया।

चिकित्सीय उपचार उपयोग छूट (टीयूई)

डोपरोधी नियमों के तहत चिकित्सीय उपचार उपयोग छूट समिति में प्रख्यात और योग्य चिकित्सा डॉक्टर हैं जिनकी चिकित्सा के विभिन्न क्षेत्रों में सुविज्ञता है। इस समिति का मुख्य कार्य ऐसे खिलाड़ियों के आवेदनों पर विचार करना है जो चिकित्सा दशा के आधार पर चिकित्सीय उपचार उपयोग छूट का अनुरोध कर रहे हैं जिसके लिए निषिद्ध पदार्थ या निषिद्ध तरीके के उपयोग की आवश्यकता होती है। वर्ष 2018–19 के दौरान टीयूई के लिए निम्नलिखित खेल विधाओं में आवेदनों पर विचार किया गया।

क्रम सं.	विधा	टीयूईसी द्वारा जांच किए गए आवेदन	छूट दी गई	छूट से मना किया गया
1.	तीरंदाजी	01	.	01
2.	साइकलिंग	02	01	01
3.	घुड़सवारी	01	01	.
4.	हैन्डबॉल	01	.	01
5.	जूडो	02	01	01
6.	कबड्डी	02	01	01
7.	पारा तीरंदाजी	01	01	.
8.	पारा एथलेटिक्स	01	01	.
9.	पारा पावर लिफ्टिंग	01	01	.
10.	पावर लिफ्टिंग	01	.	01
11.	निशानेबाजी	04	01	03
12.	तैराकी	01	01	.
13.	तायक्वोंडो	01	.	01
14.	टेनिस	01	.	01
15.	भारोत्तोलन	03	.	03
16.	कुश्ती	03	03	.
कुल		**26**	**12**	**14**

डोप रोधी नियम के उल्लंघन के परिणाम का प्रबंधन

डोप रोधी अनुशासनिक पैनल : विधिक, चिकित्सा और खेल पृष्ठभूमि से सदस्यों का साथ पैनल नियमित आधार पर एडीआरवी मामलों की सुनवाई करती है। वर्ष के दौरान कुल 124 मामलों पर निर्णय लिए गए और एथलीटों पर उपयुक्त प्रतिबंध लगाए गए।

ठस पैनल में विविध चिकित्सा खेल क्षेत्र के विशेषज्ञ सदस्य होते है जो अपील मामलों में सुनवाई करता है। इस अवधि के दौरान अपील पैनलने 21 मामलों की अपील में निर्णय लिया।

डोपिंग के विरूद्ध एथलीटों में जन जागरूकता कार्यक्रम (एमएएपीएडी)

नाडा खिलाड़ियों, युवा एथलीटों, कोचों और सहायक स्टाफ के लिए देश भर में खेलों में वर्जित औषधों/पदार्थों और विधियों के बारे में एंटी डोपिंग कार्यशालाएं, शैक्षिक एवं जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन करता आ रहा है। नाडा ने 2019–20 (दिसम्बर, 2019 तक) के दौरान 68 ऐसे जागरूता सह शिक्षा कार्यशाला का आयोजन किया है।

एशिया में डोप रोधन पर 2 दिवसीय क्षेत्रीय संगोष्ठी की मेजबानी

नाडा भारत द्वारा 22–23अक्तूबर, 2019को नई दिल्ली में एशिया में डोप रोधन पर 2दिवसीय संगोष्ठी आयोजित की गई। स्वच्छ खेलों का लक्ष्य प्राप्त करने के लिए इस संगोष्ठी में प्रभावी परीक्षण और डोप रोधी शिक्षा कार्यक्रम के कार्यान्वयन पर बल दिया गया। ऑस्ट्रेलिया, मलेशिया, कंबोडिया, म्यांमार, बांग्लादेश, नेपाल, मालदीव, कतर और जॉर्डन ने नाडा भारत द्वारा संगोष्ठी के आयोजन की सराहना की।

श्री किरेन रिजिजू, माननीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री, भारत सरकार डोप रोधन पर क्षेत्रीय सगोष्ठी का उद्घाटन करते हुए

माननीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री के साथ अंतराष्ट्रीय प्रतिनिधियों का समूह

बॉलीबुड अभिनेता श्री सुनील सेट्टी को नाडा का ब्रांड एंबेस्डर बनाया जाना

एथलीटों को प्रतिबंधित प्रदर्शन संवर्धक पदार्थों से दूर रहने के लिए प्रोत्साहित करने के प्रयास में बॉलीबुड अभिनेता श्री सुनील सेट्टी को राष्ट्रीय डोपरोधी एजेंसी (नाडा) का ब्रांड एंबेस्डर नियुक्त किया गया। माननीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री, श्री किरन रिजिजू, जिन्हें समारोह के दौरान मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया, ने डोपिंग के बारे में जागरूकता पैदा करने हेतु प्रभावी अभियान चलाने के लिए कहा। माननीय मंत्री ने श्री सुनील सेट्टी को नाडा का ब्रांड एंबेस्डर नियुक्त किए जाने पर बधाई भी दीं और कहा कि ''सेट्टी स्वस्थता का प्रतीक है और इस उद्देश्य के लिए इनकी सेवाओं से प्रत्येक व्यक्ति स्वस्थ रहने और खेलों में उचित तरीके अपनाने के लिए प्रेरित होगा।

माननीय मंत्री श्री किरन रिजिजू और महा निदेशक और सीईओ नाडा श्री सुनील सेट्टी को सम्मानित करते हुए

अंतराष्ट्रीय सहयोगः

श्री नवीन अग्रवाल, महा निदेशक नाडा ने 29–30 अप्रैल, 2019 को जद्दाह, साऊदी अरब में आयोजित डोप रोधी संबंधी 16वीं एशियाई/ओसेनिया अंतर–सरकार मंत्रियों की बैठक में भाग लिया। इस सम्मेलन के दौरान हुए विचार–विमर्शों में वाडा संहिता और यूनेस्को डोपरोधी समझौते के मानक प्रचालन दिशा–निर्देशों, वाडा को एशियाई क्षेत्र योगदान, नव अंतराष्ट्रीय शिक्षा मानक, और डोपरोधी एथलीट अधिकार चार्टर की समीक्षा शामिल थी। नाडा भारत की डोपरोधी प्रगति रिपोर्ट भी प्रस्तुत की गई।

श्री नवीन अग्रवाल, महा निदेशक, नाडा, जद्दाह, साऊदी अरब में सिंघापुर, बांग्लादेश, अफगानिस्तान और कम्बोडिया के प्रतिनिधियों के साथ

डॉ. सरवन पेरूमल एस., वरिष्ठ परियोनजा अधिकारी, नाडा ने 27–28 जून, 2019 को सीओल, कोरिया गणराज्य में आयोजित 2019 काडा डोपरोधी सेमिनार, एशिया में भाग लिया। इस सेमिनार का आयोजन काडा द्वारा किया गया जो संहिता अनुपालन, एथलीट जीव विज्ञानीय पासपोर्ट (एबीपी) कार्यक्रम और डोपरोधी क्षेत्र में आसूचना और अनवेषण के कार्यान्वयन पर केंद्रित था। पेरिस में यूनेस्को मुख्यालय में 29–31 अक्तूबर, 2019 तक खेलों में डोपिंग के विरूद्ध अंतराष्ट्रीय समझौते के पक्षकारों का 7वां सम्मेलन आयोजित किया गया। इस सम्मेलन में भारत की ओर से श्री नवीन अग्रवाल, महा निदेशक एवं सीईओ, नाडा के साथ यूनेस्को में भारत के स्थायी प्रतिनिधि मंडल के प्रथम सचिव श्री आरिफ सईद ने प्रतिनिधित्व किया।

*****

अध्याय – 20

राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला (एनडीटीएल)

1.0 परिचय

राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला (एनडीटीएल) युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, भारत सरकार, के तत्वावधान में स्थापित एक स्वायत्त निकाय है। इसे मानवीय खेलों से मूत्र और रक्त के नमूनों के परीक्षण के लिए आईएसओ : आईईसी 17025 : 2017तथा विश्व डोप रोधी एजेंसी (वाडा)हेतु राष्ट्रीय परीक्षण एवं अंशांकन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड (एनएबीएल) से से मान्यता प्राप्त है।

एनडीटीएल में नियमित और अनुसंधान, दोनों प्रकार की गतिविधियों के लिए नवीनतम सुविधाएं स्थापित हैं। एनडीटीएल को 2008 में सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के तहत पंजीकृत किया गया था। भारत में डोप परीक्षण प्रयोगशाला की स्थापना 1990 में भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) के तहत डोप कंट्रोल सेंटर (डीसीसी) के रूप में की गई थी। इस प्रयोगशाला को आईएसओ / आईईसी 17025 प्रत्यायन के लिए वर्ष 2003 में राष्ट्रीय परीक्षण एवं अंशांकन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड (एनएबीएल) से तथा सितंबर 2008 में विश्व डोप रोधी एजेंसी (वाडा) से मान्यता प्राप्त हुई। एनडीटीएल की मान्यता स्थिति को दोनों प्रत्यायन निकायों (एनएबीएल और वाडा) के नवीनतम दिशानिर्देशों के अनुसार समय के साथ साथ नवीनीकृत किया जाता है।

अगस्त 2019 में, वाडा अंतर्राष्ट्रीय प्रयोगशाला मानक का पालन न किए जाने के आधार पर प्रयोगशाला का वाडा प्रत्यायन 6माह की अवधि के लिए निलंबित कर दिया गया। तब से इस लैब ने सभी स्तरों पर निष्पादन में सुधार करने और प्रत्यायन को शीघ्रतम पुनः प्राप्त करने के सभी संभव उपाय किए हैं।

2.0 : एनडीटीएल की अवसंरचना

- **उपकरण व प्रौद्योगिकियां :** राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला (एनडीटीएल) नवीनतम प्रौद्योगिकियों और आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित है। एनडीटीएल की उपकरण संबंधी आवश्यकताएं वाडा द्वारा यथा लागू नए परीक्षण दिशानिर्देश पर आधारित और अन्य वाडा प्रयोगशालाओं में उपलब्धता पर आधारित प्रत्यायित और अधिक संवेदनशील और सशक्त विश्लेषणात्मक उपकरणों की आवश्यकता से जुड़ी हैं।

रोचे कोबास ई411सिसमेक्स एक्सएन 1000

मई 2019 के महीने में, एनडीटीएल ने अपनी मौजूदा सुविधा को निम्नलिखित द्वारा सफलतापूर्वक उन्नत कर दिया है:

क) एचसीजी विश्लेषण करने के लिए एक नया रोश कोबास ई411 उपकरण स्थापित करना।

ख) रक्त पैरामीटर सुविधा के लिए एक नयासिसमेक्स एक्सएन1000 उपकरण स्थापित करना।

एनएबीएल सत्यापन लेखा–परीक्षाः 3 मूल्यांकनकर्ता की एक टीम ने 17 सितंबर, 2019 को इन नए उपकरणों के विधि मान्यकरण डाटा और अनुपालन की संपरीक्षा की।

एनडीटीएल में उपलब्ध उपकरणों को समय के साथ साथ वाडा मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाओं के समकक्ष उन्नयत किया गया है, तत्संबंधी विवरण निम्नानुसार है : –

एनडीटीएल में उपलब्ध प्रमुख विश्लेषण संबंधी उपकरणों की सूची

एनडीटीएल में उपलब्ध प्रमुख विश्ले ण संबंधी उपकरणों की सूची		
1.	अल्ट्रा परफॉरमेंस लिक्विड क्रोमैटोग्राफी–हाइब्रिड ऑर्बिट्रैप–हाई रेजोल्यूशन मास स्पेक्ट्रोमेट्री (यूपीएलसी–क्यू–ईयूएक्टिव ऑर्बिट्स एचआरएमएस)	01
2.	गैस क्रोमैटोग्राफ – मास सेलेक्टिव डिटेक्टर/नाइट्रोजन फॉस्फोरस डिटेक्टर (जीसी एण्ड एसएसडी /एनपीडी)	02
3.	गैस क्रोमैटोग्राफ – मास सेलेक्टिव डिटेक्टर (जीसी.एसएसडी)	05
4.	गैस क्रोमैटोग्राफ–मास स्पेक्ट्रोमेट्री / टेंडम मास स्पेक्ट्रोमेट्री (जीसी.एसएस / एसएस)	06
5.	उच्च प्रदर्शन तरल क्रोमैटोग्राफी (एचपीएलसी)	02
6.	इम्यूनोएसे सिस्टम	02
7.	गैस क्रोमैटोग्राफी–दहन–आइसोटोप रेशियो मास स्पेक्ट्रोमेट्री (जीसी/सी/आइआरएसएस)	01

8.	तरल क्रोमैटोग्राफी– मास स्पेक्ट्रोमेट्री (एलसी एण्ड एसएस / एसएस)	06
9.	इम्यूलाइट 1000	01
10.	फ्लो सिटोमीटर	01
11.	विकास हार्मोन परीक्षण के लिए ल्यूमिनोमीटर	01
12.	सीबीसी / रक्त पैरामीटर के लिएसिसमेक्स एक्सएन1000	01
13.	एरिथ्रोपोइटिन (ईपीओ) परीक्षण के लिए विद्युतकणसंचलन उपकरण	02
14.	स्वचालित गिलसन ठोस चरण नि क ाण प्रणाली	02
15.	गिलसन ऑटो सैम्पलर	02
16.	गामा काउंटर	01
17.	कोबास ई411	01

उपकरण की खरीद (प्रक्रियारत)

विवरण	2019–20 में खरीदे गए उपकरण की संख्या	वर्तमान स्थिति
जीसी–सी–आईआरएमएस	01	खरीद आदेश जारी किए गए

3.0 : नमूना परीक्षण

3.1 नियमित नमूना परीक्षण

3.1.1 मानव डोप परीक्षण : यह प्रयोगशाला नमूनों से राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के प्रमुख खिलाड़ियों के डोपिंग के नमूनों के परीक्षण कार्य में लगा है। एनडीटीएल वाडा आईएसएल संस्करण 10.0 के अनुसार मानव डोपिंग नियंत्रण से प्राप्त नमूने की जांच करता है और इसके लिए लागू वाडा तकनीकी दस्तावेज हैं:

– मूत्र परीक्षण

– रक्त परीक्षण

एनडीटीएल के ग्राहक

2018–19 के दौरान निम्नलिखित परीक्षण प्राधिकारियों ने एनडीटीएल को मानव डोपिंग नमूने भेजे:

- राष्ट्रीय डोप रोधी एजेंसी (नाडा), नई दिल्ली
- भारतीय क्रिकेट काउंसिल बोर्ड (बीसीसीआई)
- एंटी डोपिंग सिंगापुर (एडीएस)
- एडीएएमएएस, मलेशिया
- एडीओपी, पाकिस्तान
- बहरीन एंटी डोपिंग कमेटी
- एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी)
- दक्षिण पूर्व एशिया आरएडीओ (एसईए आरएडीओ)
- यूनियन साइक्लिस्टे इंटरनेशनेले (यूसीआई)
- लेम्बागा एंटी डोपिंग इंडोनेशिया (एलएडीआई)
- श्रीलंका एंटी डोपिंग एजेंसी (एसएलएडीए)
- बाग्लादेश एंटी डोपिंग समिति
- बैडांमिंटन विश्व परिसंघ (बीडब्ल्यूएफ)

एनडीटीएल ने निम्नलिखित प्रमुख राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय घटनाओं के परीक्षण का आयोजन किया है:

(i) 18 वीं यूपी सीनियर वुशू चेम्पियनशिप 2019

(ii) 45 वां राष्ट्रीय खेल उत्सव

(iii) एफआईवीबी वॉलीबॉल पुरुषअन्डर 21 विश्व चौम्पियनशिप

(iv) प्रो कबड्डी लीग 2019 सीजन 7

(v) विश्व जूनियर चौंपियन

3.1.2 नमूना परीक्षण सांख्यिकी (मानव डोप परीक्षण):

अप्रैल 2019 से अगस्त, 2019 तक किए गए परीक्षणों नमूनों की संख्या 2841 (मूत्र एवं रक्त) थी। इस अवधि के दौरान परीक्षण किए गए कुल 2841 नमूनों में अब तक राष्ट्रीय निकायों से 2006 नमूने तथा अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों से 835 नमूने प्राप्त हुए और इनके परीक्षण किए गए। नमूना प्राप्त करने और उनका परीक्षण करने से संबंधित विवरण निम्नानुसार है :

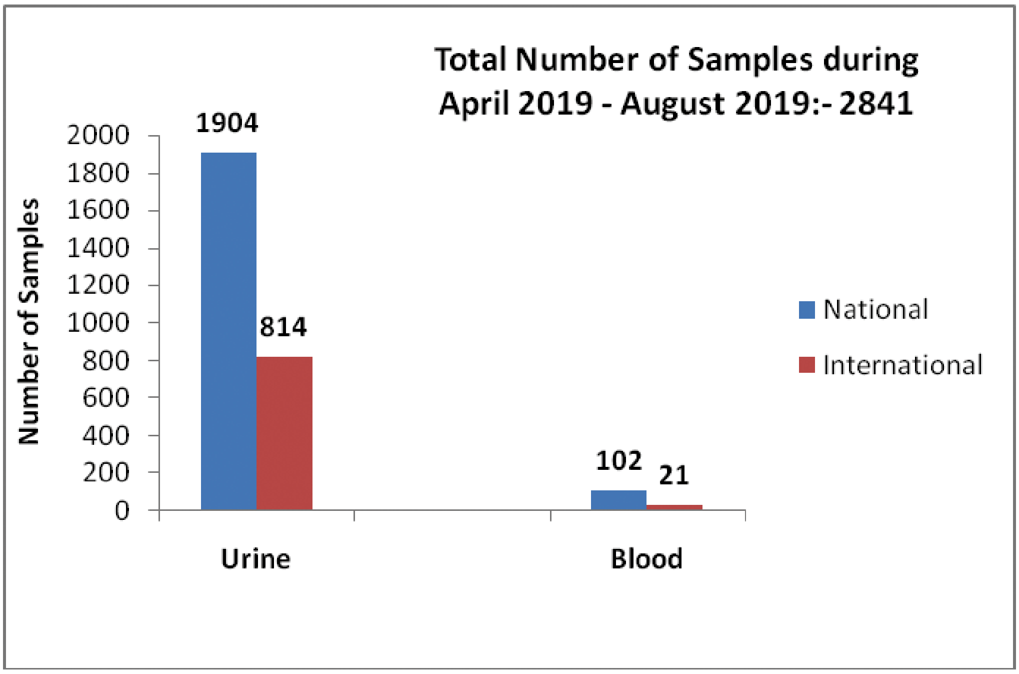

चित्र 1 : अप्रैल, 2019 से अगस्त, 2019 के दौरान नमूनों की कुल संख्या –2841

	राष्ट्रीय	अंतरराष्ट्रीय
मूत्र	1904	814
रक्त	102	21

वित्तीय वर्ष	राष्ट्रीय			अंतरराष्ट्रीय			कुल योग
	मूत्र	रक्त	कुल	मूत्र	रक्त	कुल	
2017 –18	4088	233	4321	3819	69	3888	8209
2018–19	5289	404	5693	3939	112	4051	9744
2019 (अप्रैल, 2019 से अगस्त, 2019)	1904	102	2006	814	21	835	2841

3.1.3. नमूना परीक्षण सांख्यिकी :

(हार्स डोप टेस्टिंग): एनडीटीएल ने हार्स डोप परीक्षण के लिए सुविधा की सफलतापूर्वक शुरूआत की और 2014 में आईएसओ : आईईसी 17025 : 2014 का प्रत्यायन प्राप्त किया। जुलाई 2014 में विभिन्न घुड़दौड़ क्लबों के लिए नियमित

परीक्षण कार्य आरंभ कर दिया गया था। नीचे दिए गए ग्राफ में हार्स डोपिंग (अप्रैल, 2019–अगस्त, 2019) में प्रशिक्षण किए गए नमूनों (का रिकार्ड दिया गया है :

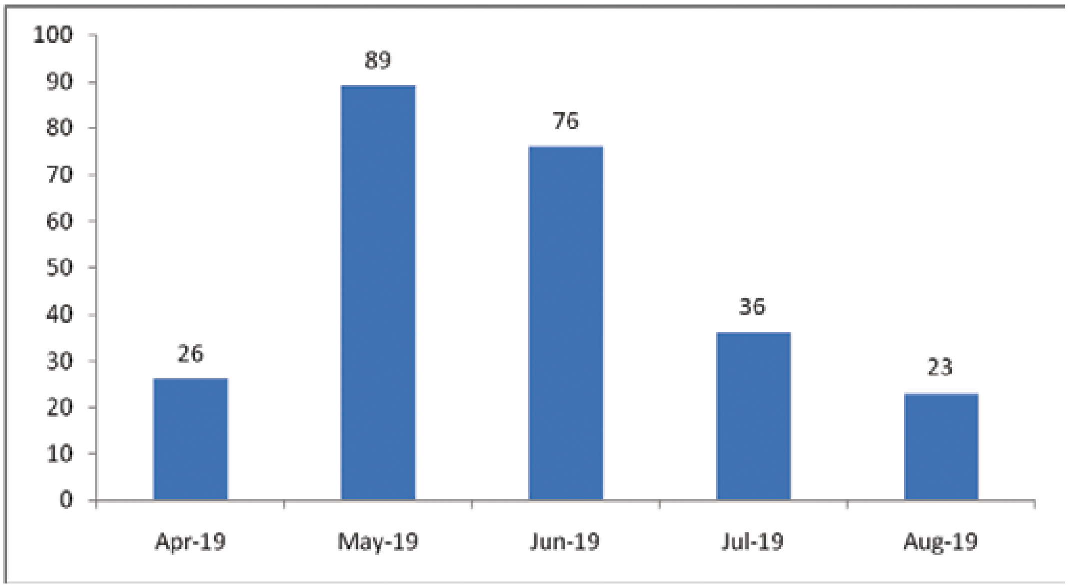

चित्र 2: अप्रैल, 2019 से अगस्त, 2019 के दौरान नमूनों की कुल संख्या –250

3.2 प्रवीणता नमूना परीक्षण

एनडीटीएल ने वाडा की बाह्य गुणवत्ता आश्वासन योजना (ईक्यूएएस) दौरों में भाग लिया, जो वाडा प्रत्यायन बनाए रखने के लिए अनिवार्य अपेक्षा होती है। नियमित नमूना परीक्षण के अलावा, एनडीटीएल विभिन्न परीक्षण प्रवीणता दौरों में भी भाग लेता है जो डोप के नमूनों के परीक्षण में इसकी तकनीकी सक्षमता और विश्वसनीयता को सुनिश्चित करता है।

बाह्य गुणवत्ता मूल्यांकन योजना में भागीदारी का विवरण निम्नानुसार है :

क्रम संख्या	नमूनों की किस्में	एजेंसी		(दौर / नमूनों के संख्या)	एनडीटीएल की भागीदारी
1	मूत्र	वाडा	मूत्र	03 (15)	03 (15)
			डब्ल ब्लाइंड	02 (5)	02 (5)
		डब्ल्यूएएडीएस (विश्व एंटी डोपिंग वैज्ञानिक संघ)		01 (10)	01 (10)
2	रक्त	सीएससीक्यू (स्विस गुणवत्ता नियंत्रण केंद्र)		12 (2)	12 (24)
3	हार्स डोपिंग	आधिकारिक घुड़दौड़ कैमिस्ट संघ (एओआरसी) रक्त	मूत्र	01 (09) मूत्र – 06 नमूने रक्त – 03 नमूने	01 (09)

4.0 : गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली

4.1 गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली

क) डेस्कटॉप लेखा–परीक्षा : एनडीटीएल की डेस्कटॉप निगरानी लेखा–परीक्षा रिपोर्ट तैयार की गई और एनएबीएल

दस्तावेज 218. के अनुसार 18 अप्रैल, 2019 को एनएबीएल को प्रस्तुत की गई। आकलन टीम ने एनडीटीएल 22 अप्रैल, 2020 तक मान्य की मान्यता को जारी रखने के लिए सिफारिश की।

ख) आंतरिक लेखा–परीक्षा और प्रबंधन समीक्षा बैठक :

एनडीटीएल की गुणवत्ता प्रणाली की समीक्षा करने के लिए, एनएबीएल अनिवार्यताओं के अनुसार नियमित आधार पर एनडीटीएल के प्रशिक्षित मूल्यांकनकर्ताओं और आंतरिक जांचकर्ताओं द्वारा आंतरिक लेखा–परीक्षा की गईं थीं।

प्रबंधन समीक्षा समूह (एमआरजी) की बैठक

05 अप्रैल, 2019 को आयोजित एमआरजी बैठक के कार्यवृत को एमआरजी बैठक के सभी सदस्यों के साथ विधिवत साझा किया गया था। इस बैठक का उद्देश्य गुणवत्ता प्रणाली की उपयुक्तता और प्रभाविता को सुनिश्चित करना और सुधार के लिए आवश्यक परिवर्तन करना था।

ग) एनएबीएल सत्यापन लेखा परीक्षा:

प्रयोगशाला ने एचसीजी विश्लेषण के लिए रोश कोबास ई–411 पर ब्लड पैरामीटर के लिए सिसमेक्स एक्सएन100 पर पद्धति विधिमान्यकरण किया। दोनों पद्धतियों के लिए विधिमान्यकरण रिपोर्ट जुलाई, 2019 में एनएबीएल को प्रस्तुत की गई। 3 आकलनकर्ताओं के दल ने नए उपकरणों पर विधिमान्यकरण डाटा के सत्यापन और आईएसओ /आईईसी 17025 : 2005 के अनुपालन के लिए एनडीटीएल की 17 सितंबर , 2019 को लेखा–परीक्षा की। आकलन टीम ने परीक्षण के अनुमोदित दायरे के अनुसार आईएसओ/आईईसी 17025 : 2005 जारी रखने की सिफारिश की।

4.2 (i) सतर्कता मामले :

2019 के दौरान किसी सतर्कता मामले की सूचना प्राप्त नहीं हुई।

(ii) सूचना का अधिकार (आरटीआई) :

2019 के दौरान (अप्रैल – दिसम्बर)15 आरटीआई मामले दर्ज किए गए और उनका उत्तर दिया।

5. मुख्य उपलब्धियां:

5.1 प्रमुख आयोजन 2019 के दौरान :

क्रम सं.	आयोजन–वार विवरण	अगस्त, 19
1.	18वीं यूपी सीनियर वुशु चैंपियनशिप, 2019	2
2.	45वां राष्ट्रीय खेल उत्सव	1
3.	69वीं अंतर–सेवा जल क्रिडा चैंपियनशिप	12
4.	69वीं पश्चिम बंगाल राज्य एथलेटिक्स चैंपियनशिप	23
5.	एथलेटिक्स इंडियन ग्रेंड प्रिक्स 5	16
6.	चंडीगढ़ सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप, 2019	20
7.	दिल्ली राज्य सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप, 2019	39
8.	एफआईवीबी वॉलीबाल पुरूष सीनियर अंडर–21 विश्व चैंपियनशिप	6
9.	हरियाणा राज्य एथलेटिक्स चैंपियनशिप, 2019	24
10.	आईडीबीआई फेडरल लाईफ इंश्योरेंश हैदराबाद ऑपन, 2019	08
11.	प्रतियोगिता में	32
12.	प्रतियोगिता में	02

13.	इंटर सर्विसेस जल क्रिडा चैंपियनशिप, 2019	14
14.	इंटर सर्विसेस साइकलिंग चैंपियनशिप	06
15.	इंटर सर्विसेस वॉलीबाल चैंपियनशिप, 2019	10
16.	जे.के. टायर एफएमएससीआई नेशनल रेसिंग, 2019	11
17.	एमके जोसेफ मेमोरियल स्टेट इंटर डिस्ट्रिक्ट क्लब एथलेटिक्स चैंपियनशिप	19
18.	मास्टर्स मीट सीनियर शूटिंग चैंपियनशिप	10
19.	राष्ट्रीय खेल उत्सव	01
20.	प्रतियोगिता से बाहर	203
21.	प्रतियोगिता से बाहर (फुटबाल महिला प्रशिक्षण शिविर)	2
22.	प्रतियोगिता से बाहर (प्रशिक्षण शिविर)	13
23.	प्रतियोगिता से बाहर (पारा ूटिंग प्रशिक्षण शिविर)	01
24.	प्रतियोगिता से बाहर (आरटीपी परीक्षण)	04
25.	प्रतियोगिता से बाहर (आरटीपी कुश्ती परीक्षण)	01
26.	प्रतियोगिता से बाहर (प्रशिक्षण शिविर)	98
27.	प्रशिक्षण से बाहर	04
28.	प्रो कबड्डी लीग, 2019 सीजन 7	23
29.	चयन ट्रायल	06
30.	टीसीएस वर्ल्ड 10 के मराथन, 2019	01
31.	प्रशिक्षण शिविर	12
32.	वर्ड जूनियर चैंपियनशिप	03
	कुल	**627**

5.2 राजस्व सृजन

एनडीटीएल ने 2018–19 में 4.47 करोड़ रु. (01. 04.2019 से 31.12..2019 तक जांच किए गए नमूनों और पार्टी को भेजे गई इन्वाइस के संबंध में) अर्जित किए, जिसमें से 2.96 करोड़ रु. राष्ट्रीय नमूना जांच और 1.51 करोड़ रु. अंतराष्ट्रीय जांच से अर्जित किए गए।

5.3 एनडीटीएल लेखों की आंतरिक लेखा परीक्षा

वर्ष 2018–19 के लिए एनडीटीएल की आंतरिक लेखा–परीक्षा 29–30.07.2019 तक चार्टर्ड अकाउंटेंट फ़र्म द्वारा की गई।

5.4 वित्त समिति की बैठकः एनडीटीएल की वित्त समिति की नौवीं बैठक का आयोजन 13 सितम्बर, 2019 को किया गया। समिति ने वर्ष 2018–19 के लिए वार्षिक लेखा और वित्तीय विवरणों का अनुमोदन किया।

5.5 शासी निकाय और आम सभा बैठक, एनडीटीएल

राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला की 12वीं शासी निकाय और 11वीं आम सभा बैठक माननीय मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय की अध्यक्षता में 21 अक्तूबर, 2019 को एनडीटीएल के कॉन्फ्रेंस हॉल, नई दिल्ली में आयोजित की गई। इस बैठक के कार्यवृत का अनुमोदन और परिचालन एनडीटीएल के शासी निकाय द्वारा किया गया।

5.6 एशियाई क्षेत्र प्रतिष्ठान बोर्ड सदस्य वाडा का चयनः

श्री काजूहीरो हायाशी, निदेशक, एशिया/ओशियाना कार्यालय, वाडा से प्राप्त पत्र द्वारा यह सूचित किया जाता है कि 29 और 30 अप्रैल, 2019 को जद्दाह, साऊदी अरब में आयोजित खेलों में डोप रोधन संबंधी 16वें एशिया/ओशियाना क्षेत्रीय अंतर सरकार मंत्री सम्मेलन में यह सहमति व्यक्त की गई कि वाडा एशिया/ओशियाना कार्यालय सरकारों की ओर से एशियाई क्षेत्र से वाडा प्रतिष्ठान बोर्ड सदस्यों के लिए चयन प्रक्रिया का समन्वय करना जारी रखेगा। इसके अलावा, यह प्रावधान है कि प्रतिष्ठान बोर्ड में एशियाई क्षेत्र के लिए 01 पद 31.12.2019 को समाप्त हो जाएगा। इस समय यह पद कोरिया गणराज्य द्वारा धारित है। उनकी पुनर्नियुक्ति या नए देश की नियुक्ति के संबंध में निर्णय 01.01.2020 से शुरू होने वाले आगामी कार्यकाल की तैयारी में वर्ष के अंत से पहले लिए जाने की आवश्यकता है। यह कार्यकाल 3 वर्ष का है और 31.12.2020 को समाप्त हो जाएगा तथा वाडा संविधान के अनुच्छेद 6 द्वारा पुनः नियुक्ति की भी व्यवस्था है। इसमें पहले उल्लिखित शर्तों के परिणामस्वरूप वाडा द्वारा यह सलाह दी गई है कि भारत सरकार 2020–2022 के लिए एशियाई क्षेत्र वाडा प्रतिष्ठान बोर्ड सदस्य बनने के लिए चयन हेतु किसी अभ्यर्थी का नामांकन करने का पात्र है। इस संदर्भ में भारत सरकार ने 2020–2022 के लिए एशियाई क्षेत्र वाडा प्रतिष्ठान बोर्ड सदस्य बनने के लिए चयन हेतु उम्मीदवार के रूप में श्री किरण रिजिजू माननीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) को मनोनीत किया है।

5.7 एनडीटीएल के स्टाफ द्वारा दिए गए व्याख्यान

डॉ. पी.एल. साहू, वैज्ञानिक निदेशक, एनडीटीएल ने 03 अप्रैल, 2019 को दिल्ली फार्मासियुटीकल साइंसेस एंड रिसर्च यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली में सभी प्रतिभागियों के लिए गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम में व्याख्यान दिया और एनडीटीएल का प्रयोगशाला दौरा आयोजित किया गया।

- डॉ. शोभा आही, गुणवत्ताप्रबंधक, एनडीटीएल को 09 अप्रैल, 2019 को फार्मासियुटीकल साइंसेस एंड रिसर्च यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली में "डोपरोधी विज्ञान में परीक्षण कार्य विधियां" पर वार्ता देने हेतु उपायकुशल व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया।
- पी.एल. साहू, वैज्ञानिक निदेशक, एनडीटीएल, को 11 अप्रैल, 2019 को "डोप नमूनों का विश्लेषणः चुनौतियां और नवाचार" पर वार्ता देने हेतु उपायकुशल व्यक्ति के रूप में दिल्ली फार्मासियुटीकल साइंसेस एंड रिसर्च यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली में आयोजित किया गया।
- डॉ. शोभा आही, गुणवत्ता प्रबंधक, एनडीटीएल को 05–06 अप्रैल, 2019 को निम्नलिखित विषयों पर वार्ता देने हेतु मनीपाल उच्च शिक्षा अकादमी, कर्नाटक में सहायक संकाय के रूप में आमंत्रित किया गयाः
  - ✓ डोपिंग का सिंहावलोकन
  - ✓ निषिद्ध सूची
  - ✓ नशीली दवाओं के विश्लेषण के रूझान
  - ✓ नमूने लेना और प्रत्यायित लैब
- डॉ सचिन दूबे, वैज्ञानिक–सी, एनडीटीएल ने निम्नलिखित विषयों पर व्याख्यान दियाः

  क. मास स्पेक्ट्रोमिट्री एंड इंस्ट्रूमेंटेशन के मूल सिद्धांतः 22 अक्तूबर, 2019 को आयोनाईजेशन तकनीक और वृहत्त विश्लेषक। मास सस्पेक्ट्रोमिट्री के विभिन्न प्रकार और उनके लाभ तथा सीमा।

  ख. 23 अक्तूबर, 2019 को मूत्र और खून से एनडीपीएस सहित दवाएं निकालना तथा एलसी–एमएस/एमएस द्वारा विश्लेषण।

  एनडीटीएल ने दवा और विस्फोटकों के विश्लेषण हेतु एलसी–मास पर तिसरी

कार्यशाला में भाग लिया (21 –25 अक्तूबर, 2019)।

- डॉ. शोभा आही, वैज्ञानिक–सी एवं गुणवत्ता प्रबंधक ने 16 नवंबर, 2019 को 'इंटरनेशनल सोसायटी ऑफ एडिक्सन मेडिसन (आईएसएएन 2019)' की 21वीं वार्षिक बैठक में आमंत्रित वक्ता के रूप में पदार्थ उपयोग परीक्षण प्रयोगशालाओं में गुणवत्ता आश्वासन और गुणवत्ता नियंत्रण पर व्याख्यान दिया। इस सम्मेलन का आयोजन मनोचिकित्सा विभाग एवं राष्ट्रीय औषधी निर्भरता उपचार केंद्र (एनडीडीटीसी), डब्ल्यूएचओ नशीली दवा सेवन सहयोगी केंद्र, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान केंद्र (एम्स) नई दिल्ली द्वारा होटर पुलमेन एंड नोवोटेल नई दिल्ली एरोसिटी द्व ारा किया गया।

बाये से डॉ. पी.एल. साहू, एसडी–एनडीटीएल, श्री आर. एस. जुलानीया, सीईओ–एनडीटीएल और सचिव (खेल) युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, भारत सरकार तथा डॉ. जेवियर डी.ला. टोर्रे, वैज्ञानिक उपनिदेशक, रोम प्रयोगशाला

5.8 एनडीटीएल में विशेषज्ञ के दौरे / आयोजित प्रशिक्षणः

अंतर्राष्ट्रीयः

- वाडा टीडी 2019 के अनुसार आईआरएमएस पद्धति विधिमान्यकरण समीक्षा और अनुपालन हेतु विशेषज्ञ दौराः वाडा टीडी 2019 के अनुसार अनुपालन में आईसोटोप राशन मास स्पेट्रोमेट्री (आईआरएमएस) पद्धति के पुनः विधिमान्यकरण हेतु वाडा के प्रति एनडीटीएल की वचनबद्धता के अनुसरण में वाडा तकनीकी दस्तावेज और नोट के अनुसार पद्धति विधिमान्यकरण के लिए जीसी–सी–आईआरएमएस को सहायता करने हेतु डॉ. जेवियर डी.ला. टोर्रे, वैज्ञानिक उपनिदेशक, रोम प्रयोगशाला की सुविज्ञता आमंत्रित की गई है। डॉ टोर्रे ने निर्धारित अनुसूची (29.07.2019 से 01.08.2019 तक) के अनुसार एनडीटीएल का दौरा किया और उन्होंने आईआरएमएस डाटा की समीक्षा की है तथा आगी की कार्यवाही के लिए अपनी बहुमूल्य सलाह दी है।

- एनडीटीएल में डॉ. कोईन डेवेन्टर, उप निदेशक, बेल्जियम, डोपिंग कंट्रोल का दौरा : कोईन डेवेन्टर, उप निदेशक, बेल्जियम, डोपिंग कंट्रोल को विभिन्न डोपिंग एजेंटों के विश्लेषण के लिए अल्ट्रा परफोर्मेंश लिक्विड क्रोमेटोग्राफी–हाईब्रिड आर्बिट्रैप–हाई रेजुलूशन मास स्पेक्ट्रोमेट्री (यूपीएलसी–क्यू–एक्जेक्टिव आर्बिट्रेप एचआरएमएस पर नई डायल्यूट एंड शूट विधि (सत्यापन) के संबंध में 25.11. 2019 से 29.11.2019 तक एनडीटीएल में आमंत्रित किया गया है। इसके अलावा, डॉ. कोईन की सुविज्ञता का इंसूलिन और अन्य पेपटाइडों की विधि के विकास, संदर्भ मानक स्थिरता के सत्यापन, डोपिंग नियंत्रण में माप अनिश्चितता के पहलुओं के लिए उपयोग किया गया है।

- सुश्री मारिया डी कास्ट्रो, एप्लिकेशन वैज्ञानी, थर्मो फिशर का दौरा : सुश्री मारिया डी

कास्ट्रो, एप्लिकेशन वैज्ञानी, थर्मो फिशर, ब्रेमेन, जर्मनी ने एनडीटीएल में स्थापित थर्मो जीसी/सी/आईआरएमएस के संबंध में विधि ढ़ांचे में एनडीटीएल वैज्ञानिक को पेश आई समस्याओं के समाधान हेतु 11–15 नंबर, 2019 तक एनडीटीएल का दौरा किया।

- वाडा आईएसएल के अनुसार अनुपालन की जांच करने के लिए प्रो. (डॉ.) अल्का बियोत्रा का दौराः प्रो. (डॉ.) अल्का बियोत्रा कतर एनालिटिक्स एंड बायोरिसर्च लैब डायरेक्टर, एंडी डोपिंग लैबोरेट्री, कतर (एडीएलक्यू) ने वाडा साइट स्थल दौरा आकलन सीएआर के अनुपालन / सिफारिश तथा आईएसओ/आईईसी 17025: 2017 की स्थिति की समीक्षा करने के लिए 11–13 दिसंबर, 2019 तक एनडीटीएल का दौरा किया।

राष्ट्रीयः

- प्रो. अनुप नाहा का दौराः फार्मास्यूटिक्स विभाग, मनीपाल उच्च शिक्षा अकादमी, कर्नाटक के प्रो. अनुप नाहा ने 16 अक्तूबर, 2019 को एनडीटीएल का दौरा किया। डॉ शोभा आही, गुणवत्ता प्रबंधक ने इस दौरे का समन्वय किया और डोपिंग विश्लेषण तथा अनुसंधान सहयोग संभावनाओं पर सामान्य विचार–विमर्श किया।

- एनडीटीएल ने श्री सुब्रमण्यिन संकरन द्वारा "माप अनिश्चितता एवं क्वालिटी कंट्रोल चार्ट" पर 2 और 3 अगस्त, 2019 को एनडीटीएल में ही प्रशिक्षण आयोजित किया, जो इस क्षेत्र के विशेषज्ञ हैं और उन्होंने भारत और पड़ोसी देशों में 60 से अधिक एनएबीएल प्रत्यायित प्रयोगशालाओं में प्रशिक्षण आयोजित किया है।

5.9 एक्वीन डोप परीक्षण में उपलब्धियांः

एनडीटीएल एक मात्र ऐसा संगठन है जिसने देश में होर्स डोप परीक्षण के लिए रसायन परीक्षण (औषधी) के क्षेत्र में एनएबीएल द्वारा आईएसओ/आईईसी 17025:2017 प्रत्यायन प्राप्त किया है।

5.9.1 अप्रैल, 2014 में होर्स डोप परीक्षण सुविधा हेतु एनएबीएल प्रत्यायन प्राप्त करने के पश्चात एनडीटीएल ने परीक्षण हेतु देश में सभी रेसिंग क्लबों से 2019 के दौरान नमूने प्राप्त किए हैं जिनका ब्यौरा इस प्रकार हैंः–

क्रं.संख्या	रेसिंग क्लब	01 अप्रैल, 2019 से 31 दिसंबर, 2019 तक परीक्षण किए गए नमूनों की संख्या
1.	हैदराबाद रेस क्लब	13
2.	मैसूर रेस क्लब	60
3.	मद्रास रेस क्लब	151
4.	दिल्ली रेस क्लब	17
5.	श्रीलंकाई डोपिंग रोधी एजेंसी	2
	01 अप्रैल, 2019 से 31 दिसंबर, 2019 तक परीक्षण किए गए नमूनों की कुल संख्या	243

5.9.2 एनडीटीएल में होर्स डोप परीक्षण सुविधा के आधिकारिक रेसिंग कैमिस्ट संघ (एओआरसी) पीटी दौर में सहभागिताः

क्रम संख्या	नमूनो की किस्म	एजेंसी	(दौर/नमूनों की संख्या)	एनडीटीएल की भागीदारी
1	हार्स मूत्र	एओआरसी	01 (06)	01 (06)
2	हार्स रक्त	एओआरसी	01 (03)	01 (03)

नमूनों का परीक्षण कार्य संपन्न किया गया तथा जून, 2019 माह में इसकी रिपोर्ट दी गई। इनके परिणाम एनडीटीएल द्वारा जुलाई, 2019 माह में भेज दिए गए थे। प्रयोगशाला का स्कोर मूत्र कार्यक्रम के लिए 100 प्रतिशत और रक्त के लिए 80 प्रतिशत था।

6. अनुसंधान कार्यकलाप

6.1 आंतरिक अनुसंधान समीक्षा समिति (आईआरआरसी) की पहली बैठकः एनडीटीएल की आईआरआरसी की पहली बैठक आरएंडडी कार्यकलापों के भाग के रूप में प्रस्तुत अनुसंधान प्रस्तावों की उपयुक्तता और प्रगति की समीक्षा करने के लिए एनडीटीएल में सम्मेलन कक्ष, प्रथम तल पर सोमवार, 09 दिसंबर 2019 को अपराह्न 11:30 बजे आयोजित की गई, जो एनडीटीएल (एनडीटीएल–क्यूपी–18) में आरएंडडी कार्यकलापों के संबंध में स्थापित प्रक्रिया का भाग है। पहली बैठक की कार्यसूची इस प्रकार थीः

क. अनवरत अनुसंधान प्रस्तावों की प्रगति की समीक्षा करना, जिन्हें सुधारात्मक कार्रवाई के भाग के रूप में वाडा को प्रस्तुत भी किया गया था।

ख. नई अनुसंधान संभावनाओं का पता लगाना

6.2 प्रकाशनः

1. लिक्विड क्रोमेटोग्राफी मास स्पेक्ट्रोमेट्री (एलसी–एमएस/एमएस) द्वारा मानव मूत्र में इंडोजीनश ग्लूकोकोर्टीसोईड्स की स्त्राव प्रोफाइल। 27–29 दिसंबर, 2019 को जीवा जी विश्वविद्यालय भारत में विश्व विज्ञान और मानव स्वास्थ्य में सफलता पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और सोसायटी ऑफ टेक्सोलॉजी (एसटीओएक्स) की 39वीं वार्षिक बैठक में उपाध्याय ए, दूबे एस., आही एस., ए. बियोत्रा ए., शुल्का एस. ने मौखिक अनुसंधान पेपर प्रस्तुत किए।

2. **पोस्टर प्रस्तुतिः**

मानव मूत्र में मूलवर्धक तत्वों की खोजः नैदानिक अनुप्रयोगों में प्रमुख हाइपरटेंसिव उपाध्याय ए. दूबे एस., आही एस., बियोत्रा ए., साहू पी.एल. ने हाइपरटेंशन सिओल 2019 में 08–09 नवंबर, 2019 को सियोल, कोरिया में पोस्टर प्रस्तुत किया।

चालू पीएचडी परियोजनाएंः

- मानव मूत्र में एनाबोलिक स्टेरॉयड के जैविक और सिंथेटिक मूल का भेदः गैस क्रोमैटोग्राफी मास स्पेक्ट्रोमेट्री और आइसोटोप अनुपात मास स्पेक्ट्रोमेट्री के बीच सहसंबंध।
- जैविक नमूना में पेप्टाइड्स के प्रदर्शन के बढ़ने का पता लगाने और पहचान के लिए विश्लेषणात्मक उपकरणों का विकास।
- क्रोमैटोग्राफिक और मास स्पेक्ट्रोमेट्रिक तकनीक का उपयोग करके मानव और अश्व जीव विज्ञान नमूना में कॉर्टिकोस्टेराइड की जांच के लिए एक विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण।
- सामान्य / असामान्य टेस्टोस्टेरोन / एपिटेस्टोस्टेरोन (टी / ई) अनुपात के साथ स्वैच्छिक उम्मीदवारों में टेस्टोस्टेरोन मेटाबोलाइट के 13 सी / 12 सी के स्टेरॉयड मूल्य और टेस्टोस्टेरोन के टेस्टोस्टेरोन के विभिन्न तैयारी के प्रभाव का अध्ययन करना।
- इस्सो इलेक्ट्रिक फोकसिंग (आईईएफ) पैटर्न और सोडियम डोडेसिल सल्फेट पॉलीक्रिलामाइड जेल इलेक्ट्रो फ़ोकसिंग (एसडीएस– पेज) भारतीय बायोसिमिलर के परिणाम की विशेषता।

एनडीटीएल में शोध प्रशिक्षुः

- परियोजनाप्रशिक्षु सुश्री बी.एम. नेहा ने "एलसी–एमएस/एमएस द्वारा ग्लूकोकोर्टीकोस्टीरोइड की पहचानः भारतीय आबादी में संभावित प्रदर्शन संवर्धक प्रभाव की निगरानी करने का एक प्रयोगिक अध्ययन" विषय पर अपना 6 माह का शोध पूरा किया।

- परियोजनाप्रशिक्षु सुश्री मेगना चौधरी, एम.एससी. छात्र ने "गैस क्रोमेटोग्राफी टेंडम मास स्पेक्ट्रोमेट्री का इस्तेमाल करके जेरानॉल की पुष्टि संबंधी पद्धति विधि मान्यकरण" विषय पर अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- परियोजनाप्रशिक्षु श्री हिमांक गोसैन, एम.एससी. छात्र ने "तरल क्रोमेटोग्राफी टेंडम मास स्पेक्ट्रोमेट्री द्वारा अश्वमूत्र में एफीड्राईन एवं सूडोएफीड्राइन" विषय पर अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- परियोजनाप्रशिक्षु सुश्री दीपिका, एम.एससी छात्र ने "मानव मूत्र में बूप्रेनोरफाईन और इसके मेटोबोलाइट नोर–बूप्रेनोरफाईन की पहचान हेतु एक विश्लेषणात्मयक पद्धति का विकास और विधिमान्यकरण" विषय पर अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- परियोजनाप्रशिक्षु सुश्री मीनाक्षी, एम.एससी. छात्र ने "मानव मूत्र में ऑक्सीलोफ्रीन और सूडो–ऑक्सीलोफ्रीन की पहचान हेतु एक विश्लेषणात्मयक पद्धति का विकास और विधिमान्यकरण" विषय पर अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- परियोजनाप्रशिक्षु मो. हसन मुजाहिद, एम.एससी. छात्र ने "एनडीटीएल में गैर–सीमा पदार्थों की प्रमाणित संदर्भ सामग्रियों का स्थिरता सत्यापन और पुनर्परीक्षण" विषय पर अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

7. शिक्षा कार्यक्रम

7.1 सम्मेलन/सेमीनार/कार्यशाला (अंतर्राष्ट्रीय):

- डॉ. सचिन दूबे, वैज्ञानिक–सी, एनडीटीएल ने जापान डोप रोधी एजेंसी (जाडा) द्वारा 24–26 सितंबर, 2019 के बीच एशिया और ओशियाना में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय डोप रोधी सेमीनार में भाग लिया। इस अंतर्राष्ट्रीय सेमीनार की मेजबानी जापान सरकार की टोक्यो 2020 विरासत परियोजना, 'भविष्य के लिए खेल' (एसएफटी) के भाग के रूप में विश्व डोप रोधी एजेंसी (वाडा) और जापान खेल एजेंसी द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।
- खेलों में डोपिंग पर विश्व सम्मेलन: श्री राधे श्याम जुलानिया, सीईओ, एनडीटीएल और सचिव (खेल) तथा डॉ. पी.एल. साहू, वैज्ञानिक निदेशक, एनडीटीएल ने वाडा द्वारा 05–07 नवंबर, 2019 को कैटोविस, पौलैंड में आयोजित खेलों में डोपिंग पर विश्व सम्मेलन पर भाग लिया। इस सम्मेलन में मुख्य रूप से वैश्विक डोप रोधी कार्यक्रम के अंतर्राष्ट्रीय मानकों पर फोकस किया गया।

7.2 सम्मेलन/सेमीनार/कार्यशाला (राष्ट्रीय):

क) प्रशिक्षणों में भाग लिया:

- डॉ. शोभा आही, गुणवत्ताप्रबंधक, एनडीटीएल ने राष्ट्रीय प्रशिक्षण मानकीकरण संस्थान (एनआईटीएस) नोएडा, उत्तर प्रदेश, भारत में 29 और 30 अप्रैल, 2019 को आयोजित "आईएस/आईएसओ/आईईएस/ 17025 : 2017 में परिवर्तन" पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

ख) सम्मेलन/सेमीनार/कार्यशालाओं में भाग लिया:

- डॉ. शोभा आही, वैज्ञानिक–सी और गुणवत्ता प्रबंधक, एनडीटीएल और वंदना आरए–प्रभारी एवं उप गुणवत्ता प्रबंधक ने राष्ट्रीय परीक्षण प्रत्यायन बोर्ड एवं माप प्रयोगशाला (एनएबीएल) द्वारा इंडिया हेबीटेट सेंटर, नई दिल्ली में 09 जून, 2019 को विश्व प्रत्यायन दिवस पर सम्मेलन में भाग लिया।
- डॉ, सचिन दूबे, वैज्ञानिक–सी, एनडीटीएल ने 01 अगस्त, 2019 को एफएसएल दिल्ली में जीसी–एमएस,जीसी–एमएस/एमएस और जीसी–एचएस–एमएस की खरीद हेतु बाह्य विशेषज्ञ के रूप में तकनीकी समिति की बैठक में भाग लिया।

- एशिया में डोप रोधन पर क्षेत्रीय संगोष्ठीः वैज्ञानिक निदेशक, एनडीटीएल ने प्रयोगशाला के वरिष्ठ वैज्ञानिक के साथ स्वच्छ खेलों के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए राष्ट्रीय डोप रोधी एजेंसी–भारत द्वारा 22 और 23 अक्तूबर, 2019 को प्रभावी परीक्षण और डोप रोधी शिक्षा कार्यक्रम के कार्यान्वयन पर एशिया में डोप रोधन संबंधी क्षेत्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

8. भावीयोजनाः

निम्नलिखित पर ध्यान देने की आवश्यकता हैः

i) अनुसंधान विंग का विस्तार।

ii) 26 नव सृजित पदों को भरना।

*****

अध्याय – 21

2019–20 के दौरान भारतीय खिलाड़ियों द्वारा प्रमुख उपलब्धियां

आईएसएसएफ विश्व कप 2019 डॉ, करणी सिंह शूटिंग रेंज नई दिल्ली में 20 से 28 फरवरी 2019 तक आयोजित आएसएसएफ विश्व कप राइफल/पिस्टल में 60 देशों के 500 निशानेबाजों ने भाग लिया। भारत हंगरी के साथ संयुक्त रूप से प्रथम स्थान पर रहा और इसने 3 स्वर्ण पदक जीते तथा इस टूर्नामेंट से दो ओलंपिक बर्थ हासिल की।

विशेष ओलंपिक, 2019 : यह आयोजन 14–21 मार्च, 2019 के दौरान अबू धाबी (यूएई) में आयोजित किया गया, जिसमें 284 भारतीय एथलीटों ने भाग लिया। भारतीय खिलाड़ियों ने 85 स्वर्ण, 154 रजत और 129 कांस्य पदकों सहित 368 पदक जीते। भारत अंतर्राष्ट्रीय पदक तालिका में तीसरे स्थान पर रहा।

आईएसएसएफ विश्व कप (राइफल / पिस्टल) 2019: जियान (चीन) में आयोजित आईएसएसएफ विश्व कप (राइफल / पिस्टल) में भारत ने हंगरी के साथ संयुक्त रूप से प्रथम स्थान प्राप्त किया और इसने 03 स्वर्ण और 01 रजत पदक जीते।

एशियन एथलेटिक्स चैम्पियनशिप 2019 : दोहा (कतर) में आयोजित इस खेल आयोजन में भारत 3 स्वर्ण, 7 रजत पदक और 7 कांस्य पदकों के साथ चौथे स्थान पर रहा।

एशियन मुक्केबाजी चैंपियनशिप, 2019 : अप्रैल 2019 में बैंकॉक (थाईलैंड) में आयोजित इस चैंपियनशिप में भारत ने 2 स्वर्ण पदक जीते।

तीरंदाजी विश्व चैम्पियनशिप, 2019 : 10 से 16 जून, 2019तक हर्टोजेनबोश, नीदरलैंड में आयोजित तीरंदाजी विश्व चैम्पियनशिप में भारत ने एक रजत और दो कांस्य पदक जीते, जो किसी तीरंदाजी विश्व चैम्पियनशिप में भारत के अब तक के सबसे ज्यादा पदक हैं। इस प्रदर्शन से, भारत ने टोक्यो ओलंपिक 2020 में तीरंदाजी के लिए कोटा भी प्राप्त किया।

राष्ट्रमंडल भारोत्तोलन चैंपियनशिप, 2019 : भारत 9–14 जुलाई, 2019 तक एपिया, समोआ में आयोजित राष्ट्रमंडल भारोत्तोलन चैंपियनशिप में 32 अलग–अलग एथलीटों (15 पुरूष और 17 महिला) के साथ जूनियर और सीनियर, दोनों आयु समूहों में 35 पदक (22 स्वर्ण, 10 रजत और 3 कांस्य) जीतकर पदक तालिका में शीर्ष स्थान पर रहा। यह इस टूर्नामेंट में भारत का यह अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

बैडमिंटन विश्व चैंपियनशिप, 2019 : 19 से 25 अगस्त, 2019 तक बेसिल, स्विटजरलैंड में सेंट जैकबसाले में आयोजित बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप 2019 में पी.वी. सिंधु ने स्वर्ण पदक जीता। वह इस खेल आयोजन में स्वर्ण पदक जीतने वाली अब तक की पहली भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी बनी।

विश्व कश्ती चैंपियनशिप, 2019: 14 से 22 सितंबर 2019 तक नूर–सुल्तान, कजाकिस्तान में आयोजित हाल में संपन्न हुई विश्व कुश्ती चैंपियनशिप, 2019 में भारतीय पहलवानों के सशक्त प्रदर्शन (एक रजत और 4 कांस्य पदक) से भारत ने टोक्यो ओलंपिक 2020 के लिए कुश्ती में चार कोटे अपने नाम किए।

विश्व पारा एथलेटिक्स चैंपियनशिप, 2019 : 7 से 15 नवंबर, 2019 तक दुबई में हाल में संपन्न हुई विश्व पारा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2019 में 09 पदकों (02 स्वर्ण, 02 रजत और 05 कांस्य पदक) के भारतीय पारा एथलीटों के सशक्त प्रदर्शन से भारत ने टोक्यो पारा ओलंपिक खेल 2020 के लिए पारा एथलेटिक्स में 13 कोटा हासिल किए।

विश्व पारा निशानेबाजी चैंपियनशिप 2019 : भारत ने 12 से 18 अक्टूबर, 2019 तक हाल में सिडनी में संपन्न हुई विश्व पारा निशानेबाजी चैंपियनशिप में भारतीय पारा निशानेबाजों के सशक्त प्रदर्शन (3 कास्य पदक) से टोक्यो पारालिंपिक खेल 2020 के लिए भारत ने पारा निशानेबाजी में 2 कोटे हासिल किए।

दक्षिण एशियाई खेल, 2019 : 1 से 10 दिसंबर, 2019 तक 13वें दक्षिण एशियाई खेल 2019 की मेजबानी नेपाल द्वारा की गई और ये खेल काठमांडू और पोखरा में खेले गए जिसमें भारत 7 सहभागी राष्ट्रों में एक था। भारत ने 174 स्वर्ण, 93 रजत और 45 कांस्य पदकों के साथ 312 पदक जीतकर प्रथम स्थान हासिल किया।

21वीं राष्ट्रमंडल टेबल टेनिस चैम्पियनशिपः भारत ने जुलाई, 2019 में कटक (भारत) में आयोजित 21वीं राष्ट्रमंडल टेबल टेनिस चैंपियनशिप में सभी स्वर्ण पदक (सात) जीते।

व्यक्तिगत खेल स्पर्धाओं में हेमा दास ने जुलाई, 2019 में आयोजित विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय एथलेटिक्स खेल आयोजनों में 20 दिनों की अवधि के भीतर पांच स्वर्ण पदक जीते। यह प्रदर्शन 200 मीटर और 400 मीटर दौड़ में उनका अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

दुती चंद जुलाई, 2019 में आयोजित100 मीटर स्प्रिंट स्पर्धा में विश्व यूनिवर्सीएड में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला एथलीट बनीं।

*****

अध्याय – 22

2019–20 के दौरान खेल विभाग की उपलब्धियां और पहल – एक नजर में

1. **फिट इंडिया अभियान:** खेल विभाग द्वारा फिट इंडिया अभियान को राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर 29 अगस्त 2019 से प्रारंभ अभियान अवधि के दौरान आयोजित स्वस्थता समारोह/कार्यकलापों में अपना नाम दर्ज करवाने और उसमें भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करके भारतीयों को स्वस्थता को अपने दैनिक जीवन का अभिन्न भाग बनाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर शुरू किया गया, और यह अभियान 29 अगस्त, 2023 को समाप्त होगा।

   फिट इंडिया अभियान में सभी भारतीयों को शामिल किया जाएगा चाहे वे किसी भी लिंग, आयु, व्यवसाय के हों, उनका आवास कहीं भी हो, उनकी सामाजिक / वित्तीय स्थिति आदि जो भी हो और चाहे वे भारत में रहते हो या विदेश में और इस अभियान में स्वस्थता और स्वस्थ रहन–सहन पर प्रभाव डालने वाले सभी पहलुओं अर्थात शारीरिक स्वस्थता , मानसिक स्वस्थता, स्वस्थ जीवन शैली,खान–पान की स्वस्थ आदतें, स्वस्थ और संतुलित आहार, निवारक स्वास्थ्य देखरेख, सतत और पर्यावरण हितैषी रहन–सहन आदि शामिल होंगे।

   फिट इंडिया अभियान के तहत कार्यकलाप:

   - महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती के अवसर पर अर्थात 2 अक्टूबर, 2019 को, फिट इंडिया अभियान के तहत पूरे देश में 1500 से अधिक फिट इंडिया प्लॉग दौड़ आयोजित की गई।
   - मानव संसाधन विकास मंत्रालय, स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग के समन्वय से फिट इंडिया स्कूल सप्ताह और फिट इंडिया प्रमाण–पत्र प्रणाली शुरू की गई।

   11 अक्टूबर, 2019 को राष्ट्रीय खेल परिसंघों की बैठक के दौरान खेल विभाग ने सरकार के स्वामित्व वाले सभी खेल केंद्रों में निःशुल्क खेल आयोजन की अनुमति देने का निर्णय किया ताकि फिट इंडिया अभियान को और आगे बढ़ाया जा सके और 1 नवंबर 2019 से पूरे देश में खेल के मैदानों और खेल के बुनियादी ढ़ांचे को खिलाड़ियों के लिए बिना किसी शुल्क के सुलभ कराया जा सके। खेल केंद्र गैर–सरकारी कोच प्रशिक्षण एथलीटों को भी निःशुल्क सुलभ होंगे।

2. **राष्ट्रीय खेल पुरस्कार 2019 :** भारत के राष्ट्रपति ने 29 अगस्त, 2019 को राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में राष्ट्रीय खेल पुरस्कार 2019 दिए। इस वर्ष, राष्ट्रीय खेल पुरस्कारों के लिए विभिन्न श्रेणियों में 32 खिलाड़ियों और 5 निकायों को चुना गया। मौलाना अबूल कलाम आजाद (माका) ट्रॉफी 2019 पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ को दी गई।

3. **खेलों में डोपिंग की रोकथाम' पर राष्ट्रीय सम्मेलन:** फिजिकल एजुकेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया द्वार राष्ट्रीय डोप रोधी एजेंसी (नाडा) के सहयोग से 30–31 जनवरी, 2019 को नई दिल्ली में डोपरोधन पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया। केंद्रीय खेल मंत्री; केंद्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री; श्री अश्वनी कुमार चौबे; श्री मनोज तिवारी, संसद सदस्य; श्रीमती मैरी कॉम, संसद सदस्य; महानिदेशक, नाडा सहित विभिन्न वक्ताओं ने

खेलों में डोपिंग को रोकने के तौर–तरीकों की बहुमूल्य जानकारियों दीं। 31 जनवरी, 2019 को दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन सत्र को संबोधित करते हुए, केंद्रीय खेल मंत्री ने एथलीटों को डोपिंग के नकारात्मक पक्ष के बारे में चेताया और उन्हें जीवन में चुनौतियों का सामना करने के लिए जोश और समर्पण से कठिन परिश्रम करने के लिए कहा। इस सम्मेलन में पूरे देश से विश्वविद्यालय और कॉलेज कोच तथा खेल प्रेमियों ने भाग लिया।

4. **डिजिटल इंडिया पुरस्कार– 2018 के तहत मंत्रालय की वेबसाइट को वेब रत्नः** युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय की वेबसाइट को डिजिटल इंडिया पुरस्कार–2018 के तहत वेब रत्न (रजत) पुरस्कार दिया गया। ये पुरस्कार मंत्रालय द्व ारा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा वर्ल्ड वाइड वेब के माध्यम का उपयोग करके ई–शासन में की गई अनुकरणीय पहलों के सम्मान में दिए जाते हैं।वेब रत्न ट्रॉफी और प्रमाण–पत्र इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री द्वारा 22 फरवरी, 2019 को इंडिया हेबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित एक समारोह में मंत्रालय के प्रतिनिधियों को दिए गए।

5. **लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान (एलएनआईपीई):** शरीर विज्ञान विभाग द्वारा 25 और 26 फरवरी, 2019 को एलएनआईपीई शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया था। 16–17 फरवरी, 2019 को खेल मनोविज्ञान और योगिक विज्ञान, नागपुर के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में शारीरिक शिक्षा और खेल मनोविज्ञान के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रो डी.के. दुरेहा, कुलपति, एलएनआईपीई को लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

6. **चालू वित्त वर्ष के लिए ऑनलाइन प्लेटफार्म पर प्रशिक्षण और प्रतियोगिताओं का वार्षिक कैलेंडर (एसीटीसी)** तैयार किया गया है, जिसके अनुसार, राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न खेल विधाओं के संबंध में जूनियर और सीनियर, दोनों टीमों के लिए प्रशिक्षण शिविरों तथा प्रतियोगिता अनुसूची निर्धारित की जाती है। अनुमोदित एसीटीसी कैलेंडर और बजट को भारतीय खेल प्राधिकरण की वेबसाइट पर लिंक के साथ सार्वजनिक रुप से उपलब्ध कराया गया है।

7. **आहार और सहायक खाद्य पदार्थों के प्रभारों का युक्तिकरणः** सभी एथलीटों चाहे वे सीनियर, जूनियर या सब–जूनियर हो, को आहार, सहायक खाद्य पदार्थों के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने का निर्णय लिया गया है। इससे पहले सीनियर, जूनियर एथलीटों और एसएआई प्रशिक्षणार्थियों की आहार सहायता अलग–अलग थी जिसे प्रशिक्षणार्थियों के सभी स्तरों पर एक समानता सुनिश्चित करने के लिए समाप्त कर दिया गया है।

8. युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय द्वारा देश में खेलों के संवर्धन और विकास के लिए केंद्र तथा राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों, दोनों द्वारा पूरी तरह समन्वित तरीके से संयुक्त प्रयास करने के उद्देश्य से 15 नवंबर, 2019 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में राज्यों के युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रियों तथा सचिवों का सम्मेलन आयोजित किया गया।

*****

मसौदा संगठनात्मक फ्लो चार्ट

अनुबंध- I

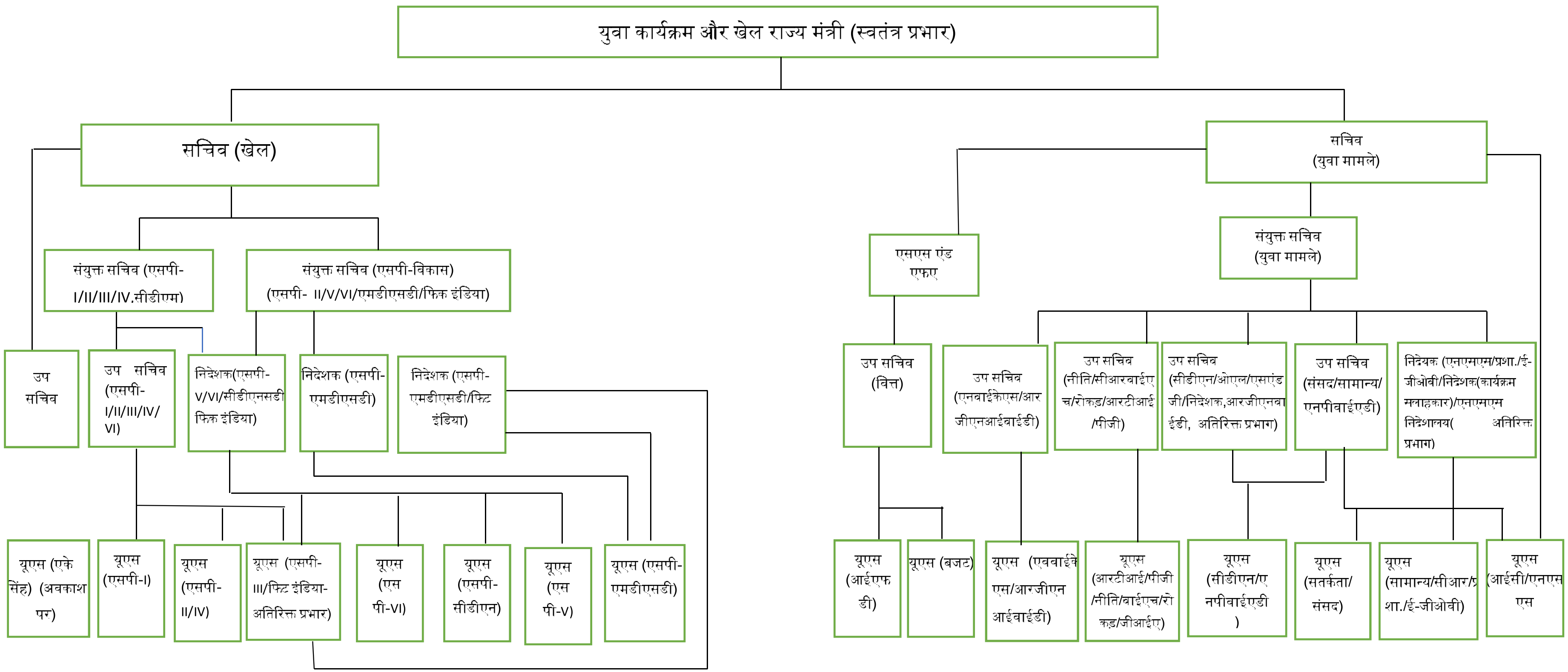

31.12.2019 की स्थिति के अनुसार।

संकेताक्षर

एएस एंड एफए	:	अपर सचिव और वित्तीय सलाहकार
जे.एस.	:	संयुक्त सचिव
सीसीए	:	मुख्य लेखा नियंत्रक
डीएस	:	उप सचिव
डीसीए	:	उप मुख्य लेखा नियंत्रक
यूएस	:	अवर सचिव
वाईए	:	युवा कार्यक्रम
डीडी	:	उप निदेशक
आईसी	:	अंतर्राष्ट्रीय सहयोग
ओएल	:	राजभाषा
एनपीवायएडी	:	राष्ट्रीय युवा और किशोर विकास कार्यक्रम
एनएसएस	:	राष्ट्रीय सेवा योजना
एसपी	:	खेल
एडीएमएन.	:	प्रशासन
वीआईजी	:	सतर्कता
पार्लिया.	:	संसद
एसएआई	:	भारतीय खेल प्राधिकरण
एनवाईकेएस	:	नेहरू युवा केन्द्र संगठन
आरजीकेए	:	राजीव गांधी खेल अभियान
जीईएन .	:	सामान्य
पीओएल.	:	नीति
पीयूबी.	:	प्रकाशन
वाईएच	:	युवा छात्रावास
आरजीएनआईवाईडी	:	राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान
सीडीएन	:	समन्वय
एडी	:	सहायक निदेशक
सीआर	:	केंद्रीय रजिस्ट्री

अनुबंध–II

वित्तीय परिव्यय 2020–21

बजट प्राक्कलन 2019.20 और संशोधित प्राक्कलन 2019–20 तथा बजट प्राक्कलन 2020–.21 के लिए वित्तीय परिव्यय नीचे तालिका में दिया गया है

(रु. करोड़ में)

वित्तीय परिव्यय 2020–21 बजट प्राक्कलन 2019–20 और संशोधित प्राक्कलन 2019–20 तथा बजट प्राक्कलन 2020–21 दर्शाने वाला विवरण				
क्रम सं.	**स्कीम का नाम**	**बजट प्राक्कलन 2019–20/**	**संशोधित प्राक्कलन 2019–20/**	**बजट प्राक्कलन 2020–21/**
युवा कार्यक्रम विभाग				
1	**2**	**3**	**4**	**5**
क.	**सचिवालय–सामाजिक सेवा**	**32.00**	**32.00**	**33.00**
ख.	**राष्ट्रीय युवा सशक्तिकरण कार्यक्रम**			
1.	नेहरू युवा केंद्र संगठन	256.92	363.18	300.00
2.	राष्ट्रीय युवा कोर	80.00	75.00	90.00
3.	युवा नेता कार्यक्रम	12.00	27.95	22.00
4.	राष्ट्रीय युवा एवं किशोर विकास कार्यक्रम	21.00	21.00	23.00
5.	अंतर्रा ट्रीय सहयोग	21.00	21.00	30.00
6.	युवा छात्रावास	2.50	22.50	20.00
7.	स्काउटिंग और गाइडिंग	1.50	1.50	1.50
	कुल(ख) आरवाईएसके	**394-92**	**532.13**	**486.50**
ग.	**राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस)**	**160-00**	**166.55**	**172.00**
घ.	**राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान (आरजीएनआईवाईडी)**	**30-00**	**46.24**	**35.00**
	सकल योग (क+ख+ग+घ)	**616.92**	**776.92**	**726.50**

@- पूर्वोत्तर क्षेत्र सहित

वित्तीय परिव्यय 2020–21

बजट प्राक्कलन 2019.20 और संशोधित प्राक्कलन 2019–20 तथा बजट प्राक्कलन 2020–.21 के लिए वित्तीय परिव्यय नीचे तालिका में दिया गया है

वित्तीय परिव्यय 2020–21 बजट प्राक्कलन 2019–20 और संशोधित प्राक्कलन 2019–20 तथा बजट प्राक्कलन 2020–21दर्शाने वाला विवरण				
क्रम सं.	**स्कीम का नाम**	**बजट प्राक्कलन 2019–20 /**	**संशोधित प्राक्कलन 2019–20 /**	**बजट प्राक्कलन 2020–21 /**
	खेल विभाग			(रु. करोड़ में)
1	2	3	4	5
ड.	**खेल संस्थानों में विकास**			
1.	भारतीय खेल प्राधिकरण	450.00	615.00	500.00
2.	लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा विश्वविद्यालय	50.00	50.00	55.00
3.	राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला	7.50	4.50	2.50
4.	राष्ट्रीय डोपरोधी एजेंसी	8.50	8.50	12.50
5.	राष्ट्रीय खेल विज्ञान एवं अनुसंधान केंद्र (एनसीएसएसआर)	25.00	45.00	75.00
6.	राष्ट्रीय खेल कौचिंग केंद्र	5.00	5.00	5.00
7.	पूर्वोत्तर में खेल विश्वविद्यालय	40.00	50.00	60.00
8.	विश्व डोप रोधी एजेंसी	1.00	1.00	2.00
	कुल (ड.)	**587.00**	**779.00**	**712.00**
च.	**खिलाड़ियों को प्रोत्साहन और पुरस्कार**			
1.	पुरस्कार	52.00	64.00	40.00
2.	मेधावी खिलाड़ियों को पेंशन	37.00	47.00	30.00
3.	राष्ट्रीय खेल परिसंघों को सहायता	245.00	300.85	245.00
4.	खेलों में मानव संसाधन विभाग	5.00	5.00	5.00
5.	राष्ट्रीय खेल विकास कोष	70.00	77.15	50.00
6.	राष्ट्रीय खिलाड़ी कल्याण कोष	2.00	2.00	2.00
	कुल (च)	**411.00**	**496.00**	**372.00**
छ.	**खेलो इंडियाः राष्ट्रीय खेल विकास कार्यक्रम**			
1.	खेलो अइंडिया	500.00	578.00	890.42
2.	एसएआई के स्टेडियमों का नवीकरण–सीडब्ल्यूजी2010	70.00	96.00	75.00
3.	जम्मू और कश्मीर में खेल सुविधा का संवर्धन	30.00	50.00	50.00

4.	हिमालयीय क्षेत्र खेल महोत्सव स्कीम	1.00	0.00	0.00
5.	सेमीनार, समिति की बैठकों आदि पर व्यय	1.00	1.00	1.00
	कुल (छ)	**602.00**	**725.00**	**1016.42**
	सकल योग (ङ+च+छ)	**1600.00**	**2000.00**	**2100.42**

@ - पूर्वोत्तर क्षेत्र सहित

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय से संबंधित नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के लंबित पैराओं तथा उनकी वर्तमान स्थिति का ब्यौरा दर्शाने वाला विवरण (31.12.2019 की स्थिति के अनुसार)

क्रम सं.	**रिपोर्ट संख्या और वर्ष**	**पैरा संख्या या अध्याय संख्या**	**टिप्पणियों का संक्षिप्त विषय या सार**	**की गई कार्रवाई नोटों की वर्तमान स्थिति**
युवा कार्यक्रम विभाग				
1.	2017 की रिपोर्ट सं. 12	अध्याय XXIII पैरा 23.1	नेहरू युवा केंद्र संगठन में वित्तीय प्रबंधन	19.12.2018 को पोर्टल के माध्यम से लेखा परीक्षा को की गई कार्रवाई नोट प्रस्तुत किया गया। लेखा परीक्षा ने 23.01.2019 के अपने पत्र द्वारा संशोधित की गई कार्रवाई नोट प्रस्तुत करने का निदेश दिया है। संशोधित की गई कार्रवाई नोट को 08.08. 2019 को अपलोड किया गया। लेखा परीक्षा ने 06.09.2019 के पत्र द्वारा सभी संगत दस्तावेजों के साथ अपलोड करने का निदेश दिया। आगे की कार्रवाई की जा रही है।
खेल विभाग				
1.	2013 की रिपोर्ट संख्या 19	पैरा 16.1	अनुदानों की अप्रभावी निगरानी मंत्रालय राष्ट्र मंडल खेल 2010 से संबंधित अनुदान जारी करने की प्रभावी निगरानी करने में असफल रहा। इसके परिणामस्वरूप 191.86 करोड़ रु. की निधियां 17 से 26 माह तक एसएआई के पास पड़ी रही। इससे अनुदान के उपयोग को ाासित करने वाली स्वीकृतियों के प्रावधानों का उल्लंघन हुआ। इसके अलावा, मंत्रालय एसएआई को आगे अनुदान जारी करने से पहले 22.12 करोड़ रु. की खर्च नहीं किए गए अनुदान पर अर्जित ब्याज को हिसाब में लेने में असफल रहा।	युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय ने राष्ट्र मंडल खेल 2010 से संबंधित खेल ढ़ांचे के नवीकरण/उनन्नयन और राष्ट्रमंडल खेल 2010 के लिए भारतीय टीमों की तैयारी की स्कीम के तहत भारतीय टीम तैयार करने के लिए भारतीय खेल प्राधिकरण को क्रमशः 2604.84 करोड़ रु. और 248.77 करोड़ रु. की निधियां जारी की थीं। इसमें से एसएआई ने मंत्रालय को 1.37 करोड़ रु. की अप्रयुक्त राशि लौटाई है और मंत्रालय द्वारा जारी निधियों पर एसएआई को अर्जित ब्याज विनियमित करने का अनुरोध किया गया। वित्त मंत्रालय से अर्जित ब्याज विनियमित करने के अनुरोध पर विचार करने का अनुरोध किया गया क्योंकि एसएआई ने सदाशयपूर्ण कार्य के लिए निधि का उपयोग किया है। साथ ही 29 जून, 2017 को आयोजित बैठक के दौरान लोक–लेखा समिति द्वारा लेखा परीक्षाओं की जांच की गई और यथा वांछित प्रश्नावली उत्तर दिनांक 15.12.2017 के पत्र द्वारा लोक–लेखा समिति को प्रस्तुत कर दिया गया है। ब्याज को विनियमित करने का मामला वित्त मंत्रालय के विचाराधीन है। संशोधित की गई कार्रवाई नोट को 13.12.2019 को अपलोड किया गया है। लेखा परीक्षा ने इसे 17.12.2019 को लौटा दिया। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

क्रम सं.	रिपोर्ट संख्या और वर्ष	पैरा संख्या या अध्याय संख्या	टिप्पणियों का संक्षिप्त विषय या सार	की गई कार्रवाई नोटों की वर्तमान स्थिति
2.	2014 की रिपोर्ट सं. 25	पैरा 20.1	चिकित्सा बिलों का धोखाधड़ीपूर्ण आहरण एसएआई के कनिष्ठ लेखा अधिकारी को भुगतान के लिए बिलों की जांच करने और उनका सत्यापन करने का कार्य सौंपा गया था परंतु उसने अपने पद का लाभ उठाते हुए स्वयं केलिए 11.10 लाख रु. के जाली चिकित्सा बिल पास कर दिये।	कनिष्ठ लेखा अधिकारी श्री अंजन बोर्थाकुर की सेवाओं को 21.07.2014 से एसएआई से समाप्त कर दिया गया है। साथ ही एसएआई को आवश्यक कार्रवाई करने के लिए कहा गया है और उसने श्री अंजन से 11,61,215/– रु. की राशि वसूल करने के लिए उनके विरूद्ध मुकदमा दायर किया है। चूंकि यह मामला न्यायाधीन है, अतः इस मामले में अभी तक कोई वसूली नहीं की गई है। की गई कार्रवाई नोट 23.08.2016 को अपलोड कर दिया गया।लेखा परीक्षा द्वारा पुनरीक्षा करने के बाद 23.08.2016 को इसे अग्रेषित कर दिया गया जिसमें की गई कार्रवाई नोट के अंत में लेखा परीक्षा की टिप्पणियों को शामिल करते हुए की गई कार्रवाई नोट को अंतिम रूप देने के लिए कहा गया।
3.	2015 की रिपोर्ट सं. 18	पैरा 14.1	भारतीय खेल प्राधिकरण– व्यय को बेकार रखना सुरक्षा मुद्दों पर उचित ध्यान दिए बिना खेल ढ़ांचे के निर्माण से 14.15 करोड़ रु. का ढ़ांचा और 1.28 करोड़ रु. का अनुपयोगी व्यय बेकार बड़ा रहा। इसके अलावा, जनजातीय युवाओं को खेल प्रशिक्षण देने का उद्देश्य पूरा नहीं हुआ।	हजारी बाग में एसएआई प्रशिक्षण केंद्र को दुरस्थ और उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में प्रतिभाओं को निखारने के उद्देश्य से स्थापित किया गया था क्योंकि शांति और विकास का संवध्र्न करने के लिए खेल एक सशक्त माध्यम है। परंतु केंद्र सुरक्षा चिंताओं के कारण उस तरह कार्य नहीं कर सका जैसे कल्पना की गई थी। एसएआई बाल खेल कंपनी स्कीम के तहत पद्म कॉम्पलेक्स हजारी बाग, में खेल के बुनियादी ढ़ांचे को चलाने के लिए केंद्रीय पुलिस संगठनों को बार–बार कहता रहा है, जिसे भारतीय सेना के सहयोग से चला या जा रहा है। पुनरूद्धार कार्यों, जिनमें प्रशासनिक भवन, लड़के और लड़कियों के लिए छात्रावास, 400 मीटर का एथलेटिक ट्रेक, फुटबाल मैदान, तीरंदाजी मैदान, वॉलीबाल कोर्ट, हॉकी मैदान, कोचों और स्टाफ के लिए क्वाटर तथा चारदीवारी शामिल हैं, का पहला चरण शीघ्र ही पूरा होगा और बहुद्देश्य हॉल का पुनरूद्धार दूसरे चरण में शुरू किया जाएगा। लोक लेखा समिति की 26 जून, 2017 को आयोजित बैठक में लेखा परीक्षा पैरा पर विचार–विमर्श किया गया और प्राप्त प्रश्नावली के संबंध में टिप्पणियां भारतीय खेल प्राधिकरण से टिप्पणियां प्राप्त होने के बाद प्रस्तुत की जाएंगी। संशोधित की गई कार्रवाई नोट को 13.12.2019 को अपलोड किया गया है। लेखा परीक्षा ने इसे 17.12.2019 को लौटा दिया। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

क्रम सं.	रिपोर्ट संख्या और वर्ष	पैरा संख्या या अध्याय संख्या	टिप्पणियों का संक्षिप्त विषय या सार	की गई कार्रवाई नोटों की वर्तमान स्थिति
4.	2015 की रिपोर्ट सं. 18	पैरा 14.2	भारतीय खेल प्राधिकरण–अनुपयोगी व्यय एसएआई द्वारा लक्षित केंद्र के उयपोग की व्यवहार्यता का पता लगाए बिना नॉर्थ–इस्टर्नहिल युनिवर्सीटी, शिलांग में एसट्रोटर्फ हॉकी मैदान बनाने के अनुमोदन से कार्य को रद्द करना पड़ा परिणामस्वरूप, उस स्थल पर किया गया 82 लाख रु. का व्यय बेकार चला गया।	नॉर्थ–इस्टर्न हिल युनिवर्सीटी, शिलांग में हॉकी टर्फ बिछाने की योजना स्थानीय लोगों को हॉकी खेलने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से की गई थी, चूंकि यह भारत में सबसे लोकप्रिय खेल है। हॉकी के लिए सिंथेटिक टर्फ और खेल मैदान तैयार करने का कार्य वित्तीय बाधाओं के कारण अक्तूबर, 2012 में रोक दिया गया। कार्य रोके जाने से पहले 82 लाख रु. का व्यय किया जा चुका था। तैयार आधार को फुटबाल टर्फ तैयार करने के लिए इस्तेमाल किया जाएगा और इसे 05. 09.2017 को एसएआई की 79वीं वित्त समिति में अनुमोदित कर दिया गया है। इस कार्य के 06 माह में पूरा किए जाने की आशा थी। साथ ही, 29 जून, 2017 को आयोजित बैठक के दौरान लोक–लेखा समिति द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर 07.09.2017 के पत्र द्वारा प्रस्तुत किए जा चुकेंहैं। संशोधित की गई कार्रवाई नोट को 13.12.2019 को अपलोड किया गया है। लेखा परीक्षा ने इसे 17.12.2019 को लौटा दिया। आगे की कार्रवाई की जा रही है।
5.	2016 की रिपोर्ट सं. 11	पैरा सं. 21.1	लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान (एलएनआईपीई), ग्वालियर एलएनआईपीई, ग्वालियर ने भारतीय खेल प्राधिकरण/राज्य खेल प्राधिकरण के माध्यम से सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक सामग्री आयात करने की मंत्रालय की सलाह का पालन नहीं किया जिससे ब्याज, डेमरेज और अन्य प्रभारों सहित 1.06 करोड़ रु. के सीमा शुल्क का परिहार्य भुगतान हुआ।	एलएनआईपीई द्वारा लेखा–परीक्षा को 22.03. 2017 को पैरा का उत्तर प्रस्तुत किया गया। लेखा–परीक्षा से प्रतिक्रिया की प्रतीक्षा है। तथापि, यह पैरा जांच के लिए लोक लेखा समिति द्वारा चुना गया है। संशोधित की गई कार्रवाई नोट 25.10.2018 को अपलोड कर दिया गया। लेखा परीक्षा ने इसे 26.10.2018 को लौटा दिया। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

देश में युवा छात्रावासों का राज्य /संघ राज्य क्षेत्र–वार ब्यौरा इस प्रकार है:

क्रम. सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र का नाम	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र में युवा छात्रावासों की संख्या	युवा छात्रावासों का स्थान
1	असम	2	गुवाहाटी, तेजपुर
2	अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह	1	पोर्ट ब्लेयर
3	आंध्र प्रदेश	5	कडपा, तिरुपति, विजयवाड़ा, विशाखापत्तनम, विजयनगरम
4	अरुणाचल प्रदेश	2	नाहरलागुन, रोइंग
5	बिहार	1	पटना
6	गोवा	2	पणजी, पेड्डेम मापुसा
7	गुजरात	1	गांधीनगर
8	हरियाणा	7	भिवानी, गुड़गांव, कुरुक्षेत्र, पंचकुला, रेवाड़ी, सिरसा, यमुनानगर
9	हिमाचल प्रदेश	1	डलहौजी
10	जम्मू और कश्मीर	2	पटनीटॉप, श्रीनगर
11	कर्नाटक	4	हसन, मैसूर, सोगलु, तीर्थरामेश्वर
12	केरल	3	कालीकट (कोझीकोड), एर्नाकुलम (कोच्चि), त्रिवेंद्रम,
13	मध्य प्रदेश	3	भोपाल, जबलपुर, खजुराहो
14	महाराष्ट्र	1	औरंगाबाद
15	मणिपुर	3	चुराचांदपुर, इंफाल, थौबल
16	मेघालय	1	शिलांग
17	मिज़ोरम	1	आइजोल
18	नागालैंड	1	दीमापुर
19	ओडिशा	4	गोपालपुर–ऑन–सी, जोशीपुर, कोरापुट, पुरी
20	पुडुचेरी	1	पुडुचेरी
21	पंजाब	6	अमृतसर, जालंधर, पटियाला, रोपड़, संगरूर, तरनतारन
22	राजस्थान	4	अजमेर, जयपुर, जोधपुर, उदयपुर
23	सिक्किम	1	गंगटोक
24	तमिलनाडु	5	चेन्नई, मदुरै, ऊटी, तंजावूर, त्रिची
25	तेलंगाना	3	नागार्जुनसागर, सिकंदराबाद, वारंगल
26	त्रिपुरा	1	अगरतला
27	उत्तर प्रदेश	2	आगरा, लखनऊ
28	उत्तराखंड	4	बद्रीनाथ, मसूरी, नैनीताल, उत्तरकाशी
29	पश्चिम बंगाल	1	दार्जिलिंग
	कुलः	**73**	

अनुबंध –V

युवा छात्रावासों की सूची जिन्हें नेहरू युवा केन्द्र संगठन (एनवाईकेएस)/भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) संबंधित राज्य सरकारों को हस्तांतरित किया गया है

क्रम. सं	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र का नाम /	निर्मित युवा छात्रावासों की संख्या	युवा छात्रावासों का स्थान
1.	असम	2	गोलाघाट, नोगांव
2.	हिमाचल प्रदेश	1	बिलासपुर
3.	जम्मू और कश्मीर	1	नागरोटा
4.	महाराष्ट्र	1	बुलढाणा
5.	मणिपुर	1	उखरूल
6.	मेघालय	1	तूरा
7.	नागालैंड	1	मोकोकचुंग
8.	सिक्किम	1	नामची
9.	पश्चिम बंगाल	2	चुरुलिया, बुर्दवां
	कुलः	11	

01.04.2019 से 31.12.2019 की अवधि के दौरान खेल बुनियादीढांचे के उपयोग और सृजन / उन्नयन के तहत जारी अनुदान का विवरण।

राशि करोड रू. में

क्र.सं	राज्य का नाम	परियोजना का नाम	स्वीकृत अनुदान	जारी अनुदान
1.	अरुणाचल प्रदेश	मेचुका, पश्चिम सियांग जिले में बहुउद्देशीय हॉल का निर्माण	8.00	–
2.	अरुणाचल प्रदेश	टिवांग विश्वविद्यालय जिला के तहत लुमला में बहुउद्देशीय हॉल का निर्माण	8.00	–
3.	असम	बिहपुरिया स्टेडियम परिसर, लखीमपुर में खेल बुनियादी ढांचे का विकास।	3.00	1.50
4.	असम	खेल परिसर का नवीनीकरण, निर्माण और उन्नयन	14.50	14.50
5.	असम	खेलो इंडिया के तहत एलएनआईपीई, गुवाहाटी, असम में साइकलिंग वेल्ड्रोम का नवीनीकरण	1.68	1.00
6.	दिल्ली	न्यू मोतीबाग कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली में खेल बुनियादी ढांचे का सृजन	2.80	2.80
7.	दिल्ली	जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में साई सेंटर में 300 बिस्तरों वाले (ट्रिपल ऑक्युपेंसी) हॉस्टल का निर्माण	26.77	8.03
8.	दिल्ली	इंदिरा गांधी इंडोरस्टेडियम में साई सेंटर में 300 बिस्तरों वाले (ट्रिपल ऑक्युपेंसी) हॉस्टल का निर्माण	26.77	8.03
9.	दिल्ली	डॉ. करणी सिंह शूटिंग रेंज में साई सेंटर में 300 बिस्तरों वाले (ट्रिपल ऑक्युपेंसी) हॉस्टल का निर्माण	26.77	8.03
10.	हिमाचल प्रदेश	साई एचएटीसी, शिलारू में सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक बिछाना।	3.10	3.10
11.	हिमाचल प्रदेश	साई एसटीसी, धर्मशाला मेंसाई प्रशिक्षण केंद्र में 300 बिस्तरों वाले (ट्रिपल ऑक्युपेंसी) छात्रावास का निर्माण।	26.77	8.03
12.	जम्मू और कश्मीर	पोलो मैदान, श्रीनगर में हॉकी फील्ड का निर्माण	5.50	2.00
13.	जम्मू और कश्मीर	जिला मुख्यालय, बांदीपोरा में सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक का निर्माण	6.98	2.00
14.	जम्मू और कश्मीर	के खाखू हॉकी स्टेडियम, जम्मू में हॉकी फील्ड के निर्माण के लिए	5.50	2.00

क्र.सं	राज्य का नाम	परियोजना का नाम	स्वीकृत अनुदान	जारी अनुदान
15.	कर्नाटक	एसएआई रीजनल सेंटर, बैंगलोर में 300 बिस्तरों वाले (ट्रिपल ऑक्युपेंसी) हॉस्टल का निर्माण।	26.77	8.03
16.	केरल	एलएनसीपीई, त्रिवेंद्रम में सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक का निर्माण।	7.00	4.00
17.	महाराष्ट्र	एसएआई एसटीसी, औरंगाबाद में 300 बिस्तरों वाले (ट्रिपल ऑक्युपेंसी) हॉस्टल का निर्माण।	26.77	8.03
18.	महाराष्ट्र	एएसआई पुणे में 300 बेडेड (ट्रिपल ऑक्युपेंसी) हॉस्टल का निर्माण।	26.77	8.03
19.	महाराष्ट्र	मेजर ध्यानचंद हॉकी स्टेडियम, खोलपुर में एस्ट्रो टर्फ हॉकी मैदान का निर्माण, खालो भारत योजना के तहत स्वीकृत किया गया है।	5.50	2.50
20.	मिजोरम राज्य खेल परिषद	चिते खेल के मैदान में सिंथेटिक फुटबॉल टर्फ बिछाना आइजोल जिला, मिजोरम।	5.00	1.50
21.	मिजोरम राज्य खेल परिषद	लेंगपुई खेल के मैदान में सिंथेटिक फुटबॉल टर्फ बिछाना, खेलो इंडिया योजना के तहत ममित जिला मिजोरम	5.00	1.50
22.	पंजाब	एनआईएस पटियाला में 300 बिस्तरों वाले (ट्रिपल ऑक्युपेंसी) हॉस्टल का निर्माण	26.77	8.03
23.	पंजाब	गुरु नानक देव विश्वविद्यालय अमृतसर में फर्निशिंग सहित 200 बिस्तरों वाले हॉस्टल (महिलाओं और पुरुषों के लिए 1) का निर्माण	11.20	3.06
24.	पंजाब	गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर में सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक का निर्माण	7.00	2.10
25.	राजस्थान	राजीव गांधी स्टेडियम, हनुमानगढ़ में बहुउद्देशीय हॉल का निर्माण	3.99	2.00
26.	राजस्थान	सीकर में बहुउद्देशीय हॉल का निर्माण	3.99	2.00
27.	उत्तर प्रदेश	लखनऊ के साई आरसी में आधुनिक सुविधाओं के साथ कुश्ती हॉल का निर्माण	8.00	3.00
28.	उत्तर प्रदेश	एसएआई रीजनल सेंटर, लखनऊ में 300 बिस्तरों वाले (ट्रिपल ऑक्युपेंसी) हॉस्टल का निर्माण।	26.77	8.03
29.	पश्चिम बंगाल	एसएआई रीजनल सेंटर, कोलकाता में 300 बिस्तरों वाले (ट्रिपल ऑक्युपेंसी) हॉस्टल का निर्माण	26.77	8.03
कुल			**383.44**	**130.86**

युवा छात्रावासों की सूची जिन्हें नेहरू युवा केन्द्र संगठन (एनवाईकेएस)/भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) संबंधित राज्य सरकारों को हस्तांतरित किया गया है

राशि करोड रू. में

क्र.सं.	राज्य का नाम	परियोजना का नाम	जारी अनुदान
1.	असम	साई एसएजी सेंटर, तिनसुकिया में सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक का निर्माण	65
2.	असम	साई एसएजी सेंटर, कोकराझार असम में 8–लेन सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक का निर्माण	1.68
3.	दिल्ली	जेएलएन स्टेडियम में 100 बिस्तरों वाले खेल हॉस्टल का निर्माण	5.00
4.	दिल्ली	जेएलएन स्टेडियम (दिल्ली) में सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक का प्रतिस्थापन	3.00
5.	दिल्ली	डॉ. केएसएसआर, तुगलकाबाद (दिल्ली) में 100 बिस्तरों वाले खेल हॉस्टल का निर्माण	2.00
6.	दिल्ली	सिंथेटिक हॉकी टर्फ एमडीसी नेशनल स्टेडियम (दिल्ली) का प्रतिस्थापन	1.50
7.	हरियाणा	सीसीएसएचएयू साई एसटीसी, हिसार (हरियाणा) में बहुउद्देशीय इनडोर हॉल का निर्माण	2.00
8.	हरियाणा	चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार में सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक का प्रतिस्थापन	1.69
9.	कर्नाटक	एसएआई दक्षिणी केंद्र, बैंगलोर (कर्नाटक) में बहुउद्देशीय हॉल का निर्माण	4.00
10.	केरल	राजकीय ब्रेन कॉलेज, थालास्सेरी, एलएनसीपीई (केरल) में सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक का बिछाना	0.50
11.	मध्य प्रदेश	साई रीजनल सेंटर, भोपाल में तैराकी पूल का निर्माण	1.39
12.	महाराष्ट्र	साई क्षेत्रीय केंद्र, मुंबई (महाराष्ट्र) में बहुउद्देशीय हॉल का निर्माण	4.00
13.	मणिपुर	साई एनईआरसी, इंफाल (मणिपुर) में सिंथेटिक फुटबॉल टर्फ का निर्माण	1.50
14.	मिजोरम	लॉगतलई खेल मैदान लॉगतलई में सिंथेटिक एस्ट्रो–टर्फ फुटबॉल ग्राउंड बिछाना।	2.50
15.	पंजाब	संगरूर (पंजाब) में बहुउद्देशीय इनडोर हॉल का निर्माण	2.80
16.	पंजाब	होशियारपुर (पंजाब) में बहुउद्देशीय इनडोर हॉल का निर्माण	2.04
17.	राजस्थान	जिला स्टेडियम, चुरू, राजस्थान में द्वितीय श्रेणी के सैंडविच टाइप सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक का निर्माण	3.00
18.	राजस्थान	झुंझनू के स्वर्णजयंती स्टेडियम में सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक का शिलान्यास	3.00
19.	राजस्थान	राजस्थान में पांच ब्लॉक मुख्यालय में इंडोर खेल हॉल का निर्माण	1.00
20.	राजस्थान	महाराणा प्रताप खेलगाँव, उदयपुर में सिंथेटिक हॉकी फील्ड का निर्माण	3.00

क्र.सं.	राज्य का नाम	परियोजना का नाम	जारी अनुदान
22.	राजस्थान	महाराजा गंगा सिंह स्टेडियम, श्री गंगानगर में सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक का निर्माण	4.00
23.	राजस्थान	स्वर्ण जयंती स्टेडियम, झुंझुनू में बहुउद्देश्यीय इंडोर हॉल का निर्माण।	3.00
24.	राजस्थान	विभिन्न स्थानों पर खेल बुनियादी ढांचे का निर्माण	3.52
25.	उत्तराखण्ड	खेलो भारत के अंतर्गत देहरादून के परेड ग्राउंड में बहुउद्देशीय इंडोर स्टेडियम / हॉल का निर्माण	3.00
26.	उत्तराखण्ड	स्पोर्ट्स स्टेडियम रोशनाबाद सलेमपुर हरिद्वार में सिंथेटिक ट्रैक हॉकी फील्ड बिछाना	2.45

01.04.2019 से 31.12.2019 की अवधि के दौरान पूर्ववर्ती शहरी खेल अवसंरचना योजना (यूएसआईएस) के तहत स्वीकृत परियोजनाओं की प्रतिबद्ध देनदारियों के तहत जारी राशि।

राशि करोड रू. में

क्र.सं.	राज्य का नाम	परियोजना का नाम	अनुदान जारी किया
1.	महाराष्ट्र	नासिक नगर निगम में एक बहुउद्देशीय इंडोर हॉल का निर्माण।	1.84
2.	नगालैंड	जलुकी, पेरेन जिला, नागालैंड में सिंथेटिक फुटबॉल टर्फ बिछाना	1.50
3.	ओडिशा	रावेनशॉ विश्वविद्यालय कटक में बहुउद्देशीय इंडोर हॉल का निर्माण	3.31
कुल			**6.65**

01.04.2019 से 31.12.2019 की अवधि के दौरान ोलो इंडिया स्कीम के अन्य शीर्षों के तहत जारी अनुदान का विवरण।

क्र.सं.	परियोजना का नाम/शीर्ष	राशि
1	खेल मैदान में विकास (एनपीएफएआई)	6.25
2	राज्य स्तरीय खेलो इंडिया केंद्र	43.00
3	वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिताएं	83.93
4	प्रतिभा खोज और विकास	110.24
5	राष्ट्रीय / क्षेत्रीय / राज्य खेल अकादमियों को सहायता	
6	स्कूल जाने वाले बच्चों की शारीरिक स्वस्थता	13.25
7	महिलाओं के लिए खेल	9.50
8	दिव्यांगजनों के बीच खेल को बढ़ावा देना	2.25
9	ग्रामीण और स्वदेशी / जनजातीय खेलों को बढ़ावा	11.75
10	तकनीकी सहायता एवं क्षमता संवर्धन	12.21
कुल		**292.38**

2019–20 (31.12.2019 तक) के लिए एनएसएफ को सहायता योजना के तहत एनएसएफ को दी गई राशि का विवरण।

क्र.सं.	परिसंघों का नाम	राशि
1	एमेच्योर बेसबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया	0.43
2	एशिया कप विश्व रैंकिंग टूर्नामेंट	0.19
3	एमेच्योर कबड्डी फेडरेशन ऑफ इंडिया	0.2
4	ऑटाल्या ओकुलुक्लिस्टि सस्कुलुबु	0.40
5	खो खो फेडरेशन ऑफ इंडिया	0.59
6	जवाहरलाल नेहरू हॉकी टूर्नामेंट	0.42
7	ऑल इंडिया चेस फेडरेशन	7.08
8	ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन	21.9
9	अखिल भारतीय बधिर खेल परिषद	2.0
10	ऑल इंडिया टेनिस एसोसिएशन	1.93
11	एमेच्योर सॉफ्ट टेनिस फेडरेशन ऑफ इंडिया	0.43
12	आर्मी स्पोर्ट्स इंस्टीट्यूट	0.12
13	एथलेटिक फेडरेशन ऑफ इंडिया	12.86
14	आट्या पट्या फेडरेशन ऑफ इंडिया	0.48
15	तीरंदाजी संघ	5.59
16	बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया	20.20
17	बॉल बैडमिंटन फेडरेशन ऑफ इंडिया	0.60
18	बिलियर्ड्स एण्ड स्नूकर फेडरेशन ऑफ इंडिया	2.71
19	बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया	15.31
20	ब्रिज फेडरेशन ऑफ इंडिया	1.38
21	बॉलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया	0.64
22	साइकलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया	4.16
23	इक्वेस्ट्रियन फेडरेशन ऑफ इंडिया	2.73
24	ईस्टन स्पोर्ट्स डेवलपमेंट फेडरेशन	0.8
25	भारतीय गोल्फ संघ	1.25
26	फेंसिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया	2.78
27	हैंडबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया	2.32
28	हॉकी इंडिया	25.78
29	इंडियन पेनकॉक साइलेंट फेडरेशन	0.57
30	भारतीय रग्बी फुटबॉल संघ	0.5
31	इंडियन कयाकिंग एंड कैनोइंग एसोसिएशन	2.07
32	भारतीय भारोत्तोलन महासंघ	8.69

33	जूडो फेडरेशन ऑफ इंडिया	**2.57**
34	कराटे एसोसिएशन ऑफ इंडिया	**0.25**
35	नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया	**30.0**
36	पारालिंपिक्स कमेटी ऑफ इंडिया	**6.0**
37	रोइंग फेडरेशन ऑफ इंडिया	**4.09**
38	स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया	**1.77**
39	सेपकटक्रफेडरेशन ऑफ इंडिया	**3.29**
40	सॉफ्टबॉल एसोसिएशन ऑफ इंडिया	**0.40**
41	विशेष ओलंपिक भारत	**11.11**
42	स्क्वैश रैकेट फेडरेशन ऑफ इंडिया	**3.48**
43	स्विमिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया	**1.75**
44	टेबल टेनिस फेडरेशन ऑफ इंडिया	**8.52**
45	टेन–पिन बॉलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया	**0.12**
46	वॉलीबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया	**1.82**
47	रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया	**20.86**
48	वुशु एसोसिएशन ऑफ इंडिया	**3.56**
49	यॉटिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया	**6.27**
50	भारतीय ओलंपिक संघ	**7.00**
51	बामर लॉरी एंड कंपनी लिमिटेड	**0.33**
56	टेनी–कोइट फेडरेशन ऑफ इंडिया	**0.34**
57	बास्केट बॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया	**0.63**
58	जिम्नास्टिक फेडरेशन ऑफ इंडिया	**0.49**
62	सुब्रतो मुखर्जी खेल शिक्षा	**0.61**
63	फैनैटिक स्पोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड	**0.26**
64	दुबई दिव्यांगजन क्लब	**0.24**
65	मलखंभ फेडरेशन ऑफ इंडिया	**0.26**
66	नेटबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया	**0.27**
67	साइकल पोलो फेडरेशन ऑफ इंडिया	**0.31**
68	भारतीय कलारिपयट्टु फेडरेशन	**0.1**
69	इंटरनेशनल व्हीलचेयर बास्केटबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया	**0.13**
70	रियल फेडरेशन एस्पानोला	**0.25**
71	रोलर स्केटिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया	**0.33**
72	शूटिंग बॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया	**0.20**
73	स्क्वेफेडरेशन ऑफ इंडिया	**0.14**
74	टेनिस बॉल क्रिकेट फेडरेशन ऑफ इंडिया	**0.5**
	कुल	**264.54**